# LUCIAN SAMOSATENSIS

# Dialogorum Selectorum

A Gulielmo Du-gardo recogniti, & (variis collatis exemplaribus) multo castigatius quam ante editi.

Cum Interpretatione Laure, maltis in focis emendata, & ad Calcem adjecta.

Σπάρταν έλαχες τύταν κίσμή.



#### LONDINI

Type L. Hodgkinson & T. Hodgkin, impenis To Scot, T. Basset, J. Wright, & R. Chiswel. 1677.



STANCON AS

3.



# TYPOGR APHUS

LECT. CANDIDO. S.

Uos hosce Luciani Dialogorum Selectorum libros eo confilio excudendos fuscepimus, ut Juventus Græcarum Literarum studiosa sine morum honestatisque periculo illo Authore posthac uteretur, cujus alioqui dictionem ad Græcum Sermonem perdifcendum cum primis aptam doctissimus quisque judicaverit. Quantum enim

A 3

# Lectori Candido.

detrimentum adolescentium animis afferant ii, qui vel hunc, vel alios id genus Authores fine rerum delectu in lucem edunt, aut legendos proponunt, nostrorum temporum perquam corrupti mores, quorum incauta lectio parens est, satis declarant. Habenda igitur potior Virtutis ratio, neque committendum unquam; ut illius jacturam, vel maximæ eruditionis pratextu, Juventus faciat.

Latinam insuper Interpretationem multis in locis emendatam, visum est potius ad calcem rejicere quam

# Lectori Candido.

ex adverso apponere: non folum ut Græca Lingua accuratius excolatur fuo fulgore magis splendens: sed etiam ut otiofis Ignaviæ ansa penitus præcidatur, qui oculos in Versionem subinde conjicientes, eique fidentes, perfunctorie, is this πολύ, (quod u u comper-tum est) lectiones parant, memoriæ parum confulentes, atque adeo Græcarum Literarum studium tantum non contemptui habentes. Vale, Amice Lector, & noftris conatibus fave.

A Pasato and let i

Ut Lectori innotescat quid in hac Editione præstitum sit, visum est σφάλμαστα nonnulla, & υσερήμαστα priorum Editionum, præsertim Londinensis, ob oculos ponere, quæ omnia in hac postrema emendari, supplerique videat.

Pr. notat Edit. priorem: Nov. hanc novam:

1 dλ. d. pr. το κ΄ τος τον. nov. pag. 1. l. ς.

1. 9. ανέπλη. ανλα — pr. το θύρα. nov. p. 1.

1. 9. ανέπλη. ανλα — pr. το θύρα. nov. p. 1.

1. 13. το θύρα — pr. το θύρα. nov. p. 1. l. 15.

2 έφερν. — pr. πόντι. π. p.2. l. 6. πόντι. —
pr. ανες είφετι. π. 2. γ. ανες είφετο pr. πυρώσως. —
pr. υξουγεν. π. 2. 2.

14. Νέφυγω. — pr. νόμω. π. p. 2. l. 19. νομω — pr. το δικέν Θ. π. 2. 22. τος δικένος — pr. μελα γολάν. π. 2. 27. μελα γολάν. σε. π. 2. 22. τος δελθών σε. π. 2. 22. τος δικένος αlia hyμοποσί multa in quolibet Dialogo, que cujulibet Græsu literin leviter imbuti eft corrigere.

Asan. d'. pr. พลาะัง ยิท. พ. ร. 21. พลาในะัง 3ท-

Aidh. Z'. pr. nav n. 9. 23. zav.

Διάλ. 16'. pr. sulpous. n. 15. 25. εμθρεν.

Διάλ.15'. pr. Χυρμόλεως ο μεγαεικός. ΕΡΜ. Σπί-Ν. γι. γι. 21. 27. Χαρμόλεως ο Μεγαεικός επέεας Θ. ραςτες, ε΄ το φίλημα δεταλαντον ωδ. Ε Ρ Μ. Απόδυθη - ρτ. το κώλλ Φ, κ) τε κόμω π. 21.3c. το κώλλ Φ, κ) τα χείλη αυτοίε φιλήμαση, κ) τε κόμω - ρτ. δειπνήσει πολυτελή διπνα, μηδε έξαπατβ πελ νέως. π. 24.3c. δειπνήσει πολυτελή δείπνα, μυδε τολω δεικήσει και διμβως το ξιων, διπρό το κομπό την περαλλώ καξιαλάτως, πελειπό την κοραλλώ καξιαλάτως, πελειπό το κύκλω τα χαιμοθυπεία. κ) εωθου έξαπατήν τον νέως—

Διάλ. τή. ρτ. δία όποίοι ἐν Καπύμ, που το πολέμε καιρὸς. π-30.29. οῖα ἐποίει ἐν Καπύμ, ἔπαίραις συμούν, κὰ πολέμε καιρὲς—

Διάλ. 26'. pr. Βάρρει, ω Τάνταλλε, ως έτε ου. n. 38. 27. ω Τάν αλε, εὐ ἶδι ως έτε ου—

Διάλ. κγ΄ ρτ. ἀιπῦ τὸ κρανίον, γιωαικείον ὁν. βάλει δι σοι δπιθείξω.π.39.33 γιωαικείον όν. ΜΕΝΙΠ. Οὐκοιῶ, ἀλλὰ σεραπτύξομαί γε πάντως ἀνθρογιώς ὀνπ. ΑΙΑΚ. Βάλα δι σοι δπιθείζω.— ρτ. ἀλλα παρὰ νεκρῖς δόματα. Αἰ. δῶ ἡ Σόλων. π. 40. 8. ἀλλα παρὰ νεκρῖς δόματα. ἔμαθον ἡδ ὡς. ἀλδι ἐπορὰ νεκροῖς δὸγματα. ἔμαθον ἡδ ὡς. ἀλδι ἐπορὰ κύαμοι.

Ruamos zi nepadai Tonnar er Sade. 'AIAK. Ούτ Θ ή Σόλων. - ρν. τ σεαυτέ τεχνίω. Σωκ. τι 30 αν αλλο. π. 41. 17. 7 σταυτέ τέχνω, κ έκ ολιγορείς τη καλών. ΣΩΚ. Tipo ar allo-

Διάλ. κθ'. pr. 6 3 Λάμπις αποσφάξας εαυτόν. 11.49.32.0 % Aaums d' देशकी a Mugnie में देरवा-हमड केन्द्र क्येंद्र क्या किए - १४ को है के बेश्वरूपिये। इंड्राइ हो मुक्तेस्वरण्ड में बोमिंद्र मेंद्रों बेश्वरूपिये। סט אוש ' אממף על (ביבעב אל צפאנייטים, אל אפודויράπο τη Μυρτίω) τι αίπα τ έρωτα, σαυτον 3 8; - pr. vao 3 + aigeas ndovns, takes o Muvaios. 1.50.10. 100 5 Tu 200 05 Taldio raciv, κή δακρύων όππλάςων κή σεναζωβί, έαλως.

Aidh. AC. pr. vdiva of anavtor. n. 38:26. หลียล ที่ที่ ล่านทางหางท. pr. อโมลเ ๆ นุ่าที่ที่ อนในที่จากอมาสมเรา. 64. 18. นุ้า ซึ่งที่ อนในที่ง рт. човичновы п. 66.11. човичново.

Dianay . pr. Xap x ws pixolipiertas mess axλήλες: π. 82.25. XAP. Και τοιθτοι οντες, & Eeun, ออลัง อเล ซอเซิก, นู้ พร อเลอกและๆ ณpr. Όθρυάθω, τ όπης άρονλα το πρόπαιον πι αυτε ονόμαπ. - π. 82.33. αιμαπ.

#### BIGNIW B'.

Δ Ιάλ. C. pr. δύο γιωαίχας ανήγαγε, τω τε 'Acid selw. n. 97.7. γιωαίχας ανήγαγε, τ will Egowalilio & our with, This TE Acia Solw pr. x Thu Ixaeix. 1. 97.10. Thu 3 Ixaeix. pr. si

pr.ผี นที่ เรีย วัง การ เออมตั การ นายเปอง อเมาที่ร.— ท.97.13. วัง การ เออมตั การ รับแทวิธร วันตับอานุร อั-To mana xumi dor autis .- pr. x the airiar ού, & Zed, παρέγες. 'Αυτος το ενεπέ σληκάς. το ξωνεδριον ού, ω Ζεύ, παρέχει, Ξνηταίι όπι-μιγνύμο Ο κ) καπών πας αυτάς ου αλλοτε बैश्रेष क्षांपवता. केंड्ड म्पबंड रिडीई ग्वा प्रम जह श्वत्व-שלהו חוג צעאמושיר, סחוד מני דמנים אה, א אל אצט אס אסשים און אמדינץ אל בד מו אפטסטי סידם. x din Dids, i oguG, n Jennov, n enocior ημίν γίνη. πλίω αλλα εμπέπληκάς γε---Beavor Al ที่เมอร์อง ซึ่งของ pr. ล้ารอธิสร τοίς τοιέτοις τὰς θύξας, άπαν/ες- 1. 98. 20. कोंड अध्वद, में देशे कि उपानकेंड हिम्मह, बेनवा-न्हर - pr. में वां अंत्रसवा अरवां कंडर नवानव प्रीमे еаты»— п. 98.23. — ai Эйхыш Эгаі. тіς 38 ex olde t'Afgerlus, 5 t Tiswor, x t Ev-रिर्धाणय, में परि विकासि, में परि बर्रिश्ड, केंड्ड

Διάλ. γ. pr. —παεάπαν, μήτε σερησειβψες το δλον. διόσο κὸ αὐτός — 110.14. — το παεάπαν, μήτε σερησοιβρες το δλον. Σκόπει γὸ, οῦ Ζεὐ, σεὸς τὰ Διὸς, εἶ πς νόμφ γήμας γιωαῖγα νέαν, κὸ καλίω, ἔπειτα μήτε φυλάποι, μήτε (πλοτυποί το παεάπαν, ἀριείς κὸ βαθίζειν ἔνθα ἀν ἐθέλοι νύκθως, κὸ μεθ΄ ήμέραν, κὸ ξεωείναι τοῖς βκλομένοις, μάλλον ἢ αὐτός ἀπάγοι μοιχ ἀθπουμέν Ιω ἀνοίγων πὰς θιτός κὰ αὐτός ἀν κὸ μας ενπάων, κὸ πάγας ἐπ αὐτιω καλών, ἀρα ὁ τοιὰτθ ἐρὰν δόξειεν ἀνς ἐπ τὸ Κεις τω ἀν κὸ δὲ τοιὰ κοις ἀν, ἐκ τοιὰ κοις ἀν κὸ ἐκ τοιὰ κοις ἀν κὸ ἐκ τοιὰ κοις ἀν κὸς τοιὰ κοις ἀν κοις αὐτός ποιδων Γνισίων, δὴ, μήτε αὐτὸς περοπάποιτο ἀκμαίας Γνισίων, δὴ, μήτε αὐτὸς περοπάποιτο ἀκμαίας δοις κοις με το κοις ἀν κοις ἀν

में रवरेमेंड तक जिल्हा , मार्गा देशक कर्नि रिश्तमा όπρεποι, άρνον ή κή σείραν κατακλείσας παρθεναίοι, ή Ταυτα έραν φάσκων, και δίν-AG केंग केंक में अर्थित, में में ज्याप्रकेंद्र केंग्र नामप्रिय , ห) ที่ที่ อองิลมูเป็น จัพอปะประกานทุ " ผิง" อีทานุรู อั ทุเธี เอร น พล ผลพล่ายท ฮอร์ ยาย ลับ, ปะอบ พลเปอกาย-פושמו , אי בחסאמינאי דו שמעוצ, אפדעומףמוישי रे एक हं जिस मार में हे महिल इका प्रकृतिक मुक्क के कि είνειαν τη Βεσμοφόρω τεκφων διά παντός το Είν, Διόσφ ταυ τα λι αυτος. - γι. - - η κόλαξ, η οικέτης, μέχα το μάθωμα. - η.112.23. η κόλαξ, η καταπύρων οἰκέτης, ἐκ παιδικών ที่เมดิ เอะรับอุทเมื่อดี รักรั หลังอง ลังกิ พอเม่า λων η παντοθαπών ήθονών, αν ήθη έξωρ Θ ων τα ηρέτησαν αμτώ μέχα το μέδωμα — pr. azeis av nimmoSopias - n. 113.15. - azeis av n'es mevidion म eumeour, n'imme Sogias. рг. З філтате най веалийтить. в Міба най Керіге. - п.120.23. - в рідтите хі ведоць-γευσόν. τίς γδ έκ αν παρθέν Θ αναπεπθαμθύοις ישוק אסאדמוב ישים ליצמודם צידם אמאסטי בבשבוני δια τη τέγης καταρρέονζα; ω Μίσα κή Κροί-σε - ργ. - Βεδιές νέωδα κή το γίννη Βησομούρον -0 wy-

# AOYKIANOY,

# ΣΑΜΟΣΑΤΕΩΣ

# ΔΙΑΛΟΓΩΝ10

BIBAION HPOTON.

15

#### Διάλογ Θ ά.

#### Kunnas G x Hoser Sar G.

Ω Пर्थारङ ! श्रीय गाँच राज्य विष्ठे विष्ठे 20 विष्ठा विष्ठे 20 विष्ठा विष्ठे εξεπιολωσέ με, κοι μωμβί η δπιχζεήσας. ΠΟΣ. Τίς δέ ο ταυτα τολμήτας, & Πολύρημε; KTKA. To the restor OTTIN sautor a mercian, emel de diepuys, il "go lu Be- 25 Aus, 'Osvard's ovoque edus son. II O E. Οίδα ον λέγας, τον Ίθακήσιον, έξ Ίλίε δι ανέπλει. αλλέ πώς ταῦτ' ἐπραξεν, εδέ πάνυ ευθαρτίς ών; ΚΥΚΛ. Κατίλαβον or to de So, são this vouris drasgitus, 30 πολλές τινας δπβελδίον ας δηλονότε τοις कार्यांगांगा हे से महा के दें है जिस्स माँ जिल्ला को कार्यां क (गिडिय में हिन था। मयायाद्य देशाह) में के मण्ड ส์ขะหลุม วล , ถู่หลุม วลุ่นใน 🕒 อ " เจะออง ปะ ปรุงห צדם דצ הצינה בשניוחשני צדסיני של מי שנידו המי מני gwiwhos, รวณ์ d'à อาเมลย์พัง สมาที่มี ระการเต็ร करक 517,35

είκὸς Τῶ, κατέταμεν λησὰς ὅντας. ἐνταῦθα
ὁ παναςρότη] [Φ΄ ἐκεῖν [Φ΄, εἰτε ˙Ο ΥΤΙΣ,
εἰτε ˙Ο ὑκοτὰς τῶ, ὁἰδωσὶ μοι πιεῖν φάρμακόν τη ἐγχέας, ἡθὸ μὲν κζ ἔνοςμον, ὅπιξω5 λατότα] ον ἢ κλ τα εαχωθέτα] ον ἀπαν α κλ
ἐυθὸς ἐδέκει μοι πειφέρεδαι πόντη κζ τὸ
σπήλαιον ἀντο ἀνερρέφετο, κζ ἀκ ἔτι ὅλως ἐν
ἐμαντηδ ἡμων. τέλ [Φ΄ δὲ, ἐς ὑπνον κατεσπάδη». ὁ ἢ ἐπεξύσας τὸν μογλὸν, κζ πυ-

10 ρώσας γε, περσέπ επίρλωσε με χαθούδυνα, κ) απ επίνε πυρλές ειμί σει, ω Πόσειεν. 11 Ο Σ. 'Ως βαθύν εποιμήθης, ω τέκνον, ος εκ εξέθερες μεταξύ πυρλέμου Φ. ο δίουν Όνοσούς πως διερυγκ ; ε γδ αν ευ είν

15 ὅτι ἐξυνήθηι ἐποχινήσαι τἰω πίζαν ἐπὸ πίς βύξεις. ΚΥΚΛ. ᾿Αλλ᾽ ἐχωλ ἀφείλον, εἰς μάλλον ἀυτόν λάξοιμι ὑζιόντα. ὰ χαθίσας παρὰ τἰωθύξαν, ἐθήρων τὰς χεξεις ἐκ πετίσας, μόνα παγείς τὰ φείβλετα ἐς τἰω νορίω; ἐντοκά ἀμῶΘτ τὰ κεια¸ ὁ πέσα ἐνορίω ποράτζειν.

20 Τεκλάμλω Ττο κετώ, ο πόσα εχειώ απεάτθειν αυτόν τως εμώ: 11 Ο Σ. Μανθάνω, τω εκείνοις όπι γε εκαθεν τωτεξεκθών σε άλλα τὸς άλλως γε Κύκλωπας έδει όπιβούσαδαι έπ αυτόν. ΚΥΚΛ. Συνεκάλεσα, ώ πά-

25 τες, κ) ναιν. επεί ή είροντο τε όπι 3κλά ουτ το το όνομα, και ω ερίω, όπι Ο ΥΤΙ Σ δτι, μελαγγολάν οίνθεντες με, ώγοντο άπόντες επω κατεπορίπατο με ο κατάρα! Θ, τω ονόματι. κ) ο μάλισα ννίασέ με, όπικ) ό-

30 νειδίζων έμοι τω συμφορών, ελι ο πατής φησην, ο Ποσειδών ιάσται σε ΠΟΣ. Θάςσει, ω τέκνον, άμυνεμαι 30 άντον, ως μάθη, ότι ει η πίζωσην μει όρθαλμών ιάδται άδυνατον, τὰ γεν τη πλεύντων τὸ σωζειν ἀυ-35 τὰς κὶ ἐπολλύναι ἐπὶ ἐμοὶ πρόσες. πλεί β

DIANCY @ B'.

## DIEROY O B'.

#### Μεγελάν κ Πρωτέως.

MEN.

A तेत्र गंडीका एकी वह शंगहजीया , के तिहुकारही, इस संसंधियावण, देनάλιον γε οντα. ε δένδρον έπ, φοςητόν. ε र्ड रेशिंग्य केंग्लंग्ड बेरेरेबर्शांगड, व्यावड डेर्ड मेंडरव 10 इंड्रंच जांडरकार. सं जे में जाएँ ग्रांग्टराबा duvalor देश मा उक्रेमिन वास्त्रम्य, महत्त्व मद्राप विकासिक के Rì am τω. Π P Ω. Mì Sauuar ns, & Marease. piprouat page MEN. Eldor 2) autos. बेरोर था। रिक्सांड, (संदर्भकुत्ता रे क्लंड का) 15 அவாக்க ராக் சூரவ்லகா ரம் கையும்கா, மு τες ορθαλμές εξαπατάν το ορώντων, αυτός हेर्न माहित अपूर्णियों कि Π P Q. Kai πंड दोर में बेतर्यम की नेम हित्तक रेमवार्थित भूमियान รห ล่ายพายนุ่วเร ชาร ออปลมเอาร คำระร, ธรรีวน 20 METEROLITO EMAUTON; में हैं बेलाइसेंड, में नवे क्टबंद पार निर्माह ही निमही, क्यारवर्गिय मह क्टु คือ ออปลาแล้ง isa เปล่าเ, รายเปล่า กับ ๆ ที่เมนสเ, מפשובי אוב נוטו, ב אניומוס דמדב, דונו צפובם, लंडम 38, el oposuas un sor, में के To raiser Tote 25 μοι πεότεπν. ΜΕΝ. 'Ουκ ατοαλής ή πάιξα, δ Πρωτεδ. ΠΡΩ. Σο δε μοι, Μενέλαε, องเลร ซ์ ดิริ สองบ์สาม ร้อยสมร์ สน สต์สอส, ซ์ ส์ οπάχει ο ίχθυς έτ 9 είδεται. ΜΕΝ. λά του μυν πολύπεν είδον ά πάχει δέ, ή- 30 δίως αν μάθοιμι παρά σε. ΠΡΩ. Όποία αν πέτρα περτελθών άρμότη τὰς κοτύλας, κή कल्डाक्यंड हे दूरम्या 🟋 म्बेड म्रोड्सम्बर्थेड, देसस्या ο μοιον άπερχάζεται έαυτον, κή μεταβάλλει τω χεόαν, μιμευδύ Τω πέτεων, ώς αν λάθη 35 Τος αλίευς, μη διαλλάπων, μηδε φαιερός

B 2

ον δια τότο; αλλ' ἐοικῶς το λίθω ΜΕΝ. Φασὶ τουτα. το ή σον πολοφ Φεαλεξότες ν. ω Πρωτεύ. ΠΡΩ: 'Ουκ δίδα, δ Μενέλαε, την αν άλλω πεδίταας, τος σαυτόλο το δραλωσίς ἀπερίτου. ΜΕΝ. 'Ιδων Είδον. άλλα το φεθημα τερίτον, τὸν αὐτὸν πῦρχύ δωρ ήγνεδαι.

10

#### DIENOY O y'.

#### Ποσειδών Ο κ Δελφίνων.

15 ΠΟΣ. Έγε, & Δελφίνες, δη αἰκὶ φιτὸ τῆς Ἰνῶς παιδίον δὰὶ τὸν Ἰδριων ἐκομἰσατε, ὑποδεξάιθροι ὑπὸ τῆν Σκερωνίδων μη
τῆς μηβὸς ἐμπεσόν. κὰ τῶν τὰν καθαρωτο δὸν τόττν τὸν ἐκ Μηθυμνης ἀναλαθών, ἐξενήξω ἐς Ταίναρον αὐτῆ σκυῆ ἡ κιδαραἐθὲ περείδες κακῶς ὑπὸ τῆν ναιπή ὑπολούμθρον.
ΔΕΛ. Μὶ βαυμασης, ὧ Πόσειδον, εἰτος
αὐθρώπος εῦ πρικικό, ἐξ ἀνθρώπων γε κὰ αὐτοι Ἰχθύες γιοδικόνοι. ΠΟΣ. Καὶ μεμφομαί γε τὰ Διονύσο, ὅπο ὑμᾶς καταιναμακόσημιστίκες λέον γλούποδη μόνον. ὡπος ο
κόπος μετίδελε. Νέον γλούποδη μόνον. ὑπος ο
κόπος κόπος σε κόπος κάνον. ὑπος ο
κόπος κόπος κάνον. ὑπος ο
κόπος κόπος κάνον. ὑπος ο
κόπος κάπος κάπος κάπος κάπος κάπος κάπος ο
κόπος κάπος κάπος

μαί γε το Διονύσο, δτι ύμας κατονομμαχύτας μετέθαλε, δέον χόρωσαδη μένου, ώσες του άλλως ζατιγάγετο. όπως γου τα κη του Λείννα τότον εγθύετο, ώ Δελοίν 5 ΔΕ Λ. 30 Περίανδο Θ., οίμαι, εχαις νουτώκη πλλάκις μετεπέμπετο αυτον δεί τη τεχνή.

λάκις μετεπέμπετο αὐτον δή τῆ τεχνῆ. ὁ
ἢ πλεήσας Φεὰ τὰ τυράννα ἐπεθύμησε, πλάισας οίχαδη ἐς τἰαὶ Μήθυμναν, ὁπιθείξαδις
τὸν πλέπν. κὶ ὁπεὰς πορθμείς πνὸς καβς κέργων ἀνδεων, ὡς ἔθειξε πολιμὶ ἀγων χευ-

τον κ) άργος», ως εστίζε πολίω άγων χευφον κ) άργος», έπτε χτ μέσον το Αίγαιον έπιθες έγνετο, δητεκδύκουν αυτώ εἰναῦται ὁ β, (πκρούμμω β άπαντα Φεανέων το σχάρε) έπει ταῦτα ὑμῖν δείοκιαι, ἔρη, ἀλλὰ τιω σκόμω ἀναλαβόντα με, κὶ ἀπαντα θεμίνο τινα έπ ἐμαυτόν ἐς κόντα ἐάπατε ρίψα ἐμαυτόν ἐς κητερείνοι καὶ ἀναλαβάνται κὶ ἀνέλαθε ἢ σκόμω, κὶ ῆσε τάνυ λιγυρῶς, κὶ ἔπεσεν εἰς ἢ Θάλαπαι, ῶς αὐπαι πάντως ἐποθενμοῦ ἐρὰ ἢ ὑποκαδόν, κὶ ἀναθέμου ωπόν, ἔξενηξάμω ἔγων εἰς ταίπαρν. ΠΟΣ. Ἐπαυτώ ἢ φιλομι- το σιας άξιον γὸ ἢ μιθον ἐποθέδυκας ἀντῷ τῆς ἀνροάσως.

15

#### DIENOZO S'

## Moserdav & Nuprisor.

δτὶ τῶς ἀξκάλης. ΝΗ Ρ. ᾿Αλλὰ κακείνως σῶσαι δείησει, χαρισάμως το Διονύσω. Τορός το ἀνατε κὰ τίτθη ἡ Ἰνώ. ΠΟ Σ. Οὐκ ἐχεμω ἀπωπκηρού εσαν. ἀλλὰ το Διονύσω ἀχαρις εἰν, ὡ ᾿Αμος βίτη, ἐκ ἄξιον. Ν Η Ρ. Αὐτη τὰ ἀρες τὶ παθέσα κατέποτεν ἐπὸ τὰ κειᾶ; ὁ ἀδλαφός τὸ ὁ ἀρείξο ἀσφαλῶς ὀχεῖται. ΠΟ Σ. Εἰκότως νεανίας τὸ, ὰ δύνα ται ἀντέρειν πρὸς τω φορόν. ἢ τὰ, τῶν ἀνθείας ὁπιδᾶτα ὀχενὲς, ἐκπλαγεῖσα, ὰ τολ ἀμοξια κὰ τὰ κειᾶ, ἀν τέως ἐκπλαγεῖσα, ὰ τολ ἀνθείας ἐποτείνη ἐκρις το το τολ ἐκρις ἀποτείνη τὰ κειᾶ, ὧν τέως ἀποτείνη ἐκρις τὸ πλαγος. Δ. Καράτων τὰ κειᾶ, ὧν τέως ἀποτείνη ἐκρις τὸ πλαγος. Δ. Νεράτων τὰ κειᾶ, ὧν τέως ἀποτείνη ἐκρις τὸ πλαγος. ΣΝΗ Ρ. Οὐκῶν ἐχεμῶ τὸ μωττέρε τὸ Νερέτλου ἐκρις ἀπλος τὸ Νερέλης δυματωτέρε.

20 .

25

#### DIENOZ O s'.

Závis x Oardwys.

ΖΑΝ. ΔΕξαι μι, δ Θάλασα, δινά πεπνικά και κατάσβεσον με τὰ ξωίματα.
ΘΑΛ Τι τετο Εάνδε; πις σε κατέκαυσεν;
30 ΞΑΝ. "Η σαις Θ· ἀλλ ἀπίμθρομωμα δικός ὁ κακοδαίμων κ) ζέω. ΘΑΛ. Διὰ τὶ δέ σοι ἐνεξαλε τὸ πύς; ΞΑΝΘ. Διὰ τὸν ψὸν τὸ Θέπιδ Θ· ἐποὶ τὸ τοῦ ἀνεξαλε τὸ πύς και τὸ Φρύζος ἐκόταδοπα, ὅδ' ἐκ ἐπωύσατο τῆς τὸς διζητός και τὸν φρύζος ἐκόταδοπο τὸν ἀπέρραξε και τὸν βειμη, ἐλεήσας τοῦ ἀλλίες, ἐπῶλδον, ὁπικοιο

Dids, 'ATRAHTHE, No HEARNESS.

κλύσαι θέλων, ώς φοθηθείς λπόροιπ ἢί ἀνβ΄ρων. Ενταῦθα ὁ "Ηραις ⑤, ἔτι χε μο πλησόν πε ῶν, πὰν όσον οἰμαι, πὸς εἰχε κὶ όσον εν τὰ Αἴτνη, κὶ εἰποθι ἀλλοθι θέρων, επιλθέ κοι, κὸ ἔκαισε μὸν τὰς πελέας, κὸ μυείνας επηθησε β΄ς κὶ ποὶ κακοθαί μονας ἱχθύς, κὶ τὰς ἐξρε λυας. ἀντόν β΄ ἐμὲ ὑῶνακχλάσαι ποιύσας, μικρά δεῖν όλον ἔμεψι εἰρμας αι ὁςᾶς εἰ ἐν ἐπος διακέμωι ὑπὸ τῆ ἐκκοιμώς πος; ΘΑΛ. Θολερός ὡ Ξένθε, κὶ βερμός, ός εἰκός. τὸ ἰο αῖμα πὸὶ ὑπὸ τῆν καρῶν, ἡ βέρμη ἢ, ὡς φὶς, ὡτὰ τὰ πυρός. κὶ εἰκότως ὡ Ξάνθε, ὁς οἰκο τὸν ἐκοιν μὸν ἀρμησας, ἐκ αὶ ἐκολὶς ὅπ Νεἐμὶ β΄ ὑλο ὑῶ. ΞΑΝ. Οὐκ ἐδει ἔν ἐλεῆσει χείτονας ὅντας ποὺ Φρύμας; ΘΑΛ. ἰς: Τὸν "Ηραις Ν΄ ἐκ ἔδει ἐλειῆσαι. Θὲποθ Θ ἰὸν όττα τὰ ᾿Αχκλέκο.

26

#### DIEROY @ 5'.

# Dids, 'ATRANTIE, z' Heanhies.

\*Oบหนึ่ง โฮน หรู อีเเอเล ผิงผีนาลเ ที่ยรัง รู้จัด ผิงรู้ ผู้ ที่อัง ผินเ, าออลมาน วิ สะสองทรุง อันหุล อีเรลา βίου, θησία καταγωνιζομών &, κ, ανθρώπες ύθειτας πμωρήμου & σύ δε ρίζοτομ & εί

प्र में बेर्यानमार एउट्टम में रिकार बेर नेर्यामा पर है हैं है है। मुक्त के मोर्च में एक क्षिप्रवासकार, बेर नेह के रहे हैं है। δεν δποθεθειγμών . ΑΣΚΛ. Ευ λεγεις, ότι ζε τὰ εγκαύματα ἐασάμίω, ότι πρώίω

ανήλθες ημιφλεά θο , νω άμφουν διεφθαρ το μόνθο το σοιματη , το μπονθ, κὶ κζ τόντο το πυρός. ερώ το εί κὶ μποθεν άλλο, ετε ε-δελούσα ώστες το, ετε έξανον έρια δι Λυdia, ropoveida endeduxois, x zaropulio ú-

το τις Ομφαλης χευσώ σανθάλω αλλ' έ
15 ή μελαγχολήσας απένζεινα τα τέννα, κ' τ
γιμαίνα. Η Ρ Α Κ. Ει μη παμση λοιδοσε ονήσει ή αυτίπα μάλα είση, ώς ε πολύ σε ονήσει ή άλανασία, έπει α εφμενός σε, ρί ω όλι κεραλίω εκ το κοανό, ώς μπός π

20 Mainova laradai or to xparior Curficerta, ΖΕΥΣ. Παύσελε, φημί, κ) μη δηταρφήρετε ημίν τ Εμικοίαν, η αμφοτέρες εποπέμ ζομας טְעִמֹּיִ זֹפׁ (טְעִמִיסִיוֹצּ. צמוֹ דִסוֹ צַע נִענִינְטִיץ ב "אבּת-35 ग्रेस्ड, क्ल्यू त्वस्रोण्डिक का ने 'Aरस्रामालेंग, देग्द में कर्लगाडिश केल नेवर्शिया

# Δ: άλογ @ ζ.

30 Ageas ny Egue.

'A P. H Kuray, હે Egun, નેવ મેજનાં માનલ માં માર્ગ ઇ ટેઇક, એક પૈજીના પાસ થે 35 વેલા ઉદ્યાવ, દેશ દેશના પાસ પ્રેક્ટર્સા પ્રેક્ટર્સા પ્રેક્ટર્સ પ્રેક્ટર પ્રેક્ટર્સ પ્રે שנפינ סנופשע אפשאוסשי טעמי ש אור צדיאיבים: 26. 755

Βέντες κατασσάν βιάζεδε με, μάτου σονή-סבדבי צ אם לוו אם שבא אניסבדב. כו ל באש שבאווσαμιάνελχύσαι, ε μόνον ύμᾶς, αλλά κ τ γην άμα, εξ την βάλαστιν στιμοτήσας με-τεωριώ. εξ τάλλα όσα εξ σο άκηκοις. έχως β όπ με χωθ έν άπάντων άμεινων εξ 190-Errees Bar, ex ar agrndeilm. ous 3 m ग्वड क्र के के क्ष्रिक हे हुन में मुक्त मार्थ के कि का कि דטי, צבי ד צונו, צבי דונו במאמממי הפיקאל-Bayaly, ex av werdeile. EPM. Lugiques, 10 के " Apes. ह के वेद क्यारेंड रेड्र हार नवे नवावण नव, μή καί τι κακόν δπελαύσωμών τ φλυαείας. ΑΡΗΣ. Οίει τάς με περς πάντας αν ταύτα είπειν, εχί ή περς μόνον σε, ον έχεμυθάν ηπισάμων ο βάν μάλισα γελοΐον ε- 13 Swaiple ownisas wess or usurmas 38 ह कले काराह वेतरंग वे Поज्यारिक, यो में मिट्र या ท Alwa ราสงสรุนารร ราชเริ่ม ปราสง รูเมเทียลเ פני דיני אבצטעדבר, שנ מעודה לה ווני לבלוטיב, או 20 ταυτα, ξείς όντας η εί μη γε η Θέπς κα-τελεήτασα, εκάλεσεν αυτώ σύμμαςον Βειά-פבטע בעמדם אנופם סעדם, אבו בל בלבדם מעדים κεεσινώ κ βεοντή. ταυ τα λογιζο ωρώ , επήτε por year of The rashipphuoswin auts. EPM. 25 צום זם, בעבחונו. צ אבים מד במאופה בדב שו אפיי पुसा, हम देखा वेसहता में कावणमा.

## Διάλος Ο ή. Διογίνες η Πολυδάκες.

30

ΔΙΟΙ. Πολύδακις, Εντέκλομαι ότι, επισκά πάχεια ανέκλης, (σον κάς εξεν οξιμαι αναβιώναι αυειον) ην πα 35 εδης Μένιτπον το κυύα (έυρεις οδ αν σύβος

τ οι Κοείνθω χΤ το Κράνειον, η ον Λυκείος πρι εειζόντων προς αλλίλες φιλοσόφων χαταγελώντα) είπειν προς αυτόν, όπι σει, ω Μενιππε, κελούς ο Διογρίης, εί σει ίχανως τα τωρο 5 γης χαταγεγέλαςαι, ήκειν ον θαίδε πολλώ πλείω

\$ γης καταγεγέλας αί, ήκειν ενθαίδε πολλώ αλείω δηγελασόμου εκεί μου το αμφικόλω σει ἔτι ο γίλως ω΄ εκεί μου το, τις το όλως οίδε τὰ μῦ τ βίου; ενθαύθα β, καυότη βεδαίως γελών, καθάπες εγώ νῦν, κὶ μαλι-30 ςα ἐπειδών δράς που αλεσίας, σατράπας, κὸ

30 ςα επειδών όρξις του πλεσίες, σατρόπας, η πυρόνγες, επω παπεινές, η ασήμες, όκ μόγης οιμωγής διαγινωσκοιμύες, η όπι μαλθακοί η άγμεις είση, μεμνημόμοι τη άνω- παύπα λέγε αυτώ. η προσέπ, έμπλησάμθμον τιμύ

το πίραν ηπειν βέρμων τε πολλών, κ' εί σε ένροι εν τή βίδθω Ένωτης δεί συνου κείμθυου, η ωδο ενιμέθωρης, η τι τι είνου ΠΟΛΥ. 'Αλλ' α παγγελώ ταυ τα, ω Διόγου:, όπως β΄ είδω μάλισε όποιός τις δὰ την όψις, ΔΙΟΓ.

20 Γέρων φαλακερς Γιδώνιου Έχων πολύθυεον άπαντι ανέμω αναπεπίαμψω, κ. ταϊς δπίπυχαϊς τθ βακίων ποικίλου. γελά δ' αἰεὶ κὸ
τὰ πολλά κεὸ αλαζόνας τέττες φιλοπόφες δπισκώπει. ΠΟΛ. 'Ράθον διράν ὑπό γε

25 τάτον. ΔΙΟΓ. Βάλι κ) περς αυπού εκείνες δερείλωμαί τι τού φιλοσόρες; ΠΟΛ.
Λέχε, κ βαρύ χδ έδε τέπε. ΔΙΟΓ. Τὸ
μός όλου, παύσωδι αὐτοις παρεγγύα λιιρέσι,
κ) περε τ όλων ερίζεσι, κ κεριπα σύνουν άλ-

30 λήλοις κὶ κερκοθείλες ποιέση, κὶ τοιαῦτα άπεκα ερωτάν διδώσκεσι τ΄ νέν. ΠΟΛ. 'Αλλ' εμε άμαθη κὶ ἀπαίδωτον εῦ κήσκοι κατηρεξέντα τῆς στορίας αὐτη. ΔΙΟΓ. Σὸ ξὶ εἰμώζεν αὐτοῖς πας ἐμε λέρε. ΠΟΛ.

35 Καὶ ταὖτα, ὧ Διόγβυες, ἀπαγγελώ. ΔΙΟΓ. Τοῖς πλεσίοις ἢ, ὧ φίλτατον Πολυθούκιον, ἀπάγγελε

में नवंश्वरह नवण्च नवह ने मां में में में मां मां में मां मां में אפעסטע פעאביהובדב, דו ב דונומופבו שב במשדמי אם-שולם עלים דוש של של אל דמא בעדע ביו דמא מעין פוב σιωπθέντες, ες χρη ενα οδολον έροντας ήπειν μεί ολίρον; ΠΟΛ. Ειρήσεται κ) του τα πεθς ς επείνες. ΔΙΟΓ. 'Αλλα κή τοις καλοίς γε κή ιουροίς λέρε Μερίκλω τε τω Κορινθώ, κ ομαζενώ τω παλαιτή, ότι παρ' ημίν κτε ή हैवा अमें प्रवंधान, हेरह रचे प्रवृत्व रचे में ध्रियम विधायीय, ที่ อยูบ์วิทุนส อีที่ าซี สอออฟสช อีท อีลิง, ที่ ขอบอล อีบ- 10 τονα, η ώμοι καιτερί, άλλα παντωμία ήμίν χόνις, φασί, κρανία γυμνά το κάλλος. ΠΟΛ. Où xaxenov & de Tau Ta cimeir megs 780 xa-Ass z iyupss. AIOT. Kai rois mounou, & אביאמי (הביאסו א' בושו, אן מצ של שלים דם שפיל - 15: μαπ, κροικρείεσντες τω αποείαν) λέγε μήτε Sungien, wit chuden, Sminoaule o the देशायाँ जैव रे तन्माधांया. में ठम ठेई अन्या मारे देशहरी Theries Eder ducines auth. n' rois hanes auprovious à mis ori , Tou Ta el donei, mae eus 20 Θπτίμησην , λέρων εκλελύως αυτού. Π O A. Muser, & Diogues, mei Annedarmoview xege. કે 38 લે રેક્સિયા ફિ. લે છે જારેક જાઇ લેમાલ દેવાની .. άπαγγελώ. ΔΙΟΓ. Έαπρων τέτες, έπεί σοι douci. où j ois कहालेका, लेक्स हिम्स वर्ष है कि 25 ी 783 x5285.

# Διάλος Φ θ'.

Πλέτων, ἢ χτι Μενίστου.

33

ΚΡΟΙΣ Ο φέρουδυ, δ΄ Πλέτου , Μέεικάται δε η διεί, όν πει κεικένουν, η ή ή- 325 μετική τομική σορός εξε έτερον τόπου. Π ΛΟ Τ. τό δ΄ ύμας δεινον εκράζεται, διώνεχο ο ών τ ΚΡΟΙΣ. Έπεισὰν ήμεῖς οἰμάζομος κός ένομος ἐπείνων μεμνημορίοι το ἀνω, Μίδας μ΄ έτοτί τε χευσία, Σωρδανάπαλ Θ΄ ή τῆς πολλῆς

ς βυρής, ερώ ή την βησαυρών οπηρλά, κ) έζος νειδίζει, ανθεράποθα μ, καβαρματα ήμας δποχαλών, ενίοτε ή κ) άδων, όπταράπη ημήνι τὰς οιμωράς. κ) όλως, λυπηρός όζει ΠΛΟΥ.
Τί ταῦτά φασιν, ω Μένιστε; ΜΕΝ. 'Αληθή,

10 ῶ Πλέτων. μισῶ το σύτεν ἀιβυνεῖς, χὶ όλεθείες όντας οῖς ἐκ ἀπέρενσε βιῶναι κακῶς, ἀλλὰ χὶ ἐπθανόνθες ἔπ μεμνιμίσι, κὶ πειέρονται τὰ ἀνω. χαίσω πιραεςιῶ ἀνιῶν αὐτές. ΠΛΟΥΤ. Άλλ ἐ ρεή. λυποιῶται το ἐκμικοῦν

15 τερήμμοι. ΜΕ Ν. Καὶ σὰ μωραίνεις, ὁ Πλέτων, ὁμό μορ ῶν τοῖς τέπων τεναγιαῖς; ΠΛΟ ΄. 'Ου δαμῶς, ἀλλ' ἐκ ἀν ἐπελήσαμα. απάζων ύμᾶς. ΜΕ Ν. Καὶ μλω, ὡ κάκιτοι. Λυδῶν, ὰ, ἡ Φρυρῶν, ὰ, 'Ασυρίων, ἔτω γινώσες κατες, ὡς ἐδὲ παυσικήψη με ' ἔν θα γδ ἀν ἴντε,

20 σκετε, ως εδέ παυστικώς με ' έν δα ροάν ίντε, ακολεθήσω άνιων, κι καιάδων, κι καταγελών. ΚΡΟΙΣ. Ταυτα έχ θδεις; ΜΕΝ. Ουκ άλλ ἐκείνα θδεις ήν, ἀθμεῖς ἐποιείτε, προσκιωείτος αξιώντες, κὶ ἐλοθθέροις ἀνδρόπον ἐκξυφων-

30. စိတ်စွဲနော် ညှည် ပို့မင်း ၄ နေထဲ ၅, က ၅ ၇ စထိ ၁ တောက်ပ ကလာထား တောက်ရောလ, နောင်တာပထ ပိုင်းပုံ တွေနောင် ၁ ဆိုပုံ ကြေလုံးထား စဉ်မှတ်သွား နောင်တို့တို့ပုံစုံး

# Διάλογ Φ ί.

#### Μενίππε, 'Αμφικόχε, κ' Τεφφωνίε.

M E N. Tow we To, & Tega wire, x Augi-Ange, venegi ovtes, ex off o mus אמטי אמדוולנט שודב, אל ממידנוג לפאנודב, אל כב μάταιοι τη άνθρώπων, δεκς ύμας υπειλίφα-อาง เป้. TPOD. Ti ซึ่ง กุ่นยีร สมากเ, ยา เล ส่งว่า- 10 ας εκείνοι τοιαύτα του νεκρών δοξάζεση ΜΕΝ. AN Ex av estacov , et un Coutes, no vueis कावण नव हेम्हा विहरी केंद्र केंद्र महे महेग्र तामक करानिन रहा, में कहासमसंग Sundplies कार हेहदार्थिंगाइ. ΤΡΟΦ. ΤΩ Μενιππ, 'Αμρίλοχ Ο ων οπ 15 פי פול פוח , סדו משדת בודבים עישים עודם. દેગુએ નું, તૈવુજ દર્દાયો, મેં, મહાન એલ્પ્રતા તેંગ નાક પ્રતાન્ધે-રિકા ત્રવાર્ દેખદે, જો તે દેશપ્રતા હતા દેના તેદની મામામાં તા A हिं वे दे सब को मब हुवं महार है की में मंद्रहाड़ को नहताड़. MEN. Tions; si un es Accas car y maper 90, 20. או ב זמא עלים ד בשלימור, ארונוני עם בש ביי דבוי אפפיווי באשו , בשפי חטישש לום דצ קבעוצ דמחנווצ ov O es To windasov, su av es maulu eis evas ठेता vexpos ही, खंळाहु म्याहाड, एक्षण नम् प्रमीसंद कीवферых. 'And कलेंड मांड एक्समार्गेंड , मं है o महलड़ 25. Bay ; ayvow jag. TPO. Eg du Sewas mu ) Ses Cui θετεν. MEN. "Ο μήτε ανθρωτώς Βτιν, ώς פויר, תוודב בפיר, אי סושמעסידופיי פני וני בי πέ σε το δεξ ομείνο ημίτομον απελήλυδε; TPO. Xea, & Meriame, en Boiaria. ME N. 30. Ούκοίδα, δ Τροφώνιε, ό,π κ λέγεις. όπ κθύ का वर्ष है महत्रदेश, दे प्रदृष्टिंड ठेटूळे.

#### DIENOY O Id.

#### Egus z Xagwy G.

ΈΡΜ. Λ Ομοώμεθα, δ ποθμεύ, εἰ δόχεῖ, δ πόσα μοι δρείλεις πόπ, ὅπως μη 10 αῦ τις ἐείζωμομί τι πεεὶ αυτή. ΧΑΡ. Λογιστώμε 3a, & Eguñ. αμεινον 3 ω είσαι πε εὶ αὐτήν, n' de a fuovesteer. EPM. "A TRUE GU CATEINOμέρω επόμισε πέντε δεσχμών. ΧΑΡ. Πολίξ Acyers. 'EPM. Ni + 'Ai Soven The TrevTE GUN-35 σάμω κ βοπωτήξα δύο όβολών. ΧΑΡ. Τίθει πέντε δεαχικάς, κροβολάς δύο. ΈΡΜ. Καί देशहें हिल्ला रेकी कि विशेष महामह देवित के हैं के स्वामह-Cahor. XAP. Kai TETES agesides. EPM. Kai κηρόν, ώς οππλάσαι το σκαριδία τα άνεωρότα 20 x 11/85 3, x xax wo flor, ap & The taregar &ποίησας, δύο δεαχμών ά παντα. ΧΑΡ. Εύγε άξια ταυτα ώγησω. ΈΡΜ. Τουτά όξην, εί μήπ άλλο ήμας διέλαθεν ου το λογισμώ πότε d' Er TEUT' STOSWICHT CHE; XAP. NUV LOW, & 25 " Едий, ส่งโทสายง. พิง. วี งอเนอร าเร พิ าอ่งอน 🗇 אמדמדינע בו מש פינו דוים ב בינו דים ב אוסאבף-שלוים כו דוש שאוחפו של שאסקולם וואיניו דם מספלμία. ΈΡΜ. Νον έν έρω κα θεδεμαι, τὰ κάπις τοχόμω γρέδαι, ώς αν Σπο τέτων 30 Σπολαύειμι ΧΑΡ. Οὐκ έςτν άλλως ὧ Έρμπ. เบ็ท ส์ อิงโรอเ ตร อิรูสุร สรเมาชารสม ทัศมีท. ค่ะไม่ท במפ. 'EPM. " Aperror 8 דשה , בו צל וועוד מבםτάνοιτο ύπο σε το ορλημα. πλην αλλ' οί μολ παλαιοί, ω Χάξον, οίδα οίοι παρερίνουτο, άν-35 Seeici a wartes, aluar D didaken, & Sau-נומדוסו כו הסאוסו ינים ל וו במנומגנים דוב לבדם

28

CI

πα παιδός δποθανών, η ιπό τη γιωαιχός, η ιπό Γυρής εξωδικείς την γας έξας, η πα σκέλη. ώ- χερί γε απαντες, η αλυείς, α δε διασιο δικείνοις, οί η πλείτι αυτή δια χρήματα πικαν, όπο κλοίοντες αλλήλοις, ως είνασο. Χ P. Πάνυ γο πευπό θτη ταυτα. ΈΡΜ. Ουπούν αδ' εγώ δέζαιμι αν αμαρτάνειν, πικρώς απαιτή τα δρειλόμοια δθή τα.

# Didnoy @ 18'.

#### Πλέτων Φ z Eque.

חומר. דיסי שנפסידם סולם, ד חברים שנים- וב εσχότα λέγω, τ πλέσιον Έυχρά-שנו על העולבה על בו ביסוי , סו ל מאחפשים בים פְּטִּיִדְפָּרָ, הַנִּיִדְמַאוַקְעִיפָּנִינוּ. EPM. Nai, ד בַּנְ-RUGINOV CHS TI EV. MAOY. Exeryor cop), & Ee-נות , (או במכטי באו דפור בשיביות בטידם בחומי , מ 20 Escioner ofice Shous and Tosau Ta, सं 70 ofor TE พื้น, ม) อีก สมอัฒ เชอ ปิอ > xaxaxas au เช่า Xaείνου τ νέον κ Δάμωνα, κ του άλλες κατάσσασον έρεξης απαντας. EPM. "Ατοπον αν δέξειε To Tolk Tov. MAOT. Ou whow, and Snaid- 25 τατου" τι γαρ διεύνοι παθόντες, ευγουται ά-πεθανεύν διεύνου; η αψ χρημιάτου άντιποιών-ται, εδέ στος ήνωντες- ο 3 πάντων όξι μιαρώ-דמדטי, פוח צו דסומנידם בעצם על סו, פועשה שבפת-של שמוע בו של של משמונים בן מסדפודם, מ 30 על בי שנים ל בינות המו הפילות שניקנים בעונים שומושודם, אוי בשוסחי אל פאשה, אפוצואש חב ה מסאממנים לו מישר בשיר שומי דוש דמנדב ל נטוף ביש d. Savar O, ci 3 meraninwan dura parlu Stravovres. E P M. Texois meloorrai, war 35 इंदेठा द्रारह. अध्राप्त प्रवाहाति हतू तिष्प श्रम CAXCYS.

Ευκολεί αὐτου, κὰ ἐπελπίζει κὰ ὅκως, ἀεὶ ἐπεντίντε ἐοικῶς, ἔρροται πολύ μα κλον πθυ νέων, οἱ τὰ πόντε ἐοικῶς τὰς, ζωὶῦ μακαείαν πρός ἐνυτου πιθέντες. 5 Π Λ. Οὐκοιῦ ὁ κὰ ἀπαθοποιρύ τὰ γνίεσα τὰ ἐπαθοποιρύ ἐπομέσαν τὰ ἐλπίδος τὰ ἀποκορολού ἐπομέσαν τὰ ἐλπίδος τὰ ἐπομέσαν τὰ ἐλπίδος τὰ ἔπομείσαν τὰ ἐλπίδος τὰ ἔπομείσαν τὰ ἐντες σπολοθέντας τὰ ἔπομείσαν τὰ ἐντες ἐπομείσαν ἐπομείσαν τὰ ἐντες ἐπομείσαν τὰ ἐντες ἐπομείσαν τὰ ἐντες ἐπομείσαν τὰ ἐντες ἐπομείσαν τὰ ἐπομ

ώστερ Ίόλεως αναθησώτου οἰδί Σπο μέσων τρι ελπίδων τον όνειξοποληθέντα πλώτον Σπλιπόντες, ήκετωσαν ήδη χακοί χακοίς δυσδαγόντες. Ε Ρ Μ. Αμέλησον, α Πλάτων μετελάσομαι τός σοι ήδη αυτοί γιαθίδου το δίδος

10 τελ δίσυμα γέρ σοι ήθη αὐπος καθ ένα έξής. επθά ή όμαι είσ. Π Λ. Καπάσσε ό ή ωξαπεμθει έναςον, αὐνη γέρει Ο αὐθις περούήβης γενόμεν Φ.

\$3

# Διάλος Φ ις'.

# Teglion O & Tagron O.

20 ΤΕΡ. ΤΟῦτο, ὧ Πλέτων, δίκαιον, ἐμὲ ωὐλ τεθνάναι βιάκοντα ἔτη γερονότας τον ἡ ὑτὰ τὰ ἐννενήκοντα γέρεντα Θέκει τον ζήν ἔτι; ΠΛΟΥ. Δικειότατον κόμ οὐν, ὡ Τερ-ὑων, εἴ γε ὁ μ΄ ζη, μηδένα ἐυχόκοψοῦ.

25 Δποδανείν την ciker του ή, σοδο πάντα τον χόρου επεθέλωσες αυτώ, σειωθέων τον κλίιεσν. ΤΕΡ. Ου νό έχειν γεσοντα όντα, κ, μικέπ γείσσαδαι το πλότω αυτόν διωαυθέον, απελθείν το είν, σοξαγαγίστωντα τοις νέοις.

30 ΠΛ. Καινά, ὁ Τες Δίον, νε το δετεῖε, ἢ ανκέπ πῶ πλέτω χενοαδαι διαάμθον πεὸε νόστος κὶ ἡ το κενοκότειο το ἢ άλλως μοῖες κὶ ἡ τος είναξεν. ΤΕ Ρ. Οὐκοιῦ ταιτία αἰπῶμαι πε διατάξεως ἐχρῖν τὸ τὸ πεὰγμα τος χίνεδαι, τὸν πρεσδυτεργ, πεότε-

डिए, भ्रे पर पहरचा, उंदार भ्रे गाँ गोरासंद एटर कार्य

autor avasterras 3 undanas, miss (in με τον τοξηνησεν, εδόιτσε βείς ετ λοιτώς Εχουτας, μόρις δρόωντας, είνειταις τεβαση επε-κεκυσότα, κορύζης με την είνα, λήκεμες η που όρθαλμας μεςον όντα, αδέν επ ήδο είθότα, εμφυχόν πνα τάρον των του νέων. κ) ερρωμείες άτες νεανίσκες. άνω 30 ποταμής उद्गा है, में के उत्प्रयाल संश्रह हरिया हरिया , कार में महिंगाई कारा की अहर्गिया है स्टाइ कि , 10 iva un martin ar criss e Segandor vui 3 το της ταροιμίας, Η άμαζα τον βοιώ πολλάκις επρέρει. ΠΛΟΥ. Ταύτα μού, δ Τεργίων, πολύ συνετώτεςα χίνεζαι, η τών σοι रीक्सन क्षेत्रं में मा मा निकार के के कि मा मा निकार है - 15 שוצמופרדב, או דווג מדבצינוג דוו אפקידשי בוםποιείτε, φέρντες αμπού; πιραρουμ γέλωτα οφλισχάνετε, περες εκείνων χατορυπομομοι, το η πράγμα τοις πολλοίς ήδιςον γίνεται. όσω ช้องนุ้นตรี รักษาลงคับ ยง หลาย , การ์ชาญ สักล- 28 อาง ที่อิง ลออสาง เล่นลัง อันลัง สมาใน γάρ πνα ταύτωυ τέχνω δπνενούνατε, γεαιών και γερόντων έρωντες , και μάλισα , εί άτεκ-งงเ ธเรษ ณ์ วี เพระหงงเ, บุนเท สหรอสเจเ หล่-नवीं विवर है न्रिण्यहर, धाउहींग वांगका न्रे वंत्रीव्या वांड प्यो कां को हिन्द्रवंद है प्रकार ही तब देश त्यांद อีเลอิกันอเร , สัสธนิทั้งสิทธิสม เมื่อ oi หลักลเ อื่อευφορήσαντες, όξ παίς, και ή φύσις, ώ- 33 क्टिश की अध्यात , प्रवाहन नवंग्रका को है, ישושים אולי פולים לאודער , אחסקעטינידבים ΤΕΡΨΙΩΝ. 'Αληθή ταυτα φής' έμε γοιώ Θέχριτ Ο πότα κατέρα γι , α:ί τε-रिर्माद्दर्ज्या रिरावें ; स्वा ठम्हा देनातामा , 35 र्वेद्धारिका , यो प्रयोग्ने मा एव उर्व के

ων νεοπός άτελης τωτικείζων, ως έρωγε όπον συτικα είδρος δποίστεν αυτόν της στες, επεριπόν τε πικλά, ως μη των βαλκουντό με εί αντεκασαί τη μεγαλοδωρεά, η τὰ πικλά των

10 Θύκειτε, ζώης όπιμηκιστο, πλαηθί αμα, κ πη πιέστου καταγελών, μη ή σεότερον γε συ Σποβάνοις, η ποροπεμθείς πάντας που κόλακας. ΤΕΡ Τύτο μήν, ω Πλάτων, κ) εμοί ήδιστο ήδηςεί κ) Χαριάδης προτεθνήζεται Θακρίτα.

5 τη ηθης ι κ΄ Χαριαδής προτεθήνης σται Θυκριτώ. 5 ΠΛΟΥ. Θάρος & Τερ Δίουν. κ) Φείδων ρό, κ) Μέλαν Θ., κ) όλως ἀπαντες, προελαίστιται ἀυτά τὰν τὰ ἀνταίς ορογνίων. ΤΕΡ. Έταινῶ τάυτα. ζώης δπιμημίου ῶ Θέκριτε.

20

#### DIENOZO IS.

# Zηνοφάντε κὰ Καλλιδημίδε.

2 ΣΗΝ. ΣΥ΄ ἢῶ Κακλιδημίδη, πῶς ἀπέθανες; ἐρὰ μθι βς, ὅπ Φράστος
ὅν Δεινίκ, πλέον τὰ ἰκανῶ ἐμφαρῶν, ἀπεπνίγω. εἰδια. παρῆς ἡὸ ὑποθνήσκεντή μοι.
ΚΑΛ. Παρίῶ, ὧ Ζίωδοαντες. τὸ ἢ ἐμῶν,
ဪς ἐρόν π ἐγῶντα. ΖΗΝΟΦ. Τὸν ἄτεκνον, τ πλέσον, ῷ σε τὰ πλλὰ πδειν σωόντα; ΚΑΛΛ. Ἐκεῖνον ἀυτὸν ἀεὶ
ἐξεράπδον, ὑποχνέμθιος ἐπὰ ἐμῶν τὸ κληερνόμον τεθνήξαδαι. ἐπεὶ ἢ τὸ πράχημα ἐς
κίνιας»

μήκιτον έπερίνετε, κό τως τ Τιθωνόν ο γέρων נו, באו דר עם בי ביני באו באוופסי בנים פניים πειάμβι Ο 38 φάρμακον, ανέπεισα τ οινοχου, इस सर्विष मध्या व वित्रार्थिक के बां मार्ग महाण, (मांग्रे ड विमाहामार्थेड) दिख्हवे रहिला हमिदियर्वाप्य हेड इ χύλικα, ετοιμον έχεικαυτό, κ) όπιδου ναι αυτώ. εί ή τοτο ποιήσει, ελά θερον επωμο πάμω αρήσαν αυτόν. ΖΗΝ. Τὶ οὐν έγρυετο; πάνυ ρδ TI Padocov egen corpas. KAA. Enel Toirlu λεσά ωψοι παριών, δύο πόν ο μειεσκίσκο κύλι- 10 νας έτοιμες έχων, τω μέν τω Πτοιοδώς ω τω έχεσαν το εάρμακον, τω δ' ετέραν εμοί, τραλλείς έκ οίδ' οπως, εμοί μου το φάρμακον, Πτοιοδώς ω ή τὸ ἀφάγμακ]ον ἐπέδωκεν. είτα ὁ μθρ ἔπινεν, έγω ή ἀυτίχα μάλα ἐκτάδιω ἐκείμιω, 15 imobodinai & avi encive verpos. To Toto yeλάς, & Zluoparres; κ μίω κκ έδει γε έταιρο avdpi otrzenav. Z H N. 'Assia 20, Kanlidaμίδη πέπου θας. ο γέρων ή, π σεος τάντα; ΚΑΛ. Πρώτον ων τωςταράχ 3π σρος το αίρ- 20 γίθον. είτα σωείς οίμαι τι γεγρημορίου, έγέλα κι αυτός, οίαγε ο οἰνοχό Θ είργα sas. Z H N. Πλω ἀλλ' ἐδέ σε τω δήπων εχεω πα-πάχ. ήκε γο ἀν σοι διὰ ἡ λεωφόρε ἀσφαλέςε-ερν, εὶ κὸ ὀλίγφ βεαδύτερ Θ ων

20

5

#### Διάλιγ Ο ιέν

#### Κνήμων Θ κ Δαμνίππε.

KNH. TOUTO cheivo The meguias, O veβεθς του λέοντα. Δ Α. Τί αγαναχ-"Io Teis, & Krinuw; K N H. How Savn o, Tr a zavanτω; κληεριόμου ακέσι Ο καταλέλοιπα κα αστ φιδείς ὁ άδλι Φ, ες εδελόμιω αν μάλιςα χείν τάμα, τεαλιπών. ΔΑΜ. Πώς τετ εγύετο; ΚΝΗ Ερμόλαον τ πάνυ πλέστον άτεκνον όντα, Is & Decomdon or Savara naxilios un andus अस्ट्रक्राधिक क्लार्जास्यक देविहेंद्द की पार्थ में कर्केंग रहें D, Hag Sadinas es to paveedy, en als chelin χατελέλοιπα τάμα πάντα, ώς κάχειν 🗗 ζηλώσसε, क्षे त्र वर्धत्वे क्ष्यदेसः. Δ AM. Τί εν δί 20 exerve; KNHM. "O,TI & Ev autos eve-Rate ruis éaute da Binais, en olde épà γεν άφνω απέθωνον, το τέγες μοι δηπεσόνδος, के मार्ज Ερμόλα క్షా स्था न्यं एके, అवादि गड़ λά-Θεσέ, κό το άγκυς ερν τω δελέατι συ κατκι-απάτας. Δ Α Μ. Ου μονον, αλλά καὶ αυτον σε τ

απάσας. Δ Α Μ. Ου μονον, αλλά καὶ αυτον σε αλιέα ώςε σύρισμα κτι σουτε σωτέθεικας. Κ Ν Η. Έρικα, οιμάζα τοιγαρού.

30

## Διάλος @ 15.

## Kapar & Efue.

35 ΧΑΡ. Ακωσατε ως έχει ύμιν τα σες-

कं जम्बर्शिक मुबा रेक्क बर्डिक हैन , इबा ही-बर्नेहें उसे जातियां प्रयो ग्रेंग जहवागी ठीने जैसे-जहर , ठोर्नेजस्तया क्टार्नियांस्थ, ग्रेंगांडि डिंड, ποτεπι άμα ήκετε, πολλά δπρεεβυλύοι ε-צבר הי ישי משו על דצדשע פעלחדי , לפ- 5 ela μη ύσερον μετανούσετε, και μάλισα όποσοι νείν εκ όπιςων. ΝΕΚΡΟΙ. Πώς οιώ ποιήταντες, ευπλοήταιψή; ΧΑΡΩΝ. Έχο ύμαν φεάσω Γυμικς Επιθαίνου χεί, मा विद्यानि नवाम्य नवीम्य हेना माड गार्थ 🗗 10 το το πορομείον στι η, ω Ερμή, με-κήτα το Σπό τοτε μπόνε Φερόερελωτι αύτω, ος ων μη Ιιλός ή, και τὸ ξω-πλα, ωτοφο έρμη, Σπο αλών Φερό η 15 The Stocked ear esa's, Sagivarne anto, ναὶ ἀναλάμβανε, γυμνὸς ὁπβαίνειν ἀναγ-χάζων, ΕΡΜ. Εὐ λέγεις. καὶ ἔτω क्लांभारकार्य थे हराने मंड के क्लूनिंड हैंदा द ΜΕΝΙΠ. Μένισπ Ο έγωγε. αλλ' ίδε 20 ή πίες μει, με Ερμή, η το βάκβον ές την λίμνια Σπέρβιοδη. τον τείδωνα ή και επόμισα, εὐ στοιών. ΈΡΜ. "Εμδαινε, ώ Μένιππε ανδρών αυις , κή την στουδρίαν έχε που πος ερνητίω εο υίν-23 λε, ως επισχοπης απαντας ο καλος δί (ST , 715 67; X A P. Χαρμόλεως ο Meγαεικός επίεσε Φ, ε το οίλημα διτάλαν-τον ην. ΕΡΜ. Απόλυθη τοιγαερική το κάλ-AG, x) Tel zein autois pinimass, xai 30 The xoulus The Badian, xai To ठीने नीं म्यानिका हिर्णिमाय , प्रयो नवे रिहाय брои. हरस मुक्रेड, डाँटिका कि ही, क्लिंडियाνε τίση, ὁ ζό των πορφυρίσα από, και τὸ διάσημα, ὁ βλοοπιερς, τίς ῶν πυχάνεις; 35 ΛΑΜ. Λάμπχ Φ, Γελώων τύρανν Φ.

Έ P. Τί εν Λάμπχε το τοῦ τα έχων πάρα; Λ Α. Τί εν εχείο ο Έρων, χυμνον ήχων πόραγον ανόρα; ΈΡ. Τύρανον ὰ ἐδαμῶς, νεκρον ἡ μάλα. ες ἐπόθα ταῦτα. Λ Α. χ Ἰδα σοι ὁ πλετ Θ ἀπόριπαι. Έ P. Καὶ τ πόρον ἐπόριδον ο Λαμπχε, κὶ τιὸ χώρον

τύρον επέρει τον ά Λαμπχε, κὶ τω κάρει τίσον επέρει τον ά Λαμπχε, κὶ τω κάρει των βαξιάτει το Το σεξ εμείου, σωνεμπεσίε τα ΛΑ. Οὐκες, ἀκλ. το διάδημα έασεν μι εχειν, κὶ τω ερες είδω. Ε Ρ. Ου δαμως, ἀκ.

το λε κὶ ταῦτα ἀτες. Α Α. Είτν. τί ἔπ, πάιτα χο ἀτρῖκα, κὶς όρας. Ε Ρ. Καὶ τωὶ κἰμιττα, κὶ τωὶ ἀνοιαν, κὶ τωὶ είθευν, κὶ τωὶ ὁρχω. κὶ τωῦτα ἀτες. Α ΑΜ. Ἰδε σι. Ικός είω. Ε Ρ. Έμβανε ήδη, στὶ ζό πε

Τις γώς ὁ πυλυταρα Φ, τίς εῖ; Δ Α Μ. Δαμασίας αθλητής. Έ Ρ. Ναὶ ἐοιχας, οἰδα γάρ σε ποιλάκις ἐν ταῖς πυλαίς εσις ἰδώ. Δ Α. Ναὶ α΄ Ερικί ἀλλα αξαίεξαι με γυμνὸν ὅντα. Έ Ρ. 'Ου γυμνὸν δ΄ βέλπςε, τοσωτας

20 σύρχας σειβεβληνιώνν, ώς ε διώθυξη ἀντάς, έπει χαταθύσεις το σχάρΦ, τ έτερον πό θα ύσερθείς μόνον. ἀκλά κὶ πού ςεράνες τάτες διοβρίδου, κὶ τὰ κηρύγ ματα. Δ Α. 'Ιδ'ς συ γυμνός, ὡς όξας, ἀκηδως είμι, κὶ ιπ-

25 πίπο τοις άλλοις νεκροίς. Έ P. Ούτως άμενον άβαρη εξ) ώς εμβαίνει κό το ή τον πλάτον ὑποθέμθω, ω Κράπων, κό τιω μαλακίαν ή περτέπ, κό τιω πρυφίω, κικός τα εκτάρια κόμιζε, κικός τα την περρόνων άζ

50 ιώματα, εαπάλιπε ή εξ χωθ , εξ δόζαν, εξ είποτε σε ή πόλις δινεκήρυζεν δυεργάτω δηλουότι , εξ πες τη απόρυ όπι σει έχωπαν λέγε μπηθε ότι μέχαν πάρου όπι σει έχωπαν λέγε εξεύνει γδες παίτα μνημουκδούδμα. Κ. P. A. Ουκ έκων εξ, πορείλω δε π γδ αν εχ πάρουμ; Έ. P. Baβai, αλ ή δ ένοπλο, π

BEXELS

βέλει; η το πόπαιον τέτο φέρεις; Κ P A. Ότι ενίκητα, ω Ερμίι, κ) η είς ώσε, κ) η πό-λις επίμεσε με Ε Ρ. Αρες εν η πο τεβ-שמויי. כיו מלצ של בוף לעוח, או שלצי ס אמי לב-गंत्रसः o जाया के कि कि कि अता कि क्रांध्या कि κή βρενουδικο , ο τας ορρύς επιρκώς ο ठिता मेर्र क्ट्रणार्थिण , मंड ठेदार , ० में हिंबतिये πώρωνα καθείμενο; ΜΕΝ. Φιλόσοφός τις, & Ερμή, μάλλου δε γόλε, η τεξατείας μετός, ώς Στοθυτον κὸ τότον, όξε κὸ πολλά 10 κὸ γελοῖα ὑπο το ιματίω κρυπθομένα. Ε Ρ. Karis हा के क्रांब क्रिक का का मार्थ Turta. & Zeu, oslu ü tlu anasoveiav xopiles, solu de aux gelar, xì seur, xì xeroso-Elav, ni egentistes stopes, ni hopes avar- 15 Sassers, κη εννοίας πολυπλόκες; αλλα κή עבדמוסשסטומי שמאת דסאונט, אן אוופשי פע ס-Algor, x USASS, zai pungohogiar. vi Dia में Asuria ye कारों , में मंत्रिमचं नेस्त्या की, n) avanguriar n) opylu , nai revolu, 20 κ, μαλακίαν. ε λέληθε χώρ με, εί κι μάλα πε-लाम्पंत्रीसड वेपावं मुद्रों नर्वे देवी कि अह अल्पेस, थयों में मांदर्भ, अयो में बाहिया बेपसंग्रा ही) मी מאשי. של פוֹץ ב של דם דבטדם בצשו פוגום!-עסוג , הסוב הבידוואסידים ל ליצעודם מי סב; 25 φ Ι Λ. 'Αποτίθεμαι τοίνωι αυτά, επείπες 8σω κελάζεις. Μ Ε. 'Αλλά και τ πώρωνα रहित्रण क्षेत्रज्ञें के कि मिल्ला, हिन्दूर्ण पर विभाव, के 2 र्यागा, केंद्र केंद्रवेंद्र. निश्चार प्रथम प्रदेश पर्दा पर λάχιςτν. Έ Ρ. Εὖ λέγεις. Δπόθε καὶ τ8- 30 TOV. O I A. Kai tis & Stoneiper Esti; EP. Μένιππ Θ έτοπ, λαβών πέλεκων το ναυπημιών, Σποκό τει αυτον δπιώπω τη ανα-Eddeg zensauli G. ME. Oun & Egun, and πείονα μοι ανάδ . γελοιότες ον χο τετο. ΕΡ. 35 Ο πέλεμος ίνανος. ΜΕΝ. Εύγε. ανθεω-THUNTECOP

था में मोर मारविद्या. दिश्रेश धामहोर बेर्ड्स्थ्रावा 2) The dopower; EPM. Mexica. 100 To עצדשקסע אמף אן דמשדמה בחוףאבי , צא סוֹלוֹ פֹפּי ב סדני מימדפוישי במשדטי. דו דבדם; אמו למאסטמון δ κάθαρμα, κό σεθς θάνατον διπθειλιάς; ξιιδηθι δι οιώ. ΜΕΝ. Έν έπ το βαςυтатог что шахия гхн. EPM. Ti, 3 Meriane; MEN. Kodaniar, & Epun, 10 πολλά ου τω βίω γενσιμού σασαν αυτώ. ΦΙΛ. Ourse x) où, a Meriame, Saode The Endot αν, κή παρέησιαν, κή τὸ άλυπον, κοί τὸ אני מוסי , ממו דפו של אבאמידם. עופים עם על מו מאי מא. λων γελάς; ΈΡΜ. Μηδαμώς. άλλα ή 15 \$ 24 Taura, प्रदेश की स्वा मर्थण हर्डे कहन क्षाया, र्यु कलेंड किंग स्वाचित्र तिया द्वानायत. ये o हेमचा हैं को , रेक्केट में देशायां मध्य में माजवां नीया विमाहवान माजिलां में वी निर्मास में माहावां जार, में क्लीδες, και βαρβαειτμές, και τάλλα βάρη το λό-20 yav. 'P H. "Hy is's Smort Depar. 'E PM. Es हेर्स. केंड मह रेग्ड मर्च डेनर्शिय: मीट डेनर्ड बेजेट्या ανελώμεθα. το αγχύειον ανασπάθω. πέτα-λιον. εύ πάθωμεν. τι οιμώζετε ώ μάταιοι, 25 x uansa o pinoso ( o), o aprius 732 πώρωνα Αδηωμώρ 9; ΦΙΛΟ. Όπ, δ Epur, a Savator of ulu thi Luxlui vaapzew. MEN. Ydiferas. anda 28 Enine humir autor. EPM. Ta, word; MEN. On 30 แหม่ยา ประสบท์ระเ ซองบระวัท ปริเสยน, แหปริ יטאדשף בנושי , משמדינו אמי שמישי , דעל וματίφ τω κεζαλω χαζειλήτας, αξίειση έν אטאאש דע אמעמודט דונוב. או בששבו בצמהמאו कार्र एंडड की की कार्वाद, विश्वार र्रामिस्ता.

35 ταυτα λυπεί αυτόν. ΦΙΛ. Συ ή, δ Μέγιττε, εκ άχθη εποθανών; ΜΕΝ. Πώς, al

p'

15,

500

,

100

30

हैं इस के जब दें को गरें अबंश्वनकर, अब्रहें जबरी कि समδενός; αλλά μεταξύ λόρων, ε χραυγή της ακεται, ω απες τινών από γιις βοωντων; ΈΡ. Ναι, ω Μενιτπε, εκ αρ ένος γε χώρε, αλλ פו ענ בנ דוש באצאחסום בעשבא שלידבה , מד ושניםו 5 पूर्वित स्वंगरहा देशों गर्छ विश्वास्थ जैवार्थनक, क्षे וו שווו בנוש סשוב אדתו הפיה דוו ששמונוע, में Ta wasta veoy va ovra, ouolos vareiva του τη παίθων βάλλεται αρθόνοις τείς λίθοις. άλλοι ή Διόξαντον τον βήτορα επαινέστη 10 εν Σιχυώνι, όπταρίες λόγες διεξίοντα όπ Κεάπωνι τέτω. κό νη Δία γε, η Δαμασίε עמדעף אנטאטשדע, בפרצפו דו שרפונים סעם זעναιζίν ότι τω Δαμασία. σε ή εθείς, ω Με-νιστε, δαχρύει καθ ήτυ και ή κείσαι μό- 15 ν Θ. ΜΗΝ. Ου δαμώς ε άλλι άκόση τη หนาเดิง แล้ อิงโรอง อำบอเมียวง อโหรเสอง ย้า ย-แอโ , หู สัย พอฮู่สเอง บาสองเมื่อง รอโร สิทธิริโร οπότ αν σωελθύντες θαπασή με. ΕΡΜ. Γεννάθας εί, ω Μένιππε. αλλ επεί κατα-20 महत्तर वींश्वापी में महाड़, प्रमांड में बेना वर्ड़ के Siza ricior, cultiar cheirles regiortes. Ego ή, κ) ο σορθμούς, άλλυς μεθελκυσόμεθα. ΜΕΝ. Ευσλοάτε, ο Έρμη. σορφωρύ δε में निवाह में हैंग हैंग में धर्मिश्च है जीएक जिया 25 रिशंत है। में त्येड एक एक प्रियंत क्रिक्त हैंगे विकास कर Joxus, xi junus, xi xidus, derxanos rai 3 6 ends & Al O.

#### Διάλογ Φιζ. Κεάπη Φις Διογίσε.

ΚΡΑΤ. Μοίειχον τον πλάσον, εχίνοστικ, δ Διόχους, τον πά- 35 νυ πλάσον, τον δι Κιεμιδα, τον τὰς πολλάς δλικάδας ολχάδας έχοντα, ε ανειλός 'Aeiséas, πλίσο σι Δ΄ αὐτός ων; το 'Ομπεικόν δικένο εἰωθα δπιλέγ ειν, η μ' ανάεις', η εγώ σε. ΔΙΟΓ. Τίν Θ΄ ένεχα, ω Κεάπις, ε Ιτεράποδον αλλήλις;

5 Κ Ρ Α. Τ΄ κλήρε ενεκα ένα τες Θ΄, ηλικώ ται οντες. κ) τας διαθήκας ες το φανερον επίθεντο. 'Αρισέαν κ' ο Μοίριχ Θ΄ εἰ προαποθάνοι, δεαπότων αφιείς την έαν τα πάντων. Μοίριχον β ο Αρισέας, εὶ προαπέλθοι αντι,

10 ταῦ τα μ΄ εγέρεαπο. οἱ ἢ επερόπεδον αλλ λήλες, ὑδεβαλλόμοι τῆ κολακεία. κὴ οἱ μάντεις, εἶτε ὑπὸ τῷ ἀςςων τεκμαιρόμομοι τὸ μένλον, εἶτε ὑπὸ τῷ ὁνειρόπων, ώς γε Χαλδαίων παῖδες, ἀλλά κὴ ὁ Πύπι Φαὐτὸς, ἀς

15 π μ΄ Λειτέα παρείχε τὸ κεάτι , ἀρπ η Μοιείχω. κ) τὰ τάλαντα, ποτε μ΄ δὰ τὰ τον, κωῦ δὶ ἐκὰ ἐκὰνον ἐρρεπε. ΔΙΟΓ. Τί ἔν πέρας ἐγμετο, ὡ Κράτης; ἀκὰσαι χὸ ἀξιον. Κ.Ρ.Α. "Αμφω τεθνάπν δὰ μιᾶς ἡμερας.

20 οί ή κλήθει, ες Έυνόμιον κ. Θεασυκλέα Φειήλθον, άμφω συβμιείς όντας, έδε πώποτε Φειμανθουκλύες ετω βμέδαι ταῦτα. διαπλέοντες 30 κπο Σικυῶν Θ ès Κίρραν, κτι μέσον τὸν πόζον πλαμφ Φειπεπόντες τω Ι-

25 άπυν , ανεβάπουν. ΔΙΟΓ. Εὖ εποίησαν. ήμεις 3, όποτε εν τω είω ήμων, εθεν τοι ετο ενενεξων αξεὶ άλληλων. έτε πώπετε ευξάμιω 'Αντιθένιω δποθανείν, ως κληςονομήσαμα τη βακτηρίας αυτύ (είχεν 3) πάνο κας τεράν εκ κοπγε ποιησάμων ) ετε οίμαι σὸ, ω Κράτης, επε-

30 νε ποιηστιώμο ) ττε οιμαι σύ, δ Κράπης, έπεπομιζε κληρογομείν δποθαυόνί ε εμέ , τα κίηματα, ε, τον πίθον, ε, τίω πηραν, χοίνιητε δύο θέρμων έχασαν. ΚΡΑΤ. Όνδεν χάς μοι τέτων έθει, αλλ' εθέ σοι, δ Διό-

35 γους μοι τέτων έθει, άλλ έθε σι, δ Διό-35 γους - ά ηδ έρχω, σύ τε 'Ανπιθένες έκληενόμησας, κ έρω σε, πολλώ μείζω κ σεμles

r.

.

--

P. . . . .

0,000

σεμνότεςα της Περτών αρχής. ΔΙΟΓ. Τίνα Tau Ta ons; KPA. Soplar, au Taguelar, aλήθειαν, παροησίαν, ελάθειαν. ΔΙΟΓ. Νά Δία μεμνημαι. Τέτον διαδεξάμου Τον πλάτον παρ' 'Αντιθένες, καί σοι έπ πλείω 5 χαταλιπών. ΚΡΑ. 'Αλλ' οι άλλοι ημέλευ און דפוצ דטי אוועובדשי, או של פו ב בפים שלבי ที่และ, หภายของเทรเม ของเองหลัง, ระ วิ ชอ วิยาσίου πάντες έδλεπον. ΔΙΟΓ. Εἰκότως. ε 28 हों 200 हैं। जैस रिह्ट्याए का का कार्या का मार्थ में की री- 10 ερίυπκότες 'তা βυρής, καθάνων τα σαθρά τ Βαλαντίων ως εείποτε κ) εμβάλλοι τις ές αυ-म्हा में काक्रीया, में मचहें के लिया, में देश में अस्वार, दिश्तान-vaulis. में ना नवंश्रुक्तां वा नह Davas वर्ष नवा नवन- 15 วิ วะบร่าง , ออิซิก, หู อังบริเ, หู กน่าท แหวสหหั ออบกิมที่อง. KPA. Oบหนึ่ง ที่แล้ว นี้ เรื่อนนิง אמידמו לם ל שאצדטי. כו ל פרסאפי וובשו אסווים לסעדפה אי דפדטע ב אפן דפ הספ שעוששה.

Διάλογ Φ ιή.

'Αλεξάνδρε, 'Αννίδε, ΜίνωΦ, η ΣειπώνΦ.

25

'ΑΛΕΞ. ΈΜε δεί σεοκεκρίδαι σε, δ Λίου αμείνου γάρ είμι. 'ΑΝΝΙΒ. Οὐκθυω, αλλ' εμέ. 'ΑΛΕΞ. 30 Οὐκεν ὁ Μίνως δικασάτω. ΜΙΝ. Τίνες Α' εκέ; ΑΛΕΞ. ΟῦτΘ μέν, 'Αννίδαι ὁ ΚαρχαδουΘ, εγώ ἡ, 'ΑλέξαυρΘ ὁ Φιλίπσε. ΜΙΝ. Νὶ Δία ένδεοί γε αμούστεροι αλλά κὶ σει τίν Θυμίν ἡ ερις 'ΑΛ. 35 Περὶ σερεδείας, φποὶ τὸ δῶτ αμείνων γε γρηδος

βρίδος ς εμπιρός εμές ερώ ή, ωστερ άπαντης τοπον, αρά τετε μο ον, αλλά πάντων ομόξυ ή περ εμώ όνιμα τολέμια. Μ Ι Ν. Ουκιωύ ον μέρει εκάτες Θ είπατω σύ δε τροστοβ ο λίδυς λερο. ΑΝΝ ΙΒ. Εν μί τετο, ω Μίνως, ω αμμω, ότι ενίωθα κι τω έλλαδα φωνιώ εξέμα συν, ώτε έδε τω τη πλέον έτος ενέγ καίνο με ο σημί ή τέτες μάλις επαίνε αξίες εξ), όπι το μιθέν ος αρχώς επαίνε αξίες εξ), όπι το μιθέν ος αρχώς

10 όντες, όμως ότι μέρα σεοςεχώρησαν, δί αυση διώσμιν τε σειδαλλόμικοι, κὶ αξιοι διξαντες αρχίες Ερώ γρω με διλίγων εξοςμήσας ες τιω Ίδηρίαν, το αρχότον, ύπας χ Θ ων τω άθελεφ, μεγίσων ήξιώθιω, αξιε Θ

15 κειθείς. Η τές γε Κελπίδης σε είλου, η Γαλαπών δαρόπησα των έσσες έων, η τὰ μεγάλα ός η τὰ βάλα τον Ἡειθανὸν, ἀ ταντας κατέθραμον, η ἀ κασάτες ἐσοίησα τοσούπας πόλεις, η των παθυω Ἰταλίαν ἐσοχεις απόμω, η μέχει τών περαξείων τῆς

20 χειςα σάμω, κ΄ μέχει τών πεσασείων της περύ χέσης πέλεως ήλθον, κὶ τοσέτες ἀπέκὶ επά μιᾶς ήμέρας, ώσε του δακίνλίες οὐτών μεδίμεοις ἀπομεξήπει, κὶ του ποταμές γεροςώσαι νεκροίς. κὶ τοῦ πα πάντα ἔπραζα,

25 μτε Αμμων ή ός δνομαζόμψω; πτε πεός
Ε) περαποιάμψω, ενύπνια τῆς μυβός
διεξιών, ἀλλ' ἀνθρωπω Ε) ὁμολογῶυ, τεαπροῖς τε τοῖς σωνετωτάτοις ἀντεξεταζόμψω, κὶ τεατιώταις τοῖς μαχεμωτάτοις
πουμπλεχόμψω, κ Μήθες κὶ Αρμκίες κα-

30 σιμπλεκοιών. Ε Μήδες εξ Αξιώνεις καταγωνιζουδι. Ο τωσφού γειτας ωρεν διώνειν τιτα, εξ τώ τολμήσωντι ωραλίδοντας ευθό των τίκω. Αλέξανορ. Τη πατεφαν αρχων ωραλαθών, πυζησε, εξ ωραπολύ εξε-35 τεινε, χεπσάμω. Τη της τύχης όξως. επεί

di civi skiknosi te, ki tov okedov čketvov Aasesov

Ageior es 'laro Te xai 'Agenhois inegition', वेमान्त्रेंड नी मार्डिक्ष , कल्डास्थाहाँ देवा महांड , यो δί αιταν τω Μηδικωύ με εδιήτησεν έαυτον, κ क्षावाद्वेशस देश कांड (एमक्वतंत्राह मध्ये क्रिक्ड में σιω:λαμβανεν όπι Saraτφ. έρω ή ήξα ε- 5 नांगाड मांड नवर्डि कि , में हेन्स्सर्ड में प्रहारमध्यमहत्त्व, τρι πολεμίων μεγάλω σόλω δπαλδισάντων This Albuns, Taxies inninga, x idionly Euautov mapegov. ni natadinadeis, luie fra ery vousies to mes yua. x) Tout impaga, 10 Baccaco w, मुबंचवां रे ते कि कवा रिवा मांड Hinlm:xiis. น่า ธาร "Oungov, ผ่าออร์จ เลิร์", क्या कि जेसेड, माठे माँ दे एंडस के न्या दे निक्न μείνων οπιιί हो). ei d' हैन प्रत्रोधण करान, diόπ διαδήμαπ τω κεραλών διεδέδετο, Μα-अट्टिंग क्षी रिकाइ के नका नव जहाम के, & plu दिले דייד בעובייטי לו לבוצי בי אנוימני, או הפתדוואוצי ביילף לה, דו אישונון שאפטי וישף דו דוצו אנ- 20 วอาเมนิง. MIN. O นี้ สำคารม ชั้น สำนักที่ ชั้นออก, ชั่ง! พัง ภัเดินม สำนัก ไม้ เลือ สมาชิ ซึ่ง 3, & Axigardie, ti meis Tauta ons; 'A A. Exert, & Miras, under wegs duspa & To Seasun izavi yo i onun Adaga or, of 9 23 के हेन्से दिकार केंड, विक ने दिन रे महारेड हेन्सिंड क Ques of of a ei xal oxizor auts Sinvey ra. os עבר שו בח, השפבת ששי לחו דם שפשעות או ל בפאור דבדעפשץ עלטיו צבדבקסי , או דוש סס-परेवड़ कर नवरिंड धरीमें रेडण स्वाचका किंग्यड़ में Exti- 30 Sa Th AnGaiwy a Twheir, sparyos va auth X deoroungeis. ni ex niiwoa 7 Maxedovav agχών τείξπων, άγαπαν άρχην οπόσων ο παίης स्व TEX । त्या , के शे के तक ज्वा की गार्ग ज्वड़ में भूमें , में की दे-พอง ทั่งกาล่างเวราย์ แห่ กล่างพา หองให้กานแนงกับโรร 3.5 αρωι επεδαλον ες τ 'Ασταν, κ' दिना τε Γεανικώ TE HIE BUS Г

έκες πισα μεγάλη μάχη, κỳ τω Λυθίαν λαβων, κỳ 'Ιονίαν, κỳ Φρυγίαν κỳ ὅλως τὰ ἐν ποῦν ἀκὶ χειρέμως , ἢλθον ὅπὶ 'Ιονον, ἔνθα Δαρεῖ ⑤ ἀπεμείνε, μυριάθας πολλας εξατό ξάγων κỳ το ἀπὸ τάτε, ὧ Μίνως, ὑμεῖς ἴτε ὅσας ὑμιν νεκρὸς ὅπὶ μιᾶς ἡμεξας κατέπεμ-

όσες υμίν νεχρός όπι μιᾶς πρέξας κατέπεμια ερισί γεν ό πορθιμός, μιλ διακεσαι ωντοις τότε το σχάρΘ, αλλά οχεδιας οιαποξαμβύες των πολλές αμπθ, διαπλεύσαι κ.) Σπαῦτα τι εποαπον αμπος πορχινθιμοίων κ.

10 ταῦ τα ἢ επραπον αὐτὸς περκινό ιμού ων , κὶ πρώσκιδαι άξιῶν. κὶ ἔνα σοι μιὰ τὰ ἐν Τύρφὶ, μικό τὰ ἐν ᾿Αςξάλοις δικρήσωμαι, ἀλλά κὶ μέρρις Ἰνόῶν ἄλδον, κὶ τὸν Ὠκακοὸν ὅερν ἐποιπσάμλω τὰς ἀρχῆς, κὶ τκὸ ἐλέφαντας αὐτός ἔλον, κὶ Πώρον ἐν ἐρωπάμλω. κὶ Σκύθας

25 τη είλου, κ. Πώξου εχερωσάμλω. κ. Σκύθας 3, εκ δυκαβαφερνήτες ανότας, τώσδας του Τάναϊν, δυλκησα μεγάλη έππομαγάς, και που (1805 εδ εστίνσα, κ. του εχεξεί εμποαμίνω. εί 3 και θεός εδεκαν τείς ανθεώποις, (υγ ενω-

20 πίξεξενοι, Φλά το μέρεθο τ αραξιμάτων κ τοικτόν τι πεδισαντες τελ εμέ το δίου πελιοταίον, ερώ με βασιλούων ἀπέθανον εξέ το συγή ων Φλά Πευσία τη Βιθυνώ, ναβατές αξιον με, πανερέτειτον και ωμότατον

25 οι τα. ως γδ ελι κερόπισε τη Ίταλων, εδ κερόπισε τη Ίταλων, εδ λές κερόπισε τη Ίταλων, εδ λές ειν επ εκ ερώς , αλλά πονικεία, κ) άπτάα, κ) όδιοις, νόμιμον τη, δι απορανές, έδεν εποί δε μοι ώνει όδιε τω Γυρίω, εκλελιδικέ μοι όδιε οξα εποίει ον Καπύη, έταί εσις συνών,

30 χαί του το πολέμε χαιρός ό δαυμάτι Ο χαθηδυπαθούν, έρω ή, εὶ μὰ μικρά τὰ ἐστέρια δόξας δτὶ τ΄ ἔω μάλλον ώς μικρα, τὶ αν μέρα ἔσραξα; Ἰταλίαν ἀναμωτί λαδών κὶ Λιδυίω, κὶ τὰ μέχρι Γαδείρων ὑταρομίμο Ο. ἀλλ ἐκ

 de.

100

δ Μίνως, δίναζε. ίναν α΄ 3 διαδ πελών κὶ ταῦ τα: Σ Κ Ι. Μὸ ενεότερον, ἰῶ μὰ κὶ εμβ ἀκέσης. Μ ΙΝ. Τίς γδ εἶι, δ βέλπις ε; ἢ πόσων ων ἐρεῖι; ΣΚΙ. Ἰταλιώτης Σκιπων, ερεπηρές, ὁ κασελων Καρμθόνα, κὶ κεπήσας Λιβύων μεγάλαις μαίχαις. Μ Ι Ν. Τί ἔν κὰ οὶ ἐρεῖις; Σ Κ Ι. Αλεξώνδρε μὶ ἤηων ἔῖ, τὰ δὶ ἀνείς εκταγνάσας απίκος. πῶς ἔν ἀκ ἀναμοριώ σταναγγάσας απίμως. πῶς ἔν ἀκ ἀναμοριώ Θεδτ, ὁς σεὸς Αλεξωνδρον ἀμικισταν, οῦ ἀδὲ 10 Σενπων ἐγοὸ ὁ νενικικοὶς αὐτὸν, ο Θεο ἐλλεδος ἐξιῶ; ΜΙΝ.Νὴ Δὶ ἐυξιωνανα τὸς, ῶ Σκιπων. ὡς επεράτος μὶ κεκείων ᾿Αλεξανδρος, μετ οὐτὸν ἢ σύ. εἶτα εἰ δοκεῖ, τείτος ᾿Αννίδας, κεὶ ἐδὲ ἐδὰ ἐυναταρρόνη] Ο ών.

### Διάλος Φ ιβ'. Διοχώες η Αλεξανόρα.

ΔΙΟΓ. ΤΙ τέπ, δ'Αλέξανδρε, καὶ σὸ TEDVNyas Warep nueis d'martes; ΑΛΕΞ. Όρας, δ Διόγωες ε Βράδοξον ή, εὶ ἀνθρωπ 🕒 ών, ἀπέθανον. ΔΙΟΓ. Οὐκῶν ה אנושטי בּילשׁ לצידס , אבּןשטי בּמשדע סב בון שְיֹסיר. 25 ού ή Φιλίππε έξα δίδα; ΑΛΕ Ξ. Φιλίπ-שו לואמלו. צ אל מי בדב שיוונור אב אעשושים שיים ΔΙΟΓ. Καὶ μίω καὶ τοι τ' Ολυμπα δος της μητέρος σε δμοια πολλα έλέροντο, Δράκοντα סב דבא לנשמו. דאי ל שואוח חבר בב משדוו שנו οίο μένον πατέξα σε εί). 'Α Δ. Κάρω ταυτα ที่หยอง ผือสะอุ อบ่. งนม์ วู้ ออม อีกา ซี สิยง บ่างริง ซาย ה עוודוף, צדב סו לול ' אעעשיושי הפיבודעו באב 20%. A I O F. 'AME TO Jedos auth ex 2-35 20:1500 करा, के 'Ax & avore, क्लेड नवे क्लंगू एक नव \$ 7803 TO Γ4.

εγμετοιπολλοί ηδι επέπηνουν, θεδν ε΄) σε νομί ζοντες: ἀπὰρ εἰπέ μοι, πνι τὰ τοσαύτω ἀρχὰ χαπαλέλοι πας; 'Α Λ. Οὐκ οἶδα, ὧ Διόχνες ε΄ ηδιέρθασα ἐπσκῦι ↓αί τι ωεὶ ἀὐτῆς, ἢ τετο

Το πηρὸν ότὰ τως Βαρξάρες. ἔνιοι ἢ κὴ τοῖς δὰἰδινα 5τοῖς σροςτθέντες, κὴ νεως οἰκοδεμάμθροι, κὴ Θύοντες ως Δρόκον] ῷ ὑῷ ἀλλ' εἰπέ μοι, πὰ στοὶ Μακωδίνες ἔδα αν; `ΑΛΕΞ. Ἐτι ἐν Βαβυλώνι κῆμαι βίτιω ταύτιω ἡμέραν.

15 ἐπιονείται ἡ Πτολεμαῖ Θ ὁ ὑ πασιτικικην ποτε αλάγη 90λιω ἐπὸ τρο ποσικούς και το ποσικούς και Αϊγυπίου ἀπαγαγών με, παίτεν ἐκεῖ, ὡς γρωίμων εῖς ἐΝ Αἰγυπίων πεῶν. ΔΙΟ Γ. Μὰ γελάσω, ὡ ᾿Αλέξανδρε, ὁρῶν ἐν ἄ δ΄κ ἔτι σε

20 μωραίνουτα, κ. ελπίζοντα 'Αννεδιν, ή 'Οστειν Άνεως ; πλιω άλλά ταυτα μές ω Βέρταθε, μι ελπίσης, ε ηδιξεμις άνελθεν τινα τ΄ άπας διαπλάσαντων τ΄ λίμνιω, κ) ες το είσω το τριία παςελθένων, ε ηδι αμελικο ο Αλακός,

25 και ο Κέρθερ Ο Ευχαταφρόνη Ο Ο Επείνα ή ήδεως αν μαθοιμι ωδοά σει, πως φέρεις δπότ αν Ενγοήσης δο Ευλουμικές το Εργοήσης ο Ευλουμικές το Εργοήσης ο Αντών αφιλατας το Αντών α Ελένου σες το σευσουμικές το γευσών, το Εντών το Εντών το μεσο σευσουμικός το Εντών το Ελένου ο Εντών το Εντών το

30 σκυμουστα, κ. Καθυλώνα, κ. Βακλα, κ. το μεγάλα δτεία, κ. τ.μω, κ. διδαν, κ. το δισομου
Ε΄) ελαίνουτα, διαδεμένον ται ια λάκη τ΄
κιφαλω περουείδα εμπεπορπημέρου κ΄ λυπεί
τουτά σε τωτό τ΄ μινιμω δύντα; τ΄ δακμυκς,
24 ω μάταιε, εδέ ταυτά σε ο σορός Λειστένιε

क्यां रे केट मा ग्रेस हिंदिया है। को करिय

10 Mir

fues.

1870 124

cia clui

SE- XXXX

è

· 1/2

0.

r,

•

της τίχης; 'ΑΛΕΞ. Σοφός, εάπάντων टेमसंग कि महत्र वेमका हिनाई किन किए, इसके μόνον έασον τὰ 'Αρισοτέλες είδειαι, όσα μου й πος πας εμίς, οία ή επέτελλεν. ως ή κα-τελειπό με τη σει παιδείαν φιλοπιμία Δω- 5 πεύων, κὸ επαιτών, αρπ μὶ ες τὸ κάλλος, ώς κὸ τετο μερος ον πλεπτν. καὶ το αὐ κὸ τετ πράζεις, κὸ τὸν πλεπτν. καὶ το αὐ κὸ τετ ἀραθον πρειτ' ἐῦ), ώς μὶ αἰχωίωτο κὸ αύτος λαμβάνων. τόπε, ω Διόγμες, ανθρω- 10 τΘ, κ) τεχνίτης. πλην άλλα τεπό με έπολέλουχα αυπέ της στρίας, το λυπείδου ώς ye Eurogeder. AIOT. 'AAA' ciou o Segous; ax @ jas ou Tils home voo diocual, 15 क्सले क्रीका ने हा क्रिकेट कु कि के दर्धनाया, को है प्रथ דל אוושוק ני ביניף בעושלט ו באושום סעונים חב, או αύ 3ις τίς, τ΄ς πολλά τις. Ετω γδ εν παύση δήτ τοις Αειστέλις αγαθοίς ανιώμιο το κόρδ τὸ KARTON CHENON ONE, & KANNIGEN, & ANNES 20 कार्यरह दियां के विद्यारियाद, केंद्र की विकास कार कार कें μύναι 16 σε ων έδρασας αυτές. ώςε τ έτεςαν σο ταυτίω ξάδιζε, κ πιε σολλάκις, ώς έρίω.

> Διάλος Φ κ΄. Αλεξάνδρα κζ Φιλί τπα.

ΦΙΛΙΠ. Ν τν μ΄, ω΄ Αλέξανδες, κα αν έξαρτος 30 χώπο. μι κα εμός ψός εξ. κ λο αν έποθνηκεις. Αμμωνός γε ών. ΑΛΕΞ.Ου Α΄ αυ τός εγνόκει, ω πάτες, ως Φιλίπτεν το Αμμωνός γε ών. εξαμμαν τός εξιμικολλ εδεξάμμι το μαθηδιμαζώς χείσιμον ές τὰ περέχματα οίδιος Θ΄ ε΄). ΦΙΛΙΠ. 35 Πῶς λέγεις; χείσιμον εδέκει σοι, τὸ περέχειν το περέχειν το σταμτόν

σταιήδη εξαπατηθησόμεψος των την περευτής; ΑΛΕΞ. Ου τέπο άλλ οι κάρκακοι κατεπλάγησάν με, κ) έθεις έπ άνθιστο, οιομίοι βτύ μάχεδαι. ώσε ξάον εκράτων αὐτήν.

ΦΙΛ. Τίνων επεστισμε σύ γε αξιομάνων ανδιών, δε διεκοῖε ακὶ (ωπωίεχθης, τοξαεία, κ) πλιτάεια, κ) γερβαείστινα σειδεδλημιώνοις; Ελλήνων πεαδιών έξγεν Ιώ, Βοιωσίν κ) Φωτέων, κ) Αδιμαίων, κ) το Αρχάδων όπλιτι

10 κον, κ) τω Θεπαλω ίσπον, κ) ποι 'Ηλείων ακοντισάς, κ) το Μαντινέων πελτασικόν. η Θεακας, η Ίλλυειάς, η Παίονας χειρώσαδαι, του το μεγάλα Μήδων ή, κ) Περσών, κ) Χαλδαίων, κ) χευαφόςων ανθεώπων, κ) άδρων, έκοι-

15 δα ως πεό σε μύριοι με Κλεάρχε άνελθόντες ενεστικών, εδί εις χείρας εστικενάντων ελθείν εκείνων, άλλα πείν ή τόξομα εξικνείδαι, ευρέντων; 'ΑΛΕΞ. 'Αλλ' οἱ Σκώδαι γε, ω πάτερ, κ) οἱ Ἰνθων ελέςαντες, εκ ευκατα-

ω πάτερ, κ) εἰ Ἰνδων ἐλές αντες, ἐκ ευκατα20 φείνητον τι ἔρρον. κ) ὅμως ε διας ήσας αὐτεὸ, ἐλὲ ἀρες σδοσίας ωνέμερος τὰς νίκας, 
ἐκεότεν αὐσήν, εἰ δπάρκησα πώποτε, ἢ ὑπορόμερος ἐψο σάμιω, ἢ ἀπος ν ἔπραξά τι
τε νικᾶν ἔνεκα, κ) τοὸ Ἑκλίωας ἢ, τοὸ μεψ

μύθα ναταδαλών, κάνδων, ώς φασ, μετενώ-Νε, κ) πάραν δεδιώ επίδα, κ) περοκιωίδαι των Μακεθόνων, τω ελουσέρων ανδρών ήξεις. κ) το πάντων γελοιότατον, εμίμα πά 33 πο γενικηθώων, εω γο λέγειν δοα άλλα έ-

οραξας, λένσι ζωι γατακλείων πεπαιδ ο μιθίος ανδεας.

बार्जिका, में निष्ठ काहित्यह निष्ठि, में 'Hεαιτίωνα τωραμιπών. εν επήνεσα μόνον ακέσας, όπ απέχε της τε Δαρείε γιωαικός καλιις κοπε, κ τίις μηδός αυτά, κ τη συ-ρατεγων επεμελήθης. Εασιλικά ρο ταυτα 5 ΑΛΕΞ. Τὸ φιλοχίνδιωον ή, ω πάτερ, έχ emancis, no to ev Oguspanais megiten na-Sanadas संह को देशकि कह करार्थह , में कितवाτα λαβείν πούματα; ΦΙΛ. Ούκ εταινῶ τετο, δ' Αλέξανδρε, έχ ὅτι μὶ καλὸν ἐĎ 10 οίμαι κὶ πβώσκεδαί πτε τον βασιλές, κὸ क्ट्रियार कार्यास में इत्याह, बेर्र वेंग का माह 10 ที่มเรน (เพรระยะ. Θεδς 🕉 📆 ชื่อมดัง , ผีพบาย Judeins, x) Breweier or popullu To Torigue εππομιζόμεςον, αίματι ρεόμενον, οιμώζοντα 15. con. no a Aumor, jons, no Addinarts πλέγ χετο, κὶ οι σειφήται, κόλακες. ἡ τίς κα αν εγέλασεν, ός ων τον -το Διός μον λειπο-ปบายนังส , ระอุเมียอง ชี้มี เลมียง คอกษีสัง; 20 ישו על כל המידב חלוו דב שיותבה , בא סובו ההא-ASS (1) Too The regardinger incivile Strapτομοιώτας, όξωντας το νεχρόν το θεά έκτάθω κείωνου, μυθώντα ήθη κ) εξωθηκότα, κτι νόμον σωμάτων απάντων; άλλως τε, κ) 25 renoruor o ignis 'Arigardes, to dia TETO RESTERV PASIES, TONO OF THE SEENS & 2-महसं का मार्ग म्याप्र के कार्या के हर्नियस देशdes του στο γίνεσαι δικοιώ. 'ΑΛΕΣ. Ου ταυτα φορνάσην οι ανθρωπει πει εμά, 30 άλλ' Ήξακλεί, κ, Διουύτφ ἐνάμιλλον πθέχoi us. zai Tes Thu "Aogyov cacishu &9" 4ries incivar racor &, izw word exceptouple. Ф I A. 'Ofer on Taura se il Aumor @ resers of Heanher x Diorio 35 Tabanas orautor, x sk aiguis & 'An

### DIÁNOZ @ xá.

# Αχελλέως κ Ανλιλέχε.

Ola medlu 'Axinso meis TO ANTIA. TOV OSVATEZ OU EIPHTON το το θανάτε, ως άβουπ κ) ανάξια το το δι-βασχάλοιν αμφοίν, Χείρωνος τε κ) Φοίνικ ... ικροώμω οδ οπότε έρης βέλεδαι επάρερ 15 ພັນ, ລາໃຜ່ພນ ຂອງ TIVI TH ακλήρων, ພ μη Gis-νεκρών. ταυτα μέρ οιδι ά χονή πνα Φρύρα δί-אליי, אן הפסע דע אמאשנ צצפין לי פואם מסט והשנ έχευ λέγειν. τον Πηλέως ζιίον τον φιλοκιν-20 र फार्व नवत्र महिल्ला व नवंगर कर ने वर्ष हर करें के गढ ठीवग्वसं जेवा, मात्रेशो वांत्र्यांत, यो देशवागं माड करेंड τα πεπραγιδέα σοι εν τω βίω. ος εξον ακλε. นึ่ง ผู้ ที่ พิวิเมที่ปี พองบารอ่างเอง ผิสตาง ปี่ผง, อันดัง พองผ่าง ช่าง นรี พาร สำสาร อ่อรีกร อื่อเกร วิลเขสาอง. 25 'ΑΧΙΛ. Ω Παι Νέσερ Θ, αλλά τότε ωδο άπει-בשו של בין מנו שם ביי, אן דם ביצ חוסי בתרונים ביπότερον Ιω άγνοων, το δύς Ιωον επείνο δοξάριον જ્રાનુકાનાલા પૈક દિશ્ક. માર્જી στινίημι ήδη, ώς દેમલામ ત્રીમે લેમ્લા ભાગ તે, લે છે છે, મા μαλιεα καί εδεν αλλήλων διαφέροντες, κή έτε οι 35 AN Trown rexpoi Sediari us , 2) 878 oi Town vexpoi dediani us, ETE ci Th

" אמשושי שבפתח לו מחני, וסוו שפום לו מצףוב ולו גי ניםnegs ouos G, nedel vaxos, not ujed hos. Taura us avia, z ax θομαι, ότι μη θη d'a ζων. 'A N-TIA. Ouws Ti sv av TIS Ta Bos, & 'A xixed ; Tau-דם אל בלסלב דון פטספו, חמידשה בחסטיוס אפור מ חמו-Tay. केंद्र 28 में देमार्थिता गर्ज पर्वमक, में मां वेपार जैवा ידסוֹג לומדב מן עושיסוג. מאאשוג דב, ספמה דע בדמו-בשע ססו שבו סבר בסעום כולב; על עומבסטי כ 'Оботов वर्दाहरावा मर्वापकड़. केड्स है कर्वμυ Sian x i π κοινωνία το πράγμα ! , x το 10 μιλ μόνον σώτον πεπον θέναι. 'Οςας τον 'Ηεακλέα, κ) τον Μελέαργον, κ) αλλες θαυμας δε ανδιας, οι έκ αν οίμαι δεξαιντο ανελ-θείν, είπε αυποιε αναπεμ ει πηθεύσεντας αxxnegis xì aciois ardrami. 'A X I A. 'E- 15 Taseixi मार्थ में मामका हिना है है है कि की की שנום, ה עויותוח דפי בלב דפי בנים מיום, סונומו วิ นุ่งนที่ที่ รังสรจง. ค่ วิ แท้ อันองอาคำระ รอบ-รห หล่อยร รัรระ, หลง ที่อบหู่สม สวราช สม่อยระระ 'A N T I Λ. 'Ουκ · άλλ' άμείνες, & 'Αχιλεύ. 20 το 38 ανωσελές το λέγ το δεωμομ. σωσάν 30, यो व्हिट्स, यो बेर्ग्ड्रस्टीया, अहेरीवी वा मिरा, माने यो अन λωζα ος λωμής ώστερ σύ, τοι αυτα ευχόμικοι.

25

### Διάλος @ κ6'.

### Meriane & Tarreise.

ΜΕΝ. ΤΙ' κλαίεις, ὧ Τάντηλε; ἢ ή σταυ-30
Τον οδύρη, όλη τῆ λίμνη έςτις;
ΤΑΝ. "Οπ, ὧ Μένιππε, ἐπόλωλα τὰτὸ τὰ
δίξες. ΜΕΝ. Οὐτες ἀρρὸς εἰ εἰς μὴ όλητος καιλη τῆ
χειεί. ΤΑΝ. Οὐδεν ορελ Θ εἰ δλικύξαμι. 35
φεύρει ρὸ τὸ ῦθωρ ἐπειθὰν περοπύντε
αὶ δλιπαί

αὶ ῶπταὶ με Ιω δέ ποτε κὶ ἀξύσαιμι, κὴ σερτενέν κω το δείμαπ, κ φθανω βρέξας ἀκρον τὸ χεὶλ Θ, κὴ ἀπω δακτύλων ελαβρύεν, κα οἰνὶ ὅπως αι ὅπς κποκεί σει ξηράν τιω χεῖρά με. ΜΕΝ. Τερόςτον π πάχεις, ῶ Τάνταλς ἀπὰρ εἰπέ μοι, π λο κὶ δέκ τὰ πεῖν; κ χὸ σωμα ἔχεις, αλλ ἐκείνο μὴ ἐν Λυθία σω τέθαπαι, ὅσρο κὴ σεινω κὴ ἐν Λυθία σω τέθαπαι, ὅσρο κὴ σεινω κὴ ἐν Αιθία κο σὸ ἢ ἡ Վυχὴ, πῶς ἀν ἔπ ἡ ἀι-μώνς, ἡ

10 πίνοις; ΤΑΝ. Τετ' αὐτό ἡ χόλασίς όξι.
τό δι μι τιω ψυχιω ώς σωνια εσαν.
ΜΕΝ. 'Αλλά τετο μου ετω πεσίσομου, έπεί φὸς τω δί μει κελάζεδαι. τί δί ειώ
σοι τό δεινόν εκαι; ἢ δέδιαι μὴ ἐνδεία

15 τε ποτε Σποθαίνης; οὐχ ός ω χο άλλον ως τετον άδιω, η θανατον έντεθθεν εἰς έτεθον τόπον. ΤΑΝ. Όρθως ιδώ λέγεις, κὶ τετο Α΄ οιώ μές Θ της κατασίκης, τὸ όπιθυμεῖν πεῖν, μηθέν θεόιδμον. ΜΕΝ. Ληρείς, ω

20 Τάνταλε, κὶ ὡς ἀληθώς ποτε δείθαι δικείς, ἀκράτε γε Εκλεβόςε τη Δία. ὅς τις τεναντον τοίς ὑατὸ την λυτιώντων κυώων δεδηγιδώοις πεπουθας ου τὸ ὑδωρ, ἀκλά τω δίλαν περοβυμβώ . ΤΑΝ. Οὐδε τὸν Έλ-

25 λέβορον, ὧ Μένιππε, αναίνομαι «πεῖν, λένοιτό μοι μόνον. ΜΕΝ. Θάρξει, ὧ Τάνταλε, εὖ Γοῦν ὡς ἔτε σὺ, ἔτε ἀλλ. Φ πέται τὰν νεκρῶν. ἀδωίατον ράρ. καίτοι ἐ πάντες ὡσσερ σὸ ἐκ καταδίκης δι. μῶσι, τὰ ὑδατος 30 σὐπος ἐχ ἀσομομόν! Φ.

DIENOZ @

# DIEXON G xy'.

99.

eg eg

20

٧.

### Mevinne & Alaxe.

MEN. ITPos જે Πλέτων , & Aiane, των γισωί μοι τὰ ἐν ἀδε πάν-τα. 'AI. Οὐ ἐἀδον, & Μένιππε, ἀπαντα. दं ज्य प्रश्ने प्रश्न प्रश्निकार्थन प्रवाधिक प्रवाधः क्षेत्रका ह्ये, όπ Κέρβερός όξην, ολοία ' κὸ τον πορθμέα 10 रहता, हैं कर विस्ताह्यक, के निक्षे श्रीकारिक, के τον Πυειολεγέθουτα ήδη εωεχχας εσιών. ΜΕΝ. Οίδα ταῦτα, κὸσε, ὅτη πυλω-ρείς. κὸ τὸν βασιλέα είδον, κὸ τὰς Ερυνῦς. मा की वंग के के का का मार्थ मार्थ के कि है। है कर में 15 มสมเรน ของ อิทธพุ่มแร ลบชมื. 'A I. 00 T € whi 'A; o pépuson, &TO of 'A MANDES, &TO j'I foulidis TANGION , ETETA 'Odvarius, elta Aias, x Dioundus, x oi deisti The Ex-Alien. MEN. Bafai Oungs, old ou 20 नी विश्वीकी नवे प्रदेशियाव प्रवादा हिंदेशनीया, άγνωςα, κράμορφα, κόνις πάντα, κρλήρ 🕒 mais, aulua es annos ragloz. ETO 5, & Alaxi, tis ba; 'Al. Kuegs bar. ET 9 ό κερίο . ο δ' ιώρ αυτον, Σαρδανάπα- 25 AG. Od' ich Teres, Midae. cheil & 3. Σέρξης. ΜΕΝ. Είτα σε, δ χάθαρμα, ή Ειλας έρειθε ζάγνωτα με τον Εκλήσου-न्छ, नीते हैं नी देखा करेंसर देनिनेप्राक्षण हैं। है है है है है है ने प्रकृतिस्थान हैं λου ή, & Αίακε, πατάξαι μοι χτι κότρης δπί-798 Lov. A I. Mndamas, อาราจุบันธร วูรี aure ro xpavior, ywaixeior ov. MENIII. Ούχουν, άλλα σεςσπίζομαι γε πάντως ανδρογιώο όνπ. 'ΑΙΑΚ. Βέλει Α σοι 35 όποθείζω κή του στούς; Μ EN. Ni Δία γε. 'AIAK.

15 ώστερ εγκρυφίας άςτ &, ο ταϊς ολυκίαθνας δλ & ες Ιωδηκώς , τις όδαν; 'Α Ι Α Κ. Ευπεθοκλίς , ῶ Μένιστε, ἡμίερ & ἀπό τῆς Αϊτνης παςών. ΜΕΝ. <sup>9</sup>Ω χαλχότα Εέλπος , τὶ παθών σαυτόν ἐς πος κεαίδιεσε 20 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 20 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 20 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 21 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 22 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 23 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 24 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 25 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 26 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 26 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 26 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 27 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 28 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 29 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 29 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς , τὸς 20 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς 29 ἐνέδαλες ; Ε Μ Π. Μελαγγολία τὸς 20 ἐνέδαλες 20 ἐνέδαλες

20 ενέθαλες; ΕΜΠ. Μελαγρολία τίς, δ Μένιστα. ΜΕΝ. Ου μα Δία, αλλά κε νοθεία, ε) τύο Θ, ε) πολλί κόρυζα. ταῦτά σε ἀπλωθεσικωσεν αυπιίς κριπίπν εκ ἀξιον όντα, πλω αλλ εθέν τε το σφισμα 2, ἀννισεν. ἐφωράθης Σ΄ τεθνεσίς. ὁ Σακράτης Β΄,

25 ανησεν. εφωρόθης ηδ τεθητείς. δ Σανράτης ή, ω Alake, του πόρε άρα ότι; AIAK. Μετά Νέςτος η Παλαμήδος επέντο λητεί τὰ πολλά ΜΕΝ. "Ομως εδελόμμω έρειν αμί τον, είπει ενθάβε έριν. 'AIAK. 'Ορώς τον φαλακρόν; ΜΕΝ. "Απαντες φάλακρος !

30 τον φαλακεόν; ΜΕΝ. "Απαντες φάλακες ε είπν. ώς ε πάντων αν είν τέτο το γνώεισμα. 'ΑΙΑΚ. Τον πμον λέχω. ΜΕΝ. Καὶ πεδ' διμοίον. σιμοί 3δ απαντες. ΣΩΚ. Έμε ζηθές, ω Μένιππε; ΜΕΝ. Καὶ μάλα, ω

35 Σώνρατες. ΣΩ Κ. Τί τὰ ἐν ᾿Αθήναις; ΜΕΝ. Πολλοὶ την νέων φιλοσοφείν λέγκος, F 28

hor,

à

695

Su,

12-

Θ.

202

n-

3,

ó-

59

-

30

में नवंद्र क्षायात कामा, में नव हिंबडींड एक म σεάσαιτό τις, ακροι φιλόσοφοι μαλα πολλοί, Ta d' बर्रे व के हिम्म की प्रथा, वी कि मेरा करिये σοι 'ΑείσιππΟ, κ Πλάτων αυτός. ο μ αποπνέων μύρε, ὁ ή που εν Σικελία πιράννες ς Segardien chuadw. E O K. Heel eus 5 τί φεριέπν; ΜΕΝ. Έυδαίμων, ω Σώκεα-TES, वं अव्यक्त में, नवं में Tolau Ta. नवं परि है। जर नेवाणवंताका दांत्रम्या वंश्वीत्र प्रश्रीमानेवाः, भ्र πάντα εγνωκέται ταυτα. δεί 38 είμαι τα- 10 λη θές λέγαν, εδέν αθέτα. Σ Ω K. Καὶ αὐ-דום בי בשמדעם דמשדם הפים משדעה. כו ל בוף ש-प्लंबर क्राना के कहन्यू धारे. MENITI. Τίνες ή έτοι είτιν οι τεί σε; ΣΩ Κ. Χαρμίσης, δ Μένιππε, κ Φαίδρ Φ, κ, δ το Κλει- 15 νίκ. ΜΕΝ. Είγε, δ Σωκρατες, ότι κάνταῦθα ρέτει τὸν σταυτό τέχνιω, κὶ ἐκ ὁλις γωρείς τὸ καλῶν. Σ Ω Κ. Τί γο ἀν ἀλλο मंडिश्वर कर्द्रमीवाता; बेरेरेबे म्रमनंग्र मधीर रवन्तंхного, ei бохы. М E N. Ma Ді. бді тох 20 Κερίσον 38 κ Σαρθανάπαλον απειμι, πλη-סוֹטי סוֹצחׁסשׁי מנוֹדשׁי. ביוצם אַצע פֹּג סֹאוֹאָם אָבּλάσεδαι, οιμωζόντων ακέων. 'Α ΙΑ Κ. Κάοω मंजा बंसला, μη καί τις ήμας νεκρών אם שו שלו בשנים לו מואמם לו ברשטור בל בין בב & Minimme. MEN \*Amon. x) Tauti jap izava, Alaxi.

> Διάλος Φ κδ'. Μειίσσε κ) Κερθέρε.

ΜΕΝ. ΤΑ Κές ζερε, συργούν μας είναι σοι, κόων κ) αυτος ων , είπε 35 μοι πρές τ Στυρές, οδος ων ο Σακράτης ο τόξε κατάς

भवीमंस कल्डेड एंप्रवंड संप्रवंड और जह अर्डेम दिएना; μη υλακίει μονουμάλλα κ ανθρωπικώς οθές-γεθαι, οποτ εθέλοις. ΚΕΡΒ. Πόρρωθα μορ , δ Μένιππε, παντάπαση εδόκει α ζέπο Darator foxor. z रहेर देमद्राणिया गरीह देहैं की stuis esson estant. Ette 3 xatituler ilσω τη χασματ Φ, κ) είνε τον ζόφον, κάχω ετ εταμέλλοντα αὐτον βακών τω κωνείω, κα 10 πέστασα τη πεδές, ώσπερ τὰ βρέφη δικώκυς, में नवे हें कारेंड कवारींब घंडी हे इस्त में म्हार कि है. Niere. MEN. Ouxous copiens o divege-क्ता थिं, ये देश बेरेमानिक स्वाम्द्रक्षा में कर्वyuares; KEPB. Oux and sweing e-15 να γαίον αυτό έωςα, κατεθεασιώς το ως δή-שבי צע מצמע שפוסטונונים, ם חמידתים בלפו חם-Deiv, ως δαυμάσων) οί θεαταί. καὶ όλως, करेंद्रे मर्त्रां मारा १६ मी कार्यमा लेमार्थ के देशाया, ε ε ε το ετιμε τολμηροί, η ανδρείοι, τώσι 20 ενδοβεν, έλεγχος ακριδής. ΜΕΝ. Έχω ό πώς σοι κατεληλυθέναι έδοξα; ΚΕΡΒ.

Μόνος, & Μένιππε, ἀξίως τε γίνες, κ) Διο-γίνης τρεχ σε, ότι μη ἀναγχαζομίνοι ἐσήκιτε, mid' એ મેં ક્રિલ્માં or; તેમ ' દેવક મેં હળા પ્રસ્તે જ TES, of cub-

25 Car Daneixarles a many.

## DISACZ O KÉ.

30

## Xagor O n Meriane.

A Tioche, के स्वापंट्यी का मा माठू ने मां र. MEN. Boa, ei 7870 σει ή-35. Stor, & Xagor. XAP. 'Aridos erui ava' Sv or dismos bud riplu. MEN. Oux av 226015 tt;

182

200

- - W

Lo.

٤,

le.

ਮਕੇਟਿਗड़ करके गढ एमें दूर्गि . X'A P. "Est δέ πε οδολον μιὶ έχου; ΜΕΝ. Εὶ μθρ κ αλλός πε, ουκοίδα. έρω ή εύκ έχω. ΧΑ Ρ. Καὶ μίω άγξω σε νη τον Πλέτωνα, & μι-बहुरे, थि था बेमार किंड. MEN. Kaga नहीं हैंग- 5 λω σε πατάξας, διαλύσω το κεανίου. Χ Α Ρ. Matte Er Ern Temadras Too Eron Thoun; MEN. O Eguns van eus ou amedono, ες με παρεδοικέ σοι. ΕΡΜ. Νη Δία όvalulu, et messo je zi taperliver The ve- 10 κρών. ΧΑΡ. Ούκ απος ήστιμαί τα. ΜΕΝ. Τέτε γε ένεχα νεωλχήσας το πος διιείον, παedulis. Thui and on un exu, musar AdGois; XAP. Eu d' su nder as nouicen Seor; MENIA. no en pe, en eiger de. 71 15 हैं , हेश्रीय ठीवे रहेरा धार्म वेमार देव रहार ; X A P. Moro Er auxires vesita mentaxirus; MEN. Ou recipa, & BEATISTE x 20 60-דאווסע או ל אשוחון בודבאמנו פוענט, או שא באאמנו μον & τω αλων επεαίων. XAP. Ouser 20 प्रवास करेंड नये कारे मांत्र मांत्र केंग्र केंद्र केंग्र क σε δεί. Ου 38 θεμις άλλως χωέσαι. ΜΕΝ. Ουκεν απάραγε με αυθις ές τον βίον. ΧΑΡ. Χαριον λέγεις, ίνα κή πληγας όπι τέτο పెడ TE Alaxe Teornaco. ME N. Mil CHOXAH 25 हैं। XAP. ठिलंड्रिंग में देग माँ मांड्रिक हैं प्रसार. ME N. Geomes ei Jehers, 2 Tils Engites To δείπνου, XAP. Πόθεν τέτον ήμων, & Ep-मान, में मार्थाय गित्राहर , विंद है, में देरेदरस करेंद्र में मार्था, नी दीनिर्विष्ण वं नवंशमार स्वाचार्थि , में 30 oms neither, x uor o a ser oi me or tor inesνων. Ε Ρ Μ. Αγνοείς. & Χαρων, οποίον ανδρα διεπορθικώπες; ελώθερον ακριδώς, κού-Serds auth ueles gros bar o Merian G. X A P. Kai who av oz xa60 20/2; ME N. 35 "Ar habys, & Eshtist, dis jour ar habois. Διάλος Θ

## DIENOS @ us'.

#### Διογίες, ε Μαυσώλε.

ΔΙΟΓ. <sup>3</sup> Λ. Κάς, δὰ τίνι μέρα φερνάς κὰ πάντων ἡωρό σες ημαδο άξιοις; Μ.Α.Υ. Καὶ δὰ τὰ βασικόα κλ.

10 Σινωπεί, ός εδασιλάσω Καείας ζε άπώσης, ήρξα ή κ) Λυθών ενίων. κ) νήσης δε πης σωτημαχέρω, κ) άχει Μιλήτε επίδω, το σολλά της Ίωνίας χωπας εξεδρών κ) καλό ω, κ) μέρας, κ) εν πολεμοις καρτερές. τὸ ή

15 μέρισου, ότι το Αλιχαρναστώ μύθιλα πημιφ γλητι έρω δήτικε μόρου, ήλίκου έκ άλλ Θ το κερς, αλλ έδε κτως ές χάλλ Θ Εξησκυμβρη, "ππων κ) αυθρών ές το ακριθέσμτον είκας μόρων λίθε το χαλλίσε, οξι έδε νέων εύξη πε

20 αν βαδίως. ὁ δικῶ σοι δικαίως δλί τότοις μέρα φεριείν; ΔΙΟΓ. Έπι τῆ βασιλεία το πάρε. ΜΑΥ Σ. Νη Δί δλί τότοις. ΔΙΟΓ; 'Αλλ', ω καλὲ Μαμσωλε, κτε η ἰρὸς ἐπ

25 જા દેશનાં માં , જાદ મેં દારણમાં જાવેલ્ડામ નો ગુજા ગામ દેશનાં હાત્રેસ ઉપત્રકામ દેવાનાલુદાં કરો, જો દેશન ને જાના માં છે દેશના મેં જેમ પ્રવાશન જાદના દામીના તેમ મેં દેશ, જ્યાસાલું જે ત્યારા મેં ગામ પત્રે, મેં માં દેશી માં દ્રામાં જાણ્યાં ભાગમાં મેં માં

30 ορθαλμός ἀρηφήμεθα, κὶ τὰς ρίνας ἐπποτεπμώμεθα. ὁ ἢ τὰρΟ, κὶ οἱ πολυτελείς ἐκεινοι λίθοι, 'Αλικαρναστιστ μὶ ἱσως εἷεν ὅπιδείκνιῶς, κὶ οιλοτιμεί ἀτιι πρὸς τοιὰ ξέννες, κὸς δύπ μέρα εἰκιδεμνικα αὐπίς ὅπι- οῦ ἢ 35 ω βέλπες, κὸρ ὁρῶ ὅπι ἀπολαμεις ἀυπο

क्रिकेश सं प्रमें रहर है है है है कि क्रिकेश मार्थी के रे

6

95,

ra .

71

de

力を

in re

Διάλογ Ο κζ.

20

# Nigews, Oegoite, 23

ΝΙΡ. ΊΔε δη Μενιστα Θ έποσι δικάτει, 25 πότες Θ δυμορφότες ές δην. είνπε, δ Μενιστα, ε εαλλίων σει δεκῶ; ΜΕΝ. Τίνες ἢ καὶ έςε, σεξετερεν είμαὶ; γεη γδ τετε είθεναι. ΝΙΡ. Νιροδε χ Θερσίπε. ΜΕΝ. Πότες Θ ὁ Νιροδε χ, σότερ Θ οω 30 ὁ Θερσίπες κ άδεπα γας τότο δήλον. Θ ΕΡ. Έν μιλη ήδη τετ έγα, ότι δμοίος είμι σει, χ έδεν πηλικώτον διαφέρεις, πλίκον σε Όμης Θ δικέν Θ ό τυρλός επήνεσεν, άπαντων δυμορφότατον πεσσειπών. άλλ ὁ φοξός έγαλ, χ ψεθνός. 35 εδεν χείρων εφανίμι τη δίκας π. είς α δε σει, δ Μενιστα.

Μένισσε, δν πνα εξ δυμορφότερον ής ή. NIP.

"Εμέ τον 'Αγλαίας εξ Φάροσι , ος κάκλις Θ ἀνής 'Επό "Ιλιον ήλ σεν. ΜΕΝ. 'Αλλ' ής εξ τος Τίκον ήλ σεν. ΜΕΝ. 'Αλλ' ής εξ τος γιῶς κάκλις Θ΄ ήλ σες. αλλ.

5 τὰ τὰ δεὰ ὅμοια, τὸ ἢ κρανίου, ταμτη μόνη αρα βακρίνο Πο Śπὸ τὰ Θεροίτα κρανία, ὁπ εὐ δρανία κλαταθνόν βο αμτό, ἡ οὐκ ἀνδρῶθες ἔχας. ΝΙ Ρ. Καὶ μὴν ἔρε "Ομιρον ὁπαῖ Θ Lu, ὁπότε σιμες ρότολον τὰ. 10 'Αχαιδίς. Μ Ε Ν. 'Ονείρατά μοι λέγας

ερώ η ά βλέπω, ε) νω εχεις. ελείνα η, ώ τότε Ισασιν. Ν ΙΡ. Ου κους ερώ ενίω κα ελευκα η, ώ Μένιππε; Μ Ε Ν. Οὐτι σὸ, ετε ἀλλ Θευμορφ Θ΄ Ισοπμία κοι εν ά λη, 15 κ) διμοιοι άπαντες ΘΕ Ρ. Έμοὶ ω κ) πε

15 में विधान सं त्यान एडड · O E P. E खा में में की

20

## Διάλογ Φ κή.

### Merrans x Xeiper .

12

27

77

N,

Pie

4:

15.

Gi .

4

73

89

ς

į

9

25

Ендет, фитер аколь дошта датери Затери. દેશ ના માર્ચ માર્ચ કરાયા છે. કે મુટે દેશ માર્ચ લાગ છે. તે તે તે માર્ચ Li. MEN. En λέγξε, & Χειζων. Τὰ ἐν वं रें के जे मार्ड क्रिस्ड, वं के क्रिक्ट में किए का मारे द nues; XEIP. Our andws, & Meriane. וו אל ו השונות אינוט לוננס אונט אין דם שפת אנות άδεν έχει το διάτορον ον φωτί έξ), η ον σκότω. बैरेरेल रह, हरि रीमीय लकाइ बेरक, हरह क्स-कृथि रही, केंग्रे केंग्ड्या रहिंदि प्रश्तिक केंग्रिक हर- 10 whi. MEN. "Oeg, & Xeigav, un sernialins σταυτώ, κ ές το αυτό σοι ο λόγ Θ σεις ή. XEIP. Mes Tero che; MEN. "On ei नी देश मार्ज द्विक में विवादावर देशों भी म्हें मरें में प्रदेश हैं दे-एटमर्व ज्ञा कल्ड ज्ञादहरेंड, भी देशमधा जैस विवाद विश्वस, 15 ออารหารูที่ อุนอเลร ลิง หู้บ่างงาง, หู่ ปะทธ เ แลงสน็อ-אלנט וו לחדוני חום, או ביודר לבי בי באאסט פנסי, o sp of uas ad warev. XEIP. Ti sv av πάθοι πς, δ Μένιππε; ΜΕΝ. "Ο δο, oi pas, मर्वा क्रवन , ज्यानिक वेण न्य, बेहर जमस्मित में 20 बेर्बनकेंग नहींड नक्टिंग, में Muden auth asben-प्रण गंडलेखा.

## DIENOZ 3 x9'.

Διογίους, 'Αντιθένυς, κ) Κεσιτητ .

ΔΙΟΙ. Α Ντίδενες κὸ Κράπης 90λω δου Α άρομος. ώς ε το ούκ απημος ευθύ πες καθούς σειπαί ήσοντες, ο φομοί που που πατόντας ο δου πινές είση, κὸ τί έχας σος αὐτίν ποιεί; ΑΝΤ. Απαμού, κὸ Διόγος κὸ 35 χο αν το πάμα ποιείς κου που κου με δακρου συτας

δ Κερίτις. Ευχας γάρ πνα πυζιέλοια έρει. ΚΡΑΤ. Καὶ άλλοι μέψ πολλοί ζυκροτέδαν γον εμείν, εν αὐτοις δ΄ όπισημος, Ίσμμοδω 10 εός τε ο πλάσι , ο είμετες , κ. Άρσακο

10 εός τε ο πλώσιθ, ο ημετες , η, Αρτάκη ο Μηθίας ύπας χΦ, η, Ο ενίτης ο Αρκόμιθ, ο μ΄ οιώ Ίσμιμο όλω Φ, επερόνουτο 30 και ληςτών το Εά + Κιθαρώνα, ες Ελουσίνα είμαι βαθίζων, ές ενέ τε, η το παίμα εν ταίν

15 χερείν ίλε, κη το παιδία τα νεοχνά, α κατελελοί πει, ανεκαλείτο, κη έαυτος επεμέμι φετο της τόλιμης, ος Κιθαιρώνα ιδεβαίλων, κη τα πεελ τως ελάθτερος χωρία πανέρημα όντα ιαπό την πολέμων, διοδεύων, δύο μόνη

20 οἰκέτας ἐπήρετο , κὶ ταῦτα , φιάλας πέντι χυσᾶς, κὶ κυμβία τέπαρα μεθ' ἐαυτα ἔχων. δ δι' Αγσακης , γηραιός γδ ήδη, κὶ γὴ Δὶ ἐκ ασεμν Θ τωυ ὁ Διν ες τὸ βαρβαρικών, η χρετο, κὶ ἡχανάνης πεζὸς βαδίζων, κι ἡξία τὸν ἵσ-

25 πεν αιτώ περσαχθιώαι κι ηδιό ίππ Θ αυτώ (μετεθνίκει, μιά πληγή άμφοτερι ουπαρέντες του Θρακός πιν Θ πελτας ε΄, εν τι όπι του 'Αράξη πορός του Καπποδοκίω συμπλοκή ο μι ηδι Αρσάκης επήλαμως, ως δη

30 γείτο, πολύ την άπλων σες υπεξορμησας. υπος ας γ ο Θεαξ, τη πιλτη με εκουδύς, απο σείεται τον Αρσακα κυντον. Εκό η ύποθείς το σάρακου, αυτόν τε διαπείρει, ας τον Ιπποι. Α Ν Τ. Πώς είδν τε, ω Κράτικ, μιά πληγή του γ ο Κράτικ, μιά πληγή του γ ο Κράτικ, μιά πληγή κατο γείεδαι; ΚΡΑΤ. Ράςα, ω Άντη

 æ 34.

4708-

1075

יושון,

de

CH.

الف

uai l

mir.

4

14-

up,

14

85 75

124

33

. 9

ä

.

.

मान्य प्रवास्त्र कल्डिनिकार्यों के . वे कि वह है है स्मान-לו זו חבאדון מודבאקונסמדם דונני שפים בסגוני, אין παριλθεν αὐτον ή εἰκωκή, ἐς ρόνυ ὁκλάσας, S'exerci Ti ouciari Thi strendon, x, TiSo-जयस में श्वातका रेकारे परे प्रहिणका, रेकारे मिएस में 5 σφοδρότη Θ έαυτον διαπιέρντα διαλαιώξια ο κό ο Αρτάκης ες του βεδώνα διαμπάς, α-χεις κώο των πυγιώ. έξας οβ΄ τι εχύ:το, ε דצ מולף לה , מאאמ דצ ודישו עם אסי דל בפינים η ανάκ ει 3 δμως, δμόπμ Θ ών τοις άλλοις 10 is it is it it dis varievas. o de je 'Ocoitus हैं शिक्षानाइ, भी मर्थाण व्याच्यारेड क्ये ना कि , भी ही इंड्यंग्या द्रयाया, हम ठमका द्रवर्शिका इर्डाणां वार मर्चχασι ει αυτό άτεχνώς Μίνδοι πάντες, επιω वास्त्र किंता नी रियमिका. किंत्र किंत हो किंते नी बेरबार- 15 Swy Ensaivorles axeonosunt, mons Badileorv. 65 र देत्र से प्रतायिक को प्रदेश केंग , देसला, में ह रहша инданнай садил поводу, о Выль 6 E2uns बंहर थीं के वार्ष देश मार्ग वेश कहार में σορθμείον, έρω ή έρέλων. ΑΝΤ. Κάρω ή 20 उन्ह स्वीमंतर, केती वेग्ह्याईव हेमवाराजे पढ़ाँद वेश्रेशह, वंभे वंद्रलंड विधार्के वर्णकड का महारे , कल्वार्डि व्यालें िसे To Tog Queiov, क्लाय महिरवि ov 200 वर्ष , we מו באות לבושה שא של דמון ווו שלם דמי האצי של, οί μὸμ ἐθάκρυον τε, κὸ ἐναιπων, ἐρώ ή μάλα 25 έπερπόμων εν αντοίς. ΔΙΟΓ. Συ ά, δ Keytus z' Arti Jeves, דסופרשט פּדע צביד בנשו:doi πίρων. ¿шог ή Βλεγίας τε ο δαναςτίς, ο έπ Παραίδ, η Λάμπο ο 'Αγαριάν, ξεναχός ล้ง, มู Atus o สารต G ลน Kocivas, การน- 30 Theray ou Dains wood To wastos en papμεκων δτο θανών. ὁ ή Λέμπις δι έρωτα Μυρ-הוא הוא בדמובם:, צוסס מולבמה במעודיים ל אוב-पांध तः पूर्ण व नेता कि हो हो हा वे वार मारा मारा वा , में देवीमेश के पूर्व हें इंड रेक्कि दिल्ली में भड़ानी हें इंड नहें 35 axpi6 क्यारण क्यार्व्याप . हेन्ये हैं, प्रमां कि संतिष्ट. disανέκρινον ον βόπτη ώπιβαίνοι. Ε΄ πα το με Δαμιδι αιτιωμερίω τον ήδη, εκ αίδικα μερί τοι έ
παιβες, έρθω, τω αιτις, ος ταλανία έχων δμε χάλια, κ) βυφων αμτος εννενηκονταετις εν,
5 οκίωχαιδεχαίτει νεανίσκω τέπαιες εδολές
παιρείχες συ β, ω Ακαργών, (έςενε ρδ κάλειν Θ, κ) καπρέπο τη Μυρτίω,) τι αιπά τον
έρωτα, σαμτον β ε; ος του με πολεμίες εδε πώποτε έβεσας, αλλά φιλοκινδιώμε ήγω-

15 κληες νόμοις εἰς ἀεὶ βιώστεδαι ὁ μάτα Θ νομίζων. πλω ἐμοί γε ἐτω τυγέσαν τερπωλήν παρέχου τότε σένοντες. ἀλλ. ήδη ω ὅπὶ τιὰ στικός στικός ἀποδλέπειν χεὴ, κὶ ἀποτκοπείν πόρρωδεν τοῦ ἀρικνεμθύες. Βαδαὶ, πελλοί

20 γε η πεικίλοι, η πώντες δακρύοντες, πλίω τ νεογνών τέτων η νιπώνν άλλα η οι πώνυ γεικεμότες δούερνται τι τέτο; αξα το φίλβον αμπαθέρει το βίκ; τέτον οιμ τι τώτερ γικον έρεδαι βέλομαι τι δακρύεις τηλιεκεί οι διποδωνών τι τι διακρύεις. δι βέλτισς.

25 κείθ ἀποθωνών ; π΄ ἀγαναλίεις, ὧ βέλτιςς, κ) ταῦ τα, γέρων ἀξιγιβύθ; ἦπε βασιλοὺς ἢθα; ΠΤΩ. Οὐδαμῶς. ΔΙΟΓ. ἀλλλα σαβάπης; ΠΤΩ. Οὐλε τέπο ΔΙΟ. Αξα ἐν ἐπλέτεις, ἤτα ἀνιὰ σε τὸ ποιλίω.

30 τευφήν ἀπολιπόντα τεθνάναι; Π Τ Ω. Οὐβέν τοιβτον. 'Αλλ' ἐπ ιδεμ ἐγεγόνειν ἀμφὶ τὰ ἐννενήκοντα. βίον ἢ ἄπορον ἀποὰ καλάμε κὴ ὁςμιᾶς ειγον, ἐς ὑποθολίω πωγὸς ῶν, ἀτενός τε, κὴ σεςσέπ χωλός, κὴ ἀμυθρόν

39 βλέπων. ΔΙΟΓ. Εἶτὰ τοιἔτ 🗗 ὧν, ζην ηθελες; ΠΙΩ. Ναί · ηδὶ ρδην τὸ φῶς, űr.

180

ã-

עסו

W=

1)-

50

77

κὶ το τεθνάναι δεινον κὶ φάκε είνο. ΔΙΟΓ.
Παερπαίειε, ω χέρων, κὶ μειε ακιδύ ματο είνος το χερων, κὶ ται τας πλικιώτιε ων τε πορθμέως.
Τί εν αν τις λέγει ωτι το κίνος οπότε οι τιλικότι οιλο κοι είνος είνος είνος οπότε οι τιλικότι οιλο κοι είνος είνος νατιν, ως των τι τι τις πιας καιών φάρα ακον κλλὶ απωρομ, μιλ και τις πιας και είνει ακος είλειθρες.
Εκλευθρες Εκλούον ος ο ορών ωτι το εξιμον είλειθρες.

10

## Διάλογ Φ λ'.

Alar & 'Azaueuror .

15

'ATAM. E of mareis, & Alar, σταυτον Ε έφονδισας, εμελήσας ή κή ή-धर्में वं त्रवश्चार , में वां तर्वे परेश 'Olvaria ; में कल्लीम हर कल्लिंशिड रेवड कार्रिंग, वेस्तिन में में 20 µया कि न्यं थीए कि, कर कल्डासमसंग मेही कर यह वेप्रकृत ouseanatlu, में इंग्वां १०० वंभे रेक्निंग्नामांड μεγάλα βαίνων, παρήλ. Эες. "ΑΙΑ. Είκό-Tus, & Azaueuror. autos zas uns f marias aino ratest, un o dures etadeis on tois 25 άπλοις. 'A Γ A M. 'Ηξίας ή ανανταρώ 150ς εί), κ) ακουιτί κρατείν απάντων; \*AIA. Nai, Tak Telau Ta. oineia zas un lu n नवारक्रांव, वह बार्ड्स ह हेडव. में ग्रहांड को वंभिश महिरा वेपार्वाण्ड केंग्यर, वे मर्वा म्य में वं भूक- 30 थव , क्षेत्र मायहर प्रकृषिन यार्थ है प्रेरिकार है है Λαέςτε, ον έγω πολλάκις έπωσα κινθυμούοντα प्र प्राथमा के प्राप्त के प्राप्त किया के प्राप्त के से स्वर्ण के प्राप्त के प्राप्त के से स्वर्ण के प्राप्त के से स εί), κ, δπιτηδείοτερος έγειν πε οπλα. 'Α Γ Α. Aina τοιγαρομο, & gurale, τω Θέπτ ; ή 35 שלבו זהו דנש אאופסייםעומי דשי שמאמי ביף --Sisting.

διοδιά συ Γρυεί γε ότπ, ς έρεσα, ές το κοινον κατέθεπ αυτά. "Α Ι Α. Ούκ άλλά τ' Οδυσέν, ός άντεποιήθη μάν Φ. "Α Γ Α Μ. Συγγιώμη, δ Αίαν, εί άνθρωπ Φ. ών, ωρέχθη δυζης ήδις κ σεόγμαδος, ίση ε΄ κι ήμιβι ένας Φ. κινδιωιώς ειν υποκυίμει, έπει κ' έκε όπος σε, κ' ταῦ τα περά Τρωτ δικατείς. "Α Ι Α. Οίδα έγω, ήπης μα κατείναστεν, άλλ' & βέμις λέγειν τη αξοί Τ' θε ών. τ' γάν "Οδυσέα μή εγλ μιστείν έν άν δυ δυσε-

อัง. รัวชัง 'Odoséa แก้ ช่าง เมรดัง ช่น ลัง dwai-เว นในง, อี 'Aวล์แยนงอง, ช่ะงี ' ต่ สมรท์ เผง 'Adlu ลี ระชา อิทาล์ที่อเ.

# Διάλογ Φ λά.

# Mirw O x Susegitu

ΜΙΝ. Ο Μεν ληκής εξά Σώς εστ Φ, ες το Πυειφλεγέσοντα εμετελήδω. δ δι εξέσυλος έσο της Χιμαίεσς διασπαδήτω. δ το πάνν Φ, ω Έξιξη, προ τ Τιτυόν άπολαθείς, έσο της χυτών κειξέδω κ) αυτός το ήπας υ μείξε το πεδίον, κ) τας ματαρών υπος κατοικείτε, ανδ' ων δίκαια εποιείτε προ τ διασκορικό δικώς κιν. ΜΙΝ. Νω ακόσω αυτός το διελίκες ξων. ΜΙΝ. Νω ακόσω αυτός διασταδός ω λέγεν. ΜΙΝ. Νω ακόσω αυτός το τος εξελήλες ξων. Σ Σε εστες πουπρός ων κή τος τος απελονώς; σ Σ Ω Σ. Ελίηλεγ μαι ωδι, αλλ δεσ, εί δικών κολαδήσομω. ΜΙΝ. Καὶ πάνυ, είγε αποτίντην των αξίων δίχαιον. Σ Ω Σ. Όμως

απόκριναί μπ, ω Μίνως. βεσχύ γάς τι ερήστεμαί σε. Μ ΙΝ. Λέγε μλ μακρά μόνον, δτως κ) των άλλης διακρίνωμθη ήδη. Σ Ω Σ. Οπόσα έπραπον ον τω βίω, πόστεςα έκων έπραπον

EIV

g'

NR

το επίον, η επεκεκλως του των της μοί εας; ΜΙΝ. Τπο της μοί εας δηλαδή. ΣΩΣΤΡ. Oบันชิบ ห่า oi วอกรอง สักสะ Tes, ห่างดี กอบทอง ปั-NEUTES MUSIS, CHEIVN CONCETEUTES, TOUT & Spaμων; ΜΙΝ. Ναι, τη Κλωθοί, η έχαις ω επέταξε 5 Norm Se TI Tel opanies. SOE. El su Tis avayradeis it and pordituer Tra, & Swarf & evanisy en cheiro Bralous O, of Shuid i fazuzo, O, o il diras in mei Seis, o j rueduvo, חוים מוחבידו עם ספים; MIN. בוואסי של דפו לו- 10 र्याधा, में मं मांड्याग्रा, देमले हिंदि ने द्विक वार्त. נשחף בל וו של דבדם סף במים בי לו שנושע, דול σρού τως παραγόντι τ αίτιαν. ΣΩΣΤ. Εύγε, δ Miras, on x 3715a findin To afasteiquate. Lui de TIS STOTE GAN OF TE SECTIONS, HEN autos 15 שפעול או מפונים אסעול שיי אוו ל שמעו והפטים में गंगव देणहरूमिय वंगवत्रु मिरिश ; MIN. Toy मह्म Jarran Ewsente · Sid xov O 28 6 xoutras Lis. ΣΩΣ. Οὐκῶν όζῶς, πῶς ἀ δικα જાગાલ κολάζων ที่เลือง เลาการาสร ที่แอเปล่อง, ผืน ที่ Kx ผวิณ การอาร์- 20 านาโอ, x) าชายร TILL โบร Staxovnoulois ล่า-אסקנונו מוששים ול או בא שושונים ביתונו באמו τις άν, ώς άντιλέραν δωιατον Ιω, τοίς μ πάτης ανάζκης προσεταγιώρους. MIN. ? Ω Σώ-इत्यार मात्रों वे विवाद के मु क्रों के मूरी में के कुछ मार्थ- यह μίνα, ε ακριδώς Σεταζοις. πλην αλλά ου τε-דם צוסאמש דנוב דווב ב מים שדו שבשב, לוסדו צ אאבאב עם ייסי, מואמ אין סבסודה דוב בון לסאפינ. אמנאטσον αυτόν, δ Έρμη, κ μηκέτι κολαζέδω. δρα. 3, un xi क्र के रे रे रह एडम् हेड हेट्या के ए नवे हैं uoia है।- 30 faitns.

43

Dixing @

## Διάλογ Φ λβ'.

## MένιππΦ, η Νεκυομανθεία.

# ΜΕΝΙΠΠΟΣ, ΦΙΛΟΝΙΔΗΣ.

\* Ω Χαΐζε μέλαθου, πούπιλά θ' έςίας έ-

10 'Ως ἀσμθυός σ' ἐσεῖ ἀν ἐς εά Φ μολών.
Φ Ι Λ Ω Ν. Οὐ Μέννσπ Φ ἔπος ἔπν ὁ Κύων;
κιθε κ' ἀλλΦ, εἰ μὶ ἐρὰ πλομλέσω Μεγίππους ὅλκς. π΄ ἀι' ἀμπῷ βέλε] αι τὸ ἀλλόνωτον πε
χήμα[Φ, πίλΦ κ) λύ εα κ) λεονῖῦ; πες σιτέω
15 ὅ ὅμως ἀμπῷ. Χάζες, ὧ Μέννη πε. κ) πόθεν

ημίν ἀρίξαι; πολιω οδ χεόνον ε πεφηνας εν τη πόλει. ΜΕΝ.

\*Ηκω νεκρών καθημώνα, κή σκότε πίλα;

20 "Ir" ส่งหรุงแอริง ตั้นเรน ริงตั้ง.

ф I A. "Hอต่มโคระ อังอิกกริต Mองเทพ 🕒 ที่แล๊ร
อีสาอรินาตัว, หลุ้า" อีรี อัสาตุวลิร ส่งสอิจโตมเจา;
M E N I II.

Ούκ · άκλ ἐτ' ἔμπνεν ἀίδης μ' ἐδέξατο. 25 φ Ι Λ. Τίς δ' ἡ ἀπα στι τῆς καιτῆς κỳ Φεαδέξε ταύτης ἀποδημίας ; Μ Ε Ν.

Νεότικ μ' επίρες κὰ Βράσ Φ νθ πλέον. ΦΙΛ. Παιστι μακέριε βαγωδών, κὶ λέγε έτστ πως άπλῶς κα] εβελς ἀπὸ τῆν ἐαμβείων. τίς τὸ

30 ετλή ; τό τοι της κάτω πος είας εδείησεν ; άλλως χδ εχήδεια τις, είδε αστάτι Θ ή δόδος. ΜΕΝ Ω φιλόζης, χειώ με κατήγα γον είς αίδας, Ψυχη χενοτικώου Θηθαία Τεις εσίαο.

ΦΙΛ. ΟὐτΟ; ἀκλ ἢ Φοπαίεις. & χο 35 ἀν ὅτως ἐμμερως ἐρρα-φόδεις πεὸς ἀνδρας φίλες. ΜΕΝΙΠ. Μὴ δαμμάτης, ὧ ἐταίςες γεωςὶ

ของสำ 🕉 Ευειπίδη κ) Ομής φ συ Γχωδιώς 🕒 ชห เปิง อัสเอร ส่งรสมที่สีพ สมิ ธ์สเอง, και αυτόματά μοι τὰ μέβα όπὶ τὸ κόμα ἔρ-χεραι ἀτὰρ εἰπε μοι, πως τὰ τῶρ χρις ἔχει, χριτ ποιδσιν ἐν τῆ πόλει; ΦΙΛ. ς Karon soer, बेरो गाँव में करने पढ़, बंदमबंद काए, έπος κέσι, τοκο [λυφέσιν, ο 6ολος ατέσιν. ΜΕ N. Adrici z, zaxodainovec. & od icasiv, ola έναγχο κεκίρωται εξά τοις κάτω, κό οία אניצ מוב שדמי און מו דמ לאפוז עות דת אדו ד שאציושי, וס वे प्रवे रहे KegGegg, के रिद्यांत्र प्रमुखाने रह ठीवpuzeiv autes. OIA. Ti pis; desoulai म एडब्रेम्ड्डिए नहींड अर्थाता करें। नी देश वेर्ति ; ΜΕΝ. Νη Δία κὸ συλλά αλλ κ θέμις ενοέρειν αυτά σεὸς ἀπαντας, κδέ τὰ ἐπορρη- 19 त्य दिवा १९ विश्व मार्ग प्रवास मह मार्थेड १९ वर्ष निवास १९२० कि वेस्टिसंबर की मह मिर्विसार्थ मण्डि φ I A. Mndaμώς, & Mistern, σεος το Διος, μή ο θουήσης την λόρων φίλω ανθρί. πεθς 20 είθοτα σιωπάν εξείς τατ αλλα, εξ πεθς με- 20 μνημθρόν. ΜΕΝ. Χαλεπον με δπετάπεις τέ-סע שו פעבעם דסא עוודפיטי. בוסבב או דשט שאצ-פוצה דבדעה על שפאט ציונומדעה, על דל הפניסים χατάκλεισον, ώστες τω Δανάλω φυλάπον- 25 TUS---

wy;

17-

n não

ete

2. ΦΙ Λ. Μὰ Φεὐτερν εἰσης, δ΄ γαθὲ τὰ δεδογμιμα, φρὶν ἐκεῖνα διελθεῖν, α μάλλες καὶν ἀκεῖνα διελθεῖν, α μάλλες ἀκ ἀκεσωμί σε. ὅτις αἰτία σει τῆς καθό ἐξῆνετο, τίς β΄ ὁ τῆς φορείας ἡ- 30 γεμών. εἰθ ἐξῆνε ἀτε εἶδις, α τε ῆκεσας πας αὐτοῖς. εἰκὸς ρὸ δὰ φιλόναλον ὅντα σε, μηθὲν τὰ ἀξίων θέας ἡ ἀκοῆς Φεμλισεῖν. ΜΕΝ. Ἱπεργητεον κὶ ταῦτά σει τὶρὸ ἀν κὶ πάθοι τις, ὁπότε φίλθ ἀνὴς βιάζοιτο; 35 κ) δὰ περᾶτά σει δίειμα τὶμὶ γνώμιμα τὶμὶ ἐχιὸ δὰ περᾶτά σει δίειμα τὶμὶ γνώμιμα τὶμὶ μὴν

μίω, κὸ ὅθεν ώρμήθω πεὸς των κατάδασην ἐρὰ ὁ ἀχει κῶν ἐν παιον τω ἀκέων Ὁ μήρε κὸ Ἡπόδε πολέμες κὸ ςάσεις δηηξιώψης κ μόνον τῆν ἡμιθέων, ἀλλὰ κὸ αὐτῆν ῆδη τῆν

5 3 των , έττ 3 κ, μοιχείας αυτίν, κ, εία, κ) ας παγώς, κ) δίκας, κ) πατέφων δίξελε σεις, κ) αδελξών γαμες, πάντα ταυτα ήγε μιω ε) καλά, κ) α παρέργως διενέμιω πελέ αυτά έπει ή είς ανθέας τελένν ήρξαμιω,

Το πάλιν αιδ ενταιδα ήκκον των νόμων ταν αυτία τοῦς ποιηταῖς κελδόντων, μήτε μοιχδίειν, μήτε ταπάζειν εν με χώνη εν καθώς ότι χώνη εν καθώς ότι χρησαίμιω έμαυτώ, έτε 30 που θεές αν ποτε

รร ทั่ว ผนใบ นอง วุธบิจนา, หา รฉาสสนา สอร์ร สิงงทั้งธร ค่ นุทพ์ ร สอร์ หลงพิท รนาพท อำเพพ พาง ชา สิง รหา ของ ขอนอริธานร รณาสาทิส รษรายร สอสมขรับ, ค่

μη λυσιτελείν ισελάμβανον.

3. Ένεὶ ἢ διηπόρεν, ἔλεξέ μοι ἐλθόντα
το εξί του καλεμβίας τάτες φιλοσόρες, ἐΓχειείσαι τε ἐμαυτον κὴ δεηθινίαι αὐπῶν κεῆδαί
μοι, ὅτι βάλοιττο, κὴ τίνα ὁδὸν ἀπλίω κὴ βεCaiaν ὑποδείζαι τὸ βίν. ταῦτα μὶ δὴ φερνῶν
περσήκιν αὐτοῖς, ἐλελήθειν δὶ ἐμαυτὸν ἐς αὐ-

35 exes อีกคุ้อน Ladav Ta กล่างกนุณ อันดังน T8
"Hotod's කම माड बेट्टमाँड हेना, भे परे เปรียบาน,

'0

Youn

The same

las.

Na.

26-

w,

Tid

17,

224-

71

150

20

ei

H

1-

में दें तो ने वंस्कार वंश्वेदिकार. वंश्वे श्वास קפסימי אפחעם דשר המספתבא ליפדס , אן מילום בסי हुए 013 जिस रियो श्रीमंग्रा का री. े हैं यह का मर्चाण बें विश्व में हैं। में प्रेंग मिं मिं का का का के मार्वाण्डाक कीं कि के के महि महिन के कि रेंद्रुका ; है है विदेव में बेत्र्याय , में बेत्रμες, κ κειά, κ τοιδτόν πνα όχλον όνομά. των όπιμές αι πας αι τη πκεον έναν πων, κ के मसंभाषा रेसार्थें से कामान्याता , देन करा की ενανπωθάτων ένας Ο αυτή λέγων, σφόδρα 10 עוצמידשה או השמינה אסץ שה פתספולפדם, מידו μήτε το δερμόν το αυτό σεξγμα λέροντι, עודד דם לעצפטי, מידוג צי אנוי, או דמנידם eideta capas, ws su av more Sequer m ein κή ψερεδυ ου τάυτω ρεδυω. άτεχνώς οιώ 13 ביש מין דרוב ויטשול אח דב דבוב בעוסוסי , בידו עולם िता diav, apri 3, dva diav क्यात्रारा. देना कां कि रहर दर्श दर्श हिंतामा देंगामा करेंग, देंग्या । कंपयी । कंपयी द דפוג מנו דמי ז. הספוג באו חום לישיום. דהי של 20 zalapeoreir nacarrowitas zenudtwo, śwews ampit exculpies outwo, x) with token dia-क्रिक्मिश्रेंड , के लीं मार्क नवार् देश नवड़ , के त्रवंशाय देश्हर्य महरका रेक्कावं करीया. मंदर मह मोर So Ear am. Garnouliss, autis Evera na Ta 25 हिमात्मार diovag. nosins ना वार प्रतिष वπαίλας καθηραφουώτας, εδία 3 μόνη ταύτη περοπητημβρίος σφαλείς ειώ κλ. τούτης τῆς ελτίδ , ετι μάλλον εδυγέρανον, ἡρέμα פני שמוצה בעו ודם , יסדעשוים ל עלעושל שנו ארבות 30 ni σορών, ni σφόδρα δλί σιμέσει διαδίδιη-MENON d'ontos TE cius, na Tannes Ett de rowr were sount.

4. Και μοί ποτε δ'ιαρευπτών]ι τέτων ενεχα εδόξεν ες Βαδυλώνα ελθόν] 1, δεηθιώσι 35 τιν Θ τ μαίχου, των Ζωρςάς ος μαθητών 1) θιαθόχων. ήκεον θ' αὐπεὰ έπφυσεῖς τε εἰ τελεταῖς τισιν ἀνοίγων τε τὰ ἀθε τὰς πὶ λας, κὶ κατάγειν ὃν ἀν βελων]αι ἀσφαλῶς, κὶ ἐπίσω αῷ ᢒις ἀναπέμπειν. ἀειςον ἐν ἡγεμίω

3 1), πος πος τετως διαπραξάμθρον των κατάθαστικ, ελβόντα τος Τειγετίαν τ Βοιώπον, μαθείν πας ἀντικάτε μάνθεως τὸ σος της όξην ὁ ἀεις Ο βίθ, τὸ δν ἀν πε ελοιτο εν φερνών. τὸ δν ἀναπηδήτας ώς είχεν πά-

20 χες, έτεινον ἐυθο ΒαδυλῶνΘ. ἐλθων β, ευγγίνομαί πιν τη Χαλδαίων σοφῷ ἀνδρὶ κὰ Βεσσεσίω τίω τέχνίω, πολιῷ κλῦ τίω κόμίω, γλύσον ἢ μάλα σεμνὸν ἢ χαθοικλίω, τ'ένομα ἢ τω ἀπῶ Μιθεςδωζάνης. δεηθεὶς ἢ κὰ χα-

20 περις ανατεγλονή αι τ ηλου, ρησην τινα μακεσην άπλερων, ης ε σφόδεα κατήκεον ε ώστες γλ οι φαθλοι τη εν πις άγωσι κης υκων, όπιβορόν τι κό εκ ασφαλές έφθεργετο, πλω αλλ έωκει γε τινας όπιαλει δαιμονας μυ

25 γεν τω επφεω βίε αν με πείς το πείσω που δαπηύσες, επεινία πέλιν, εδεια ήθ απαντώντων πεσοβλέπων. εξισιά αξι ημίν το ακτόδεια, ποτόν βράλα, εξικελικεστον, εξισό ακτόδεια, ποτόν βράλα, εξικελικεστον, εξισό ακτόδεια, και εξικεστον, εξισό ακτόδεια εξισό βίλις εξικε της περοβιαιτής πόσες επεί βάλις εξικε της περοβιαιτής πόσες επεί βάλις εξικε της περοβιαιτής ποσες επεί βάλις εξικε της περοβιαιτής ποσες επεί ποσες επεί βάλις εξικε της περοβιαιτής ποσες επεί βιλις εξικε της επεί βιλις εξικε της ποσες επεί βιλις εξικε της ποσες επεί βιλις εξικε της εξικε της επεί βιλις εξικε της επεί βιλις εξικε της εξικε της εξικε της εξικε της επεί βιλις εξικε της εξικε

30 της πόας επεί ή άλις είχε της περοδιαιπόσεως, πει μέσες νύκλας όπι τον Πίρεητα πολαμον αλοιρών, οκάθηρε τε με κὶ ἀπεμαζε, κὶ πειήγνισε δαδί κὶ σκίκλη, κὶ ακκοις πκείσουν, αμα κὶ τω επρόδω οκείνω του-

35 τον Βορύσας. εἶτα όλον με χαταμαγάσας, κζ Ακελθών, ἵνα μή βλαποίμιμι ΄κπο πίν φαντατμάτων πισμάπων, έπανας ει ές τ είχιαν, ώς εξχον αναπισίζονται κ) το λοισόν άμφὶ πλουπ είχομου 
αυτός μὸν εν μαρικιώ πν' είν ς ολιώ, πὰ πολλά 
ευκύαν τῷ Μικοικῶ, εμε ἢ τυτοισ φερων ενεσκοίασε το πλω κ) τῷ λεοντῷ, κ) σεσεπ ς 
τῷ λύρα, κ) παρεκελού σατο, ἡν τις ερεταί με 
τενομα, Μενιτπον μὸν μὴ λέχ ειν, 'Η εακλέα 
β ἢ 'Οδυσέα ἢ 'Ορφέα ΦΙΛ. 'Ως β τι 
τετο, ῶ Μενιτπος κὸν ὑ κοι διαίτων ετε 
τε ορίμα Θ, ετε τὸ δο τωίνω τὰ απανεκός 
καὶ κιω σεροδικόν γε τετο, κ) κ παν εκο 
καὶ κιω σεροδικόν γε τετο, κ) κ παν εκο 
καὶ κιω σεροδικόν γε τετο, κ) κ παν εκο 
καὶ κιω σεροδικόν γε τετο, κ) κ παν εκο 
καὶ κιω σεροδικόν γε τετο, κ) κ παν εκο 
καὶ κιω σεροδικόν γε τετο, κ) κ παν εκο 
καὶ κιω σεροδικόν γε τετο, κ) κ παν εκο 
καὶ κιω 
περί τον εκο ἐν τ τε Αὶ ακά φερορν ολαλασεν τε εκο κιαλα σε απεμπομώνον ἐσεὸ τε 
εριμαί Θ.

5. Holn of En contenter huters, if ra
TEN 30 1/25 of  $\hat{m}$  Ton ποταμούν, αποί αναγωγήν ε
Γιγνόμες  $\hat{m}$  τον ποταμούν, αποί αναγωγήν ε
Γιγνόμες  $\hat{m}$  τας εσκόμες of ωπώ κ΄ σκά- $\hat{m}$  δι  $\hat{m}$  ακό σκα

πείς τω τελετω γεήτημα. εμβαλόμιο εν

απαντα τὰ παρεσκόμα μιψά, ετω δή κ΄,

witt i

77V-

ulw

014-

0170

701-

w,

63

1 - TE

Z -

35

ED V

S

-

Βαίνομβυ άχνυμβροι, θαλεεθν κτ δάκρυ 25 χέονθες.

Καὶ με χει μθύ πι Φ όσε φερείμεθα εν πω ποταμό. είτα δι έσε πλοίσαμου ες το έλ Φ κη τω λι έσε πλοίσαμου ες το έλ Φ κη τω λιμνίω, ες ιω ο Ευφράπις αφαιίζε απο πραιαθέντες η κι πωτιω, αρινικικε ε ε πι 30 χωρίον ερινικι κι λικοίδες, κι ανίλιον. ες δι διπούντες (πρείτο η ο Μυθρες αρζανικ) βόθρεν τε ώρυξαμεθα, κι τα μπλα εσφάξαμου, κι το αίμα στο τον βόθρεν εσπείσαμου. ο η μάς Φ εν πούτο βάθα καιομούμω έχων, κι 35 τ πρεμία τη ζανί, παμμέχεθες η ώς είδε το πρ

Ιὖ ἀνακεαρών, θαίμονάς τε ὁμᾶ πάντας ἐξι Εοᾶτο κὶ ποινὰς κὶ ἐειννύας, κὶ νυχίν Ἐκώ τὴν κὰ ἀπεινΙωὶ Περσεχόνειαν, παεαμιγνώς ἀ μα Εαρβαεικά τινα κὶ ἀσπαα ὀνόμα[α κὶ πολυ-

τα καρε αξιης την α χ ασημα ογοία τα χ σολυ:

σύλλα θα. ευθός εν πάντα εκείνα επαλά είο, χ
πό της επφοίς τέδας Θ άνεβρής νυτο, χ
η υλακό τε Κεςθέρε πόβρω θεν ηκέτο, χαὶ π
πεσγμα τωρχατηφες ω κλ σκυθρωπόν.

"Εδδεισεν δι των ενερθεν άναξ ενέφων αϊδωνεύε.

Το διστι οι Γανενερον αναζ ενερων αι εσωνευς.

10 Κατεραίνε ο Νόν πλ πλείςα, κ) ή λίμνη, κολ 
δ Πυειφλεγέδων, κ) το Πλετων Φ τα βασίλιια. κατελδόν ες δι διμος διά το χατμα Θ

τ μέμ ' Pαδάμαν συν εύ εριθυ τεθνεώτα μικό 
δεν των το δενε. δ δ Κερβερ Φ ύλαν θησι

35 μή τοι, η παρεμίνησε. ταχύ δε με κρέσαντ την λύεμν, παρεχημα εκοιμήση επό τ μέχες. επί ή απές την λίμνω ήλοτιμή, μικρε με εδι επετιώνημο, ω γδ ήδη πλήγες το πορομείου, κο διμωγής α πά πλεον. Σαυ-

20 ματίαι ή πάντες ἐπέπλεον, ὁ τὰ τὸ σχέλΘ, ὁ τὰ τιω χιφαλίω, ὁ δὲ ἄλλο τι ζωθεξιιμισμό Θ.

ἐμοὶ ἐρκείν ἔκ τινΘ πολέμεν παρόνες. ὁμως δὶ τω ὁ ξέλτις Θ Χάρων, ὡς εἰδε τὰ λεοντήν, οἰπθείς με τὰ Ἡρακλέα ἔὴ ἐσσδέξαθο με 25 κὶ θιεπός θμάσε τε ἀσιμύΘ, κὶ λιπζάσι διε-

σύμαινε τ αβαπόν.

6. Έπει ή ήμει εν τω σκότω, σερώει μ΄ ο Μιθερε αρξάνης, επόμεω ο έρω καθόπον εχέρων Ενώνα μέγισον αφικ-

30 νέμεθα το άσφοδέλω κατάφυζου, ένθα δή πέρε επίτοντο ήμας τεβιγίζαι τ νεκρών αι σκιαί. καζ όλιρον η περίδυτες, παρερμόμεθα περε τό το Μίνω δικατήριου. επίγρανε η δι δι παρεκί-

35 κεταν ή αυτώ σοιναι κ) αλάστρες, κ) εξείννίες. Ετέχωθεν ή σεςσήρνηο πολλεί τινες ερεξίις άλύσει था दिन

Sisa.

-טאטי

70, x

2000

doi-

O,

nor

000

W.

in-

u-

05

76

.

λύτα μαχρά δεδεμθύοι. έλέγρετο 3 📆 μοιγοί κή πορνοβοσκοί, κή τελώναι, κή κόλακις, κή συκοφάν αι, κ) τοι 8τ & διωλ & τοι πάντα κυκών ων בי דע גוש. אשפור ל פוד האצמים על דסאסץ אטבים क्टर्राह्म , बेन्ट्रों में क्टर्नेड्राहर, में मर्वित्रहरों, में अर्थिन्हरों, में मर्वित्रहरों, में मर्वित्रहरों Reinh G. देक्ड ट्रिंग्स हैं। म्यहाँड, देख्य मीम नह नवे אין יים עלים אוואים אוואים אין ד מוחסאסן צעוליביי. אם-חושפושע ל משידו אמנים דויבה או שף בו לצפו ביו-Trees. DIA. Tives Eres wees Dios ; un 20 10 อันท์กฤ ม่ रहेर संस्था. MHN. Clad जह דמשומו דעו שפים ל וואום: בוסדבא אוליבו סצומים από των σωμάτων; ΦΙΛ. Πάνυ με οων. MEN. Al Tal Tollow erresday and Saverely, रवामा प्रवृद्धित नह में स्वाच्या प्रकृतिहर में वीहरेहर रूपता : इ τα πετραζωρά ημίν παρά τ βίον, κι σφοδρα मार्थे को मी बैद्दार्क किरहेना, बेस् बेस दालह-ज्या, में underote वंशाइवांधीया ने ज्यावरकार. 8 d' εν Miras επιμελώς दिश्माद्या वर्णामध्यार हिंरवड्य हेर में नक्षा वेजहिका प्रकेट्ण, Sixla पंदर्हिणीव 20 κα Τάξιαν τ τεπλιιημόρων. Σ μάλισα δικίνων ηπετο τ όπι πλέτοις τε κ αρχαίς τετυφωμέ-ישי, אן עטיטיצאו או שפידאנווופושל שבועליטידשי. דחי דב סאוןס בפטיוסי מאמל סינומו מנולוי, אן דחי isoliar puoationio, x on un eneuviule, 25 שעודם דב סטדבה משודם, אל שנוחדשי מום ששי דבדעχηκότες. οί ή δποθυσαυλύοι τα λαμορά εκάνα חלודם, חאצדער אבוש אי אניון אי ליושברפומה, זעניνοί κάτω νεν δικότες, παρεις ήκεισαν, ώσερ τινα היצופטי בישחונים לבישונים ל השף העודי בישמו- 30 μονίαν, ώςε έχωρε ταῦ θ' όρων, τω έχαιεον. xi si Tiva yvueitaum antov, wegow av novyn אני ישי שונעיחד אבטי, סוֹט חוי בר ב דפי בוטי, אן אוֹצִסף בְּכְעִישׁן דֹּי אִינִישִ מוֹאנוֹ מוֹ בַשׁלוֹים בּיִנִישׁן אוֹאנוֹ אַ אוֹנִישׁ אוֹ בְּשׁ בּיִנִישׁן אוֹנִישׁ שליון בין של אולים דב אן אותאבול עולים משפלה ד CIXATON.

ολμετού. ο 3 μόρις αν πετε αναθείλας αυτώ περουρώς πε, η σείχουσες η διαπέκιλος, ου διαμονικός ετο κι μακαρίκε αποραίνειν του σροσειπονθας, ην το επόθο η το δεξιών προβείνα 5 δοίη χαταφιλείν. ολιείνοι με το πισοντο ακόσ

7. Τῷ ἢ Μίνοῦ μία τις ὰς πτοὸς χάτειν ἐδικά πλη δίκη. τὸν χάρ τοι Σικελιώτ μι Διονύπη, πολλά ὰς ἀνόπα ὑπό τε Δίων Θ χαπιροφηθέν τας παφελ. Τὰν λείσιππ Θ ὁ Κυρηναῦ Θ (ἄχκα δὶ ἀι)

Βών Αείστη Θ ο Κυρηναί Θ (ἄγκαι δ΄ αυ τον εν τημή, κ) διώαται μέγισον εν τοις κάτω, μικρά δείν το γιμαίςα πεσσεθεύντα, παιέλν σε τοις καταδίκης, λεγον πολλοίς αυτον τη π τς παιδωμών περς αργύειον γίνεδαι διξιόν

15 παιδιλιών περ'ς άργυνον ηθυδαι διξιόκ διπράντες η υμως το δικωτικών περ'ς το κολας! ειον άφικνόμεδαι ἐνδαι β΄, ω φίλε, ποιλα δι ελεεινα ἰδι ἀκδταί τε κὶ ἰδείν. μας ήρων τε γὸ ὁμῶ ὑόφ⊕ ἡκώετο, κὸ οἰμωγ ἡ τῆν ὅπὶ το που 20 ἐρὸς ὁποικρώων, κὸ εξέδλαι, κὸ κύφωνες, κὸ

20 ε35 οποιμών, η 5 εξελαι, η χιρώνες, η βοχοί, η ή χιμαιεα εαπλεαπίε, η ό ΚερδερΘ εδιρόμπε, εκολάζοντό τε άμια πάντες, βαπλείς, δίλοι, σαβάπαι, πένηξες, πλόποι, παγρί; η μετέμελε πισ τον τετιλμημίρων. 25 ονίας η ώναγχος τεξελά πικότων οἱ ή ὸνεμεσαν τές τραγχο τεξελά πικότων οἱ ή ὸνεμεσαν τεξελάν του διανομένου του οἰνο του τεξελάν πικότων οἱ ή ολομετελάν του διανομένου του τεξελάν του διανομένου του τεξελάν του του τεξελάν του

λύπον ο χ΄ επετεέτον ο εἰ ή κὶ σεισελέτου το κι μάλα δ'ελετορεπές τι κὶ κολακάπκον.
κὶ ταῦτα, πῶς οἰει, βαρεῖς οντες, καὶ τῶρο30 παι Φεὰ τ βίον; τοῖς μθύ τοι πένηση ἡμιτέλεια τ κακῶν ἐδέδοτο, κὶ διαναπαμόμθμοι πάλιν ἐκολάζον οι.

 Καὶ μιὰ κὰκείνα εἰσω τὰ μυθώθη, τὸν Ἱξίονα, κὶ τὸν Σίσυρον, κὶ τὸν Φεύρα
 Τάνταλον χαλεπῶς ἔροιλα, κὶ τ γιηθώ Τιτιών Ἡρόκλεις, ὅο Θ΄; ἔκειτο χὸ τύτον ἔπέτο מט'תנו

, 00

3 000

Teira

KKOp.

, id.

ני סומיו

n Jer 29eh

270) \$\lambda\_{\mu}

77

10%

1511-

20

w.

68.

Es,

01,

97. 87-

Z-

2.

בשי משנה. לובא שלידבר של על דבדשה בני דם דבρον εσθάλλομον, το 'Αχερεσιον · δι είσκομος τε थां रिंग कर म्या में बड़ रह में रबेड़ में इक्षीरवड़ , में रिंग באסף העואסי ד עבארשט אין בשעח אין סטאם סוαθωμινές. του με παλαιές τινας κ δυρωτιών-דעני, אן שני בחסוי ' סעוק ל, מנטליווישני דצי ל νεαλείς η σιωες ηχότας, η μάλιςα που Αί-קטוקונטי מנו דוטי, לומ דם חבאטמניציה דוו דמפוχείας. Τὸ μοῦ τοι διαρινώσκειν έκαςον, ὁ πά-שו זו לע בשלוסף. מדמולפה אל מדב צושה מאאור וס λοις γίνον αι όμοιοι, των ός έων γεγυμνωμένων, क्रां मार्गाइ में रावे काराह केंग्य हिलाई मीहड कांτου έρινωσκομου. έκκιντο δι' επ' αλλήλοις α-עמעפיו או מסוננסו , או צוצע בח דשט דעף ה-עוו צמאשי בעות חסידבי שיבר שכאשי ביי דמנידם וב ס אבאבדעט אפועביעשי, אן העידעט סענושי, אן סס-Geeρν τι κή διάκετον δεδορκότων, κή γυμνώς मा वेर्रिशीयड कल्ड्रियार्गिरम्प , मेमर्ड्डिंग महरेड ह-שמעדטין ש דונו לומאבונימונו ל ספפידונו צדם To xale Nipeois, in Ten melaithe Tear São 20 78 Φαιάκων βατιλέως, η Πυρρίαν του μάγει-παλαιών γνωεισμάτων αυτοίς παρέμθρεν, वं के कुलाब नवे के देव थि, वं कियर में वेम्हना-प्रविषय , में एक अरिएवेड हम रिव्याइ रिस्टिया री- 25 vaulia.

9. Τοιχάρτοι επάνα ορώνη, εδόκαι μοι ο τῶν ἀνθρώπων εί () πομπή τινι μακρά φεισεοικέναι, χορήγαν ή κ) διαπάπαν ένασι η τίχη, διάφορα κ) ποικίλα τοίς φομπά-30 τῶς χήματα περισάπασα. τον μ΄ χο λαδάσα ή τίχη, βασιλικώς διεσκού ασε πάραν τε δπιθάσα, κ) δυρφόρας Φραδύσα, κ) τω κεφαλω ξείδασα τω διαδύματι. τῶ ή οἰκίτα χώμα πείδηκε, τὸν δέτινα, καλὸν εί) ἐκόσ-35 μωσε, τὸν ἡ ἀμορφον κ) γελοίον παρεσκού-

वज्र, जवम्याविक्रमांग क्र वीयवा विद्या क्रिक्सिया ना Dian . Moddars 3 dia heart Lus domuis ne महिवार मा देशका श्राप्यमात, हम हक्का है के में λ Ο διαπομπείσαι, ώς ετάχ Επταν, άλλα με ב דמעסוב דמים, דפי עו אפיניסטי חימץ אמסב ל ה οίκετο κ αίχμαλώτε σκάθω αναλαδείν, το 3 Maidropion, Thus on Tois cinetais Touπαίονία, των Πολυκεάτης τυραντίδα μετενή שנים על על אני על אוני של של אני אונים א

ום שועשדו. באושלמי לו ס דוור אסעודוו: אמופים: חשף באליו, דעשוצמשדם בצבה של מחסל בל דעש סאב tio, x' stood oduly of To sina ut Te oring TO, was है भी कहें की, अंगुण्डीबा, under क שאווסיצ לובספרטע. ציונו לו עש באישעוס שוואק

15 देत्रस्थिंग वेकवारों ने श्रांत्र एक हिनाइवेडव में र्पेट्र ax Sovlai je, ni ajavzilistiv womeg olicius דוים הפנדאם שלים , אן אין מ שפין פאונים อาคารลงรอง เออาเออาเออา เมนะ ว x านัง อีลา ล่ THE TOWNERS ENEGRE OF THE TERMES U.

20 ποκειτώς τέτες πεος τώς γείας δραμά. Tan, agti a Kpesilas, culote 3. Heidus pe promeres, n' Azameuroras. xì o autos, si שלי בנו עומב לי בעושף שלי עובאם שניעושי , דל של Kexport n Epex Deus gijua puunou xw. .

25 मही नेत्री दूर दोशकाह जहनीते जेहर रेक के के कामक प्रशास के जब थी। कि, मेरीन है महिया है दूरण कि मह रहें बे עמד ל, מודי לעידונים ל בצמה ל מני דושי דושי שבעידם חשובים באבלי לנו ב שידם, אן דם חפים שבנטי מחם של שלים לו אבד צבו בל בל של בעול מדעין,

30 महाशह को नवमसायेड किसाह अन्या, अर दें 'Ajaμέμνων ο Αγτέως, ε ή Κρέων ο Μενοικίως, and Hon G xaeinhers Sow dis ovopualousνΟ. η ΣάπυρΟ Θεογείτων & Μαραθώνιος, τοιαύτα κή το των ανθρώπων τρεάγματά

35 בלוד, של דלדב עונו ספשודו בולם בעי.

10. 41Λ. Είπε μοι, & Μεμππε, οί του TOXUTEXES

71

s me

78

i us.

7 78

TOH.

7575

74

70200

rd.

ug.

28

41,

419

69

4

- 6

1

माठ्रियास्थ्रेसंड रहराहर के ए नेम्रिकेड रखेर्मड हें भूटमरहड ए-कारे गाह, में जारेवड, में संमाणवड़, में देना प्रवीपाय-नका हिंश मामाल्यहर्ग म्या वामाहि संवा मी देश-พรัฟ ของคุมง ; MEN. Angeis, & เลิร์. ค่ วิธี ε θεάσω ή Μαυσωλον αὐτον, λέρω ή τον Κάζα, 5 τον οκ το τέφο σειβόντον, εῦ οἰδα, ὅπ ἐκάν சாவர்கு நடிக்கு, இரவ ரக்கையுக், இந்திரில் ம்ச கட צע מועול שדונה לשר עם יושים לעובל אבר מד שונות שלו שבאסמי בעסו לסאפי, דסשודטע צדסאמטשע דע עציהμαί Θ, παρ' όσιν εξαριώς το τηλικέτον άχθ Ο 10 chineinhi G. emerdan 38, & emipe, o Aiznos अल्याद्मित्र हं स्टेड क् परेंग पर पर के कि की कि के पर प्रदेशσον ε πλέον ποθός, ά τάγκη άγαπων α κατα-אנושל, שפילה דם עוב לסי (שוב במא משלים אים הכאלם אי מי נונומו, נומ אאסי ביצואמני, כו ב הצמהש ששי חבף א- 35 μίν βασιλέας κό σαβάπας, πωχάννθας παρ משודם בן או אודטו דמפוצם השא צידמה עם מודיפומן, में त्ये कार्कत्य रीविवंत्रराशीवड पूर्वमधावीय, के रंका של דע מליום של בנול פול פול מולים אל אול אליף או אולים אולים של אולים אל אולים אל אולים ४४९, ळकर नी बेर्गि कर्मियार्गिक नवे बेम्पार्गिक कें- 20 λιππου γίου του Μακεδίνα έρω Βεασά ωρι Θ, & 3 xpaleiv enaute Swatos nv. eseix on de uos देग नुकार्तिक नागों, सार्विष्ठ बेर्राडस्ट्री कि नवे ज्वाने हुने ने रिजावरी मूर्योत्ताका - नामकेंद्र में में बेर्रास्ट्रियों में ने મેં જુરાઇનીકા μεταίβεντας. Ξέςξας λέγω, και Δα- 25 geiss x Πολυκράτεις.

11. Φ Ι Λ. "Ατοπα διηγή τὰ αξεὶ τῆ βασιλέων, κὶ ο κεὰ δεῖν ἀπισα. τί ἢ ὁ Σωκράτης ἔφορατης, κὶ Διογοίης, κὶ εἰ τις ἀλλ. Φ τὰ σοφν; Μ Ε Ν. 'Ο κὶ Σωκράτης κὰκαὶ ἀπείες κὶ αι αίτο Παλαμιάλης κὸ Λολωπείς κὶ Νέτωρ, κὶ εἰ τις ἀλλ. Φ κάλ Φ νεκρές. ἔπ μέν τοι ἐπερούσητο ἀμπῶ κὶ διωδίκει ο τὰ σαριακοπεσίας τὰ σκέλη. ὁ ἢ βελπες Φ Διογοίης παροικεί κὶ Σαρδαναπάλου τοὶ 35 Αυνοίω, κὶ Μίδα τοῦ Φρυγὶ, καὶ ἀλλοις ποὶ τρλ. Τελ. ῶν

66 Merra G, n Nenvopalleia.

πτλυτελών. ἀκέων છે દો μωζόντων αὐτη, το το παλαιάν τύχου ἀναμεζεμψών, γελά το κὸ τές πείαι, κὸ τὰ σολλά ὑπίΘ καταικού છે. દેવ κο κὰ ἀπολλά ὑπίΘ καταικού Θ, ἀδει μάλα της κο τὸς τὰ ἀπολο πον , ἀς ε ἀπολο πον , ὰς ε ἀπολο πον ανοβουκών, ὰνο ἀκοδρας κὸ διασκέπεδαι μείοικών, ὶ

φεροντας τ Διο γύλω. 12. ΦΙΛ. Ταυτί μου ίχανώς. Τί τη

Τήρισμα Ιω, δοφ ον άρχη έλεγες κεκυβών 10 χΤ τη πλεσίων; ΜΕΝ. Εύγε το τόνου α ε ηδ είτι όπως τόν τόν ε λέγειν σεο θείμου παμπολύ άπεπλανήθω το λόγε διαβίδο το γάρ με περ αυτοίς, προστού ο σροί τες οκκλησίαν πεί τη κενή (υμφερέντων.)

15 δών δεν σολλώς σωνθέον σες, άναμέξας εμαυτό τοις νεκροίς ουθώς είς με αὐτός ων τρώ κλησαςων. διωκήθη με δεν κε άλλα, τελά ταίον η το σει τη σκοσων, έσει ηδ αὐτών κε τηρέρηο σολλά κε δείνα, βία κε άλλαζονεία, ε

20 τωροψία κι άδικία, τέλ Φ άνας άς τις την δε μαγωγών άνες νω Ψήφισμα τοιντο.

## Thornua.

ΈΠαδη πορλά ε) σε άνομα οι πλέση δρώσι σε είτον βίον, άρπάζοντες ή βιαζόμθροι, ε) πάντα πρόπον ών πενίτα καπαρεονομίτες, δέδοκζαι τη βαλή ε) το

30 δίμος, επειδού αποθαίναι τη βού σόματη αυτή κολάζεδαι, χαθαίος κι τα δή αλι λου πουνερών, τὰς β ξυχάς αναπεμοθείται ανω ες του βίου, καταλυεθαι ες του όνες αχεις αν εν το τοι τοι στο διαγάχωπ μυειά

35 des हर्नी नहीं है से लिकडाए, उठा दें हैं विषया प्र पूर्णियोग , के ले ट्रीक्ट्रहणां महर, के जिल्ला मा exan

2 TUXA

7H 04

E an

ier,

60

unga

WG!

160

ev]

cu.

26

14

dr.

701

m Z

\*

.

-

πενήπων έλαιμομείοι τιμέτειθει ή λοιπόν εξείναι αμτίξε αποθανείνει είπε τιμέ χνώμιμι κεμίων Σκελεπον Θ, Νεκυποίδε, φυλής Αλιξαντιάθ Θ. τέπο άνα χνωθέν Θ τε ψηφίσμα μέν αι έγχαι, έπεχειες ς τόνησε ή το πλήθος, κὶ ἐνεξειμήσατο ή Βεικολί, χὶ ὑλάκτησεν ὁ Κερξες Θ. επω χὸ ἐνταλί χίνεται, κὶ κυεια, τὰ ἀνεγνωσμόμα.

13. Tan मा कि रेंग का नवे देश नमें देशस्त्रभ- 10 σία. έρω ή έτρ αρίγμω ένεκα, πο Τειρε-जंद क्टुजर्भ रेकेंग रिश्न केंग को नके नके नके नक कीηγησάμου 🕒 संगामि कर्ल: με, πίον πνα ή-γείτο τον άειςτο βίον · ο ή γελάσας , दंत δε τυφλόν τι γεθέντιον κὸ οίχεον, κὸ λεπίο- 15 φωνου, ညီ τέκνου, φησί τίω με αιτίαν οίθά σε της αποείας, όπ σερά την σορών εγγύεπο, ε τα αυτά γιγνωσκόντων έσυτοίς. άταρ ε र्रोहाड र्रहेर हार कर्लंड कर, वं कर्त्वाशी वा रूठ देंतर पंड Padaudv 30 . แพปลแตร " plu, ล้าสาร์ยเวง, 20 פואל פודד , אן עול שבול ליוג עום כש דעסאסדבפים கூடார்மாக வால் கிடி. ம் நீ, கிர மு காகரவரம், ม่ สมบ ชีบ สังงอง ลางสรรสร ที่อุรุนส สายร-मांध्रीयड करनेड परे हैंड क्राडोंग, हे मी विश्वमी सेटा-50 BiG x) ompeoresego. de Tils does- 25 בשוחה המש שנושף לה לע עבדבשפאסץ בונים אן דבאח में बेह्नबेंड ठीनाज प्रवन्तिंग, में म्याचारी पंजवड की जन-פשוי דצידשי סטואסקודעולל, או דע דרומנו דע אוו-כיי ווץ וושעושלים, קצדם עם ייסו בל חשוום שו-हर्दा, विमाद परे मार्थि हाँ अर्थिन, क्रम 30 र्वहर्तामाड प्रत्या पर महाराये , में कहा प्रार्वहर हकाड-Saxws.

14. 'Ως εἰπῶν, πάλιν ἄρτο καῖ 'Ασοσδελὸν λειμώνα ἐρώ ἢ, κὶ μὸ τόπ ὁ ἐὲ ៤ὖ, ἄχε δὶ, ῷ Μιδες Εαρζάνη, οημὶ, τί διαμέλ-35 λοκών, κὶ ἐκ ἀπιών σῶδις ἐς τον βίον; ὁ ϳὸ περς τούτα, βάιξει φισίτ, δ Μένιππε, τα χείς μας πε κὰ απράγ μενα ύποθείξω απεαπέι κὰ βλά παρα ρών με περς τι γρειον τε αλλαξο φορώτερεν, δείξας τῆ χειολ πόρρωθεν αμαφεί 5 τι κὰ λεπδον τὰ περ δια κλεθείας ἐσρέον φαι ἐκείνο, ἔριι, δεὶ τὸ ἱερον τὰ Τρετωνία, τὰ κὰίθεν κατέγχονται οἱ ὑπο Βοιωπίας. τουτίω ειώ ανιδι, κὰ ἐυθον ἔτη δεὶ τῆς Ελλαθο κλεὶς ἢ τὸς εἰριμείνοις ἐγὰ κὰ τὰ Μαρον ἀπα το σάιδιθο, χαλεπώς μάλα δια τὰ ετιμε ἀνερ πύπες, κα δίδι, ὁπως ον Λεθαδεία ρίγνεμα

15

20

### Διάλιγ Φ λγ'.

Xagor, n'Emonomentes.

ΈΡΜΗ Σ. Τ΄ γελάς, δ Χάρωνς ή ή το σερθμείου ἀπολιπών, δεδο ἀνελήλυθας ες τω παρέσαν ημέρευ, κ παιυ είωθως όπογωριαζείν τους άνω αράγμα-25 σι; ΧΑΡ. Έπεθυμισα, δ Έρμη, ίδειν όποια ότι τα εν το κάνθρω.

25 σι; ΧΑΡ. Επεθύμησα, δ΄ Ερμίκ, ίδειν όπεια δει τα εν τω είν , κ, α αραπίνειν εί ανθρωποι εν αυτώ. δι πονν εξεκμοι, πάντες είμως νει κατιόντες πας διμάς. κεθείς γδ αυτ των άδακρυτι διέπλευτεν. αιτησάμωσ ν

30 Φε ά το ά δε, κ΄ αυτος, ώσπερ κ΄ ο Θεπαλός εκεμιθ νεανίσκ. Θ΄, μιαν ημέρσεν λειπόνεις γρέως, ανελήλυω ες το φώς, κ΄ μοι σοκώ ες δέον εντετυχικέναι σοι. Εργαγήσεις γάς ευ είδι ότι με ξυμαθεινοςών, κ΄ δείξεις έχα-35 κα, ως αν είδως απαντα. Έ P M. Ου γε-

35 sa, ως αν είδως άπαντα. ΈΡΜ. Ου 9ςλή μοι, ω πορθμεύ. ἀπερχομαι χάρτι δίακονησάμθος 8 60

wen

çãs

Tig

1125-

ua.

2-

d

.

,

ç

κοιησάνδι Ο τω άνω Διὶ των ανθρωπικών. δ Copp. in ous ton Houson opalu emoinos, हैं। भा स्वापड़े महत्त्वा केंद्र पंक ता वर्षे केंद्र केंद् σία βηλά, ώς ύποσχάζων, γέλωτα παγέχειμι η αυτός οινοχοών. ΧΑΡ. Περιό τει έν με άλλως πλανωμύμον το γης, κή τουτα, έταῖρ Σ΄ ξύμπλες ε΄ ζων εάκτο-ρ Θ ων; καὶ μων καλώς είχεν, ω παι 10 Maias, cheiver วูซึ่ง σε μεμικουι, อีก แหล่ง πώποτέσε η απλείν εκέλασα, η ερόσκω-कार दीरवा. बेमेबे को एडेर हेर्न्सलड की रह хатигрына Ф ситадей, бику вты хартеpes Exav. n, el mua dadou vextou eucois, 15 בונוים שמף האסף דסט שאצי לומאבץ וו. בין מו εέπω μόν Φ. αλλά πρός το παβός, ω είλτατον Ερμήδιον, μη καταλίτης με, πεειήγησαι ή τα εν τω είω άπαντα, ώς 20 τι κ) ίδων επανέλθοιμι. ώς Ιω με συ מבחוב ז שלבע דעט דעסאשט לופודש. משלםτρο 28 εκείνοι σφαλλοιται διολιδαίνουτες εν τη σχότη, ετο δη χάρώ σοι πάλιν. લેપ્રદેશપૂર્ધનીલ જાાગેક મો વહેક. લામને કોંદ્ર, છે 25 Κυλλιωίε, μοι ες ακί μεμιπτομέρ την χάευ. ΈΡΜΗΣ. Τεπ το πεσγμα πλη-วูพีง बांगाण श्वास्वड मंज्या मारा. देव रू है। मे-री। परे पार्किंग मांड विधार्मा महत्व देस वेस्करδιλον παντάπασιν ημίν εσομθύου. τω 80- 20 भागरंग है है एकर. में ही वैंग के मर्वर्भ τις, δπότε είλΟ τις ων βιάζοιτος πάν-τα μθώ εν σε ίδειν καθ΄ ένασον ακειδώς αμήχανον όπου, ω πορθμεθ. πολλών χθ αν हेर्ना में राबर्रिटिने अंगार , होरब हमहे में अंग 35 une de de de la sei , प्र ने वे कि वे कार किया

το τε Διός · σε ή κ, αὐτον κωλυσει ενερχή τα τε Βανάτε έρρα, κ, τω τε Πλέτων Θειγ χω ζημιοιώ, μη νεκεαρωριώ τα πολλές χένε κ) ο τελώνης Αἰακὸς αρανακ]ησει, μηθί ο δελή ε εμπολών. ως ή τα κεφάλαια τω γιγνομών

เป็นรุง ซอซ ที่อีก ชนะที่รอง.

 X A P. Aὐτος, ὧ Ερμῆ, δτινό ει τὸ દુધ Ŋικα ἐχὼ ἢ ἐβὲν οἱθὰ τῷ Ὠὧ χῆς, ξεν⊕ ὧ
 Ε P M. Τὸ ῷ ὅλον, ὧ Χάρων, ὑ Ϥκλῦ τηθ

10 ήμιν έδα χωρία, ώς ἀπ' οκείνε παθθ θόνι σε βεί με ές τον ές ανον ανεκθείν δωμαθον ήν εκ αν έχαμνον ' οκ ποροστίς βο άν ακριθώς ε παντα καθεώς ες έπει β ε θεμις ειδώλοις εί ξωρόντα όπο αθώλου του βασιλείων τε Δίες δα παντικών το δοθο σεντικοτείου. ΧΑΒ

15 ట్రైమ గీయ్ల బ్ ఎంసర్లు నా ర్యాత్రా చెలుగురు మాణ్లు X A N Olibra, ట్ ' Epuñ, ట్ ప్రాం కెబ్బంటి సిక్సాణం కి స్టాప్ పార్టింగ్లు కే స్టాప్ ప్రాంటింగ్లు ప్రాంటింగి ప్రాంటింగ్లు ప్రాంటింగ్లు ప్రాంటింగి ప్టింగి ప్రాంటింగి ప్

20 κελάζετε των όποιω εθλαι, η ενθέναι όλιμη το ποθές, η σωεκθετικής των ανάμαλι, ενθής, των ήτου του ανάμαλι, ενθής, των ήτου τα δελτία. χε του τα θε χει του τα δελτία. χε του τα δελτία. χε του του δελτία. χε του του δελτία. χε του του δελτία. χε του του δελτία. Σελτία. Σελτί

25 ຂັບຣອຍທ່ານຮາບທຶງຂະພ້າ. ອ່ງພ້າ ອີ ພັກກະຄຸ ວັກເຮືອກັດແ ຮ່ວມ ອີ, ການກົກ ແລງອະດີຮັບແມ, ກະພາການ ຕະເວີ້ນຜົນ ອີ ແລງ ຜ່ວນກ່າວວາ. EP M. "Og ອີລິຮ ຄ່ອງ ຕະເລີ້ນທີ່ ວຣີ ຄັວອຸບແມ ກ່າວພາກະຮາ, ແລ້ວ ປະຕິກາດ ກາໄມ ໂດລາໄພ່ ອາເອກໄພ່. ລ້ອງ ຮັບ ວໍ Κດມ ເລວ ອີ - ວັກກາໃຈເອັ, ຄື

30 ὁ Παρναστός ή Ιπλότες Φ., ἢ ἀμφοῖν ὁ "Ολυμπις δαεινοτό; καὶ τοι ὁ φαιλόν τι ἀνεμνή δυν ἐς τ "Ολυμπιν ἀπιθών, συ Γκεμεῖν θέ τι κὴ ὑσοςχίνοα κὴ σὰ δεῖ. Κ. Α. Ρ. Περίκα πε. ὑσος χήποι ὰδ ὅπι διαικτικ. 12 m

5076

Sold

ulfun

1500

72 G

She

· 111

di

100

A P.

e Sue

73

oia

1201

274

17'

61.

cus

3.60

La fi

255

25

700

f.

3. 'EPM." Ourgo o Toulins ont Too 'A-रक्षक्ष मुंदेवड , रीठ को वर्ण करें वर्ण वड , हैं रा मधारिय इ अस्त्रीवकं मन्दर में "Owav देश हिंबी कुछ वे विकार वेoarlas, हिम्मेसंग्वा मार्ड 'Oxumo. द्वारत के IInλιον έπ' αυτή, ίχαν ων ταυτίω κλίμακα έξειν οίς μένες κι σρόσ βασιν σρός τ κεανόν. εκείνω μεν τω μειεαχίω, αταθάλω 38 ής ω, Sixas हेराज्यीय. एक है, हे हुई ठीने स्वम्ल रका प्रहरू τούτα βελούομεν, το έχε οἰκοδομεμέν κὸ σο-गारे XT नवे वर्ण नवे हेनाराध्रेश में डिए मह हे नविश्रेश रेख में 10 हिंद्रा, केंद्र हेर्यायी केंद्रे ए नेमरेट्रिक केंद्र्या हिंद्रहें क्र 7 σχοπίω; X A P. Kai Swn σομεθα, & Ecun, δύ όντες αναθέδαι, αξάωθροι το Πήλιον ή 7 O Daur; E P M. Dia rid' sk ar, & Xa; ov; ที่ ส่รูเกรีร ที่แล้ร ส่วนะรร่งชร ซีป ซรีบ ดิจะอบหน้องข 15 εκείνοιν, κὸ τοῦτα, Θεὰς ὑσάρχοντας; ΧΑΡ. Οὐκ' ἀκλὰ τὸ σεοιγμα δοκεί μοι ἀπ-Saror τινα μεραλεγρίαν έχου. Ε P M. Είχό-Tws. เป็นการ วชี อโ, ผี Харыг, น้ำ ที่มเรน สอเท-TINOS. 0 3 คือเลือนร "Oung & 200 อังกับ ร่างอเม 20 פט דואם וועווי מעוב מדטי ב שכוחסב ל צפשיטי, צדם éadius owiliseis rà opn. no Saunal w ei ou τούτα τεράπα Εί) θοκεί, Τ "Ατλανία δηλαδί משלידו, פני ד היאסי שני דטי בונה שני ספרון מיב אשי म्पर दे म्याम्या वेस्ट्राड ने रिकाड में मह देवह वेर्डिश- 25 दे महिं। के Heanhio, wis Sadifort कार αὐτὸν ἐκείνον τὸν Ατλανία, κὴ ἀναπούσειε πεὸς ολίρου τε άχθες, ὑσοθεὶς ἐσυτον φορτίω; ΧΑΡ. Ακέω κὶ ταῦτα. εἰ ἢ ἀληθή όξη, σο ar, & Equi, 2) oi тотта сібите. 'E P M. 30 Ann Strafa, & Xagov. n niv O 38 Evera orgoi άνδρες ελά δον ο άν; ώς ε άναμοχλά ωμβ ? " Остан тертон, ผื สายๆ ที่แม้ เอาหรักสม าด "รัสอง, צו ס פו אדבו שי "סעוופס.

Οράς, όπως ράθι ως άμα κỳ ποινπικώς όξως γασόμεθα; φέρε διν αναβάς ίθω, η κή τωπ ίχανα, η εποικοδομείν επ δείντει, παπαί γάπο επικοτικώς στι γερούς στο κεσικό, όπο

κάτω έπ ετιμφό ου τη ισωμέα τε έξαι ε. απ μ οδ τη έωων, μόρις 'Ιωνία κ' Λυθία ς α νεται. από ή της έπεξας, ε πλευν 'Ιταλίας ι Σικλίας, από ή τη άκλουν, τὰ όπι τα το 'Ιερε μόνα, κακότεν ή Κρήτη ε παιν το ως, μετακινητέα ήμίν, ω πορθικό, κ' ή θο

10 φως, μετακινίτει τηκ τις, ω πορτικού, εξ τι θη τη ώς ξοικει» είται ο Παριασός ότι παπο ΧΑ Ρ. Ούτω ποιώμει, ό εσ μόνον μιλ λεπό τες σν έξεργασώμειδα το έργον, απομικινών τες πέσει το ποαιί ε΄ είται συγκαταβροφέτης του ποιώ πικού που του καταβροφέτης του ποιώ πικού που ποιώ πικού που ποιώς του ποιώς που ποιώς του ποιώς που ποιώς ποιώς που ποιώς που ποιώς που ποιώς ποι

15 ωπώ, πιρώς της Ομής ο οικοδρωτικής πα εαθώμου, ξωιβιθέντες την περνίων. ΈΡΝ Θάρξαι, ασφαλώς οδ έξει απαντα. μετατήδα τω Οίτω, επανλινδείδω κ) ο Παριασκό 13 επάνειω αυθίς, εύ έχει, πάντα όρω, α

20 νάβαινε ήδη κ΄ σύ· ΧΑΡ. "Ορεξον, δ΄ Έρ μη τω χείρα. ε΄ οδ δτη μικεφν με τουτίω τω μητα ω άναδιδαζεις. ΈΡΜ. Είχι κ΄ ίδειν εθέλεις, δ΄ Χάρων, άπαντα, έκι ένι η άμφω, κ΄ άσραλη, κ΄ φιλοθεά ωρνα έθ, ακ

25 έχε με της δεξιάς, κ) φείδε μη κτί το όλι δηξά παζείν. εύγε ανελήλυθας κ) σύ. κ) ε πειτέρ δικόρυμο 6 Παρικούς όξι, μίαν ε κάτες 9 άκραν όπιλαβομόνοι, καθτζώμεθα σύ δε μοι ηθη εν κύκλφ σειδλέπων έπισκόπε 20 άπαντα.

4. ΧΑΡ. 'Ος ω΄ γιῶ το κλιω κὸ λίμιτω την κὰ μεγώλιω εξειβένεσαν, κὸ ορη, κὸ το πολαμός, τὰ Κωμυτα κὸ Πυειτλεγέτου] Θ΄ μείζονας κὸ κὰθρώπες πάνυ σμικρός, καὶ πιας φαλεός αὐτίνος ΕΡΜ. Πόλεις ἐκείναὶ εἰση δε τὰ κὸτὰς τὸ κὸτὰς κὰτὰς κὸτὰς κοτὰς κοτὰ

कंड हरिंग मधार मह्त्वकारीया, बंभेरे प्रवर्गीया महेंग Παρναωνν αυτή Καςαλία, η τ Οίτίω, η τὰ άλλα ορη μετεχινήταμου. Ε Ρ Μ. "Οπ m; XAP. Ouder axpiles Eywy and The υ Jung opa. εξαλομίω ή ε πολεις, 2 ogn au- 5 नवं मार्गण, व्यवाहर देर मुद्रक्वांड वर्षण, बंभेर्य क्र वंगिर्श्वास्य वांक्यं, में वे क्ववंतिया, में वीव में-עשמוני, שמשפף סדב עב דל מףשרטי ביודע אביי בוες γελώντα, κ) πρε με, ό,π γελώμω. ακε-σας γως πιθ πωνν ες ιωθολιώ. Έ P M. 10 Τί 3 τετ μω; ΧΑΡ. Επὶ δείπνον οίμαι κληθείς उठा गा कि की φίλων, ες τω υσεραίαν μάλισα ηξω έρη. κ) μεταξύ λέγον-TO केमारे पर महिश्वद प्रदृत्यां के किम्मार्डिंग्स , बस हों में उंचर प्राणां करों कि , बे मांश्री सम्हण वांगिंग. हे पूर- 15 A ara oui sx oftrexeral of The warpers . βλέποιμι ε ακκοιμι. ΈΡΜ. Έχ αξέμας, κή τοτο ρο ερώ ιατομαί σοι, κή όξυберхігатов си Вса жі, атэрава, тар Оширь 20 गांग्ये में कहार पराठ हमक्रीका मबिकार म्वामनिकेर פו חש דם בחו, עבעיוסס , עווצבוו פעוב אטשול פוד, ελλά σαρώς πάντα όραν. ΧΑΡ. Λέγε μόvov. E P M.

'Ay אנוש א' מנו דמו פד סף שבאנולו באסץ א משוי 25

STHEV.

7. े दिस्

TOWTS

2701

am

Çai

las i

73.4

שפיני Oi 200

97/2 บบ่อ EVTS

76 PM

13a

2006

a.

E.

176

2 j

24-

4.

TH

11

52

y'

5

"กอยู่ รบี วา พอหมุร ทุนยู่บั ริงอิง, มีปริ หุ๋ สาปอส. XAP. Ti bay; EPM. Hon beas; ΧΑΡ. Υωρουώς γι. πυρλός ο Λυγιώς έ-प्रधार , कंड महदेड देवर. कंडर को नवे देश नहत्व 30 περδί δασκε με, κη αποκείνε ερωτώ π. άλλα Beder XT Tor "Ouncou raiga spanai se, is נום לאו של משודטי בעובאה סידונ עב דע " ( בעוקש ; E P M. Kai moder où Exers no or oneire ei-Jivas, vantus žei z περτιώτ & dv; X A P. 35

'Deas, องหเปราหลัง ซอง จร + ระบบเม. อาล

Τόπότε διεπόρθμουν αυτόν διποθειών πολλα ραφωνίθο ακάσας, ενίων ετι μέ μνημαι. καί τοι χειμών ήμας ε μικρός τόπ κατέλαδεν. ετώ μό ηρξατο άδειν ε παιν εξισών τις πλέεσιν, ώς ό Ποσειδώ σιωή αμε τας νερέλας, κ) εταξεξε τόν πίστην, ώ απες τοριώλυ τις διαδών την βίαν καν, κ) πάντας τας θυέλλας ωρόθυως, κ) άλοα πολλα κυκών τ βαλασιαν ύπο το επώς,

10 χειμών αξυω εί γιος Εμπισών, δλίγα θει ποιέττε είν ήμεν των καιώ. ὅτε τος είναι τιά σας εκείν Θατήμεσε τη βα μαθιών τας τος λας αυτή Σκύγλη, εί Χαρίδθει, εί Κυκλωπ Ε P M. Ου χαλεπόν οιώ τω δια τοσέτε εμί-15 τε δλίγα γεω θιαξυλάπειν. ΧΑΡ. Εἰπ

pap wor.

Tis 38 อีลิ อีล สล่าเร ติ ล่าที่จุ ที่บริ จะ นย์วูลร

τε, "Εξοχ Φ ανθεώπων κεραλίω ε ουεία

20 άμες.

Έ P M. Μίλων έτ Φ ό ομ Κεότων Φ άθλητής. δήπες τῶς τὰ "εκλίμες, ὅτι
τὸν ταῦς τὰ ἐράιθμ Φ φέρει διὰ τὰ καδία μέσω
ΧΑ P. Καὶ τόσω δικαίστες τὰ τὰ ἐμὲ, α
25 Έρμη, ἐπαινοῖεν, ὁς αὐτόν στι τὸν Μίλω-

25 Ερμή, επαινοίεν, δε αυτόν σει τον Μίλωνα μετ όλι τον ξυκλαθών ενθήσημαι ες το σκαρίδιον, όπο ταν ήκη περε ήμας κατό τα αμα χατάτε την αντική κατα παλαιθείς τα δανάτες μπθε ξυμείς όπως αυτόν κατο

30 σχελίζει, κάτα οἰμώξεξαι τιμίν διλαδή μεμνημβό τι ετρώνων τέτων, κὶ τε κεότα. νωϊ ἡ μέτα φεριοί δαυμαζόμιθος πεὶ τη τε παίρε φορά. Το οιδοί κου, άνα ελπίζεις αυτον κὶ τεθνίζει πέξε; ΕΡΜ. Πό-

Be Ser entro Sanara un un monde ener ar en en municipal rosoute; XAP. Ea retor un ene

μακοδο γέλωτα ήμιο παρέξουλα, οπότ αν πλέη, μηθέ εμπίδα, εχ οπως του εν έπ α εχ-

Das Twanspop.

2:077

TI IL

ה זלד ב

'U 01

Terdin

Fian Dian

1 2%.

Tier.

Seis

Tide

TOX-

6075

244-

in

jas

Éds

119-

TI

N.

3

J=

9

5. Zu St uor cueivo eine, nis Te ap of and you The sealis. E P M. Kup , & Χάρων, ὁ Καμβύτε, ος των άρχων πάλαι Μήθων έχοντων, νω Περσών ήδη έποίησεν in. x) Acrueiwy Evas X & chedithor, κή Βαζυλώνα παρεςήσατο κή νων ελασείον 10 TI OH Audian Loixer, wis na Jekon Tov Kegiσον, αρχοι άπαντων. ΧΑΡ. Ο Κερίσος ή πε ποτε κακείνος όζην; Έ PM. Έκεισε λπόβλε for es τω μεγάλω ακρόπολιν τω To TRITARY TEIX G. Zapders cheivan, x 15 T Kegirov autov opas non ou kaivns zeuσης καθήμινον, Σόλωνι τω 'Αθωμαίω διαλε-วอนใบวง दे विश्व व्यवकारी का मी का मा λέγεπ; XAP. Πάνυ μ οιώ. KPOL Ω ξένε 'Αθωαίε, είδες γάς με τον πλέτον, 20 2) Tri Surawers, 2) 850 don't o sevois όξην ήμεν , κ) των άλλων πολυτέλειαν, είπε μοι τίνα ηγή ? πάνθων άνθρώπων ενθαιμονέςατον έί). ΧΑΡ. Τί άξα δ Σόλων έρει; EPM. Odpper. ifer affores, & Xapor. 15 Σ O Λ. TΩ Kesise, origot phi cufai uoves. ego j dy olde, Kasobir, aj Birava ng suas टेंपरियापा इसंतर प्रिकेरी, नार नाइ iegeius नयाdus. XAP. This appider on our ETG, 7803 वं पत कार्योध्य वेतार नेवार्वभावदः, हेनाले निध्ये धार्महत्त्र ३० रंकार्जिका मां हार होर सामका होने नाह केमियां के प्रा Treds to isejy. KPOI. Fra, syetting The क्ट्रिंग्य देशशिया गाँड देणर्वियापदार्शिया. व रिक्षां मार् NE TIS av sin; EOA. TENAG & 'ASn-थर्यों कि, वेद हर्षे पर देशिक, में वेग्रहीन्यावर देखी प्रांद 35 maßid . KPOI. Eja j, radagua, &

E 2

σοι δικώ δυδαίμων τ); ΣΟΛ. Ουδίπω εξιδα Κροίστ, ην δη στρίς το τέλΦ αφίκη τη βίνα ο 38 3 αναίΦ ακριδής έλεγχω το πρίστων, κ) το αγρί αφός το τεριας ευδαυς μόνως διαδιώνω. ΧΑΡ. Κάλλιστ, ω Σόλων, ότι ημήθι έκι διτιλέληστι, αλλά το προθικένο

αρτό αξιοίς γράδαι τ΄ του την πος τικίου κρίσου.

5. `Αλλὰ τίνας ἐκείνες ὁ Κεβίσ ὁ ἐκ. το πέμπει; ἢ τὶ κὸ ἐλὶ τῆν ὡμων εξερεσ; ἘΡΜ. Πλίν-3ες τὰ Πυθίω χευσᾶς ἀνατίθηση, μικρὸν τῶν χεριστιβή, ὑφ ὧν κὸ ἀπολεῖται μικρὸν ὕςτερον. Φιλόμαντις ἢ ἀνὴρ ἐκτόπως.

ΧΑΡ. Έχεινο τάς εξην ο χευσός το λαμ-15 σεον, ο ἀποςίκδει το ὑπωχεον μεὶ εςυδήμαίω νηῦ το σεο τον είδον, ἀκκων ἀεί. ΕΡΜ. Έκεινο, ὡ Χάςων, το ἀοίδημον ονομα, χὶ σειμάχητον. ΧΑΡ. Καὶ μιω έχ

ορώ ό,π α μαθον αυτώ ανεό τεπν, εί μιὶ άξα 20 τεπν μόνον, όπ βαριώνιλαι οι φέροντες αυτό Ε P Μ. Ου βο οίδια όσοι πόλεμοι όλα πέντο, κὶ όποξελαὶ, κὶ λικτίρια, κὶ όποξείαι, κὶ φόνοι, κὶ δεσμά, κὶ πλῶς μακρός, κὶ ἐμπτείαι, κὶ δελεΐαι; ΧΑ P. Διὰ τῶτο, ὡ Ερτες μιὰ, τὸ μιὰ πολύ τῶ χαλκῶ διαφέρον; οίδια

25 μμη, τό μμη πολύ τε χαλιε διαφέρου; δίδα δί του χαλιου, δοολου ώς διδια παρά των κατασιλεύντων έκας εκλείων. Έ P M. Ναι. αλλ΄ διχαλιος με πολύς ώς εκ πάνυ ασυ δάζεται τω αυτών. τητου 3 δλίρου όκ πολλε

30 το βαίθες οἱ μεταλλουθες ἀνορυθεσι πλω), ἀλλ ἐκ τῆς γῆς, κὰ ἐξὰ, ώστερ ὁ μόλιβο Φ, κὰ τὰἰλα. ΧΑΙ. Δενθώ πνα λέγεις τῶν ἀνθρώπων τὰ ἀβελπείαν, οἱ τοσῦτον ἔςωτα ἐρῶπν ὡχεῦ, μὰ βαρέως κίπια Φ. ΕΡΜ.

35 'Aλλ' & Σόλων γε ἀκείν 🕒, ω Χάρων, ἐρᾶν ἀντῦ φαίνες αι, ως ὁρᾶς, χαταγελά βό τὰ ΚερίSime

H 78

271

Sas-

Lar,

gioy

rei-

en-

07;

- 11

de

160

4=

4-

i

\*

σε εὶ τῆς μεταλαυτίας το βαρδάξει και μπε δοκείν έχειδαι τι βελέζαι συτόν, έπακεστικών δε

7. EOA. Eini wot, & Kegire. olet zag א לנושמו דעי אונישטי דצדשי דפר ווע אוסיין ב ΚΡΟΙ. Νή Δί, ε χώρ δζην αντώ ον Δελφοίς ανάθημα εδέν τοιέτον. ΣΟΛ. Ούκ Er marazior otte vor Jedr Stodairer, ei iln-סעודם בע דפונ באאטונ ען האלישני אפניסעני KPOL The to s; SOA: Howlin was to Aires, & Keoise, merian on The mount; el en Audias usrassidedas to senoson denser. autou, ny Andrewinson. KPOI. II 38 דיים בי אניטודי אפניסינ פים משף העוצי; ΣΟΛ. Είπε μοι, σίδηςος ή quelas èn Au- 16 dia; KPOI. Ου πανυτί. ΣΟΛ. Τέ Bention G aga croteis est. KPOI. Hosautivor o office sevois; E.O.A. Hir Storpivn under ay avanter, ud Jois av. KPO. Έρωτα, ω Σόλων. ΣΟΛ. Πότερος αμεί- 20 דער כו שבל ביולבר דוומן, או כו שבל בעלים שים לב αὐτῶν; ΚΡΟΙ. Οι σωζοντες επλασπ. ΣΟΛ. Αρ' ων Ιω Κύρ , ως λοροποιώτε KPOI. Oi ow Courtes chadhe. Tives, offin Audois, Routes unxuleus où roi-isn The serted, il o oiche @ avaszai@ rote; 25 KPOI. O of Sup & Sunash EOA. Και είχε μιν τέτον παρασκαθάσαιο, οίχοιτο αν σοι ο χευσος, ές Πέρσας αι χμάλω [ G. KP O. Ευρήμει, ω ανθρωπε. ΣΟΛ. Μη γωρίο μ צע צדש דמנודם. סמויח ל צע מעופינים דפע סו- 30 Sucer opodogov. KPOI. Ouxer x To Dew xendiers ordnoges whirdes analiderar ues τον ή χευτον οπίσοι αμθης ανακαλείν; ΣΟ Δ. Ουθε σιδήρα εκείνος γε δεήσε αι αλλ ων τε צמאאסי, עש דב שפעושי ביום אה, באאסוב עביי חסדב 39 x/nuax, equalor for avarebeixos, Develours

Τό Βοιωτοίς, το Δελφοίς αὐτοίς, το την τυρών νω λης το τω β βεω όλι γον μέλει την στη χευσοποιών. ΚΡΟΙ. Αλεί σύ με τω σκέτω σε σπολεμείς, κλοβονείς. ΈΡΜ. Ου φέρξ 3 ο Λυθός, ώ Καρων, τω παξόποιαν, κλ τω αλήθειαν την λόγων, ιαλλά ξενον αυτώ δοκώ το σράγμα, πένης άνδρωπ 6 ώχ ιστητή κοκη το βαθισταμώνον ελοβορωπ 6 ώχ ιστητή κοκη στο σλο τω μικρόν ύς ερον το Σόλων 6, όπω στο σίαι δ' οιώ μικρόν ύς ερον το Σόλων 6, όπω

το αὐτον δέη ἀλόντα όπι τη πυρέν ὑπο τε Κύρι ἀναχθιώαι. ήκεσα 35 τῆς Κλωθες προώω ἀναμνωσιέσης τὰ έχέςω όπικελωσωθέα. ὁτ οίς κὶ ταὐτ' ἐγίρςαπο, Κερίσον μὰ ἀλώναι ὑπο Κύρυ, Κῦρον β αὐτον ὑπο ἐκεινησὶ τῆς

5 γιῶ τις ἄν αὐτος προβλέψειν ἔτως ΄τῶν φροιᾶντος τῆν ἄλλων; ἢ τὸ ἀν πικότειν, ὡς μετ' ὁλίρον ἔτΦ με αἰχμάλωτ۞ ἔτωι, ᾶτΦ τη τιὰ κακραλιῶ ἔξει ἐν ἀσκῷ αἰματΦ;

30 8. 'ΕκΕν & ή τίς όλην, ω Έξιμη, ό ή ποςουρον έφες είδα εμπεπος πιθώ &; ό το διάδημα, ω τον δακί ύλιον ό μα γειεςς αναδίδωσι τον έχδιω ανατεμών.

-- vnow in appostion,

35 — βασιλους δέτις ευχείας ευ; Έ P M. Ευχε παςωδείς, ω Χάρων, αλλά Πολυκράτω

Похихенти องสั่ง ที่มี Σαμίων πίεσννον ευ-σχίμονα είδιαμον ፤) : สำลัก นุ่ง ที 🗗 สมาธิร vato To rape gar & ornire Manard els megdoleis Ocolin Tid जब दिवंस म, वेंग्बर प्रदेश का अंग्रही वा, वें धेरावड़ देमलाका मांड देण व्यापानांवड देन वंश्वहुत यह अदिन क A) TOU TE 38 THE KAWS ES E THEETA. XAP. EUJE, à Kradoi, Murais x autor, à Bentism, x τάς περαλάς Δπότεμνε, κ) άνασκολόπης, ώς Sav, as ar ap u finares day en orecor yara- 10 חב ז בעלים. בשם ל אבאם די נושו דול דו אישפורוב משידו בישוסי של יש של שושים של בישושום שוחדם הפשעים אוד חלפשי, וו אאויוש שניסוש אםμίζον ας.

VETU

Piet

Thi

Paris

TUP,

evn-

741

view

lu

cr

M

ns

7

P.

3

6

EPM. Kai नवे में नहनका के रि हैं है। Thu 3 πληθω, & Χάρων, οράς, που πλουθας פני דילי, דיני מסתפעציו מב, דשי לואמל סעונינג, דשי Blus, में प्रस्तेंग नवहन्त्रमंद्र नेंग हिंगि, में नवेंद्र नार्ट- 20 रेस प्र केंद्र में हेशमंबर नहींद्र निर्माण केंद्र केंद्र केंद्र מושב עלף ולוטי דו אב לסי בצפו, אל דסי האחמיםי xerlei. odizos de mues comes conxes dys-סו, או ספרטסו שלע ישום לפנדפטים ס ש שנוחם τό ων Φ αὐτου ἐκ τ' ἀρανθς ιδιτό χλΦ, τί- 25 νες εἰσίν; ΈΡΜ. Ἐλπίδες, Ελάρον, κ δείματα, κὸ ἀνοιαι, κὸ ήδοναι, κὸ φυλαργυciai, મું હેરુતો, મું પાંડમ, में उसे खाराया नहत्त्वा है में दें भूगाय हैं अवता है सावश्वमहै सामी वा वर्ण को हैं। थे हिंग्यानार्शिवाचां प्रश्ने ठांत्र, ये तरे प्राव्वड, ये में 30 of yin, xi (nhorumis, xi dua Sis, xi d moeia, vai συλωργυεία. ο σόδ & j nj ελπίδες impavo πετόμεροι, ο μελ εμπίπων, εκπλήπων, ενίστε หลา ข้องสีท์อายา พอเย่า อย่าง อิงหาร์ยร ข้อง หา Çanis อเอาะเมียม, อัพอร์ ลิง แลกเรน อเทรน์ 35 मार दितार्ग रेह मेया वर्ष मेर्ड, वेंग्वन देंग्रीश्वा वां न्वानिया, χεχηιότας

κιχηνότας αυτού ἀπολιπθοαι, ὅσος κ) το Ταιταλον κάπω πάρενθα ός ας των το υθε τος. Με διαλομοίς ας άνω δικικουθέσας έκες τον άτρακζον, ός διμποδια ενωδείτων απουθα εν λεπός νου δικικου Ενωδείτων απουθα εν λεπός νου δικικου δικικου απουθα εν λεπός νου δικικου δικικο

ς πίδαι ξυμβέβηκε απασίας εκ. λεπών νημεπων όρας καθάσε αξούχνια πνα καπαβαίνονα εφ έκας το από αξί απεακίων. ΧΑΡ. Ορό πάνυ λεπόν έκας ωνήμα επιπεπλεγμβόν γι πα πολλα. Το το μθη εκείνω, εκείνο 3 άλλα.

ορας στο ναπο λεπικ κρεμαμορος α παυτας;
 κ) εξεά μι άνασπαστείς ανω μετέωερς όξη, κ) μιχον καπαπεσών διποβραγεί] στο είνει έπεισων μικκέπ αντέχη στος το είκος. το είνει χων τον Ιδρον έργαστίαι. εξεά ή δλίγον διπολογοί είνει ε

20 γικ αλωγωμώς. Μι κ΄ πόση αλορητί κείστοι, μόγις κ΄ τοις γείτοση Έχακκουί Θ το πόμε Θ. ΧΑΡ. Παγγέλοια ταῦτα, ω Ερμή.

25 αν χη των αξίαν όπως δει καταγέλας ω, ω Χάρων. κ) μαλιςα αι άγαν απεθαί αυτών, κ κ) το μεταξύ των έλπιθων οιχεδαι, αναρπάτες γιγνομένες κατό το βελπίτο θανάτοι αγγέλοι η αυτό, κ) κατιρέται μάλα πολλοί

 14-

Hd-

01/78

Ope

Na.

8

184

di

200

5;

C. 027-18 1. 5 CK

निराण , द्वीपण क्रीनीम्पानकारिङ गर्व हिंक, संगंबon, अवाद् रेंड् केश्संहबी कि , नवंशाय रेंक् yis वेश्राम्ह, देवा मह कर क्लुकार्डिह्ट एक, में भेतिक ที่งเติงราง देता रेकार्गिहर. एका रह हैंड देश हेर तां रक्ष मा अर्गे केवा पठाँड मबहुर तार , रेक्स विशेष हैं माइबेड दूर े किनाविष्मा स्थापन, भी बेत्रिंग , त्राविष्ठात रही त्रिकृतिका में प्रकृतिंग , बेत्रिया हिना क्लोड रिक्स बे portui, a more megodoxinavies smoma dioset. auth. nai Benav meinseler engivo, o. 7 of xian at so in oixodousulu & , x 780 eggaras 10 சிரைம் தலா, ப் பக்கா கா நில், தேவ ரட்டு थारक, 6 3, बहुता दीन प्रेडोड रहे वहक्रक, बतांग, τω κληεονόμω καταλιπών απελαύειν αυτής कां ग्रेड धार्म है मित्रणां ज्यह में डिशा के वा मा ; देस न v के के ठे ठे द्वांवर, उत्त विवृद्धिय मवार्थ है निहार 13. מעדם וו ץ נשוו, צל בוגבה לום דעדם בדושי, אל דשיטעם क्ष मार्थिक मार्थिकिक , सं मेर्नाड्य के हेर्निहमाड % เอ็นเล้า 🕒 อ กลเรีย ระบิชท์รู้อาลเ, ล้อส ล้ง ออเ ออหที่ χαιρείν έπ αιτώ γρυριομώς; αλλά το αίπον, हैता नोंग में देशमां मुश्रीय बीने नार्व नवारी देशसंग्रा 20 देहते, नोंग नहें बेरेशमाह नवनहेंद्र, नहें शिर्ण्यात्रात एहणा-אוו אסדסה י דסי אפודסים ל ל במאסעונים יום דם אמוd'oν εχ ορά, εδε είδεν αρ' οίας αυτο κτόxis देश देशकी? ना में के कि किया नी देशका की apecoudius opas 5 701 Hoi , 2 780 Emayeicor- 25 דמן דמ אפוועמדם, בודת שףוני ביוסאמושו מוויום χαλκιθώς, υρ ων είπον, όποντων αγγελων τη κλων τη κλων τη κλων τη κλωντα ταυτα, 2) week enantov ega enrow, ni to not autois मार्व में Biov , में में देश में कि हिंग , है प्रकृष्टिका के मा - 30vax worv.

11. ΈΡΜ. "Ην γεν πεν βασκέας ίδη πις αὐτη, οίτος οὐδαριωνές πτοι ε) δουεσν, εξω τε άδεδαία, κ) ώς φής, αμφιδόλα τ πίχης, πλείω τη ηδέων τα αὐταρό εὐ-35. είτοι προσύντα αὐτοίς, φόδες κ) ταρπράς,

में मांगा, में ठीनिध्में बेंड, में ठेड़ाबेंड, में प्रवस्ताता TE TOIS 38 d marles Emieroir. देखें नार्शिता, में 10σες, κ) πάθη, εξ ισυπμίας δηλαδή άρχοντα υπούν, όπε ή το τέτων πονηρά, λορίζε θαι Τα καιρός οία τὰ τ ιδιωτών αν είν. ΧΑ Ρ. Έ-

Sexu 280 का, & Egun, लंजहाँ , की नाम देशकाva moi दिनिह्या oi वं प्री कामा, मुद्रों के दिं कि वे म्बड פנו שניים ולא מסדב מסונס העום ביו שלאות בשני वंदक रेक्के प्रवासक मारा प्रताबहें वेती करा वंसात्य मिनेवड़

ΙΟ τὰς φυσαλλίδας λέρω, ἀρ' ὧν ξωιαγείρεται o doeis; eneivor nivos ai who mves pingai संगा, भ्यो का मंत्र्य देमह्यपृशंदवा, बेमांविभवया. वांती क्री नर्रका रीक्ष्रहरा, में क्लुक्षरका वारबाँड ने άλλον, αν ται τως ευσώμει ες μέριςον όγκον

ερράγησάν ποτε. ε 20 οίον τε άλλως γενέδαι. नहर्म हिना व वंप नेद्र्यम्य हो . व मवाहिड रेका πνομαί Θ εμπερυσημώνοι, οι μ΄ μείζες, οι δ΄ ελαίπες, κ) οι μ΄ ολιροχερνιον έχεσι,

20 χ, ωχύμος ον το φύσημα, οί ή άμα τω ξυςή-ναι επαύσαντο. πάσι δί εν απορραγίωαι arafraior. EPM. Ouder zeiegr ou Te Ομήρκε ιχασας, δ Χάρων, ος φύλλοις το χύΘ-வர்கி மும்பலி.

12. Х.А.Р. Кай тоготог онтег, & Едий, စ်စုဆို ေရ मा कि कार के के कार्या कि कार करें के ने אוחאשה מף אמי שיפנו, או דושול , או אוויסישי מμιλωμίοι, από άπαντα καταλιπονίας αυmi, Senou Eva ¿Godov Egovas, ที่มผง สนอ 30 אועשני בצאמו פון בשני שף בס יל אואצ בסעלים. αναβοήσας παμμέρεθες, παραινέσω αυτοίς. מודי אשו עו ד עם דמוטי חסיטי, (נוו ל, מנו 

ο μάταιοι, τι εσωνδάκατε του ταυτα; 35 παυσαδε κάμνονθες. ε 38 ες αλθ βιώσεδε. इंडिंग में टेम्प्यां जैस ज्हाराक्षेत्र द्वारींक्ष हिन्छ. इंडी

eide

10-174

Jas

E-

ac.

-36

asy.

au

zí.

U.

7

9

.

,

,

केंग के तथ्य हु। ताड कां तथ्य ता है एक कार्य के तार रेका केंग. લો મેં લો લીધા પરંગ છે. મુખ્યત્વે કો મુજબા, માર્થે કો મોલા છે મું જો લેમુક્કેંગ, મું પર મુજબાર લેસે લેમ્સેલ્ય हा), में महत्विदेश्रामा कर विकारता ; सं त्यारत κે τὰ τοιαῦτα όξ επικός εμβοήταιμι αὐτοίς, 🕏 ἐκ αν οίει μέρα ἀφεληθιμαι τον βίον, κὸ σωφερνεσέρες αν γριεδαι εραπολύ; ΕΡΜ. ध्य प्रवाद्या अं विशेष वित्रका वां मार्ज में वें प्रश्वाद , को में ले त्याम State Seinasiv. es und' av मूणπανω έτι διανοιχ θιωαι αυτοίς τα ώτα, τοτέ- 10 דע אופש בשעושל מולים , סוני שה 'O שבינו דושי staies Espare, Nei The Engluing axordrens. moder Er ar cheivor Swindeler axerai, lu אן סו אפארמשט לומלףמשל אוני בשל השל הוצות אונים או אונים א i An In Swia as, Toto certai Sa n'ayvora egya- 15 לבדמו. האלע מאל בוחו מש דמש באווף א המפת-रिर्डिश्मिशंग परेंग सार्थेंग देंड पते केंप्त, कर्ड़ेड पीछे αλήθειαν αποκλίναν ες, όξυ δεδορκότες ες Ta क्लिंग्रायम् , में म्यार्ग्यमणारा वार्य हैता. X A P. Oursy chelvois jour encontainles; 20 EPM. Heeritov Toto Leyen wees an-कार के रिकडाए. ठेरकेंड ठ मार्था देमा उक्का मह में माठनेλών, καταγελώσι τ γιγνομθών, κ εδαμή σθαμώς αξέσκον/αι αυτοίς, αλλά δηλοί είτι Seas μον non βελούοντες ταρ ύμας Δπο τε βίε; 25 में कि में मार्रहेंगीया देश किए पहड़ को प्रांग परेड़ केंप्रयδιις. ΧΑΡ. Εύρε, & βυτάθαι. πλίω πάνυ δλίροι είτιν, & Ερμή. ΕΡΜ. Ίκανοὶ κὸ אדטו. מאאם אמדושוטטי וולא.

13. ΧΑΡ. Εν έτι επόθοω εἰδεναι, ῶ 30 Ερμή, χαὶ μοι δείξαι αυτό, ἐντελή ἔτη τίω αθτίγητου πετοιηκώς, τὰς ἀποθήκως τὰ σωμάπον, ἐνα κατορύπεδι, θεάσαθαι. ΕΡΜί Ηεία, ῶ Χάρων, κὶ πύμενς, λὶ πάρυς καλῶσι τὰ ποι πών πόλεων ἐκῶ τὰ τοι αῦτα τὰ χάματα ὁρᾶς, κὸ τὰς ςνίλας, κὸ πυ-

Carridas 3

equidas; enerva marla vexpodoxeia, s σωματοφυλάκειά δζι. X A P. Τί ουν εκείνοι σεφανέσι του λίθες, ή χείεσι μύρω; οί ή, κ) πυράν νήσαν ες, προ τ χωμάτων, κ) βό-5 θον πνα οξύζαν ες, καίκτι τε ταυπ τα πολυ-

דבאון לבודעם, או פוב דם פנים עומדם פוניסי, או עבλίκεστον, ώς γων είχασαι, εγκέεσιν. ΕΡΜ. טע פולם, ב חסף שעום, דו דמשדם מסיסה דמי בא वंडिक मामाड digasi si हैं। रवेड प्रेयंड वेश्वमाध-

עם הסושים אמידש שביי, לשוחיפוני עו של הול דב שלבי-חברום שלום דונו איו משני, אן צפר אפ חיפרי, אוינוי 3 απο τε βόθρε το μελίκρατον. X A P. 'E. χείνες देन जांग्स में हे अंस , ών τα κρανία ξηρότατας καί τοι χελοϊός είμι σοι λέχων ταυτας.

15 อากุนย์คลง หลาสวยงาง autes. อโล ซึ่ง ei Suναιν αν έτι ανελθείν άπαξ, ιστοχθόνιοι χνομονοι. έπει πι κ) παζη έλοια αν, ως Εςμή, έ-न्यपुरण, ४ में ठेरे देव कर्डिंग्रामी हैं द्राण, से हैं देश माने भवी वे द्रार था था का का का के के के के का का का कर के प्रार

20 moudies. " Quáraus, The avoias, ex eideres naixois begis danixpilai ta venção, no ta र्दिणम्बर कर्वि प्रवात, प्रवा शिव नवे नवर मिर्ग हैन. X OTI

25

30.

Kar Sav ouws o, T' a Tou 6 O ainp os " sha-Eral Tipes. τιμή <sup>?</sup>Ιεος χρείων . 'Αγαμέμ-

var, Θεράτη d'io € Θέτιδ ۞ παις ηυχόμοιο. Havles d' eigir ouas vexuar auxilua xaelwa,.

Τυμνοί τε, ξησί τε, καί ασφοδελου λα-Wilda

'E PM. Heanhers, as Tohun Tov "Oungov देनकारिसंड केररे देनसंबंध के देमानकड़ मह, अदेश 38 का रिहेंद्रवा में पर 'Axxxeus नवंकार. ठेवूबेंड में देशें TH Bandity; Signor it cheive to Teaixor, dr-TIRPO

THE TO A A LA TE DATE OF THE POSTER . X A P.

Ου μεγάλοι, ω Έρμπ, οι πάφοι.

104157

01 3,

Só-

ohu-118-

CH FH+

Ser-CHY E-

d-

V-

4-.

n.

v

5

14. Τας πόλεις, τας δπούμες ηδη δείξου μοι, ας κάτω ακεομίν, τω Νίνον, τω Σαρδαναπάλε, χ Βαδυλώνα, χ Μυκιώα, χ ς Κλεωνας, χ την Ίλιον αυτιώ πολλάς χών μέμνημαι διαποβθμώσας έκείθε, ώς δέχα 6λων ετή μη ή νεωλκήσαι, μη ή δια ψέαι το σχαφίδιον. ΈΡΜ. Η Νίν Θ κών, δ Подвинь, этохихет ที่อีก, หลา หอ้า เกา ( น้า 10 คา 10 Baluxar Se ou chein odi, n eumpy @, n του μέραν πείδολου. ε μεταπελύ κή αυτή Corn Snoowlen, water in Niv G. Muxluas 3. x KAswras algunouas del ai oos, x parsa 15 דם "ואוסי. שות דיוב מו בני סופו לחו דסי "טעוןεον κατελ των όπι τη μερυληρεία τη επών. πλιο ακλά πάκαι μι ήταν ευθαίμονες, ιιώ ว าะจิบท์หลอง หู ลถึง สม. ลภายองท์จหะภ วูธิ, ลี Πορθμεί, κ) πόλεις, ώσες αι θρωπι. καί 20 το παραδοξότερον, και ποταμοί όλοι. Ίναχε εν εδε τάφ Θ εν Άργει επ καταλείπεζαι. XAP. Патай The exairor Ounge, no The evoud Town.

- Ixior igliù, xi - cupuay yar,

- euxilulua Krewrai. 15. 'Αλλά μεταξύ λόρων, πίνες εἰστν οἱ πολεμενζες ἐκείνοις κῶρ πίν Θ αλλήλες φονού κοτι; ΈΡΜ. Άργοικο όρας, ω Χαρων, 30... κ) Λακεδαιμονίκς, κ) τον ημιθνήτα εκείνου ς εαπηρον 'Ο θρυάθω, τον οπηράροντα το τεόπαιον το αυτέ αίμαπ. ΧΑΡ. Υπέρ TIO jauris, & Equi, o moreno; EPM.

Ymie to molis aute, er a mazerlas. X A P. 39-Ω मांड avois, οίγε εκ ισασιν όπι και ολίω

την Πελοπόννηστο έκαις Ο αυτοβ κήσον αμόρις αν ποδιαϊον λάβοιεν πόπου ανεί πε Αλιακε . Το ή πεδίου τεπο αλλοτε άλλοι γεωργής σεση, πολλάκις όκ βάθρων το πρόπου αναίταστος τω άξεξων. ΈΡΜ. Ούπω με ταυτα έςαι. ημείς ή καταδαίγες πόλη, κὶ κη χώραν ευθετήποιατες σύθις πάδη, αλ απόλατο πόμες α ένω τι κατά δερη, απόλατο πόμες α ένω κατά κατάλλων, σύ δή τη πορθυείον, ηξω δέ σει μετ όλίρον, κὶ αυτος υκκροπολών. ΧΑΡ. Εύγε έποίησας, ω Έρμη ουεγρέτης αξιά αναγκρορόλη, ωναμιω δέ τι δια σὲ της αποδημίας οία όξι τυ τη χακοδαμονων αράγμα μα βασιλείς, πλίνδω χευταϊ, έκμτυμε αι, μα χαι. Χάρων Θ ή εδες 15 λόγ Θ.

30

Ting To BIGNIS OPETS.

25

30

NOT-

# ΛΟΥΚΙΑΝΟΥ,

8 Ai

はない

Tos Lin

lact

\*

ΔΙΑΛΟΓΩΝ10

BIBAION AETTEPON.

15

#### DIANOZ O d.

Heel To Erunvis . Hru Bi@ Annava.

A Pm เมิ้ม อาจาสม่นใน อำราส คิศิสราสมอัล 20 ने ज्या में हे हर अवनहीं का मार् में दिल्ला के, जा को जीवीं-במודם ענו. דווֹ האפוֹכנו צו בֹא סֹבָב המול פום עני, κ) πόνε ποιλέ, κ) χεόνε μάχει, κ) δαπάνης ह ज्याप्रदेव में मार्भार विसं क्षेत्रा त्वामक्ष्यें र नवे हैं 25 ήμε τεξα, μικρά τε εί), κὸ ταχείαν τινα τ Smuxeiar amaileiv. ei de Tiva Texulu T Ba-ישויסשי דצידשי באנום לסונון, דל עו מקם דסי בט-अंड केंग का नहें हूं दूसर नवे केंग्रहरी क नकहते में नहें प्रणाइन ส่ แพนยา อ่นอาโอ เมื่อ หมา หมานชา 🗸 พัง. ชน, 30 נוֹנ μακράν ή κὴ τὸν πατίξα ευρεανείν, ἀποσέρων ακὶ τὸ γιγνομιώου. Δάντερες έν σκή-Lews αρχή σράτεθη, τις αείση τ τεχνών, κ). pasn chuader, x ardpisn end dege क्रिक्टिक κ) περχειεον έχεσα τω χορηνων, και 35. Βιαρκή τον πόεον. αλλικ τοίς ων αλλίω έπαι-1847 G.

รซีเปิง, ตั้ง รัชธุร 🛇 รูงต์แทรที่ รุ่นสะคะไหม รีโม อ กลาทิค คริง รังไร รับไร หาศิทิท (กลรที่ท รุบั ธ์ สอร์เ แทรีอิง รีงโช , สัยเร 🏵 รัฐแถว มับวิชา รีปี ฮือหลัก หรู่ มเรืออุรัอซ์ อัง สรีเร แสมเรณ อับปอนแบบเร) ซั รั

μιε, είπεν, άλλω τέχνω όππραίειν, οδ πε είπ Θ. άλλα τέπον άλγ, δίξας έως, κὶ δίδα σκε παεαλαβών λίδων ερράτω άλαδον. είλ κὶ (ωαρμοςίω), κὶ έρμος λυφέπε δυίαζαι λό κὶ τέπο, φύσεως γε, ως δίδτα, Έχων δεξιώς. ε΄

10 τεκμαίρετο ή ταις όν το κης παιδιαίς, όπος β άφεβτίλω τοπό τη δισασχάλων, αποξένη αν τον κηρόν, η βόας, η ιππες, η κινη Δί ανβρώσες, ανέπολατίον, είκότως, ως είδκεν τη παξί. εφ οίς σερά κου τη δισασχάλων

15 πληγάς ελάμδανον. τότε ή επαινή είς την δυσυίαν κὶ ταῦται Ιῶν κὶ χενικάς είχον ἐπ' εμιὶ τὰς εκτάδας, ώς δι Εραγεί μαθάστιμα τη τέχνω ἀπ' διείνης γι τῆς πλασικῆς ἀμα τε ἐν ἐπτήδει ή εδόκει ἡμέρα, τέχνης διάρ-

20 χεδαι χάγω παρεθεθυμω το δείν , μα τον Δί ε σφοδρα το σεύχ ματι αχ δυίμιθ αλλά μοι κ. παιδιάν την εκ άτερπο εδέκει έχει» , κ. φερς του πλικιώτας δλίδειξεν, εί φαινοίμιω θεώς τε γλύρων, κ) άγαλματιά

φαινοίμω θτές τε γλύρων, μι αγαλμάπα
25 τηνα μαπού κατασκά αί αν εμαυτή τε, κακείνοις, οίς σερηρεμων κι το τε σερότον δαείνο,
κι ζωνήθες τις αγχοικίοις εγίγνετι είκοτε κα τητά μοι δ'ες ο θείθ εκελά σε μοι ήρεμα
καθικότωι σλακος, ον μετο κεμικίς, επειπών
30 το κοινόν,

Αρχή δε τοι ήμισο παντός.
Σκληρότεςον ή κατεν γκό ΤΟ τα αποκός,
κατεκό η με ή πλάξο δ ή αραγαλίδισας, σκυτάλίω τι ακιβύω λαβων, έπλησός προφως, έδε
35, πεο βεπικώς με κατής ξατο, ώς ε δάκου μου

35 ल्ला के स्मार प्रकार के स्थान के स्

37 7 ciniar apını Epar owezer. avodedu (av. κ) δακρύων, του οφθαλμάς τος σλεως, κ) δηγεμοι τ σκυτάλιω, και του μώλωπας εδεί-איניסי , אַ אמדאישפוש איסאאי דוים שינוסדאדם, क्लु करोड़ असी रेक्क के अर्था मा मा दिन्व कर, मा द αὐτον τος δάλωμαι χτι τ τέχνων άρανακ-THE audins of This un Bos, x TONNA TES adenção λοιδορισαμθύτις, επεί νυξ επίλθε, κατέδαρθον έτι ε δακρυς, κ) τ νυχό όλω δηνοών. Μεχει μ 3 τέτον, γελάσιμα, κό μειξακώδη τα 10 είζημθία. τα ΧΤ τουτα 3, εκέτι δυκαταφέρинта, & "Ardpes, акотых, ака и таки φιληχόων αχροατή δεόμθρια. "να 38 καθ" Ο-MILEON EL TON,

שנים בשנים לאל עומד שנים ומו שנים ומון האושים בשנים וב 'Aucesoila dià vixla, 

अरथ जबकी म्रवंशीय मेंग.

OKW.

3

774.

ida.

200

B-

170-

Δυο γιωσίκες λαβομθραι ταίν χεροίν είλχον με σρός έσυτω έκατέρα μάλα βιαίος, κ) κιτερως · μικός λει πε διεσιασαντο σερς 23 हेर हेल हे तहार ह्वेरन , ये तह हुते प्राप्त के के का ही दूर με. αρτι 3 αν αμ Sis vao Tils έτέρας είχο-பிய. ட்டுவ் ந் அல்த வில்வத காவிக்க ந மிற र्जेंड कार्रोंड करीब µs xex मिलेबा दिस्रेगरक में है केंड 30 μάτων τ άλλοβίων άνπποιοίτο. Νο 3 ή μ segatian, z distrini, z an xuned & xoubu, τω χείρε τύλον ανάπλεως, διεζωσμένη τίω दे अमरवा राम्बंग्ड सवन्त्रम्थाव , वाक मेंग व रेटाक, οπότε ξέοι που λίθες. ή έτεςα- ή μάλα ου- 35 कर्ट्डिक ए, में के क्रिया देशक्र तमें में मर्वेड मार्

לפו סחבדבףם בשאסועוש (שופיים שו דף.

3. Πεττέξα ή ή σκληξά δαιόνη κ) αὐθέω δης έλεξεν: ερώ, φίλε παῖ, έρμος λυτική το 5 χνη εἰμι, Ιω χ θές ήρξω μαν θάνειν, οἰκεία τό σει, κὶ συς βρίτς οἰκοθεν. ότε, χὸ πάππ ⑤ σει, κὶ πέσα τὰ οιμα τὰ μιβοπάτερ ⑥, κὶ λιδι ξό ⑤ ἡν, κὶ τὸ θέω ἀμφοτερω, κὶ μάλα δυό κιμείτον δὶ ἡμά: εἰ ἡ θίλοις λήρων μός ὰ το φλιωάφων τῆν παξὰ ταύτης ἀπέχεδς, δείξασα

το φλιμιαφού την παρα τουτικ αποχείου, ο ειξαπι τ ετέραν, επιού β, κὶ (ιωνικούν εικοί αποπια μι θεξή η βρυνικός, κὶ του είμικς εξεις καρτεχες, φθοικ η παιθός απόδριθ ετή, κὶ αποπια αποι δτι τ αποκαπομί, τ πατείδα, κὶ του

απει επί τ αλλοσαπίω, τ πατείσα, κ. του το είκεως καταλιτών εθε επί λόγοι επουνεί συνταί σε πάντες. μη μυσαχείκε τό πιναείν. τὸ ευτελές, μηθε της επίπτε τὸ πιναείν. από χο τοι τοικτων δεμώμος, καὶ φειδίας εκείν Θ, εδειξε τον Δία, κ. Πολυκλεί Θ

20 รี โครม คำวุสธนาง , ม Mupan ลิสเทล์งา, มู่ กระบริเทล์งกร ลิยิสแนส์สา. สออธมนะมีโสม รูชา มาง เบา รับ ระดัง. ค่ รำการ์งานท สโร ฟูเอเอ, หอง นี้ ส มมละเอิร สมาธิร หลอง หลังเทส หรือคำหนร ฟูเอเอ; (กมลาอิทรี ม) รอง หลาล์อส สหาธิสเลร,

το παίο καθον β άπορανείς κ) ở παιξιόσω του το κ εξ τη τέτων πλείνα διαπθαίετα, κ) εαρβασίο ξεσα πάμπολλα είπεν δι τέχνη, μάλα δ δι απεδι (μωείρεσα, κ) πείθειν με πειρωμθύη, άλλ δικά μεμνημαι τὰ πλείτα βδ δίδη με ở μνημίω

30 كالإوسى الله

4. Έπεὶ δι τι επομόπατο, αξο χεται ἡ έτες ε δ δί πως. Ερώ β, δι τίκνον, παιδεία εἰμὶ ἡδη (μιήθης στι, κ) γνωσίμη, εἰ καὶ μιθέπω εἰς τέλ Φ με πεπείσσαμ. ἡλίκα μι τι τι τι αγαθά πος ἡ λιθοξό Φ βρόμορ Φ, αυτή πος εἰγηκεν. ἐδέν βο ὅπ μὴ ἐξράτης ἔση, το σωματη d. rg.

2 7

150

200

78

-37

6.

,

٠,

σωμαπ πονών, κάν τέτω τ άπασαν ελπίδα τε βίν τε θειωθό . άφανης με αυτός ών, ελίγα κ άγωνη λαμβάνων, ταποινός τ γνώ-Meles, EUTENIS & The megorodor, TE ginoss हेमिर्दार्श्वमाय कि, हिन्द हे प्रीटुवाड का दिल्हेड, हम्ह मवाड इ שסאודמוג לוואשידטי , באל מעידט ענטיסי בריבודוג, के मार्ग देश यह मात्रमें की मांध होता है। यहां मार्ग किह-प्रथमित रेकामी विकार, में महेर प्रदेश रिकार किरोहर Segandian, त्रंतुक हिंग (क्रिंग, क्षेत्र प्रवासीका कि हिम्माराम क्रंप. संतर में केसरींबड़ में Похинде 🗨 10 Avois, 23 Janua sa Tona Zeegasais, This μού τεχνίω απανίες επαινέσονίαι, κα έςι 3 उत्तर में विरामका , से vous हिन्दा, राहिया वंग ou opor Austar. of O Savis Ra aur O में प्रस्कारकर, म्यों वेनार्प्रसङ्द्रिशिकि vomanon. 15 לעו לב עם וחבו לאון יום מפשים , מבים אול ספו מואם באו-Seiξω παλαιών ανδρών έρρα, η πράξεις θαυμα τάς, χ λόγες αὐτών ἀπαγγέλλετα, χ πάν-דשי, של פוחפוי, בעת פפי ביתים בויצדם, אן ד שעצעו ל שני סטו אטפושידמדטי בי, אמדמאנדעווסש 20 Tomois, nai aja Sois noquiquasi, Capegouin. Sixarouin, cuoreceia, வுக்கார், சிருவக்க, Cum-בסנו, אנוף דופום, דו דשי אמאשי בפשח, דו שפינ τα σεμνότατα όρμη. ταυτα χάρ όζην ο της Juxins anneal of wis annows noon o. whom 25 ीर जह करह मचत्रवारेंग केरिये , करह गाम श्रीपंदर्वेचार Sion, and vai नवं Siorta उट्टी का पहर देवह. x ολως, απαντα οπόσα όπι τατε Seia, τάτε ardpamva, skeis nakego or Sida onai, vai के प्रणा निष्णाड, के रहें रिसंप कि, Berd न्यं थिए कि म 30 שבו מאשונה שדם דבציותה , עבד סאוֹנְסִי ב חבוקו לואמידיה , אמו הווצים שו בל היו העושי של אין אין E Talvardio, no ôti Tois acistis cusomich, אמו ישים דשי אנינו אמו האצדש בספולם דשו שחם. βλεπομίν . εδήτα μέν τοιαύτων άμπεχό- 35 wwo, (Seigasa This cautis, mive 3 λαμकर्वेश देवेंद्रस्था वेद्वज्ञाह है से कर्व्यदीदां वेद्रांस्था में एकि. श्रीम नद वेनाविमास है, देवी विने नोह वेनेस्व विवास वेद्रापकेड , देवी वेद्रवामेड हैं मान नवाव्यानां का क्टारेमाव्यानां प्रभावास्य , वेड्ड मी वेद्रवामा क है हमुद्र कि , नवेस निर्माण सामानव्य , वेट्ड का माने

9

δακίνλω, εδό οκείνω, λέρων. αν δε π συνόδε αξιονή, κή τε ο φίλες, η κή τ π λιν ολίω ναταλαμέστη, είς σε πάντες απο Ολέποισα. κάν τε τι λέρων τύχης, κεχνίο

10 τες οι πελλεί ακέσυν αλ. Δαυμάζοντες, κ) όν δαιμονίζοντες σε την λόγων της διουάμεως, κ) τον πατέξα της όνπη μίας. δ ή λέγωση, κ αξα ά βάνατοι ήγνον αίπνες εξ άνθεώπους τοτό σοι σειποιήσω, κ) γδ ων αύτος όκ τη

15 βία απάλθης, απότε παυση σωμών τοις πε παυδαμώρις, η περοπιμλών τοις αείςτις, ε βάς τον Δηιμολώνη εκείνου, την θή όν όντα, εγώ ήλιμον εποίνοα; όρας τον Αιομνίω, οι τυμπανισείας μός ήν, αλλ' όμως αυτον δί

20 है με Φίλιστ & επεραπόσεν; 6 3 Σακρα175, κ) αυτός 'από τη έρμος λυφική ταυτή 
βαρείς επειδή τάχισα (μυήκε τα κρείτου ...)

βραπείδισας τας αυτής ηθτομάλησεν ώς 
εμέ, ακκεις ως παρά παντων άδεται; αφείς 3

25 αυτού τικλικότες, ε΄ς τοιότες ανόρας, καὶ πρεξεις καμαφάς, κὶ κόγως σεμνός, κὶ εκμοιος κὶ ενώς καὶ το ευσορεστές, καὶ τιμω, καὶ δόξαν, καὶ ἐπανου, κὶ πρεστές καὶ τὸ δπὶ κόγρις ευσοκιμεν, κὶ τὸ δπὶ σιωέσει ευσοκιμεν, κὶ ευσοκιμεν, κὶ τὸ δπὶ σιωέσει ευσοκιμεν, κὶ ευσοκιμεν, ευσ

35 नवस्तार्थंड. वेरवस्त्रीका न धर्मिन्ता धर्मे वेरविके रिड, धर्मे देने जिल्ला, धर्मेश टीमारका, वेरेने नवे

καταλα-

μέ έςρα δπως εύξυθμα, κὸ ὀυρήμονα έςτι στι , ποριοών, επως ἡ αὐτὸς εύξυθμος τε, κὸ κότμ ⑤ έςη, ἥκιςτι πεφορντικώς, ἀκλ' ἀπμότεορν ποιών

סבמעדטע או ששעי.

inn

é on

ישלי

70

70

16-

-

3.46.

47.79

-

Ġ.

5. Taura en Asysons withs, & Sequei- 5 एक देवले नरे नहेर कि मी रेडिवल, बंगबहार बंगाonvaulus, xì rhu a uog zov cheivhu, xì epza-חצאי מחסתו חשי , עובדוב מויסי שפים דאי שמוdeian mana १९७१ केंड, में mansa, देवलं पान, में होड एडिए मैंरे जिस में उपपास्त्रेम, में बैरा नर्मायेंड 10 endis ex orias as as xwim un xoes exisi-Ja To. ந் நீ வால் குத்து கூரு பி முறை ம் மு avantes, में तक प्रस्तृह (wexertes, में कर 6-Sorlas everapse. Tex & 3, water The Nis-בוש, מוצים עלשי בידו און פון אן פור או לסי עבדום ב- 15 Ελητο. εί ή παράβξα έπαθε, μη άπις ήσητε, שמשעמדס מוסו של סו סערופסו. ה בדבבת ל שפינ με από ετα, τοιρας εν αμεί τομαί σε, έρη, דוור ל דוור לואפנוסדעטוור, פדו אפאניה דווי לוצוע นี้ป่นสาสง, ห) นั้นใช้ ที่ปก, อีที่อีกที ชน์ชน หื อังค์- 20 แล้ ( ) ( อีตีรุ่สาน ชา อังคุณส จัลงที่ย์อุยง ให้ที่ยง TIVEY, TO TINJESTO ESIKOTOV) OTTOS ISHS OFE κ) ήλίχα μή ακολεθήσας ειιοί αγγοήσειν "ueshes. ever javas Jov, n il shaws, x कार नाह है अ बहुद्रवं थी। के बहुत करहे है का हिला , क्लिस को देरिया, को र्रीमाइड, ब्रह्म के विश्वार्थित के עם בחס שפונים דו פנ דחי צחיים. בצבדו נטוף דנו עוב עדות בו בי דו דם משבופי ששיים באבינים לשל, מאלט דורס עופיסי , פון אמ דע שבי מסיפשידוני פו 30 बंग रेहळका हममंगवाण, में पड़ी' टेपका पांचड, मुकर हैंड Αυοίμιω τη πίσει, παζέπεμπον. δείξαπα δέ עוסו דע דיס מנודם, אמעו דיוו בישמויצ מוץ באופייטונים E mavina you al Dis, Exert autho The e Di Ta ineirlu inderuxóra no el zor aproficiolo 🔾 , 35 άλλ' έμοι εδόκουν ευπάρυφος τις επανήκειν.

καταλαβέσα έν η τον πατέσα ές διτα, η πενώ νοντα, εδ είκνυεν αιτώ οκείνω τ' έρδητα, κώ οι Θ΄ η κοιω. η τι η όσε είννησεν, οία μικε δώ περ εμέ εδελούσαντο.

5. Ταιντα μέμνημαι ιδών, αντιπαις επώ, εμοί δοκεί επτας αχθείς, σερες το πληρωνώ Εον. μεταξύ ή λεροντος, Ηράκλεις εφη τις ώ μακρόν το ενύπνιον κ) δικανικόν. είτ' άλλο πάκροσε, Χειμερινός όνεις Θτό τε μήκισμί κόι το μύνθες, ποταχά πο σχίσωτες Θτο όπερο όπερο όπερο ο ποτερο ο ποτε

το αι νύκες, η τάχα το τριεωτές 🕒 , ω απέρ ο Η εακλής εξ αιτός όξι. Τί εξ εν επήλθεν απ ληςήσαι ται τα πρός ήμας ς, κὶ μνηθηνιαι πο επότων εξ άλθο δε εξυχερολογία, μὶ δικέρω εακότων ξάλθο δε εξυχερολογία, μὶ δικέρω ποιδιού διαξεί απος δε εξυχερολογία, μὶ δικέρω ποιδιού διαξεί απος δε εξυχερολογία.

15 πνών ημάς τωτερίας πνας τωτάλησεν; εχί γαθέ. εθε γο ο Ξενορών πογε οπηγεμένο το ενύπνιον ώς εθόκα τωπώ, κ) εν τη παδώα οιμά κ) το άλλα, έςε γο έχ τωτκρισιν το ότην, εξί ως ολυαρείν εγνακώς αυτά διεξης, και τωπα 20 εν πο πολεμώ, κ) Στογνώσει πραξμάτων φων

20 εν τω πυλεμών, κ. Σπργωσει περιματών στο εξώτων πολεμίων, αλλά τι κ. χείσιων είχη ή διηγησιες κ. τείνιω μέχω τετον όνειες δια το συσεικό το χητάμιω δεπώνια, όπως οἱ νέοι στος δια Εελτίω δεπώνια, κ. παιδείας έχωνια, κ. το το δια τ

25 นณ่าเรน, รับ พร ณ หีขึ้า บัลธิ พระโดร ริวิราคนหลัง ผู้ พอร พนิทีทีพ รังพมโร เก, อุปอท หม สำนักที ชีบะ อุ วิสกุลทะ อัพกุลักลับ อุริสกุล รูบั อัก ซี พลัมลักษี สมสาร พร นบ์ วิชา เมมาชา รัสบ พีซ คริส สิ สกุนสาด พระเพลง นั้น วิชา เมมาชา อุลบ พีซ คริส สิ สกุนสาด พระเพลง นั้น วิชา อุลจ พี

30 χάλλιςα ώς μησα, κὶ σταιθέας ἐπεθύμησα, μη δὲν ἐποθειλιάσας σφός ἢ πενίαν ἢ τότε, οζ ἢ σφός ὑμᾶς ἐπανελήλυθα, εἰ κὶ μηθὲν ἄλλα ἀδενός γῶν ϝ λιθογλύφων ἀθὸξότες Θ.

3

#### DIZXOZO B'.

#### Θέων Έκκλητία.

77 ú.

MG

H din

7 1

171

かべき

75

10

0

9

100

ZETE. MHXETT TOP Society, & Seals un 3 x71 jarias ousgezo-שליםו, שפינ בל מאאוואסוב מסוניסאסץ בושב, מומיםκίδιθες, εἰ πελλοὶ ἀνάξιον μετέχεση ήμίη 10 यह राम्मार्गंड बंभे देवलं की व्यार्गितिया करा τέτων εκκλησία, λεγέτω έκας Ο ές το φανε-हुने , नवे रिल्स वर्णा नवं मां , में स्वाम २०१६ नक के κ) κήρυθε, & Έρμη, το κήρυζαα, το όκ νόμε. EPM. "Ause, ชาวละ ที่ร ล่าวอุปัยบ ผิชังส์ ละ 15 σει τη μετάχων κ) ξένων. ΜΩ Μ. Έχω ο Μώμο, & Ζεδ, εί μοι όπιξε μας είπειν. ZEΥΣ. Τὸ κήςυ Jua non exinory · ως ε-Sevens Senon. M Q M. Doni wirw Sera 20 कालिए देशीयह मिल्ली, वीह बेस बेक्ट्रिश प्रेडड देई बेंग-לעשר עו און או מאל בינות אבקונים אושרישום עשודישום ל बंस्टर्स नेहर, में निर्देशकारीय वर्ण करें रे नार्म एक हैं मार्ग นหางจุลเซียง, ชอ๊๊๊ง นะจุล, ชอ๊๊ งะลงเหลง อเ็จงาลเ คำจุนไรลิสเ , สรีเตี วิ ผี Zeo, นรี หลังจากสม 25 noi genai er ein. se san assas gunainfin. αλλά πάντες με Ισασιν ώς ελά Βερός είμι τω भूरेकरीता, में वर्षा के र्यायमानमान्या नी है χαλώς γιγνομέων. διελέγχω γδάπαντα, κ र्रेश्व नवं रीव्यापार्य पाठा हैंद्र नवे क्याह्लेंग, अर्थ रह- 30 Shor Tiva, हिं रेक बांग्डिंड ठीना वर्रे मिका मीड שושעושה שנב על בדשת שפוב לאש הוב הסאמונה אן בעוס משחותם ב דונו בעיסוי, לאונים ולה אםτήρο σ το αυτή επενομαζομή . πλω बंभें इक्सं की इंदेश्य में प्रश्माहिए प्रीत्म, में को , के 35 देशी के कि कि प्रमा कि का वह के महार के कि रिकार का raulioλάμψ 🤄 έρω. Πολλοί τάς φημι έκ άταπως τες, όπ αυπι μετέχεπ τη αυτή ήμιν ξιως δρίων, κ) δυωχείθαι δπότης, κ) ταυτα, δτο τοι υξ ήμισείας οντες, έπ κ) του κατηρίτας

10 κ) διαρρήδίω λέρε, πεοςτθείς κ) τένομα νω 3δ ες το μέσον απέρριπω τει ο λόγ Θ, ώς πολλές είχαζειν, κ) εφαρωζειν άλλοτε άλλο τοις λεγομθύοις. χει ή παρβησιαςίω όντα, με

Jev oxveiv keyes.

15 2. ΜΩ Μ. Ε΄ γε, ω Ζεθ, ότι καὶ πας ξωνεις με περς των παρρησίαν. Ποιείς γδ το το βασιλικόν, ως αληθώς, κὶ μεγαλόρενη ως εξω καὶ τωνομα ὁ γας τοι γρυναιόταίο Δίουστο ημιάνθρεντο ων, ωθε Έλλιω με

20 βόθεν, άλλά Συροφοίνικός πν Θ εμπόρε τε Κάθμε δυραβιόθες, έπει πο ήξιώθη της αδανασίας, οίθ με αὐπός δδιν ε λέρω, επε τω μίζαν, επε τω μεθων, επε το βαδισμα. πώντες ηδοίμαι δράτε ως δήλως, ή

25 γιωαικεί (Φ την φύσιν, η μιμανής, αλοφτεί ε ωθεν εποπνέων. δ ή, κ) όλω φατεί αν είσε ποίησεν ήμεν, κ) τον 200ον έπαρομθ παρεςτικά βεθς απέρηνες, τον Πάνα, κ) τον Σε λίωδυ, κ) Σαπυρες αρείκες πιάς, κ) απολες

30 του πολλός, συνθητικές ανθρώπες, η τας μοςφας αλλομότες. ων ό μ, κέρα α έχων, και όσον εξήμισείας ες το κάπο αλλί ερικώς, η βρείου βαθό καθειμό Θ, όλιρον βάγο διατε. Εν δέν ο β, φαλακοός γέρων, στιμός τω

35 τΦ. οἱ ἢ Σάτυερι, όξεις τὰ ὧτα κὶ αὐτοὶ φαλακερί

700

Ews.

रेगा राष्ट्र

8 Ex-

naro-

168

YE.

300

ofte.

M+

0%. G

30.00

75

.

τφαλακού, κερώσαι, οἶα τοῖς ἀξτι Άννηθεῖστι ἐρέρεκς τὰ κέσατα ὑαπουίεῖαι, Φρύγες τηνές δί]ες. ἔχεστ ἡ κὴ ἐρφές ἀ παί]ες. ὁς ἄτε οἴες
καῖι βεὲς ποιεῖ ὁ γρυνάδας; εἶτα θαυμάζομψι,
εἰχαταφορύξην καιλεὶ οἱ ἀνθρωποι, ὁρῶί]ες ἄτω μ

βελοίες θεὲς, κὴ τεραςῖες; ἐῶ γὰ λέγεν, ὅτι
κὴ δύο γωαῖκας ἀνήγαγε, Τὶῶ κῶὶ ἐρωκῶμὶτι
κἔταν ἀιπέ, Τὶῦ τε ᾿Αρεἰάθνῖμι, κὲ κὴ τον ἐξσανον ἐγνατέλεξε τὰ τῷ ἀξέρων χοςώ, τἰω ἡ

Ἰκαρείς τὰ γρωργὰ θυγατερα (κ) ὁ πάντων γελοιότατον, ῶ θεοὶ) κὴ τ κιώα τῆς Ἡριρόνης,
κὴ τῶτον ἀνήγαγμι, ως μὴ ἀνιώτο ἡ παῖς εἰμὴ
ἔξει ἐγ πω ἐρωμῷ τὸ ξιώνθες ἐκείνο, κὰ ὁ τῶρ
κὴς τὸ τοῦ ἐρωμῷ τὸ ξιώνθες ἐκείνο, κὰ ὁ τῶρ
κράπα κινιίδον αὐτῆς. τοῦτα ἀχ είδεις ὑμὶν
δοκεῖ, κὴ παροινία, κὴ γέλως; ἀκεσατε δὶ ἕν τς
κὰ ἀλλισε

3. ZE Y E. Muder, & Maue, einne, unte sei 'Arnhyme', unte sei 'Hranheus. ôge 3 of gern to hóye. Etos 35, ó ti cuity latas 20 a) avishow on the vocum, nai est

—πολλών αντάξι Θ αλλων·

δΑ΄ Ης ακλής ψός ῶν ἐμος, ἐκ ὁλίρων πόνων ἐπείατο τὴν αθ ανασίαν, ὡς ε μὴ καπήσει αὐτός. ΜΩ Μ. Σιωπήσομαι διὰ σὰ, ὧ Ζεθ, 25 πολλά εἰπεῖν ἔρων. καίτοι εἰ μιθέν ἀλλο ἔπ τὰ σημεία ἔρων. καίτοι εἰ μιθέν ἀλλο ἔπ τὰ σημεία ἔρων εὶ τὰ πυρός. εἰ β ἔξὴν ἐρ ωρὸς αὐτόν σε τἢ παρρηπία ρεήδαι, πολλά ἀν εἰρον εἰπεῖν. ΖΕΤ Σ. Καὶ μιμὶ σερὸς εἰμὲ ἔξες μάλιςα, μῷ δὶ ἐν καμὲ ἔχιτίας 30 διώκεις; ΜΩ Μ. Ἐν Κρίτη μὲν ἐ μόνον τὰτο ἀκὰταὶ ὅτιν, ἀλλά κὶ ἀλλο π σεὶ σε λέγεπ, κὶ πάρον ὁπθεικνύκην. ἐρῶ β ἐπε ἀκάνοις σεί θομαι, ἐπε ἀχαμῶν Αἰρεδον, ἐποκόνοις σεί θομαι, ἔτε ἀχαμῶν Αἰρεδον, ἐποκόνοις σεί θομαι, ἔτο ἀκασιν. ἀ κὶ μάλιςα 35 ἐλεγχθίμαι δεῖν ἡγεμαι, τοῦ τὰ ἐρῶ. Τωῦ Σ

βάρ τοι άς χίω τη τοιέτων παρανομημάτως xì The airias To vod dolivar hull To Emit δριον ού, & Ζεύ, παρέρες, θυνταίς έπημεγνί-שושש אל אפדושי חשף משדשי ביו מאאסדב מאש द श्रांपवी : केंड्ड म्या ड रही है श्रंप का , यम वह अव स्वर्धिन סון דוג בעואמו שיים בים משום של דמשף של יו יו או χευσοχόων τις κατερχάζελαι χευσόν όντα, κ άντι Διος, η όρμ Θ, η Δελλιον, η ελλόδιον ή μίν χώη. πλίω άλλα εμπεπληκάς γε τ εξανών נס או וונושלפטי מצדשי. צ אל בני באאשו פודוונה אן דל משמץ עם אאסול דמדים ללוני, ל הלד מני דונ αρνω αιέτη, ότι ο Ἡρακλης με θεός απο βείχθη, ό β Ἐυρυβους ος ἐπεταπεν αυτώ το θηνικε. χ' πλικτου Ης ακλέες νεώς, οι κέτε οι-15 τ , χ' Ευρυθέως πάρ , το δεαπότε αυπ' χ' πάλις ον Θίβαις, Διότυσ Θ κόλι, θεός ιδ of ave from dure, o Herode, o 'Ax aiw, i ο Λεάρχ Θ, ανθρώπων απάντων κακοδαιωνές απι. αρ έ ή απαξ ου, δ Ζεδ, ανέφξας τοις 20 महाराहार मधेर प्रेंट्यर, में ठीने मधेर प्रशास देशह बीमा άπαντες μεμίμιωταί σε. κ) εχι άρρενες μόνον, बेरो ठेकि वां शुक्ता, में वां अंत्र लवा रेडवां. मंड के हा Duiava, n' Tor 'Idowa, n' Tor anns; wise 25 דמנו דם עו במדרו עונו לסאמי. עמאסטי אל מי דו DEXEX X EN SUDITO.

700

uni-

λλο

325

1000

715

Th-

22-

qi

10

Ballo ซองระง ทุนโง อัสองระมอมภัติทรสมชี ของ; พิ Midens curivo o Mins , o rov navolun. xi The magar, & SE Exhlustor The owen. बेडर हरी' थि क्लामा माड, द्राष्ट्रांगरा. Torjagoui οί Σχύθαι, κ) οἱ Γέται ταυτα ος ωντες αυ-नी, मकरहते निर्मा प्रवाहस संगठ गड़, तां को वं मव-Savarikusi, zi Seus Xelestovustiv, us av e Senti-Α Ελ Θ ων, παρενεγεφη, έκ οίδι οπως διαλα-Juir. मुद्रां पढ़ा प्रवासि मर्वा वि , के Seoi, µहिंदिन 10 ού 3 & κιωοτρείσωπε, κ) ζιωθόσιν εςαλιθύε Ai yumie, tis et, & Beatist, में मकड बेट्टावाड Seds ε) υλακτών; τί ή βελόμθυ Θ, κ) ο Μεμφίτης हैं कि नकाहि , है महार्थात कि, क्लुइसामस्ति में १६व, में क्लक्षां वह दूस ; वांत्राणां मात्रा है विविद्य , 15 में मार्रेमांसड संग्रहांग , में महत्रे प्रह , में बैरोरे ब मार्थिक प्रमणां महत्व , इस शीती, व्यालक में प्रांतिक म्बद्धियम्पत हेड ग्रेम हहवारेग. व प्राहाड, के महतो, मर्केड केर्र्ड दूर के केर्किंग्स्ड हमां माड में में ध्रा ध्रामिक บันทีม สอรรมเพราปมล; ที่ ชบ, ผี Zed, สพัร ซุร- 20 çεις, έπειδών χριδ χέςατα φύσωσί τοι; Z E Y, Αίσες એς άληθώς τουτα ολς το को को मां अ מש דשיר, מויוץ עמדם בלו, אל א חמינו אצוו עמדמאני λάν αμύπτον όντα. ΜΩΜ. Πάνυ γεν μυ- 24 sneiwr, & Zed, dei nuiv, ws ei ferau, Jens pt, 750 Jess · nwioneganss 3, 780 nwonega-

5. ZEY Z. Ex chui ra Tur Ai-שלושים באאסדב של שבו דצדשי באודוב של שנושם 30 όπι γολής. ου ή του άλλες λέγε. ΜΩΜ. Τον Τζοφώνιον, ο Ζεύ, κρο μάλισά με απο-שניושה של 'Auginozov' os כושם על מישפט-त्र , के यह Jahois पंठेड केंग , Э का का मिन vaio er Kininia, Lassialio नवं नामके, में 35 XX

ενι έπι συ, ω "Αποκλου δυθοκιμείς, ακλά εθν πας κίδω, κό πας βωμός χενσμωθεί, ος αν ελαίω πειχυθή, κό τεταίνει έχη, κό ρόντω αυθρός δυπορηση, οίοι ποκλοί είπνι ή ήν κό το ποκράμανίω το αθληνικό αυθρίας ίαται που πογέποιθας δυ "Ολυμπία, κό Θεαβύνες δυ Θάπω, κό "Εκπει δυθενιό το 'Ικίω, κό Πεστεσιλών καπανθικού δυ Χερρονήσω, αξό κή εν ποσεποι γιρόναμών, οποθέθωνα το μαλλον ή δποςκία, κό ιεξοπιλία κό δλως,

υπαγιον τινών παρ τριτιν, ετε στε είναι όλως το μαλλον το διτος κία, κ. εξεροτιλία. κ. όλως, κυταιτερεν είναι το κίμο εξ το ικόντες, κ. τουτα μ. αθεί το νόματα πολλα πολ ακών, το το το κίμου το κοι το κ

15 θωιαμθών, πάνυ, δ Ζεθ, κ, 691 τέτοις γελώ. η πε γάρ όξιν η πολυθερύλλη Φ άρεβη, κ) φύσις, κ) είμαρμθψη, κ) τύχη, άνυπόσατα, κ) κενά πεν γιαπον διόματα, τάπο βλακών α θεθικών συ διάματος διάματος κ) συ διάματος κ)

20 αύτοχέδια όντα, ετω πεδ ανοήτες πέπεικες, ώς ε εθείς ύμιν, εδε πίειν βάκεται, είδως όπ κάν μυείας ήκατόμδας περακόση, όμως τίω τύχλω πρεσκαν τα μειωιραμθία, κ) α εξ αρχίς έκος ω επεκλώδη. ήδεως αν εν εξεί-25 μλυ σε, ω Ζεύ, εί πα είδες η αρετίω, η ρύ-

2 ε μίω σε, εί Ζεό, εί σεν είδες η άρετιω, η φυσιν, η είμαρμένιω. όπ μ 35 κ, στι ακκεις εν παίς την φιλοσόρου διαβιδαίς, οίδα, εί μη κ) κωρός της εί είς βοείνιων σώτην μη επαίειν, πολλά επέχων είπειν, καταπαίσω τον λόρον.

30 δρώ γων του πολλός αχθομένες μοι λέτρντι, κ) συμίτιση ας, εμένες μάλισα, ων γαθη ατο ή παρρισι τη δίλ λέτρον πέρας γεν εί εθέλεις, ω Ζεθ, Ψήρισμα τι σελ τέτων αναγιώσιμαι ή διηγερεαμμένον ΖΕ Γ Σ. Αναγνωθι. 35 κ πάντα το άλογως ήτασω. κ) δει τὰ πολλά

वार्ग हैं वितावृह्य ए, र्यंड प्रांत वितात कर ये वहा ने निवालय के मां कार्य कर के मां कार्य के मां कार्य कर मां

### Thorqua:

### ATAOH TTXH.

Ε Καλησίας εν όμα αρομθώνε, έδοδμιν שפיוולף לוב ווסדפולשי, בידובים דרו ' אדום אושיים ביצובי שמדלב אשום הו שעול פר, או פעל מדום ד שעם- 10 μίω είπεν. Έπειδη πολλοί το ξένων ε μόνον Exhluss, and i Baseassi, isauws desoi פידבה אסוישיפו חונוי דוה הסאודנומה דמף אופרי क्श्याहर, अंस जी मी ठामकर को अहतो विविधारहर, हमार-מאחים חול ל שבשילד, שיב עפבלע בל) דם סטעודם זופי וב פאא דע במאמולעה הסאטץ אשמשטי חישי, צ, בנץκλύθων. όπλελοιπε ή ή άμβερσία, ή τδ νέκ]αρ, ώς μνας ήθη την κοτύλιω ε), διά τδ न्रशां कि नी नार्वरीकर, 01 दे चिक्र टा ने विश्व म्य-क्ट्रुटिवेद गेर्डाक्ष्यकार देवामको स्वत्ने सर्वराय नये πάπρια, κὶ ἐν τῆ γῆ σεσπμάδι δέλεσι, δεδέ-χθω τῆ βελῆ, κὶ τοἱ δήμφ ξυκλεγ Ιῶαι μὶ ἐκ-κλησίαν ἐν τοἱ Ὀλύμπφ σεὰ βοπὰς χειμεει «ἀς, है रेहिंग्र में हिना प्रभावता पर रहे में के उन के निये पहार 29 it, on the muhaias Bunis the on Keore, रांनी बहुबड़ हैं देश में बी बी बिर्म के देश वर्ण रही है, रहेश בוֹצ. דצושה ה דמים לאון יש ענטים, מש דמים עוב καθέζεδαι διώσαν ας τον νόμημον όρχο", τω Σπίρα. τον Έχμω ή, κηςυξαντα ξυπαρα- 30 पूर्वा वे नवश्यक, ठेका वेद्राह्म हिष्णम्हर्रवा मंद्र मे בשינלפוסי. זה ל אותנו וומציוובשה בחשום וולניג र्ट्राण्यार्थम्बर , श्रे बेनाव निर्देश्वर नहें प्रेम्प्र नहें निर्म हैं, दो हों , न्यार्था अपने हेंग्य, वो है , दीन-בי של מושים בל ב דמל סידבי, וו שבצי בן צדסףם: שיום, 35 में भवी बनांधा- रिकार देने नवे क्रिक्ट में मंदेर Z 3 SHIZES

πίκας τως σεςρυικάς. Με δέ τις άλω των αδοκίμων, κ, άπαξ κων των έπεγ νωμόνων όμε κριβέντων έπεδαίων το κεραζεώτε τον τάςτως εν έμπεσειν τοτον έρραζεώτε ζ τὰ αυτό έκας ν. κ) μήτε τὸ Ασωλυπούν χεισμωρέιν, μήτε τὸ Απόλλω το σωτα μόνον πιείν, αλλ εν τι δηλεξά μόνον μαντίω, π λιθαςωρόν, π λαβον εί). τοις ζ φιλοσόροις πρεειπείν, μλ αναπλάπειν καινά φιλοσόροις πρεειπείν, μλ αναπλάπειν καινά

35 λίω όπις πο αυτί βωμά. Ιω δέ τις παρακόση τε κηρύ [κα] Φ, κὶ μιὰ εδελήση ότι του ότι γνώμονας ελθεί", εἰρημίω αυτέ καταθαιτησάν] ων. ΖΕΥ Σ. Τέτο μὶ ἡμίν το Ψήφισμα θικαίοτατον, ω Μώμε, κὶ ὅτο δικεί, ἀναἰεινάτω το

20 χείξα μάλλον ή έτω γγνέδω. πλείνε γδ οίδ' ετι έσονται, οί μη χειρείονήσαντες. άλλά νω μβρ, άπιτε. όπόταν ή κηρύξη ό Έρμης, ήκετε, κομίζον]ες έχας Θ εναργή τὰ γνωρίσμαία, κ) σαρείς τὰς ὑπολείξεις, παβός όνομα, κ) μη-

30

OTE

# Diaroy O y'.

TWY CH-

78

70'y

ov,

va

6-

24 24

ψ

H

### Timer, & Misar Bran .

TIMON. TO Zed pine, x gerie, x 4-त्याद्वाह, यो इक्डाइ, यो वेsесэтита, и оджие, и vegennyegera, и вегу-मिश्नाह, में हा ना वह बेग्रेंग का हमिटिश्रामाका महानीको 10 अवरेडन में मवं राडव के त्यार के त्रवह करा वरेड़ त्रवे मह-किटां रिस परे मांमी ov मह मार्डिश, ये बंशवम AMESIG नरे प्रध्रमणेड के विक्रिया नहीं कर एक में इंटाउपार्यeay o as earns, n' il Bapule equo Benin, n' 15 ai Sahods, zi agyinds, zi ouspodahios xocamos; מ חמודם ו אונים אונים אונים אולה מעמדו סחוב. אין καπνος ποιητικός απεχνώς, έξω το πατάχε की वेश्वास्त्र के ने वे वेव्येती मार्ग वह से हंसाई क אסע משאמעם אל שפוץ מופסץ עני חותו אישוב דו- 20 र्रेकड बंगहर्गित को प्रिट्रिंग हैते , धार्मि केर्रोट्रा क्या और दे केर्रोट्रा क्या बेरी बंगीस्थानका मेस्यूपर्यन न्तर वित्रीक पूरेर की ठील्ड्सिंग मह ठीलपूस-म्बर रिकार्य निष् प्रमुख्या करें करें कर के रिकार 25 नामव हे नवमबी होंगवारी मा अध्याद का नहीं है , केंद्र नमिन मिन में मतमप्रेम बेन बेमल माने मही हेर बार मार्थिक है रहार कार केवा बाराविकां मार महामा प्रति के का बे-ของสามาสิทธายาล ร ล้อยองมะ พระ ทิศท ค่าล้ รอม-नवं का में व हिन्द्र कार है के राहि हिन्द्र के के के अ איני עם משושבים של שוש שוש שוש שוש לשוצ לוי ל opyin Dia, Sequepos avile, z uspanaux's-प्रियं कि प्राचित के विषय में मुक्त में विकाद स्वाप वंश्रंसह, क्षेत्र कार वेटी महा नवड़ है नाड महारहा रहा रहा स्था के Se, में बंधिरावर्षी सड महोड नवे अपूर्वाधिय के नवे

ώτα εκκεκώφωσαι καθάτως οι παρηθηκότω έπτι νε Θ γε έπ κὶ όξυ θυμο Θ ών, κὶ ἀκμαῖς τὰν ὀργίω, πολλά κῃ τὰ ἀθκων, κὶ εἰαίω ἐποίως, κὶ ৬θέποτε Ϋγες τότες σεψες ω του ἐκ

ταγείτο, και ή σε ραπή (we κès ω στερ eis à προβολισμόν προηκωντίζετο, οι σεισμοί ή κ סאוניושלטי, אין וו אושיר סשפחלטי, אפו וו אמאמלם חו-

το βηθόν. κ Ινά σοι φορπιώς διαλέρωμαι, υετά म pay daios, में Elasos, मारीय pos हमर्थंड म ड्यार्था. केंड्ड मार्राप्रकाम देश केंब्रुड़ें रहेंग्ड एकाक्यें की τε Δάναλίων Θ εγώντο, ως τιποθρυγίων απαντων γαταθεθυκότων, μόγις έν τι κιθώτιος

וג שבוששלושמו, שפשסטצפואמו דעל חעצעיפו , (6πυρόν τι रह ανθρωπίνε απέρμα] Ο διαφυλάτο τον eis δητρονίω κακίας μείζου . Τοι ράφ τοι ακόλειδα της ραθυμίας τα πίχειρα κομίζη חמם מנידושי , צדב שניסו @ בח ספל חוים, בדם नाकार में देश के नविषय वेशवपु मुद्दांव नागांका रिप्रका,

बेश में दें के कि म बहु कांवर (wrehair, मबा अवर Chipor Keoror or & Sewy Suverbrate, amogal-שנון שבפש של שלו דוו דונון ב.

25 21 En Asperis อัสออนักเร ที่อีก ธน สหัว ขอพัง σεσυλήνωσουν ci 5 x auto σει τας χειρας Oxumativ & Rechinaon. x où & J. Ges-ענידור שאניוסער, וו פועמקווסעו זוש אנשומר, וו זוש yeiroras Etina né sadas, es Bondromiourtes 30 autor outracoust, Ett ovoxdoa (outres mess דוש פעץ וני. מאא ס אפירם ופר, אל און מידם אבדשף, κ' Τιτανοκράτωρ ενάθησο, του πλοχάμες σες κειεόμιο τω αυτών, δενάπηχου κεραυνδο έχων ον τη δεξία. ταυτα τοίνου, & Sauca-

35 σιε, πιμίκα παύσελαι έτως άμελως παρορώwha; i Tota xoraters The rotation all NICV 3: XOTE

aiG

lain

Ta-

d.

275-

706

ár.

9

4

90

.

wiat; mores Φαέθοντες η Δακαλίωνες ixavel mess stas imparlace iceur to fis; iva 38 न्ये κοινα εάσες, नवं μα είπω, ποσέτες 'Αθηναίων είς υ 4 9 αρας, κ) πλυστυς οι πενες -των ἀποφήνας, κ) πάσι τοις δεομέ οις όπικε ς girds, μάλλον ή άθερν ές ευερχοίων των द्रिका रेम प्रेंबर परेंग जरेंड प्रमा हे कसरीमें जहांगड री के ταῦτα έχρορείω, εκ έτι εδε γνωείζομαι कहें। वर्षे मध्य , हिंद कहें निर्देश हम हा है। वह कि ที่ที่เงองโรร, มู่ สองสมเมลิปรร, หลุ่มกัช อุนซี vdi- 10 µa] © ส่งทฤทินย์งอเ. ส่งกั แม้ สะ หู ว่าโล๊ €aδίζων εντύχειμί τινι αὐτών, ώστες τινα κάλλω मबरेबाह रहराह ग्रेमीबर, क्लेनह रहेग्ड बेंग्बनान मुद्रम्मार्थामा मबहेर्द्रश्रीय, मार्गेड बेंग्बर्ग्णिनहर of 3 πορρωθεν idbires, έτε αν εκτεκτονίαι, 19 Suni mrov, x Stoforais Sequa ofedal ιωτολαμεαίοντες, τον ε πεδ πολλε σωτής ε κ) ευεργέτω αυτών γε βισμένον. Δτε ίπο των κακών όπι ταύτων τω έρατιαν βαπόwho o, cratawho dio sinar, eppaloum it 20 ylu vand & cooker revalent, The egulia, κί τη δικέλλη σεοσφιλοσοφών ενταύθα. τετο วิชา แอง อื่องณี หลุดอื่นงค่า แทงคาง ปลอง . สอง रहेड त्वर्ते नाम बेहांका की करते तिकरीय का करावहरंтерог за твоб за пом точе ву, а Керта и 25 "צימן עוב, ל פשלעט דודים עו דורטי עו דור מושים ביום של של א ניהלטעסי, (נאסף דפי באושטיולעט אל אפארוunrai) a apprestas Tov nepautov, n en Tis Οίτης εναυτανών , μεγάλλω παίξας τ φλόγα, Emseizaio Tiva zoi lui avstras es ni vearine 30 Διος, εί μη άληθη όξη τα కωό Κρητών αξί σε, אי דוון בעני סוון דעקוון ענישסאסץ בעיוום.

κὶ ὑποδί φιτες Φ; σχάπει ή, οίμαι, όπχενυφως, λάλ Φ άνθρωπ Φ, καὶ θρασύς, ήπε φιλοσφός όξι. κ λό ἀν ἔπως ἀστεξές ποὺ λόγως διεξήει καθ ἡμίλι. Ε P M. Τί φής, ώ πάτες όχινεις Τίμωνα τὸν Ἑχεκρατίδα, τὸν Κολυπέα; δτός όξιν ὁ πολλάκις ἡμᾶς καθ ἐξεῶν τελείων ἐςτάσας. ὁ νεόπλατ Φ, ὁ τὰς ὁλας ἐκατόμεας, πας ὁ λαμωρώς εἰώθαμψι

હૈતેલ દેશ્વર્જા કલા, ત્રાવકું છું તેવા જાણ છેંડ લો છો ત્રાણ દેવના છે. દેવના છે. દેવના છે. દેવના છે. દેવના છે. દેવના હો. દેવના છે. દેવના હો. દેવના છે. દેવના હો. દેવન

τος, ως έοιχω, ετω βαρείαν καταφέρων τω 
δίχειλαν. Ε P M. Ούτωτ με είπειν, χεν15 τοτης επέληξεν αὐτος, κὸ φιλαωθεωπία, κὸ ό
προδε του δεομβώνει ἀπαθαι οίκ Θ. ως β
αληθές λόγφ, ἀνοια, κὸ ἐυίνθεια, κὸ ἀχρισία
πθελ του φίλως. ος ἐ ζωίτει κόραξι, κὸ λύκοις χαριζομβυΘ, ἀκλ ἀπο γυπών τοσετων

κοις χαειζόμη , άλλ το γυπών τοσ των 30 δι κακοδαίμων χειεόμη το ήπας , φίλας δη απόν κό έταίς κε φίστο, το διτό ευνόιας της σερός αμπόν, χαίεοντας τη βοςά οί ή τα όσε το γυμμώσαντες ακριδώς, κό το κά γυμμώσαντες ακριδώς, κό το κό το κό το κό για το κό το κό για το κό το κό για κοιδώς και γυμμάσαντες ακριδώς, κό το κό το

25 μάλα επιγελώς ώχοντο, αδου αυτόν καὶ ταὶς εἰζας ἐποτείμημορου ὑπολιπόντες, ἐδὲ χνωείζοντες ἔπ, ἐδὲ σεροσελέποντες, πόξεν χὸ ἢ 
δπικεροιώτες, ἢ ὁπολοβοντες ἐν τιὸ μέρες ;
διὰ ταῦτα δικελίτις κὰ διοδερίας, ως διᾶς,

30 ἀπολιπών τω αίχιωπε το άετι μιδύ γεωρκί, μελαγ χολών τοις κακοίς, ότι οι πεκτοιώτες πας ἀιπύ, μάλα τωροπίκώς παρερχονίαι, εδε τένομα, εί Τίμων καλοίτο, είδοτες. ΖΕΥ Σ. Καὶ μίω ε παροπέω αίνης, εδε

ΖΕΥΣ. Καὶ μω ἐ παροπίο ἀνὴρ, ἐδὲ 35 ἀμελητίο. εἰκότα οδ ἡο ανακίμε δυσυρᾶν. ἐπεὶ κὴ ὄμοια ποιήσομου τοῦς καταρήτοις κό-

EXU.

01-

286

70'0

zg.

ric

W

1-

op.

,

.

λαξιν ομείνοις, όπιλελησμούοι ανδρός τοσαυτα ταύζων τε κ αίγων πότατα καύσαν ] 🕒 ग्यांग दिन में हिन्मी. हम पूरिंग देश रहा नवाड, वृत्त דונו אוומשו מודו בצם. אונו יש מפחוש TE XI JORUGE TOLKE THE OTTOSKEUTAN, XI GIA- 5 (၁μήων, κ) αρπαζόντων, इті ή κ) φόξετε करके או וצפיסטות צידשי, (שסאסו שם צדטו או לעספט-Aaxlor, में के के के के कि किए सकामार्थिका महिए है-कार्यम्बा) मार्थियां मंत्री द्विण्या हतीं केमहिम्ड्रीय संद The Affenter, of making of & ortogogia x 10 λόρων έειδες επεπόλασαν αυτοίς μαχομένων 38 apols annings, xi xexparetor, sele erra-प्रदेश होते नी देप क्षेप. केंड्र मह में दिनियार्थिया 251 नवे केंन्य सब जिल्ला, में किम है। दिमाया केंद्रेड outh, aperlu Trea x arouala, xai Angus 14 μεγάλη τη φωνή ξιωσιεόν ων. δια τουτά τοι x) ToTov ausan Surae Cuison, mess nuas 8 QUU NOV OVTA . O MOS & TOV ITASTOV , & Egun, मबद्द्रभविकेष, बैक्की मक् कार्तेश द्रा नर्द्र कि बेγέτω ή ο Πλέτ Θ και τον Θησαυείν μετ 26 αυτέ, κ) κινέτωσαν αμφω εδά τω Τίμωνι, unde arandantedaran era padias, xav ore मार्थ राइत रहा द्रशाहर मार्थि वर्ष माड देमती काम वर्ष महार The cinian wei 3 of nondino intinor, x This a parisias, in And eigerlo mode autor, 25 ni midis il one formas, no dinte diocerry, e weiday tov xeeauvor omondiano. narraymiras & dure x amosomanas ein Suo dutives as uspical, othere practicotesor nxorlica opeliu ofi tor ocoistu Aragazogar, 30 के देश की उक्क के कार्य कार के कि के कि हैं। की पार के कि nuas mo Dess. and creive is d'inpafor, car-Ege of dura The peipa Heenkins. o 5 xsgaurde eis To araneor epasuitas, enero τε κατέφλεξε, κ) σώτδς ολίγε δείν (we Si- 35 בו שובל דחי חיצמי האצו ו מוא בי דיספרם

ชิ สมาท กุนพย์เล "รสม สมาจโร, คำ เลือกหย์โยไล้ วงง Tiuava อัดพิสทา

4 Ε P M. Οξόν Ιώ το μέρα κεκραβύαις κο όχιλης ν εθ και θεσοιώ; ε τοξε

β θικαιολογώσε μόνοις, αλλα κο τοξε δυγομόνοις
σύτο χεμοιμον. Εθε γο αυτίκα μάλα πλεσε ο όλι πονες κατα κατακήστα ο Τίμαν, βοήσας κο παρερίτα κατακήστα ο το τη δυχή, και
δπερελας του Δία. εί θ σιωτώ έσχεπον
20 δπεκιοώς, έττ αν έσχεπον αμελέρου ο.

20 στικουφως , επ αν εσημπίεν αμελευρύστου .

Π.Δ.Ο Υ. Αλλ. έχου έκ αν απέλδουμε, δ΄ .

Ζεό, παρ' αυτον - ΖΕ Υ Σ. Δια π, δ α αυτος .

Επ Πλέτε , κ) τουνα έμε κελούπαντΘ ;

Η.Δ.Ο Υ. "Οπ νη Δίκ υδευζεν εξ έμε, κ)

15 Εξεφόρου, κλ. είς πουλά κατεμέειζε, κλ. ταῦ τά, παξιώον ωπώ φίλου. οντα. κλ. μόνον. έχλ δικεφνοις με Εξεώθα πικ ολκίας, κριθάσωρ οί το πός οκ της χευρών αποφριπιώντες ων θις έν άπλλου, ωξαώτοις, κλ. κόλαζε, κλ. έται εμις

το παραδοθησόμυνο ; επ εκείτες. δ Ζεό, πεμπε με, που αἰ δησομύρις της δυρεάς, που ανειελουτας, οἷε τίμι Θ ερα κὶ στοποθητ Θ. ετω βοί κάρει τη πενία ξιωέςωσαν, ην ανευτιμώσω ημής, καὶ διοθέραν πας αὐτής κατε εδυξες, κὶ δίκεκκων, ἀγαπάτωσαν αὐτής κα-

Τέ Chiles, κ) δίκελλαν, άλαπάτωσαν άλλιοι, τέτπαρας όδολες δποράρουςς, οἱ δεχαζαλάνζως δωρεάς άμεληση προϊέμθροι. ΖΕΥΣ. Οὐδεν
έπ πιθίτον ὁ Τίμων έρχασεται πεί σε , πάνυ
λο αὐτό ἡ δίκελλα πεπαιδαχώγηκερι εἰ μη ,
παρτάπασιν ἀνάλγητός δει τω ὁσφαι, ως

मानार्यां न्यां वंश्वीत् भार्यं होता प्रीय हेन्स्यां कर केंद्र अर्थायं कर वंशा प्राप्त मार्थायः कर व्यवस्थितः प्रीयं अर्था का स्वरण प्रथम विवादि हो प्रधा केंद्रस्ति है। वेदा प्राप्त के कि प्रियमित वास्ति, तीर्वा कर स्वर्ध अर्थेह्व वेश्वस्थानार्यं का विश्वस्थान क्षेत्रस्थान

38 τε αποκλείων, έτε ζηλοτυπών. άλλοτε 3 τοραπίου υμανάλλως χλ τη πλυσίων, χατοκοί κεκλείως Va.

04-

210

ole

8-

0-

ch.

130

अहममें में महिला करा कारी के पार्म में में मरसनं, में नामसंकर किरिक्तिंड, कंड प्रार्थ केंद्र-रण्या का दे ने केंद्र रिकार केंद्र रिकार केंद्र ने निक न्य पूर्व άπωλίες σεύς με, δποπνίγεδι, λέγων ον πολ-रक्ष मही वर्श्वरक् में वीचे महत्त्व के महिंद मधार हर् मांग्ड, इ. में क्ट्रगार्जिं केंग्र केंग्र रेड्ड, जामा कार मार्ड रियम-שולאנה שפילה דל בש של ל בעואס אד על אל מוחםδράταδζ άπειλών, τι καιρε λαβοιο παρ' αυ τίν. אן סאשו, דם מפשו אום ישקל פוצים בלסצו ספו ביו χαλκώ, η σιδηςώ ο αλάμω, καθάτορ τ Δανί- 10 עש המף שבי שנים בים מציול בדו אי המעוד סיווερις παιθαγωγούς αναξεφό μουον των τόκοι, κ דוש אסאודעום. מדסתם צוצ מסוברי בסמדענה מנו-क्षां, देवका नवड में लंड रक्कि दिल्म के देवा है वेमान-אסטימי ע דראנווורדם , שלב בש מל מומג אפשוניינ וב मार् दिवसमा सार्थां हुई विशेवह से से विश्व क्या में निका है-ערוקטפטדעני פני דס סוועפוטים על דפי ענסעאסטי ασκαρθαμυκτί βλέποντας, ικανίω απόλαυτιν οίτωμις, ε το αυτού απολαμεν έχειν, άλλο το μηθενί μεταθιθέναι της δπολαμτώς, κα- 20 של של ל כי דון במדעות מעום, שוחד שידוש ב אי-שדמו אל אפוששי, עוודב דע וחחף הפועשידו באוβέποσαν. ε) σερσέτι με ε καταγίλας αυτών סבושטושים, או סטאבדופידטי, או דם צמודם-דב סיים בי בינים לואסדעד מידער, ביציסניום יין שנ בבי naraeal & cinims, no cinovopo, na mado Jel रेक सराक्षेप Xa Jains, देवाना द्वार्णात्स चेर प्रवस्ति वाμονα, κ ανέξαςον δεοπότιο, σφός αμαμεύν τι κ μικρόσομον λυχνίδον, κ διλαλέον θρυ-מאאולוסי, בהמקפט דינוי במדמן דפור דסיופוני חשיר 30. סנו עו מ לואסי, דעואמו עלי דע דמודו מודומים, vwi 3 To Timore Ta evaria britaneiv.

5. ΠΛΟΥΤ. Καὶ μίω είρε πάκηθή Εξεπάζοις, άμφω σοι εύλορα δόξω ποιείν. τωτε 35. 35 Τίμων Ο τὸ πάνυ τωτο ἀνεκιλύονς άμελεξη κ) έκ δυνοϊκόν, ώς πρός έμε εἰκότως, αν δ.
κόν τές τε οὐ κατάκλεισον δη πύερις, κ) σώ
τω φυλάποντας, ὅπως κώ τοῖς παρύτες
βνοίμω, κ) πιμελίς, κ) κάροχχος επ

หางครั้ง และสาราชาน

10 αλλώ την επί του αμόνων με καταλιπόθες ετ εν οκείνες, ετε του πάνυ σεοχείρες είς εμέ τέτης έπαινε, άλλα του, οσφ αειςεν ότι, μέρον ότι πάσν με του σεοχείματη, κ) μέντε α φεριμένε το παράπαν, μέντε σεονοσιμένες το 15 λου Σνότευ 3 70.

15 όλον. Σχότει γδ. & Zeo., πρός το Δίος, εί τις νόμφ γήμας γιωαί και νέων, κ. καλίω. επείλα μίτε φυλάποι, μήτε ζηλοποποί τὸ παράπαν, αριείς κ. βαδίζειν ενθα αν εθέλοι κύκτωρ, κ. μεθ΄ ημέρεν, κ. ξιωεί αι τοίς βαλομβόρις, μαλ-

20 λον ή αυτος ἀπάροι μοιχ ὁ ઉમજ છોલી છા જોઈρων τὰς ઉύεςς , καὶ μας ςωπάων , καὶ πάνθας ἐπ αυτιω καλῶν, ἔες ὁ τοι ΕΤΟ ἐρὰν ὁδ ξειεν ἀν ; ὁ σύ γε, ὡ Ζειδ, φαίρς ἀν, ἐες Δείς πολλάκς. εἰ δε τε ἔμπαλον ἐλο Θέος ν επ ἀερτο 24, εἰς τὴν εἰκίων νόμω παευλαβάν ἐπ ἀερτο

23. είς Τήν οιχίαν νοικό παρείλαθων επ αρέτο παίδων γυνισίαν. ό ή, μότε αυτός περσάποιτο αχμαίας χίχαλης παρθένε, μότε αλλό περσδιλέπειν δπίζεποι, άρνον ή ζί ςείραν, γαταχλείσας παρθενούοιχη ταυτά ερυν φάσκων

30 κ, δίλο ον ώπο της χεόας, και της σαρκός εντετικήας, κ) το όρθαλική υποδεδυκοτων, ξδ' όπως ό τοιξτο παραπαίων δεξωεν αν, δέον παιδιποιώδοι κ) απολαύων το χάμε, καταμαραίνων δυπρέσωπον ετω κ) επέρα-

με, καταμαραίνων δυ πρέσωπον έτω κ) επέρα-35 ευν κόριω, καθά πο ίκρειαν τη θεστιοφόρω βέσον δια πανίδε το βία; Διότο ταυ τα κ) αυτός y oxi

7EPQ

67

TE GE

TON

don

ीहरू होंड

å.

78

75

2

कार्येड मामसंपाद से न्यायमी के , क्यूरेड देशका करी απιως λακπζομή , κ λαφιωτομίο, κ Lar newo . va wier de, waree signaήαι δραπέτης πεπεδημβο. ΖΕΥΣ. ow ay avax निंड स्वी का नि ; रीतिवता ही बंधद्र καλίω ή δίκιω. οι μ ώσσερ ο Ταν αλ Θ αποτοι κ) αγώς τοι κ) ξηερί το ςόμα, όπικεχη-ציטדים עופיסי דע ציטונים, כו ל אם שמושים ס שווילוב. अक्त This quigury & में मिक्सि रेंड की 'Aparyay άφαιρεωμοι. άλλ' άπη ήθη, σωφερηςτέρω 10 τα εαπολύ τις Τίμωνι εντάξομου. ΠΛΟΥ. Έκθι Ο γάς ποτε παύσεται, ώπερ οπ κοφί: 8 TEJUTHALIES, OPIV SLOS GIOGULUTI ME XTI OUX-Swi दिक्यी रेखें ए, दे असं ज्या हिल्ति है की हिलाई के ώς, ες τον των Δαναϊδών πίδον υδρεφορήσειν μοι δοκῶ, κὸ μάτω ἐπανλλήσειν, που κύτες. นที่ รร่วงก็ , ล่วงล่ จุดถึง ผิงจุบโน๊ลเ ภูปถึง อีนภูมาทองเมินัย ซีซี อีทีวิจุรัยงก็ , ซี ซีซร อับรูบ์ ซียอง דצ שף סב דחי בץ אנומי אבץ מיטב דצ חושב, אן מאני- 20 Aul n' i god G. ZET E. Ouxou ei un que क्ट्रेंट्रिंगीवा नवे प्रथ्र्मणवेड रहेनक, में लंड नवे बे नवह αναπεπαμθύον, ουχυθέν Ο ον βεαχεί σε, ραδίες ευξήσει την διοθέραν αυθις, κ ή δί-प्रथमिक देश माँ विभागे के लांगेड. बेरो बेलाम में ती, में 25 πλεήζετε αὐτόν. οὐ ή μέμνησε, ὧ Έρμη, ἐπα-शाबेर, क्लोड़ मिलंड बेंगु सर करां सर्गरेक माड़ देस माड़ Αίτνης, όπως τον χεραυνον ακονήσαν ες επ-อนชื่อของง , พร ที่ปก วุล ระวิทา เป็น ลเบาชี ปิลกอง-Meda.

6. ΈΡΜ. Πρωτωμόν, δ Πλώτε, τ΄ τόστο τάποτελίς κες; ελελήθεις με, δ γβυτάθα ἐ τοφλός μόνος, άλλ ὰ, χωλός ών. ΠΛΟΥ. Ουα ἀε τόστο, δ Ερμή, άλλα ὁ πόταν μόβ ἀπω παρά πια πεμφθείς των τε Διός, κα διδί ὅ-35 πως βραλίς είμι ὰ χωλός ἀμφοτίες ς, ώς μό-

215

มร ระมะเข อัทิก รอ ระวุนล, ธะรุงกะสุดลเกิ ผู้ผู้ อาะ รับ เลื่อนมียองใช้ อาธารม วิ ผ่านมมิสาผล อัยทุ สโมอิง อัปะ เธอมบ รัฟ อิจุงของ ผู้หมายอส ผู้ผล วชัง ชักธาระที่ บัสธมารุธ, หลัวผู้ ที่อีก ลังะ ระทุงที่อุณสม ขะงเมทหลัง ระดุการประสุธ รอ ระ

κιηρύποιμαι νενικικώς τος ποθήτας το πό διον, εδε ιδύθων ελίστε του Βεατου. Έ P M. Οὐα ἀλιηθή ταῦτα φής. ερό β ἢ πολλές ἀι εξτείν Έχριμι τοι, χθές μός εδε δεολόν δη πείαδαι βεόχον εχηκότας, άργω β τίμες το πλεσίες ἢ πολυτελείς επό λόνιε ζάγμς έξε-

10 πλυσίες κὶ πολυπελείς ότι λόνος (δίγος έξελαμμονίας, οίς ελε κὶ όνω το πόρξε πωπτε κὶ διμως πος φυερί, κὶ βευσόχειρες πέρες χριθώ, ελε από αυπι πεσύνντες οίμαι, όπι μιὶ όνας πλωτόσιτες οίναι, όπι μιὶ όνας πλωτόσιτες οίναι, καὶ έχὶ πότες εμαυτό ποπ βαδίζω πότες.

15 μῶ, καὶ έχὶ ποῖς εμαυτό ποπ βαδίζω πότες.

15 μῶ, καὶ τὰ τοις εμαυτα ποπ βαλίζω τότες κὸς ὁ Ζους, ἀλλ' ὁ Πλέπων ἀποτελλει με παλ αυτκό, ἀπε πλεποθέτης κὸ, μεραλόδως Θ καὶ αυτκό, ἀπε πλεποθέτης κὸ, τοι διολαπι. ἐπεισάς τοίνω μετοικιδώναι δέν με παρ' ἐπεια αυτέλου μετοικιδώναι δέν με παρ' ἐπεια αυτόν.

20 ετεςον, ες δελτον εμεαλοντες με, η κατασημηναμύροι όπτιελώς, φορνόδυ απάμυνοι μετακομίζεσι η ο μύς νεκρός εν σκοβεινώ πε τ είκιας στερκείαι, τών πα τονιαπα, παλαμά τη δυνη σκεπίμου, στιμαχή σταις ταλαμές.

30 νδε δεαπότης, ήτοι (υγνής τις, ή κόλαζ, ή καταπύρων οικέτης, εμποιδικών τίμι ( τωςξυρημών Ε΄ τη την νόδον αντή ποικίλων κ) παντοδαπών ήδενών, ας ήδη έζωρ ( ών τωςρήτεσαν αυτώ, μέρα το μίδωμα ο γωναί (

कुड़ केल्रेबर्डिंग, टेमलीए कि. वेंड ताड बेंग में, त्यार बेंड़ त्यार्क्तिकेंड्ड १४५, वार्मा वेंड्रील वेंडल क्टूंबर, बेंगों पर नांबड़ में हता मिहती

طاد

5 0

199

Ze.

12

8-

00

Ε, .

Ties Mupilis, il Acquar , in Tibie, Meρακλής η ΜεράβυζΦ, η Περίταρχ Φ με-Torouadeis, Too matho nexprotas cheires होंद बेर्रामिश्वद केलि रेश्तिकारिय मुक्तिमार्ग , बेर्रामिद बं १० शीबड़ To महंग्रेक, विक क्यों के रेप्पं क इ פֿא מענאל דווּר סמץ לעוֹחור לוֹבְּסְעוֹלָט, שֹא פֿאוֹבְסִי το κλεαρ καταπών. δ ή εμπισών άθείως ες εμε απειείχαλ , η παχύδερμο מישפטתם, בח דחי הילוש הספואנים, א से मबराके बेम्रि प्रवाह संह मह, ठर् निवा देवाइबेड 10 דם צר, א דפין עטאשיים, שמדבר דם מימג פניי הפצעשיי, צג בדו לסףוודים בדו דיון בידעי אמי एक्जा. बेरोबे पंड पर देने के के अंदिल के किया के पहाड़े o uos saes massoi, क्रा मार्थित हैं में वार्मि नवे नावा नव हर्द्दार , व हर्दा के में हर मार्- 15 νίδιον τι έμπεσών, η ίππο βορίας όπιθυμήσας, η κόλαξι παξαθές έαυτον όμνύκου, η μίω τυμοροότερον με Νιρέως ε) αυτόν, του-χρέςτρον η το Κέκροπ Θ, η Κόδρο, Сипг-THETEFOR 3 TE OF WATERS, TAKTINTERON 3 CW- 20 aua Keciow exyai sexa, er aragei Te Hors. สังกเอ อีนาล์ทุ ชน หลา อีกโรอท อีน สองกิลัท อัสเรอwia. 23

7. ΈΡΜ. 'Αυτά πε γεδεν φης τὰ γεγρούθρα. ὁπόταν ἢ εν αὐτόπες βαδίζης, πῶς εντο πυρλός ῶν εὐείσκεις ἢ ὅδον; ἢ πῶς διαχινώσκεις, ἐρ' ες ἀν σε ὁ Ζοὺς ἀποτείλη, κρίνας ἔ) τε πλετείν ἀξίρις; ΠΛΟΥΤ. το Οἰει χὸ εὐείσκειν με οἱ πνές εἰσι. ΈΡΜ. Μὰ τὸν Δία ἐ πάνυ, ἐ χὸ 'Αειτείδω χαταλιπών, ἱππονίκω ὰ, Κακλία περοπίεις, ὰ) πολοῖς ἀλλοις 'Αθηναίων, ἐ δὲ ὁ δολε ἀξίρις. πλω ἀ λλὰ π΄ πεάπεις χαταπεμεθείς; το ΠΛΟΥ. Ανω ὰ χώτω πλανώμαι πεινοτών, ὰ χείτω πλανώμαι πεινοτών, ὰ χείτω πλανώμαι πεινοτών, ὰ χείτο πλανώμαι πεινοτών ὰ χείτο πλανώμα πεινοτών ὰ καινοτών ὰ χείτο πλανώμα πεινοτών ὰ χε

פור פי אמני חוו בעודוסטיר. ס כ ס הוו ב περίπτε μοι πεινύχη είπαια μον έχει, ο τον Έρμην, δή το περαλόγο το κέρδη περοπαιών. ΈΡΜ. Ούκιω εξηπάτηται z Zeve, ciousios σε x7 τα αυτώ σοκείθα πλο 105 60 50

गंदिल ठें जिंड के गांगीका पृष्ठ मार्थील के दें बड़ मार्रा Καὶ μάλα δικαίες, δ' γα. θέ, δε γε πυρλά ουτα είδως, έπεμπεν αναζητήσου α δυσδίες. ישו אישו אלוועם , או שפי הבאל בעלפאסוחטי בים

10 To fis, out sal' o Auguals av Edies paliws, auoneer erw ni unpor or. Torzageraτε των μά αγαθων δλίρων όντων, πονηρών ή אל אניבשע בע דמוֹנ אים אבסו דם אמצע באדים ביוד אוניוטון paov हेड का कार्ड कार्ड है कार्निक किटालें , में दिन

15 ylundiomas meis autur. EPM. Elta חשו בחרושע אמדמאודאה משודשי, המשושה כליyers, ex eides The odor; II AOTT. Оहेंग रिश्मोंड किंग्ड नार्थंड में वेद्रांत्र हु ग्रंपूरणावा

שפים בופיסי דפי אמופפי דווה סטיווה.

20 8. E PM. "En di pos a Toto Enerver, मार्केड मंद्रिम वेड क्रेंप, (संदर्गन्यस्य क्री) में क्ट्नन्य के मुद्रिक्ष के क्रिक्त के स्थापन के स्यापन के स्थापन हे 2015, बेंडर नवंशीवड डेनरिश्चास संड वरे, मुद्रों गा-

Σον ανέχεδαι ζώντας; οίθα γων πνας ε ο-אוץ שנ שו דשי צדש סש לעסלף שדמן סידמן , של דב και είς βαθυκήτεα πόνθου φέρουτες, έρρι ζαν αὐτευ, κ) πιζών κατ΄ πλιβάτων, ύσροςαθαι νου μίζοντες ύσο σε, ότι σε έδε τω άςχω έ-

30 ώξας αὐτές. πλίω ἀκλὰ κὶ σῦ ἀν, εὖ οἶδα, ὅπ ὁμολογήσειας, εἰ π ξωίης σαυτά, κορυ-Carnar au του, ερωμές τοι ετω επιμεμηνότας. TIAOTT. Ole 38 Tolston, olos ein ogaδαι ούτοις χωλό" η τυφλό", η όσα άλλα

35 μοι πεόσεςτης ΕΡΜ. Αλλά πως, ω חגצדה פו עוו שיסאסו אין מנידסו מעודבר פורון II.AOTT. שנים dies.

الله وا

adi.

57 d. Svj

ray, Ca.

74

1: Ŧ.

al

, ¢

οπε ό τροττ. Οὐ πφροί, ω άειπ, ἀκλ ή प्राथित हो में बेमबीमा, बार्या एक प्रधान स्थान es , d त्यंग्न , ठीनाज सार्वे दे थार कार्यंड हैं ता है से कार्यंड Kepoles कंद्र मार्ग मका वं मका वं सावक कि हा कि कर उक्त महाक ו שדור Z The க்டிர்குட்டு உதையன்பில், விக்குமால் த 21- 5 AOT. θυχένλητον, χ΄ ποιχίλα ενθύς, εντυζχάνω αυτοίς. οἱ ζ΄ αὐτοπερόπωπον οἰόμθμοι ὁρᾶν τὸ रवंश्र क, हेट्डिन में डेनिंग्सेपारिया पाने देगार द्विश्वरात्र नहड़. ώς εί γέ τις αυτοϊς όλον απογυμνώσας, έπο βειζέ με, δηλον ώς χατεγίνωσχον αν αυτή 10' άμελυώποντες τὰ τηλικαύτα, κ) έρωντες άνεεάσων κ) αμόρφων σεξιμάτων. ΈΡΜ. Τί οιμότι εν αυτώ ήδη τω πλυτείν χυόμινοι, אן דם שפסשתנים שודם תופושנים, בח בצמ-नवीक्षाचा; स्वा मेंग माद वेदवाशीनवा वर्षाकां, उद्देन- 15 דטי מי ד אבסמאנט ח דל שפסטשדנים שפיסוי-TO; 8 38 कि में नर्जिं के प्रश्विम के प्रशेष को मार्ज केंड किंत्रहाइड में टेप्पावक्टांब दिनेंग, हंग्रीव जिंहा नवी मधानक ορώντας. ΠΛΟΥ. Ουκ δλίζα, δ' Ερμί, κό πρός τότο μοι (ωναγωνίζεται. ΈΡΜ. 20 Τα ποία; ΠΛΟΥΤ. Έπειδών πε έγπυχών το περίτον αναπεπάσας την Αύξαν είσ-में द्रस्तवां प्रक्, राष्ट्र त्या मार्थ है। वा प्रकार है पर रे विकेश όποθ κ ή άνοια, ή μεγαλαυχία, και ή μαλακία, κ) ύδεις, και άπώτη, και άλλα 25 वं नीय प्रण्डांव. रेकां की महत्त्वण वं मवंगत्त्वण भवाय-אותשפי דווי לעצשי, שמעום פו דב דם צ שמשματά, η όρεγαται τη φυκτήν, κάμε τον πάντων εκείνων πατέξα Τ είσεληλυθότων καικών TE 3477E, Sepugge & Milor के ai मी, स्वो मेंबंगीय 30 कर्नुम्ह्लूण मर्वाञा कंप्र, में इसहे कर्नुक्रिया रेक्न्स्स्मार्थ

9. 'E P M. 'Os & Aci & ci, & HASTE, zi onednede, zi suszaden G, zi Stapdunκος κοεμίαν άνπλαθίω παρεχομούν & ReGaiar, 35 कार के का कि है प्रश्नेताड में दो ठेटलंड की वे तका किय-TILOY

TUNOV Staterdites ex of da ones in mela שמאוע כל שלאה דב אן בעאמצאה , אן עעפום דת ב शाहर देममान्वप्रक्राच रहे से म्बरों ॐ नहें न्वां वि देशहरूव, केंद्र में भागति रुपों विद्यार हैं स्टूरीया, केंद्र \* Exer padies Smaulwar and ustati φλυαρθύλας ήμας σεθίγμα ε μικόν δίελα ΠΛΟΥΤ. Τὸ ποῖον; ΈΡΜ. "Οπ π Απσαυεδν έκ έπημαρόμεθα, εωρ έδα μάλια

ΠΛΟΥΤ. Θάρρει τετε γε ένεκα. εν τη γι το αυτόν καταλίπων ανέρχομαι πας υμάς, ε ชนท์ Las ซึ่งชื่อง เป็นคง อีสาหมัดเช่นเป็นอง 7 % ear, avoigen j'underi, lu un eus axin Bonoar G. EPM. Oursy om Caivagou i או דווֹה 'אחוֹנים אמו עונו באד ב באושים הו

15 χλαμύδ , άχεις αν φελς των ές απά άρικωμαι. ΠΛΟΥ. Εύ ποιείς, ω Εμμ χειεπρωρών, έπει λώ γε επολίπης μες 'Τή βόλφ τάχα η Κλέωνι εμπεσεμαι σεινος αλλά τις ο τόο & έτος δει, και λάτωρ στολίμι το περις λίθον; ΕΡΜ. Ο Τίμων ετοποτικ

พีย หวังเอ่อง, อุรุยงอง น้ำ จัลก่องร้อง ๆ ที่อำอง พะ หลัง น้ำ ที่ พรงใน หล่วยรา, น้ำ อั หอง ေ อันคริ ๆ में प्रवित्रहांत्र है में में जिल्होंत्र, में में बेर्ग्ड़िंब, में के रागी-7 9 0xx 9 की रेका नहीं रामक नवनी ग्रामिक वे

25 πάντων, πελύ άμείνες τη σών δορυφόρων. ΠΛΟΥ. Τί εν εκαπαλλαπόμεθα, & Ερμπ דונט דעאו: ונו ; ב אל פני זו וועבור לף מסמונוני מבו-פאסטי שפיין מעלים, ישם דואואנדע דפעדם דישום The is Million. 'E PM. "ANNOS ES HES TO DIT. 30 เม่า รัสอร์ ผมเอ็นใน เพรื่อ

 ΠΕΝΙΑ. Ποὶ τότον ἀπάγεις, δ Άργειφόντα , χειραγωγών. ΕΡΜ. Επ τετονί τον Τίμωνα επέμοθημών ύπο τε Δίος. ΠΕΝ. Νιω ό Πλέτ Θ όλι Τίμωνα; οπότε 35 को ग्रेंग हेने प्रवस्ता है हिंगीय रेक्क जोड़ महण्डीड मर्थ

ह्योब दिश्वम, महत्तानों त्रवह्य दिश्वम में नहीं व में, नवी 70100

λαμβανε

είλα ε΄ όνου, βυναίον ανόρα κό πολλά αξιον απέθειξα ε΄
πως αξα ευναιπαρεύνή Θυμίν ή Πενία δοκώ,
ώναξε ε΄ ευαδίκητος, ός Θ΄ ο μόνον κίπμα είχον, αφαικά αθέ με ακριδώς στος αξετίω δειεγασμώνον,
ξύ π ' αθθης ο Πλάτ Θ΄ παραλαδών αμτον υδεει κό ς
είλα ότω είχειρίσας ο μοιον πω πάλαι, μαλδακών η το βάβουη κ΄ ανόντον δπορήνας, δποδώ πάλιν ε-άλιο μο ράκ Θέδη γε βυνικόου. ΈΡΜ. Εδεξε ταυτης μερακό εση γεγγημορού. ΕΡΜ. Εδεξεταύτη της παιώ Πενία, το Διί. ΠΕΝ. Άπερομαι κ , Α. Ιμάς ή, ω Πόνε, κ) Σορία, κ) οί λοιποί, ακολυτό ξ. Είτε μοι. ΕτΟ ή ποχα είσεται, οίαν με υταν και υπλεί (ει, αγαθίω τωνεργού, κ) διδάσχαλου πο ίμες ή, ω Πόνε, κ Σοφία, κ οί λοιποι, άκολε- 10 πίτε μοι. ετ Θ ή τέχα είσεται, οίαν με έταν κόη διπλεί τη άγαθω σωίτρου, κή διθάσκαλου τη ω , αξίτων, η σωών υγιενός με το σώμια, ερρομερίος οτ γνώμιω δετέλετεν, ανδρός βίον ζών, κ वर्लेड वर्ण गेंग डेक्सिड मार्कण, नवे हैं महरामिये में महारेखें 15 ταυτα, ώστες ότι, αλλόβια ύσολαμβάνων. E PM. 'A אינים ביול מני הוענים ל שפימש על על יותר. II. TIM. Tives est, a nard easoi; n' 71 בשאל שלים לבשפש אוצדב , מילום בפומדוש אל עו-Bogoegy choxxnirales; axx & xaleovles amle 20 μιαροί πάνθες όνθες. έρω ρούμας σύτηνα μοιλα Bandor Tois Ewhors x) Tois histors Cunmilw. EPM. Mndauws, & Tiuov, un Baλης, & 28 αν θρώπες ονίας βαλείς, αλλ έγωμί Epuns eius, ETO 3 6 HAETO. ETEULE 3 6 25 20, επακέτας τη ουχών. ώς α αραθή τύχη δέχε τον ολεον, Στοςας τω πόνων. Τ I M. Kai vueis oi muigede non, rai ros desi orles, us क्वरहं नवंशीवड के बंधव में अहंडेड मुद्रों वंश अट्रक्षंत्र एड שורש. דעדטיו ל דפע דעם אפער פר דור פני אי , אל 30 όπιτεί Ιου μοι θομώ τη δικέλλη. ΠΛΟΤ. Απιμώρ, ώ Εςμή, περς το Διός, μελαγ-उठ्या के वंशनिक्षत कि महत्र्राक्ष माठा निम्हां μήτε χαχον απέλθω προσλαβών. Ε Ρ. Μη-אני סאמוטי, ב דונוטי, מאאמ דם חמיט דודם מקפו- 35 ov हो विश्वे श्वाचित्रकोंग, क्लीसंग्वं नचे असंवृद्ध

אל ומו

中国を変形を見

.

.

λάμβανε την αλαθων τύχων, πλέτη πάνη, και Αθωαίων τα περτα, και τώρος τα άν είτων εκείνων μόν το απερτα, και τώρος το άν είτων εκείνων μόν το αυτός ευθαιμονών. Τη Ουθέν ύμβι θέρμα, μη ενοχλείτε μοι, ίμω είτω πλάτο πλάτο μιλ εκελα, τα δι αλα ευθαφ νές ατός ειμι, μωθενός μοι πλησιαζοη Θ.

Ε P M. Ουτως ω ταν απάνθρωσο ;

Τον ή φέρω Διὶ μύθον ἀπιμέα το πρατιθήτη Καὶ μιω είκος ιδι μισάνθρωπον με είναι στη το σαῦ τα τόσο αὐτῆν δ είναὶ στη ποπον δότα, μισόδητη μισάκμῶς, είτως ἐπιμελεμβρίων σε τ διο ΤΙΜ. Άλλα στὶ μβρ, δ΄ Εξμῆλ, το Διὶ το πο χαίεις τ΄ ἐπιμελείας, τατορὶ ή τον Πλαπαί αν λαβοιμι. Ε Ρ Μ. Τί δh; Τ Ι Μ. "Οπ ι πάλαι μυσίων πεκών μοι αἴτι. Εδε καπο

15 πάλαι μυείων χαιών μοι αίτι δά κατά κατά κόλαξι τε παραθές, και δάπδελες επαγαρική μίσ επεγείρες κ΄ ήθυπαθεία θιαφίκες κ΄ όθιρθουν εποφίνας τέλο βιάσκες κιτώς κατώς κατώς

20 πενία πόνοις με τεις ἀνθρικοπάποις καπερ μνάσαπα, η μετ αληθείας κὶ παρβησίας στος μιλέσα, ταίτε ἀναγγαλα κάμνοντη παρείχη ἡ δήθ πελλών ἐκείνων καπαφεριθών ἐπαιδ ἀξεις αμπί ἐμιὰ τὰς ἐλπόσες ὰ παγπόσεπα μοι τῶ ἐπ 2.ς κὶ δείξασα ὅς τις ὑβοῦ πλῶτ Φ ὁ ἐμοὸς, ὁν ἔπ

25 x3 d'eizara os tis un o tidet o e cues, or en xòdaz trandian, ate ourocautus colon, a fruo por uso tracozontes colon, a fruo por uso tracozontes, a cultural cultural con tracozontes, a cultural cult

30 του άρχου φιλοπόνως έπερη αζόμιμο δελέν δρώ το άρχο το απορά της δικένλης. Εξε παλίνορομο ά πιθη δι Έρμης του Πλευτον άπαι χαρών το Δι εμοί βτετο ίκαν ου Μελί μα ανθρώπες ήθηθο 35 οιμώζειν πείνται. ΈΡΜ. Μηθαμώς, ω χαθ

के रूठ नर्वशिद्द बंडोंग ठीना नं किया करने हैं। एक प्रिंग वेरे

દેવ τὰ ὀργίλα ταῦτα, κὰ μειεσκιώδη, καὶ τὸν Πλετον παρόλαβε, ετε ἐποδληλά εἰπ τὰ δῶτα

नवं केंद्र कें ठांठड़.

TI

iza

Sun

eh z

Star

Sin

774

TOP is

750

ya'

Ezs

10

270

Ser Partie

1

الم الم

tri

02

ΠΛΟΥΤ. Βέλει, & Τίμων, δίκαιςλογήτομαι σεός σε, η χαλεπαίνεις μοι λέχοντι; \$ TIM. Nege, un maxed who Tes, un i ut wesomier, wares of Shifterfor phropes, dregouar ράς σε ολίρα λέρριλα, διά τον Ερμίω τετονί. II A OT T. Exelui whi Tes ions zy maked ei-שנו ב אנות הדיושל וופסקוד בא שם לשל לשנות שדם עונה בי עונה हैंद्य, हो ता तह, कंड क्रांड, मेडीं प्रमायन, केड में में मेडीं इकार के-मार्थ कि वा मार्व रा म्या महामार, में मामाह, में क्लार कि वह में दरव्यंप्रकार, में में योगेगड मुण्यांड. क्टारिश्ट के कि का में बंगिमिं की देश में में में में किंग में क्लाम विम्हत्र सं के म द्रवार के की सार्वाद्या महत्त्वा के का αναίπο έρω σοι. μάλλον ή αυτός ηδίκημας τέτο ύπο σε, δίοπ με έτως απιως ύπε βαλλες वंग्रीवंत भवीवहर्वताड, देनवार्यत में भवीव प्रभी देशन, में नर्पा के जिल्हा हिमार के महिमार के महा मह-Adraiov conda, is mestedina ot. Tevarior 5 20 Toizages aili maxaxiis xxamis &, Tautho में जीक प्रेंड्क्र में माधाकार्यम जवा मिल्रांच क्यानंग्रीसहर. שוקב עוב פדעה ס בפעווה שדכסו, דושה וצוד לסט דפע בב Δια μηθ' ήχειν παρά σε, 8 τω ευσμέρως μοι τρε9orun Culcov. E P M. Axx run spas, & IIX8-TE, of of mon perfuntat; de Sapiar Emdiá-हैं दि वारक, में को में दरवारी , केंद्र देशहर को है דטי שווסמופטי לשמומוב דו לוצואוי לשמצופי 30 דמו אל בעולפיוסבעדו ספו.

13. ΤΙΜ. Πειτου, ω Έρμη, κ) αῦ τις πλυπιτου. τι οδ αν κ) πάτοι τις, οπόταν οι τεοὶ
βιάζοινος πλην όρα γε, εἰς οἶά με τρεάγματα
εμβαλείς τον κακοδαίμονα, ος άρχι νιω ἐυθαιμονέςτα α διάγων, ρευτον ἀφνω τοσέτον λή ψο-

μαι εδεν αδικήσας, κ) τος αύτας φερνήθας απο βέξομαι. Ε P Μ. Τπός κθης, δ Τίμων, δί εμέ, ξ εί χαλεπόν τάτο, κ) εκ είχον δην όπος οί μό λακες δικόνοι διαβραφούν τάπο το βόνες, ερδ τάπο το Αιτνίω ες τον εξανόν αναπήπημας ΠΛΟ. Ο βι απελήλυθεν, ώς δοκώ, τεκμαίς»

ΓΙΛΟ. Ὁ με απελήλυθει, ώς δοκώι τεκμαίς.

μαι βό τη είρεσια τη περώ , το βάιτε εξε 
μίμε. ἀναπεμ νω ράρ στι τ' θηταμορίν άπιβών, μάλλον βπείε. σε φημι θησαμείς χυις,

το τακκεσον Τίμωνι τάτω, κὸ πάρεχε σταιτή

το ἀπάκεσον Τίμωνι τέτω, κὶ πάρεχε σταυπ ἀνελέδαι. σχάπε, ω Τίμων, βαθείας χαταγή ρων, ερώ ή υμίν ἀπος ήπομαι.

14. TIM. "Aze ชาง, ผิงสารคล, หาม แบง อำนา อุลออง อรณบาไม่ นุ่ง แก่ อาการ อัน รัช ยีส์วิธร ส่ง 3ทธอมยอง อร สงนุมุลมาธิร อาการมหามหายคล ผิ Zed กา

το μόρις το κόλποις τοποδέξαδο έτω χαλον έςσε είω δια τέγες καθαρόξοντα; ω Μίδα, καθ Κρείσε,καὶ τὰ ἐν Δελφοῦς ἀναθήματα,ως ἐδὶν ἀρα ῆτε τερό; Τίμωνα κὶ τ Τίμων Θ τλέτον, ο γε ἐδὲ βασιλώς ο Περσῶν ἴσ Θ. ω δίκελλα,

30 κ) φιλτάτη θιφθέρα, ψιας κὰ τω Πανὶ τέτω αναθείναι καλόν αυτος ή ήελη πάσαν πειάμψος ή έραπαν, πυρρίον οίκοθοιμοτά όν Θ΄ των το Εποτωρία μόνως είνοι εκαιον ενθυαβάλος, ον αυτούν κ) τάρον εποθανών εξίν μοι θοκώ. Θεθόχθω 35 πωτα, κ) νενομοθετήδω περς ή δηλοίπου βίον, αμεξία περς άπανζας κ) αρνοσιική έως-

ofiza

sam.

èuè, 4

oi xi

ونهرع

Dual

caipp-

wir.

EU.

NOTUE

TOL 36-

22:2

70/

Te Sie

14

, 4

di-

30

273

078

72-

4.

al

w,

Z.

26

w

•

oliz. oin@ 3 îl EinG, îl eraieG, îl exes Βωμός, υθλ Ο πολύς · κ' το οίκθείς αι δακρύorla il chraspiras deousio, na ogrouis il na-मां भागा में के प्रेमेंग , LLOVINGUS है में शिवास्य, अब प्रेस के Tis AUXOIS, x) pin G els Timor, oi jakas 5 חמידונ בא לפו צן החום שאסו, אן דם שפסים עואחו מו πι αυτή μιασμα· κ) εί πνα ιδω μώνον, Σπορεσε ή υμέςα, κ) όλως α δριάντων λιθτ ของ ที่ วุลมุรอง แหลง หน้า อาสาราธายงสม, ม μητε κήγυκα δεχώμε να παρ αυ π, μήτε ασον- 10 das merdaus a, n'epnuis j'op & 500 mes מעדבה. סטאבדעו ל אי סספרספבה אי לאנוסדעו, में मं मक्रींड कां में , रेज्यूबे में कं क्राइमी कर्जाक τα, κλανοήτων ανθρών φιλομιμήματα. πλείει-τω ή Τίμων μου Θ , κλ. Επρεστω απάντων, 15κ) πρυφάτω μόν Θ, καθ' έσυτον, κελακείας κ΄ επαίτων φορτικών άπηλα κούς, κ΄ θεοίς θυέτω, κή ουωχείτω, μό Ο έσυπο γείτων κ) όμος Φ , επτείων τη αλλων, κ) απας ε-מעדלי לבצומו ששל לבלב צלש, עש לבו שום לבו שום לבו יום בם में वार्मा द्वाराम इस्मार्थ हिस्ती, में व्यव्याद में देखा व MISANOPORTOS APOR TO TE TEST Y TWEET סעמדם, לעד אבאוב, אי לב אנוחור, אי דאמוסדוור, אי opyin, xi a ray downia. el de mua isonus co Truei Stao Seregulyon i oferninas inerdonta, 25 חולו אן באמוש אמדשה לבינינטיבו, אן לנו דוים דצ χειμών Ο ο πολαμός παραφέρη, ο 3 τας χείρας हेर्द्राका कंगामविद्या Sental, के नेद्रा के पर पर कार देती κεταλήν πίπθουτα, ώς μηθε ανακύζαι διωή-Sein. 8Ta 20 av The iolu STONACOSEV. eion- 30 YNTATO TOV VOLON TI WWY 'E DEXPATI INS KONUT-Tais, ETE JUDIOS TH CHEANOIS TIMEN O autos. elev. Tauta nuiv Sedbylo, na andpinas euwho all wires.

15. Πλω άλλα του πολύ αν ετοιποά- 35. βλω απασι γνώειμα πως τουτα γρέδαι, διόπ ιώρπλετω, αιζόνη χδάν το ασέχριε Αύριτο αυτοίς. και τοι πίπετο; φείνετα χυς, πανταχόδεν (μυβένση, κεκονιμώρι ή πναιτώντες, εκ οίδα, όδεν δοφερανόμινου π

3 γευείε. πότες εν εν επί τον πάρον τέπτι ε ναθας απελαιώω ωὐ ποι τοῖς λίθοις, ός τοῦς δεξίων ἀκες θολιζομός , η τόγε τοσετω παεργομήτομοι εισάπαξ σὐτοῖς ὁμιλήταν]ες, ώς πλέον ἀνιώντο παερρωμόμοι; τέτο οίμα

το κὶ αμεινον, κίσε δεχώμε θα πόπ αὐπου, τος σάντες. Φέρε ίδω, τίς ὁ σεροτ Θ αὐπίνετις όδι; Γναθωνίδης ὁ κόλας, ὁ σερώμε εξευπ αὐπίσαντι μοι δρέξα, τον βρέχον, πίθες όλις του για καγέ εμα το πολάκις εμπιμεκός αλλί το γείς το κολοίνου στο ποδιάνου στο

15 τοίνσεν ἀρικόμθυΘ, οἰμωζεται χο περ τη άλλων. ΓΝΑΘ. Οὐκ ερώ ἔλερον, ως εκ αμελίσκο ΤίμωνΘ ἀγαθε ἀνόβὸς οἱ Βτοὶ; χαῖρε Τίμων ἐυμοςφωτατε, ἐχ ἤθίςτε, ἐχ σιμ ποπιώτατε. ΤΙΜ. Νὸὶ ὰχ σύγε, ὡ Τναθω

20 νίδη, γυπών άπάντων βορώτατε, κζάνθρώπων Επιβιπόστατε. ΓΝΑΘ. 'Αεὶ φιλοσκώμμων σύχε άλλα πε τὸ συμπόστον; ώς καινόν τι σω άσμα. Τυ νεοδιδάκθων διδυρόμεων θικω κομίζων. ΤΙΜ. Καὶ μιω ελεγιθά γε άση

25 μάλα σειπαθώς των ταυτή τη δικέλη.
ΓΝΑΘ. Τί τετο; παίεις, ω Τίμων; μαν πίεςμαι, ω Ἡεάκλεις, ὶὲ ὶὰ, σεςκαλεμαί τι βαύμα Θ εἰς Αρειον πάρον. ΤΙΜ. Καὶ μω αν γε μικρον όπος εαδωίης, φόνει τάχα

30 σερχεκλήση με. ΓΝΑΘ. Μηθάμῶς, άλλα σύ γε πάντως το ξαύμα ἵασαι, μικρον Επιπάσας τὰ χευσίε, δεινώς χδί χαιμών Επιπό φάρμακον. ΤΙΜ. Έπι μένεις; ΓΝΑΘ. Απειμι, σύ β ὰ χαιρήσεις ἄτω σκαιός ὸκ. 35 χεις διμόμωΘ.

16. TIM. Tis štos bay & megride, & avaga-

78 74.

ior &

עם וכי

TEV à

Too

TETOF

भीवड,

Sugar

100

8 705

2701

4 60

Nº

NX.

Eoi;

יעי

9

Yest

LWY

200

KA

TH

ija ija

a,

4

.

S

αναφελαντίας; Φιλιάδης κελάκων επάγτων ό βλελυρώτα 9, έτθ κὶ παρ' έμε αχον δ-אסע אמלטי, אן דה שעומלו הפיוות לים דםλανία, μιδον τε επαίνε, οπότε ασαντά με אמי דעי סוש דושי דעי עופים לבקיבדו יופים בחדי בחדי עם אונים לעלו על על אונים שולואים שול לוו עסד ציול ב מפים שו בולב עוב און שפוחת שבי באה useins Sisulio, Tanjas o suvai o recours-Tene. OI A. D' The avaiguntias, vui Ti-Mora gracifetti; Ind Tra Savidus Gix @ 10 CULL TOTHS; TOIZA COLIN SINAUR TETOV DEV ET G agaiges & wir. nuels 3 oi maxas Eumbers & EmigonGoi, ni Inputran ouws me Sialoude, as un हितामार्थिंग रिवस्कार्या. त्यांदृह, के रिव्यानाय, यो όπως του μιαρές τέτες κόλαμας ουλάξη, του 15 בו דוו שמתול וו עופיסי , דע מאמ ל מספקאמי हिर्देश की अक्टू हुए होता का का कि महिर में प्रारं שלפיו. המידבר משמפורסו אל הסיחפיו. בשם ל דמאמידטי ססו אסנוונשי , שנ באסוג שפינה דם אמדב-מנושטולם אושל, בשל סלטי חלו האחרוטי חצושם, 20 อร สมชางไทร เอียนะหูลาท กางส์ สมชางง. ที่ผอ τοιραφοιώ ταυτά σε νεθετήσων. και τοι σύ ρε รีของ ออออร ลัง, หรือง ไฮลร ปิยท์อท ชาง พละ " อุเมีย λόρων, ος κ) τω Νέςσει το δέον παραινήστιας αν. ΤΙΜ. Έςαι ταυτα, ω Φιλιαδη. πλίω નેમેને જાણુંના તા, હંદ થું નરે φιλορεονήσωμαι τη διχέλλη. ΦΙΛ. Ανθρωποι, κατέλοα το κοα-र्गंड एका मेंड वेश्वर्गंडड, र्गाठमा नवे एप्पकृत्रिम्य evs. Je Jour au Tor.

17. ΤΙΜ. Ἰσιν τείτ Φ κτ Φ ο ρήτωρ Δη- 30 μέας προσές χεία, Υήφισια εχων ον τη σεξιά, και σι συγκός τη κατά συσχων είναι και συσχων είναι το κατά είναι το παρά είναι το κατά το παρά είναι το πολει , καταθέδικας ο χο, κι εδέδείο και αποδιδίκς, κατώ ελευσας ελυσώμιω αυ- 36 τον, επειδή πρώω ελαχε τη Ές εχθηίδι φυ-

H 2

λή διανέμες το Σεωρικου, κατώ προσήλδου είση το μηνομόμου, κα έφη γιωρίζειν πολίτω το θα με. ΔΗ Μ. Χαϊρε, ω Τίμου, το μέρ έρελο το γρως, το προσμα τη λουμαίω.

το χάραθος, άλλα κὶ σοφός, ὡς κα άλλ Θ ον τί Ελλάθι,παρὰ πάνθα χεόνον θιατελεί τὰ ἀειπ πεθτίων τῆ πόλς, νει ίκησε ή πύξ κὶ πάλω, κὶ δεόμον ἐν 'Ολυμπία μιᾶς ἡμέρας, κὶ τελείν ἄρματι, κὸ σωωρίδι πωλική. Τ Ι Μ. 'Ακ

Τς εδέ εβεώρησα ερώ πώποτε εἰς 'Ολυμπω.
Δ Η Μ. Τι οιώ ; βεωρήσεις ύστερν. Τὰ τον αυτα ἢ πολλὰ προσκεί βζ ἄμεινον, κὶ ἡείς ἀπ β τωρί τος 'Αχαρνέας, κὶ κατέκοξε Πελοπονινισίων δύο μοίρας. ΤΙ Μ.

20 Πως; δια 38 πο μη έχειν όπλα, εδέ περεγείε εμυ ο πτο παπαλόγω. ΔΗ Μ. Μέτεια πι αξεί σαυτε λέγεις, ημείς 3 αλαειςοι αν είημο αμνημονεί ετ 3 αλ Υποίσμα α γείφων, η (υμθαλώων και ς επτηρών, α μιχεό ωφέληση

25 + πόλιν. Έπεὶ τέττοις άπασ δίδοκ αι τῆ βε λῆ κὰ το δήμος, κὰ τῆ 'Ηλιαία κὰ φυλάς, κὰ τοὶς δήμοις ἱδία, καὶ κοινή πάσι, γευσῶς ἀνασίσαι τα Τίμωνα ΦΕΑ Τ΄ Αθίωαν ον τῆ ἀκροπέλει, κεξαιωδο ον τῆ δεξιά ἔχοντα, κὰ

30 ακίτιας όπι τη κεφαλή, κη εκφανώσαι αυτόν χειστίς ετεαιοιείπα κη ανακητυχθιώαι που ετεαιες σημερον Διονυσίοις Γαγωροίς καινοίς ειχθικάι γοθί αυτόν θει πανερον τα Διονύστα, είπτη τω γνώμιω Δημερο ό βήπους (υγ-

 710

200

47,

λαι

ros

c.

क्रांत्व कर दें प्रदेश रहते हैं। हैं। तहा पर प्रिश्वावधके בים אל ספו או ד עופף בל באם עלש מומץ ביו חשף ב סבי, ον όπι το σω ονομα]ι Τίμωνα ωνόμανα. ΤΙ Μ. Thois & Ducka, os was pracunges, one pe to nuas ei seras; AHM: 'Axa japa, lui e Sida Ocos es veula, i maidemeinsopeau, i to Aun Induspor, affer of Fais, Thurs now valo. TIM. Oux olda, el ja minous Ere, & αν, πλικαύτω παρ εμε πληγω λαμβάνων. Δ H M. Oiμοι, τί τετο; τυξαννίδι Τίμων 15 10 मार्याद्मंड, ये गांनीसड का देर के प्रकृत के प्रकृतिन किंड कर की उक्टूबड़ की बड़केड कर है बररे रिकेट सह देश דמצ מו ל לוצוש, דמ דב מאמ, אן סדו ל מצפס דים אוץ erespondes. TIM. 'ANN' Ex Eutremonsus. & שמפפ ה באסס שסאור, שוד לאא ש בן שענם בידול. ו A HM. 'Axxa x TX8/HS + om Stolowov Sioeveus. TIM. Ou Simpux au sol con wer aπίδα ά σε κι ταθτα. Δ Η Μ. Διορυχθήσε α में एंडह्वण में में जे को मर्वां वे त्ये देन व्याप है र सर. TIM. OUXSV x axxiw xauGars. AHM. 20 Οίμοι τι μετάργενον. ΤΙΜ. Μπ κέκραχθι. אם דווסט שמי ספו אן קפודוש, נדוו אן שיאסום דעוני-Tay Ta Still , No it handailurist poipes κατακόλας άνοπλ Θ, εν ή μιαρον άνθεωπον più ômrei las. marles yo av silus zi vevixnais 24 Ολύμπα πύξ κ πάλω.

18. 'Αγλά π΄ τόπο; & Θεασυκλής ο φιλόσο
Φ & τός όζεν; & τά εν άλλ . Εκπετώτας γεν

πόρωνα, κὶ τὰς ορους ἀναθείτας, κὶ βερεθυό
μψις π περές αὐτὸν εργεβαι, τηθανώ δες βλέπων, 30

ἀνασεπεθημού . Την όλη το μετώτο κόμμι,
'Αυπερεβαι τις ἢ Τείπων, όἰας ο Ζεόζις εγεαρεν

εξά ο τὸ χριμα ἐυσαλής, κὶ κόσμι . Τὸ βαίδι
σμα, σωρερνικός τὴν ἀναθολίν, ἐωθερ μυρία

όσα πεὶ ἀρεπίς διεξιών, κὶ Τόδο ἢ χαιρό Ἰων

35.

אם דווים בינים בינים בינים בינים לו לו לו בינים בינים או אויים בינים או או אויים בינים או או אויים בינים ביני

αίμψ 🕒 ἀφίκο [ο δη το δεί πνον, κ) έπαι ε με γάλω το κύλικα δρέξει το απο (το ζωρς τέρφ ξ χαίρς μάλις κ) καθάτερ το λύθης ο δωρ διπών, ονακτωταί α δη Γείκν ] αυ τοι ε έωθηνοι ε δικέε νοι ε λόγοι ε περασπάζων ώστερ εκτίνο ε τό δια κ) το πλησίον παραξαννίζομψ Θ΄, καρύκη ε τό ηθίειον ἀναπλέως, κωποδύ εμφορεμικός, δότητε κυρώς, καθάσερ δυ το λοπάτι τω άρετω εὐ-

εήσειν τεςοσδοκών, ακριδώς τὰ τε ύδλια τώλι 10 χανώ Σποσμή χων, ώς μηθε ολί τον τε μητωτέ καταλίποι, μεμ μοιο ακό ώς τ πλακέντα δλον, η τ σιω μου τη αλλων λάδοι, ότι το λιχνείας κι απλιιτάς όφελ Θ. μέτυτ Ο κι παρ

οιν &, εκ απειεφόθε κό όρημεύ & μόνον, άλλα

15 κ) λαιδρείας κό όρη ε σε σε σε πελ λό λο λο πολλο δε τη κυλικι. τότε δε κό μάλισα απεί ζωρεν συνές και κο προτήθος κό τα δακράτε πονήρως έχων, κό ταν δακλίων γε λόιος. Ε τα έματε όπο τατες, κό το τελουτίου, αρφαράμοι τηνες εκφερα αυτον εκ τε συμποίς αποίς κου το κουμποίς κου το κουμποίς κου το κουμποίς κου και σε συμποίς κου το κουμποίς κου και σε συμποίς κουμποίς κ

λοιος. ει τα εισετες οτι τεττις, η το τελουτιος, 20 αφορομοί πνες δυρέρεσι αὐτος δια τε συμποία τε αὐληβίο Φαρορτέραις επεκλημοφόνος πλίω αλλα η νήφων, εθενί το πρεξείων περαχωρήσειν αν φουσμαίος ενεκα, η θεαπότη Θτο ενεκα, η δεαπότη Θτο ενεκα ενεκαν δεί τα πρωτα, 25 και επορχεί πειχειεσταία, η η γρήσια περατα, 25 και επορχεί πειχειεσταία, η η γρήσια περατα.

25 καὶ Επορκεί στερχειες τα α, κ, ή ροιζεία τερηρείται, κ, ή αναιοχωνία, πατερμυβεί καὶ όλως πάνσοφον το χείκαα, καὶ παιβαρόθεν ακριβές, κ) ποικίλως ενβελές, εἰνιοζείαι τοιραερωύ έκ εἰς μακεφον χειςος ών τι τοι το παπαί, χερνιώ 30 ημέν Θεασυκλίες, Θ P A. Ου κτι ταιστα, δ

Τίμων, τοις πολλοίς τό τοις άριγμαι, ώστερ οι τ πλετόν σοι τε θυπότες, άρινούς, κό χευτός, και διάτνων πολυτελών έλπόδι σωθεδραμμέναση πολλιώ τ κολακείαν όποδειζά ώροι περς άνδρα 35. ὦ σε άπλοϊκὸν, καὶ τ όντων κοινωνικόν. είθω

के केंद्र प्रविदेश में हे पठी विहास १००० हिन्दा के के किए हैं

145

υv.

ei-

78

-

ű-

í-

8

TOE.

000

3

où

14

9

.

שלונים שנישון או אמף לענטין, או בוחסדב שפטים לענטים ολίτον την άλων. ποτον ή η εννεάκρευ . ο है नहां किए देखें , मेंड विश्वेस माठ्यण हों कि बंपसंप्रका. ים אפעיסים על אל צלצי חוומידופסי אלו בי דינוב ainarois Ingidus moi doni. 08 3 aut raen g देखिरीया, कंद्र या ठीवड़ नेसंकृत तह गर्व म्वाराज्य महत्त्व में δηθελότατον είπμα ο πλέτ Φ, ο πολλοίς πολrans ain & dynnister Cumpoper ye funuli 9. נו שבו עונו חבו שבום, מבאוקם באסי בוב ל שבאמחום हमिर्देश कार्रा , हिंदे कार्य रिकांग कार्या के प्राप्त हैं όνλα, κή τ φιλοσοφίας πλέτον ός αν δωσεωρίω. un ulu Toi es Bad & , & jade, and oreves BEGOVAS ETTELL GAS ON 1704 TOO THE XULLATED 85 שווה, בעוצ סרפשילסק שוטיש. בו ל עוש דצדם בצאל, סט ל assor Jorovaneiro XT Tax O cupognite au- 15 Tou che The civias, by und' obodov auto avis. Stadist's a man Tois deophiois. & it, Tite. Spaxuais, & j uvav, & j ranavjov. ei de Tis gixorop@ ein, Sugiein n Jimoiein gegent dixar D. euoi j, xairos en enaure zacer aira, 20 פוני בוני של של בדמוף שי דיונ לבסונים ובין וותו לע כו דמנידונט דונט חופשי בעד אוסמג שר ב-יוונו, של בי אשק שנים עבלועויבי אשק בישו מו אוחוד-\$370, xai under ich Thu mean pegver. 29 ΤΙΜ. Επαιρώ ταυτά σε, ω Θεασύκλεις. προ YEU THE THEAS HE SONEI, DERE OU THE XEDANSUS εμπλήσω κουδύλων, επιμεδήσας νη δικέλλη. -ΘΡΑΣ. Ω δημοχραζεία, καὶ νόμοι, παιοше अब रेकारे मेंड मबामाहदान देश है रे की अहर व मी महिर 30 TIM. Ti ajavan eis, & ja Di Opaninheis uni παξακίκονσμαί σε; κ μιω επεμβαλώ χείνικας ישם דו עוב לסע דבות שבמב מאאם ח דודם ; הסאונו Emispyortus, Bredias cheir G, xi Adyns xal ביושנים לא מול דו לשודעם עם דו כו עשל סולופי 35 שור עם דו או באו ל הוצמו דמודוש מיבא שיני

This.

τ μ΄ δίκαλλαν ολίχον αναπαύω, πάλαι πτο νακιμας, αυτός ζότι πλείσες λίδες ξυμφορί σες, όπιχαλαζω πόρρωθεν αυτές; ΒΛΕΨ. Μ Εάλλε, ω Τίμων, απιθυ μάς. ΤΙΜ. 'Αλλ' in 3 αναμωτί γε υμές, εδέ ανα ζαυμάτων.

## DIENOZO N' ..

Io

### Δίχη Φωνηένζων.

ΕΠὶ ἀρχό ΤΟ ` Αρισίρχε Φαληρίως, Πυανε Γάνος ε΄ 66 βμη έσεμβίς, χειφήν εθτο 15 το Σίγ μα σρός το Ταυ όλι τ΄ επία Φωνηίνου, βίας το αρχόντων, κλάρπας πις, άρηρει οι χλέχο, πάντων την το διπλώ Ταο εκρερομβών.

20 ΜΕ' χει μ΄, ω΄ Φων πεντα Δικαςαὶ, ολίγα η δικεμίω τωτό τετεὶ τῶ Τωῦ, καταχεριμόνε τοῖς ἐμοῖς, κὶ καταίρον Θ΄ ἔν θα μὶ 
δεῖ, ὁ βαρέως ἔφερος τὶω βλαβίω. καὶ παράκου ἔνια τὰν λερριμόνον τὰτό τῆς με Γιότητ Θ25 ην ίσε με φυλάωτεντα τος ὑς τι ὑμῶς κὴ τὰ 
αλλας (υλλαβας. ἐτπὶ ἡ ἐς τος ἔτον ἤκει πλεονεξίας, κὶ ἀνοίας, ώσε ἐφ οῖς ἡσύχατα πολλάκις ἐκ ἀγα πῶν, ἡδη κὴ πλείω προσδιάζε αι, 
ἀναῖκαίας αιν ὁ ευθωίω νωῦ παρὰ τοῖς ἀμφοτερα εἰδόσιν ὑμῖν. ἐἐΘ ἡ ἐμικρόν με ἐπὸ

απαίκαιας αυτο συσμικο των παρά. ττις αμφοτοις ειδόσην ύμιν. Είς ή α μικρόν με όπι
τοις επαθλίψεως επέρχείαι της εμαυτά. ττίς
ηδ περπεπεριμώρις απί τη μπίζον περσηθέν,
αξοδίω με της είκειας εποθλίψει χώρας, ως όλίγα εξίν ήσι ή αν αμάροντα, μικές ον γραμ-

35 मवना बेराज्यास्त्री थि रिक है मस्त्रीया नह दर्शिः वीमवाम का क्षेत्र चेम्बर, वो वीमबे स्ट मार्क, बेम्मक Dogn-

A' iz

d

.

4

मां नवं भाग अव्यापार्वीय मांड मलंद्यंड देशा मार्थ סטאמצוני. פו אם كב בישו הוב באסנולנינו צחם ד मा के वर्ण तो नवहिलाइ संद वे No Sian Bial edt, में रह-חם באותה לבדב טעונים, שי אשפול שלבי אם שוחא דו γάρεται, εχ όρω τίνα πρόπον αί Сштаξεις τα ς тошиа, ез ој втах Эн та кат авдая е 5 копу. αλλ επεύμας οξμαί πο]ε είς ποσεπν αμελείας का में नवट्रिक्टिक्ड मेर्ट्स, केंड्र देश हैं रेड या नाम था dixaua. BTE el yadughorte à agara viueis, देखां त्वत्व्रासन्तिहरू देशिय वे शिष्ठार्थिक, केंद्र वे जिल्ला में पि בואשי בעצמה שב דל דב מו דלאומו, בעשי מףξαμθών παρανομείν. κ' κα αν έπολέμει μέρει you to raubda to Po diaupicenter wei f μιοτήρεως, κ΄ κεραλαλρίας. Έτε το Γάμμα πο Kanna Singovicero, x es xueas minge dein 18 ης χετο πολλάκις έν του γναφείω των γναφάλων, επέπαυτο ή αν κι σες: το Λάμβ δα μαχόμθρον τό Μόρις αφαιρεμθρίον αυτέ, κη μάλισα מיספשה מר אבשמו התפשים ועם אבל אל בים בכיי เชิย์เลง เช้าที่ร ระบบผมและ านี้ระบร. าบ วิ เอาดิสม์ของ केंद्र वे धारे प्रशेष प्रधान केंद्र के शिर्वाण में ठेंद्र מבים לו השוני שני ציטעוני דעדער לעדע המים אונים מונים מוני eite Kadu G o vnowing, eite Hangundng o Nouthis x Elmavida j'evior megazinaco Thy שפבעוול מומד דמט דוש, צ דו דמל בו עוטעסיי, צמל אי वां कर्द्रिश्चा हिटिवाहर्गीवा रीकंट्राच्यर, में कर्द्राचर हिंद्या में विधीनहरूकण, बंभव में न्वार्गमन्बह, वेड हे स्वडरण null'Exer & Sumapers runidor. xivuit it, & לואמרמו, דאין שולם לי שלשוח חווני, אחו אם של 39 משודם לישום של סשיון של חושם ונובים לב בספב-महन् वेता कहुन देशसमा संद के बेसमे के किया के संकार करा-क्या है देववरीय देशकार है दूसर पार्ट कर देश में जवंगीका, भींद बंदी क्राम जहकरहत. रही वाम में अर דת ספויוניום בעולמספוי בנוצב ישט ציטעיו דבדונה, 35 דם ל דמני דצדם, (צ צל בצם מנודם צבובסעו סיסעם-

פעו פוועמדו, וו מי אמאנודמון לי, עם דרש שנול, וו עוה כל נינול לינס שווא שבע משם של או אם שוא מסיום ο ε αθιώ αιι το, τε \* Αλφα, κ) το Γ', εκ αν κικώ μόνον. τε τε εν ετόλμικτεν αθικείν με πλείω ‡

5 πώπετε βιασαμθέων ονομάτων με, κι ρημάτων απελάσα παπρώει, εκδιάξαι ή ομε Σιωδίο. μων άμα και Προθέσεων, ως μηχέπ φέρειν τ נשנים שבע אבץ מוים

E मार्डिश्माडण माराहे Kt हिंदे का, (यह देहें दिन मार λίχνιον έκ ανθές) άποικον, ώς έπεχει λόρ છ, 'E אין צו אל אל אל אל אל אל אל אפתדוכטע 'Pa, Alwaiev. γεντόνων το βέλτιςον, κατηρόμιω ή πας κων μφιδών την πειητή. Αυσίμαχ & εκελείτη

Is Bolwinos it, wis equivere, to No diexa Den, केल पर्वार है वहारिया महम्बेद में 'Aतारमंड करें τέτω δη το ξένω τ το Του τέτο πλεονεξίω εξώς σσα. μέχει μ βολίροις έπεχείες τεπε Είκοντα λέγει Σπος ερών με 7 (υζης μυποθών το μοιστωπθειαν ομικο σωπεθεσμιένων γχαμμά.

זשי בו ל דוועונפטי אל דם לעוסום לאומדים ושניסי, ו-אם דמנו אצץ מי, אן כוֹכלי אין עופו דם מצוס עום, אן ε πάνυ τι εθακνόμιω ετ' αυ τοις. όποτε ή κή όκ τετων αρξάμθμον ετόλμησε Καπίτεςον είπειν,

25 x Kahuna x Піमिवा, दीनव वेमद्विणिश्वाविष्य, भू Βασίλιπαν ονομάζου, ε μεβίως ή τέτοις άγα-צמעדם, אי הועישף בעומו, לבלולה עוו דעל צפלינט אי τα Σύχα, Τύχα τις ονομάση. χαί μοι πρός Διδς ຂ້ອນພຣິທີເ, ນັ່ງ ແຂນວນພາເພີ່ນພ 7 Bon Bros ທີ່ພນ, ຫ່າງ-

30 राषी में रीमवांवड वेहरा मेंड. हे रे क्टो नवे पास्ते में τα τυ χόν λα δζην ο Κίνδιωος, α ραιρεμβίνο Τ σιοηθών κή συνεχολοκότων μοι χεαμμάτων, Κέτσας με λάλον όρνεον, όκ μέσων, ώς έπος είπειν, τ κολπων άρπάσαν, Κίτ αν ώνομασεν. άζείλε-

35 το δέ με Φάσαν άμα Νήσκαις το κ' Κοστόφοις बं म्याव्हर्किश के 'Aestas १४. क्यां का बार है भे पा-Now 755

ar g-

4.

₩. },

ũ,

E/e

EP,

المح

w

d.

d-

1-

3 %

y a

3

でなってい

9-

15

פעשודשוץ.

Now หน้องเวลระ อฮ 'Affixla' วู หิงอิธ, มู่ อัน עולחוק מנו דווק מניווץ חש דבי פוים עושה "ונוח חלי, בפשים-דטי ניעול או ד מואשי סטאמנשיים מאת דו אפיןש τουτα; Θεοπαλίας με εξέδαλεν όλης, Θεήα-भीवा बेर्डा में भेर ला, में तब उवा भेरामास्मास प्रियंग द नीय में में स्वर्थ के कि नी देंग माना का क्लान्यं की का σάτλων. ώς το δη λερρωψου, μη ή πάσταλον μοι καταλιπείν. όπ ή ανεξικακόν είμι γεάμ-म्ब, माद्राण्ड्साम् मात्र में वर्णात्रं मार्ग्डलाम देशस्त Nesarn To Linta, oungery der Stoom do arn; 10 κ πάσαν άφελοιθέω την Σμύρναν · μήτε τι φία Τ΄ τοιέτων έχονπ Θεκυδίδίω σύμμαχον. תש על של שני די ווא צם יספים שון . בעץ צישונות κί πας αυτώ φωναίσανή μοι τώς μυρρίνας, κή 15 παίσαντη μέ ποτε τω μελα Γχολίας όπι κορόνις. אמשט על דסופדסע.

3. To 3 Tau TETO GROTTE WHI WE GUTEN BI-व्याग भी कारेंड नवे भेड़ा नवं. उना है में में वे में कार्भका वेन्स-भी हिन्म मर्बा कार के के के किरी कार के किन 20 τα, κή το Ζήτα, μικέ δων πάνλα ηδίκησε τα σοιχία ούτα μοι κάλει τα αδικηθέντα χεάμuala. 'Axsete Dovnerla Dinasai, To il λέροντ , αξεάλετε με την ενδελέχειαν, εντελέχειαν αξιάν λέγεδαι ఉద్ద πάντας του 25 γόμες. Το Θήτα κρέον ] Ο, κ) της κεφαλής रेड्स्में केवा ' के दिन्द के ज्याद संग, मवा उबने में सा, केंद्र धामर्थर ' व्याच्ये चेंद्रसंग्या धाम हे हुर्धेद्रसंग. रांद्र वेंग र्यक्षण केंग्केश्वार के मेंड दिक्षकर सह रिया करने 30 के जovnegralov पहले Tau; को है, बहुद 8 को αλλ ήδη κή περς το ανθρώπειον μεταδέδηκε TETOVI TOV मुर्वकार. हे 30 दीनिहिंकस पूर क्यों मध्ये प्रती दंगी व्हिन्दी नवाँड अर्थकवाड. मिर्वेररा दे 35 ο Δικαςκί, μεταξύ ράς με πάλιν τὰ τῶν ἀνΒρώπων, τρεάγμα]α ανέμνησε τεί τ γλώσης हैता थे तथा माड पर नवे वर्ष के बेनांरे बन्ड, थे प्रे के नीवा אינות לי אוש שונים בעל של אוש שונים ויסותום של אוש שונים ויסותום Ταῦ! ἀλλά μεταθήτομαι πάλιν ἐπό ἐκείνο, κ

5: ார் வ் செல்கவா ( way pod எல் வில் வீ வி வி விற שאוועובאפי. לבדעונו זמף חסו בףפראצו אל שם: हर्नी सर का मी में क्याप ठीन प्रसद्स मारे व पर मा אם אלי ולשיר, אם אלי בידבו ע בצאבום. דל א השפני कारको, न्यों में संक्रिंग का का के के प्रेम् मुक स्न दे के נס חשח הפפולףומי בצמי מצוצי. המאוי בדבים שנ אונומדים לומאבץ מול דם דאוועטי שבף לבו מאו Sus) Thing Terrologe to khulas x, & when

γε του τυχόντας ε δικεί, άλλ πον κό τω μεγέ λω βασιλεί ω κό γίω, κό θαλα σαν είζαι φας 14 x) This autho Cooses currous, to 3, xai Tito έπεκλάια. κή Κύρον αὐτον όν/α, τυρόν πα ส์ สะอในเยา. ชาง นั้ ชิง อ้าง ระ จุดงใน สิง วิจุดาส बे डीमलं, देश्य के तका है अध्योधन बेंग डिक्स नहा, में दे

αὐτων τύχων οδύρον αι, κή Κάδωω καθαρών 20 דמו היאמצור, סוד דם דמש בנ דם אל בסוקנום אנים התפווןם אני דע של דצדע שנעמדו קמה דעו รายสาขอร สีมอนธริท์รสทโรร เมนทราเปล่อร สเรชา πλάτμα έπατα γήμαπ τοι έτω ξύλα τεκ firar דמני, ביש בשל מוש מעמדונת אול פין בש מו דם. או

בני לוו דצדע אל דנש דב ציוועמדו דנש מסיוופת ל מסיוו-פַּמִי בּ אינטינ עוֹמִי דעניבא שניים דצידשי ביי מאמון שו ביצות אוס שעול של דעו לעוד או לעוד או אים של אול אים של בינים בי TE; Egu il 38 osmas Smains Teto morovest το Ται πιωείαν επολείπεδαι, το τω χήμαπ

30 nd aure & Sixtu imogriv. o si saves in втома стал.

# LUCIANI SAMOSATENSIS DIALOGORUM.

Age

10

LIBER PRIMUS

Dialogus 1.

Cyclopis & Neptuni.

Pater ! qualia passius sum Vlysses Foab execrabili isto hospi-lyphemum te, qui me inebriatum excecruits excacavit, somno gravatum aggressus! NEP. Quis vero est, qui isthate facere ausus fuit, Polypheme? CYC. Principio quidem seipsum Neminem vocabat; postquam autem effugit, arque extra tela, (ut dicitur) fuit, Ulyssem nominari fe aichat. N E P. Novi, quem dicis, Ithacensem illum; ex Ilio autem navigabat. Sed quo pacto hac fecit, cum animofus admodum non fit? GYC. Deprehendi in antro, è pascuis domum reversus, multos quosdam, insidiantes videlicet pecuariis. Posteaquam autem appolui foribus operculum, (faxum autem quoddam mihi eft perquam magnum) atque ignem refuscitavi, accenta arbore, quam de monte mecum ferebam

bam, visi sunt abscondere sese parare. Ego verò comprehensos ipsorum quosdam, ut par erat, devoravi, ut qui prædones essent. Hic versutiffimus ille, sive Nemo, sive Ulyffes fuit, pharmacum quoddam infufum dat bibendum, dulce quidem & fragrans illud, fed ad struendas infidias prafentissimum, & turbulentissimum. Nam statim omnia videbantur mihi, illud poto, circumagitari, & antrum ipfum invertebatur, & prorfum apud me amplius ipse non eram. Postremo autem sommocorreptus jacui. Ille vero exacuto vecte, codemque igne succenso, insuper etiam excacavit me dormientem. Ab eoque tempore cacus tibi fum, Neptune. NEP. Ut altè nimis dormisti, ô fili, qui non exfilueris, cum interea excacareris ! Ulyffes igitur ille quo pacto effugit ? non enim, fat scio, potuit dimovere faxum à foribus, CYC. At ego amovi ipsum, quo faciliùs illum comprehenderem inter egrediendum. At collocato meipfo ad fores; extentis manibus venabar, folis dimiffis in pascua ovibus, & arieti negotio dato, quanam ipfum agere pro me oporteret. NEP. Intelligo rem, fub illis latuit te clam se subducens. At cateros certe Cyclopas conveniebat te invocare contra ipfum. CYC. Convocavi illos, pater, atque etiam venerunt. Sed postquam me interrogaffent infidiatoris nomen, atque ego dicerem Neminem esse, infanire me arbitrati discesserunt. Ità imposuit mihi execrabilis, nomine. Et quod maxime mihi ægre fuit, contumeliose objecta mihi calucalamitate hâc, nè pater quidem Neptunus, inquit, te fanabit. NEP. Confide, fili, ulcifcar enim ipfum, ut fentiat, etiamfi excitatem oculorum mederi impossibile fit, navigantes certe tamen servare vel perdere, penès me esse. Navigat autem adiuc.

#### Dialogus 2. Menelai & Protei.

MEN. A T in aquam te converti, Proteu, incredibile non est, marinus utique cum fis; etiam arborem fieri, tolerabile; & in leonem aliquando muteris licet, tamen neque hoc fuper fidem eft. Quod fi autem & ignem te fieri possibile est, cum in mare habites, hoc omninò miror, neque adducor ut PROT. Nè mireris, Menelac, fieri enim folco. MEN. ipfe; fed videris mihi (dicetur enim hic apud te ) præstigias quasdam adhibere rei, atque intuentium oculos decipere, cum interim ipse nihil tale fias. PROTE. Et quænam adeò deceptio in rebus fic manifestis fieri queat? An non apertis oculis vidisti, in quam multa ipse me transformaverim; Quod ni credis, & res hac tibi falsa videtur, nempe apparentia quadam inanis ante oculos obversans, posteaquam ignis factus fuero, applica mihi, heus generose tu, manum. Nimirum fenties, videárne tantum ignis, an & urendi vim habeam. MENEL. Peri-

culofum est experimentum hoc, Protes. PROT. At tu, Menelae, videris mihi neque Polypum vidisse unquam, neque etiam quid pisci huic accidere solear, scire, MENEL. Verum Polypum ipfum quidem vidi : quæ verò accidant illi , libenter ex te cognoverim. PROT. Cuicunque faxo accedens, acetabula fua applicuerit, atque affixus inhæserit cirramentis, illi seipsum similem efficit, mutátque colorem, imitando saxum, quo videlicet lateat piscatores, nihil ab illo varians, neque manifestus existens ob hoc, sed affimulatus lapidi. MENEL. Ferunt hæc. Sed tuum hoc est incredibilius, Proteu. PROT. Nescio, Menelae, cuinam alteri facilè credas, qui tuis ipfius oculis non credas. MEN. Videns equidem vidi, sed tamen monstrofa res est, eundem ignem atque aquam fieri.

#### Dialogus 3. Neptuni & Delphinum.

Delphini bominum amatores. NEPT. L'Audo, reftè facitis, Delphines, quòd femper hominum amantes estis. Nam & olim Inûs filium in Isthmum portâstis, exceptum à Scironiis scopulis, unde cum matre præcipitatus suerat. Et nunc tu citharœdo isto Methymnensi, cum ipso ornatu & cithara recepto, in Tanarum enatâsti, neque passus es misere à nautis perdi illum. DELPH. Nè mireris, Neptune, si hominibus benefacimus, nam & ipsi ex hominibus

Sic Arion transvene-

iam

ire.

ui-

ter

jue ric,

m,

if

i-

minibus pisces facti sumus. NEP. Atque equidem ob id reprehendo Bacchum, quòd vos navali pralio superatos ità transformavit, cum deberet captivos folum in deditionem accipere, quemadmodum & exteros in potestatem redegit. Sed quo pacto, quod huic Arioni accidit, sese habet, Delphin ? DELPH. Periander ifte, puto, delectabatur homine, ac sæpè illum ad se accersebat artis gratia. Ille autem dives jam factus à tyranno, concupivit, navigando in patriam Methymnam videlicet, spectandas ibi divitias suas exhibere. Ac conscensà ad trajiciendum navi hominum quorundam sceleratorum, posteaquam indicavit se multum auri & argenti secum ferre, ubi ad medium ferme Ægæum perventum fuit, infidiari illi nautæ cœperunt. Ille verò ( nam auscultabam omnia juxta navigium natando) quoniam jam hoc vobis ità vifum est, inquit, ac me saltem assumpto ornatu, & decantato prius mihi-ipfi funebri aliquo carmine, volentem finite pracipitare me-iplum. Concesserunt nautz. Tum ille affumpfit ornatum & quiddam plane blandum cecinit, & cecidit in mare, tanquam statim omninò moriturus. Ego verò excepto atque imposito illo, enatavi una cum ipso m Tanarum. N E P T. Laudo studium erga Musicam tuum: dignam enim mercedem retulisti ipsi pro co quod auscultaras.

#### Neptuni & Nereidum.

Helle ab ariete in mare delapfa.

NEPT. FRetum hoc quidem anguffum. in quod puella præcipitata eft, Hellespontus ab ipså vocetur. Cadaver autem ipsum, vos Nereides acceptum in Troadem auferte, ut ab incolis sepeliatur. NERE. Nequaquam, Neptune, sed hie in cognomini pelago sepeliatur. Miseremur enim ipfius, ut quæ maximè miserabilia à noverca passa fuerit. NEPT. At hoc quidem, Amphitrite, fas non est, neque etiam aliàs honestum, hic illam alicubi sub arenâ jacere: Sed quod dixi, in Troade, in Chersoneso mox sepelietur. Illud autem pro solatio ei erit, quòd paulò post eadem ipla quoque Ino patietur; & præcipitabitur, persequente illam Athamante, in pelagus ex fummo Cithærone, quà in mare porrigitur, filium etiam in ulnis gestans. NERE. Sed & illam fervare conveniet, gratiam hanc Baccho faciendo. Educavit enim illum Ino, eadémque nutrix illius fuit. NEPT. Non decebat adeo pravam. Sed tamen Baccho non gratificari, Amphitrite, indignum force. NERE. Sed quid accidit huic, quod ex ariete decidit? frater autemejus, Phryxus tuto vehitur? NEPT. Merito; Adolescens enimest, & contra impetum ob-Illa verò, eò quòd insuera fiftere potest. ejus rei erat, conscenso vehiculo inusitato, & despiciendo in vastam profunditatem perculsa animo, & pavore pariter attoni-

Citheron
mons elt,
cujus radices Asoque alluit.
Strabo.

ta, præterea vertigine correpta, præ vehementia & impetu volatûs, retinere cornua arictis amplius non potuir, quibus se consque sustentaverar, atque ità in mare decidit. N.E. R. Annon igitur matrem ipsius Nephelen decebat opem serre cadenti? N.E. P.T. Decebat sane, sed Parca, quam Nephele, multo potentior est.

ver

hic hic nur a à

loc.

m

į.

e

## Dialogus 5.

#### Xanthi & maris.

XAN. Suscipe me, ô Mare, gravia passum, extingue mea vulnera. MAR. Quid Xanthus hoc rei est, Xanche? quis te deussit? XAN. fuvius Vulcanus, sed in carbones prorsus redactus pene exufum miler, & effervesco. M A.R. Cur au- flus. tem tibi injecit ignem? XAN. Propter filium Thetidis. Postquam enim occidentem illum Phrygas supplex deprecatus sum, ille autem ab ira nihil remifit, sed earlaveribus etiam obstruxic mihi alveum , ego miserus miscrorum occurri, ut aquis involverem illum, quo eo periculo absterrirus ab cade virorum cessaret. Ibi igitur Vulcanus, (aderat enim prope foree existens) universo igne, quantum, opinor, ufquam habebat, quannumq; & in Ærna,& fi quibus aliis locis erat, allato, processit obviam : ac exustit equidem ulinos, & myricas, affavit autem & infelices pifces & anguillas, Me verò còm effervelcere fecifet, parum abfuit,quin torum siecum reddiderir. Vidésne igitur quo pacto B.4 .

pacto exuftionibus iffis deformatus fine. M A R. Turbidus es, ô Xanthe, & calidus, ut confentaneum est : cruore, à cadaveribus, calore autem, bt ais, ab igne veniente. Ac meritò, Xanthe, ut qui contra filium meum impetum feceris, non veritus, quod Nereidis filius ille esset. XAN, An non igitur decebat misereri me Phrygum, vicinorum adeò meorum? MAR, Vulcanum verò an non contra decebat misereri Achillis, Thetidis adeò filii?

# Dialogus 6. Jovis, Afculapii, & Herculis.

de cessione Hendunt.

JUP. DEfinite, & Ælculapi, & tu Hercules, contendere inter vos jurgiis, perinde ut homines. Indécora enim hæc, & aliena à convivio Deorum. H E R. Ac vis, o Jupiter, medicamenta-rium istum priore loco accumbere, quam me ? Æ S C. Ita per Jovem : etenim fum melior. HER C. Qua in re, 8 attonite, an quod te Jupiter fulmine percuffit, co quod que nefas erat, feceras? nunc autem ex misericordia iterum immortalitatis particeps factus es .? ÆSCU. Oblitus verò etiam tu es Hercules, quòd in Octa conflagraffi, quandoquidem mihi ignem objicis ? HERC Nequaquam aqualia arque fimilia funt qua nterque in vità egimus, ut qui iple quidem Jovis filius fim, tantos autem labores fuftinuemm, expurgată vită, devictis bestiis & de coning.

ali-

caine in-

re-N,

y-R.

contumeliofis hominibus pænas fumens. Tu verò radicum concisor es & circulator, agrotantibus fortaffis hominibus utilis medicamenta adhibendo, utile autem nihil quicquam praftitifti. ÆSC. Rette dicis: quoniam & inustiones tuas curavi, quando nuper ascendisti, ad nos semiustulatus corpore utrinque corrupto ac perdito, & à tunica, & post illam, etiam à flamma. Ego verò etiamfi nihil aliud, tamen neque fervivi, quemadmodum tu, neque exercui lanificium in Lydia, purpuram indutus, & ab Omphale verberatus fandalio aureo, neque verò etiam infaniens, occidi liberos & uxorem. HERC. Nisi definas conviciari, statim admodum fenties, quòd non multum tibi profutura fit immortalitas. Quoniam sublatum hinc è cœlo præcipitem dabo te, ut nè ipse quidem Pæon curaverit te diminuto atque effracto tibi cerebro. JUP. Definite, inquam, & nè nobis hunc cœtum perturbate, aut ambos hinc ablegabo vos è convivio. Atqui, ô Hercules, aquum est, ut priori loco accumbat Æsculapius; quippe qui & prior mortuus est.

## Dialogus 7

Martis & Mercurii.

MAR. A Udiftin' Mercuri; qualia no Jovis 14 fuperba, quamque abfurda? Ego, in-rideturi. quit, fi voluero, catenam ex coelo denuit-

B5.

tam,

tam unde si vos suspensi me vi detrahere conemini, luseritis operam. Nunquam enim me deorsum traxeritis. Contra, con vos fi velim in altum attrahere, non vos modò, verùm etiam rum terram iplam tum mare pariter subjectum, in sublime su-Ad hæc alia, quæ tu quoque andifti. At ego, fiquidem cum viro quolibet fingulatim conferatur, ità præstantiorem eum esse viribusque superiorem, haud quaquam negaverim. Verum unum tam multis pariter in tantum antecellere, ut cum nè pondere quidem vincere queamus, etiamfi terram ac mare nobis adjunxerimus, id neuriquam crediderim. MER. Bona verba, Mars. Neque enim fat tutum est ista loqui, nè quid fortè mali nobis conciliemus petulantia. M A R. tas verò me apud quemlibet hæc dicturum? imo apud te folum id audeo, quem linguæ continentis esse sciebam. Sed quod mihi maxime ridiculum videbatur, tum com hac minitantem audirem haud queam apud te reticere. Etenim memineram cum non ità multò antè Neptunus, Juno ac Pallas, motà adversus eum seditione, machinarentur -comprehensum illum vincula conjicere, quantopere formidaret, utque in omner speciem sese verterit, idque cum tres duntaxat essent Dii. Quod si Thetis misericordia commota Briareum centimanum illi auxilio non accersivisset, iple pariter cum fulmine ac tonitru vinctus effet. Hæc reputanti mihi ridere succurrebat ejus magniloquentiam jactantiamque. M E R. Tace, bona yerba; neque enim tutum

mini. 121 vel ribi diceres vel audire

Joan

C80

efe.

ioli-

tio-

and am

pr

US,

ri-

.

l.

english trains

Dialogus 8:

Diogenis & Polincis.

Ir daiver-DIO.O Pollux ; commendo ribi poftquam «celerrime ascenderis ( tuum enim est, m fallor, cras reviviscere) ut, sicubi vide-As Menippum, canem illum, (invenies autem ipium Corinthi, circa Craneum, aut in Lyceo deridentem contendentes istos inter Philosophus Jarcas'illi, Memppe, tranthe tibl Diagenes, fi fatis ea que super terram (unt, derigfti, ut hue multo plura derifurns venias. Ilic enim in ambiguo tibi adhue rifus eft, & frequens illud objici poruit, Quis enlin omnitto feit, que post vitam futuin fint? Hie autem, non defines conftanter ridere, quenjadinodum ego none. Et maxime, cum videris divites iftos ac fatrapas & tyrannos ità hamiles & obleuros elle, foloque ejularu ab afris dignofer. Tum quod & molles & ignavi funt, reminiscentes corum quæ in vita geruntur. Hæc illi dicas, & ut præterea etiam pera veniat impleta multo lupino, & ficabi in trivio pofitam inveniae Hecares coman, aut ovum ex hi-Bratione relictum, aut fimile quippiam. POL. At renunciabo hate, 6 Diogenes. Sed quò meliùs illum agnoscere queam, cujulmodi facie est? DIOG. Senex est, calvaster, pallio indutus lacero, & vento

14

vento cuivis pervio, & diversorum pannorum assumentis variegato. Ridet autem femper, ac plerumque arrogantes istos Philosophos acerbe perstringit. POL 1 Facile erit invenire illum ex his fignis D I O G. Visne ut ad ipsos quoque Philosophos illos aliquid tibi mandem? P. O. L. Mandes, licet, non-renim grave hoc mihi fuerit. DIOG. In Univerfum, adhortare illos, ut defiftant à muis fuis, neque de toto contendant, neque cornua fibi mutuo affigant, neque crocoditos faciant, neque hujusmodi sterilia arque jejuna interrogare, animum instituant. P. O. L. At indoctum me & incruditum effe dicent, qui doctrinam illorum reprehendam. DIOG. To verò plerare illes meo nomine jube. PO La Et hac nun ciabo illis, Diogenes. D I Q G. Divitibus autem, ô lepidiffimum caput ; nostro nomine hac renuncia. Quid, ô vani, aurun custoditis? Quid vos iplos excruciatis, & usuras supputando, & talenta talentis accumulando, quos unicum obolum habentes, venire huc paulo post oportet? P.O.L. Dicentur & hac ad illos. DIOG. Sed & formofis iftis & robuftis dicas, Megillo putà, Corinthio, & Damaxeno Palæstrita, quod apud nos neque flava coma, nec cœrulei nigrive oculi ; neque rubor faciei ampliùs ullus est, neque præterea nervi intenti & robufti, neque humeri laborum tolerantes, led omnia unus pulvis, ut aiunt , nobis, calvaria forma nudata : feificet. POL. Non molestum erit, hac ad fermolos robustos illos dicere. DIOG. Etjam.

Enam pauperibus, & Lacon, dicas licer, (multi autem funt, quibus & ea res perquam molesta est, & inopiam lugent) ut no licrymentur, neque plorent, expolità illis equalitate hac, quæ hic est, & quod videbunt, eos qui illic divites funt nihilo meliores, quam fefe hic effe. Lacedamoniis autem tuis hac si videtur, nomine meo objicias, molles & enervatos ipfos effe dictitans. P O L. Nè de Lacedamoniis, Diogenes, quicquam dicas, non enim feram. Sed quæ ad cæteros mandafti, ea illis renunciabo. D I O G. Mitfos igitur faciamus hos, quando tibi ità videtur. Tu verò ad illos quos antea dixi sermones hos meos deferas.

tos

L nis.

12

re

ĉŗ.

inc

ıt.

Dialogus 9.

GROE. Non possums ferre, Pluto; Menippum, hunc canem, cohabitantem nobiscum. Quapropeer aut illum hine amotum alio loco colloca, aut nos hine alio commigrabimus. P L U T. Ecquid ille mali vobis facit, vobiscum parter mortuus cum sit ? CROE. Quoniam nos ploratuus & ingemiscimus, illorum reminiscentes, que apud superos habumus; utpote, Midas hic auri, Sardanapalus autem multa voluptatis, ego vero thesaurorum, irridet, & cum convicis exprobrat ca nobis, mancipia & piacular nos vocitando. Interdum autem citam

etiam cantando, conturbat ploratus no stros, & in fumma, valde nobis moleftes eft. PLU. Quid ifta dicunt, Menippe! MEN. Vera, Pluto. Odi enim ipfos, ignavi ac perditi adeo cum fint : quibus non fatis fuit vixiffe male, fed etiam mortui insuper recordatione illis inharent, que apud fuperos funt. Delector itaque Rene ipfis faciendo. P L U. Sed non decer Dolent enim non exiguis rebus privati MEN. Etiam tu deliras, Pluto, qui emitus istorum tuo quoque calculo approbas. P L U T. Haudguaguam, verim nolim vos mutuo dificordare. M E N. Ar verò, ô pesimi Lydorum, Phrygum, & Assyriorum, ità de me cognoscite ut an nunquam, defiturus fim. Nam quocunque abieritis-hinc, côdem fequar ægrè faciendo cantando atque irridendo vos. CROES. Annon hæc contumelia est ? M E N. Non, sed illa contumelia erant, que facere folebatis, quando & adorari vos volebatis, & liberos homines ludibnio habebasis, mortisque prorsus immemores eratis. Proinde plorate nunc omnibus illis despoliation CROES. Multis certe , & Dii , & magnis policifionibas d' M. I. Quanto equidem ipfe auro ? SAR. Quanta verò ego voluprate ? M E N. Recte fane, ità facite, lugete vos quidem, ego verò tritum illud, Nofce teipfum , identidem connectiondo vobis occinam, id enim hujulmodi gemitibus accinere convenir.

#### Dialogus 10.

Menippi, Amphilochi, & Trophonii.

MEN. VOs, nimirum Trophoni arque Amphiloche, cum fitis mortuis haud scio quonam modo Fanis estis donati, vatésque credimini, ac stulti mortales Deos esse vos arbitrantur. TRO. Quid igitur, nostrâne culpa est, si per inscitiam illi de mortuis hujufmodi opinantur? MEN. Atqui non ifta fuillent opinati, ni vos, tum cum vivereris, ejulmodi quædam portenta oftentaffetis, tanquam futurorum fuiffetis prascii, quasique prædicere potuissetis si quæ percontarentur. TROPH. Menippe, noverit Amphilochus hic ipfi pro sese respondendum esse. Caterum ego Heros fum, vaticinórque, si quis ad me descenderit. At tu videre nunquam omnino Lebadiam adiisse, neque enim alioqui ista non crederes. MEN. Quid ais? equidem nisi Lebadiam suissem profectus, ac linteis amictus, offam ridicule manu gestans, per angustum aditum in specum irrepsisfem, nequaquam fieri potuisset, ut te defunctum esse cognoscerem perinde atque nos, foláque præstigiatura reliquos antecellere. Sed agè per ipsame divinandi artem, quid tandem est Heros? Neque enim intelligo. TROPH. Est quiddam partim ex homine; partim ex Deo compositum. MENI. Nempe quod neque sit homo quemadmodum audio, neque

3

neque Deus, verum pariter utrumque; Ergo dimidia illa tui, ac davina pars, quò nunc receffir? TRO: Reddit oracula Menippe, in Becotia. MEN. Haud intelligo quid dicas, Trophoni, nifi quod illud planè video, te totum esse mortuum.

## Dialogus 10.

#### Mercurii & Charontis.

M E R. CUpputemus, portitor, fi vide tur, quantum mihi debeas jam, ne denuo aliquanto de eo inter nos contendamus. CHA. Supputemps Mercuri, nan id definire melius est, & minoris negotii. MER. Anchoram ut mandaras', comparavi tibi quinque drachmis. CHA. Magna dicis. MER. At per Plutonem, quinque emi illam, & lorum, quo remum alligares, obolis duobus. C H A. Pone quinque drachmas, & obolos duos, MER. Et pro acu ad refarciendum velum quinque obolos ego exfolvi. CHA. Etiam hos appo-M E R. Et ceram ad oblinendas navigii rimas tibi emi, & clavos praterea, funiculum, unde Hyperam fecifti, omnia hæc duabus drachmis. CHA. Recte, laudo, hac viliemisti. MER. Hac sunt, nisi quid reliquum fit quod me fugit, inter computandum. Quando antem hac redditurum te promittis? C H A. Nunc quidem, Mercuri, non posium. Si verò pestis aliqua, aut bellum, confertos & frequentes huc dimiferit Er fimiferit aliquos, licebit mihi tum alluquò crari aliquid falsa supputatione in mendione chigendo portoria. MER. Proinde dine exigendo portoria. MER. Proinde ego nunc fedebo, pessima quæque ut eve-mant precando, ut inde fructum aliquem capiam. C H A. Fieri aliter non poteft, Mercuri. Nam pauci nunc, vides, ad nos descendunt. Pax enim est. MER. Satius est ità esse, etiamsi ob hoc abs te prorogatur nobis debiti iffius folutio. Verum enimverò prisci illi, Charon, nôsti quales advenire folebant, quam fortes omnes fanguine pleni & faucii plerique. Nunc autem, aut veneno aliquis à filio interfectus, aut ab uxore, aut præ nimia voluptate, tumefacto ventre & cruribus adveniunt. Pallidi entar omnes, & ignavi, neque fimiles prioribus illis. Plurimi autem ipforum etiam pecuniarum causa veniunt factis, ut videtur, mutuò fibi infidiis. CHA. Omnino enim expetibiles illæ funt. MER. Proinde neg; ego videar peccare gravius aliquid, fi vel acerbius abs te exigam, ea quæ mihi debes.

m

ï.

12

31

S,

e

0

#### Dialogus 12. Plutonis & Mercurii.

PL U. CEnémne nosti, senio confectum In herediillum dico, divitem Eucratem, petas, qui eui liberi quidem nulli funt, hæreditatis sepe, anteautem captatores quinquagefies mille ? quam cap-M E R. Betiam, Sicyonium illum dicis. tati, mori-Sed quid postea ? PLUT. Vivere il-untur. lum quidem, Mercuri, fine, ultra cos nonaginta

ginta annos quos exigit, alteris totiden accumulatis, fi modo possibile fit, atque etiam pluribus. Adulatores autem ipfin Charinum adolescentem, & Damonem, & cateros, abripe hucordine omnes. MEL Atqui absurdum hoc videri queat. PLUT. Haudquaquam, imo juftifimum: Quan enim ob causam illi adeo optant illm mori, nifi quia pecuniam illius capun nulla propinquitate juncti ? Quod auten omnium sceleratissimum est, dum talia precantur, tamen in propatulo colunt : Acque, agrotante illo, apud se consultent nemo ignorat : atramen facrificaturos fele premittunt, fi convalescat denuo : & in summi varia quædam adulandi ratio illorum honnum est. Quamobrem ipse quidem immetalis fit, illi autem præ ipso abeant, frushi hiantes. M E R. Ridicula patientur, for lerati cum fint. Ille etiam sape admodu scitè lactat illos, & spe pascit imani, & in fumma, femper morituro fimilis multo vi lidior est quam quisquam juvenis. Illi autem, hæreditate inter se diviså, pascuntur, vitam quandam beatam secum ipsi animo præcipientes. PLUT. Proinde ipse, exuti senecture, quemadmodum Iolaus ille, repu-Illi autem in ipså mediå spe, relictis divitiis illis, quas per fomnium poffidebant, mali male mortui jam hucveniam. MER. Ne cures Pluto, illos enim ordine fingulatim tibi accersam, septem autem opinor, funt, PLUT. Deducas licet. Ille autem præmittat fingulos ex fene iterun adolescens factus.

IEL

uten pre-

902,

iemo

44年4

no Iti

ij-

ij.

c

#### Terpfionis & Platonis.

TER. Justumne hoc est, & Pluto; me Expostulaquidem è vità migraffe, triginta tio, quod annos natum, Thucritum verò fenem illum plerique alufquam nonagenarium in vivis adhuc fenes juniele? PLUT. Justiffimum quidem, ô Terp- oribus fufo. Siguidem hic vivit nullius amicorum pervivant. mortem votis expoleendo: tu verò omni empore illius hæreditatem exspectans, ipsi infidiabaris. TERP. Nonne oportuerat, eum fenex fit, nequeatque fuis uti divitiis amplius, eum, dato juvenibus loco, è vita migrare? PLUT. Novas, ô Terpfio, flamis leges, cum ad voluptatem divitiis uti nequeat, ipsum è vità decedere. Sed hoc aliter & Parca & natura flatnit. TERP. Proinde hanc ob hujuscernodi accuso ordimem; rem enim hanc ordine fieri par erat, fenem primò, deinde qui in ca attre fequeretur, mori: haudquaquam autem ordinem inverti, aut vivere senectute decrepitum, qui tres duntaxat dentes habet, qui vix vider, qui curvatus à quatuor famulis deducitur, qui nares gravedine, oculos lippitudine plenos habet, nihil denique voluptatis degustans, & tanquam animatum fepulcrum, à juvenibus deridetur; & contrà, mori optimos atque robustissimos adolescentes. Nam hoc perinde est, ac si shumina sursum deserantur. Vel denique scire oporteret, quando & senum quilibet obiturus esfet, ne fruftrà quotdam colerent. Nunc verò illud accidit, quod proverbio dici solet,

Que-

Onadriga bovem sepissime ducit. PLUTa HEc quidem ô Terpfio; prudentius fium quam tibi profecto videntur. Verum vos quid passi estis, quod rebus alieni gaudetis, & senibus filris orbatis volut tantopere in adoptionem traditis? quanobrem in derifum adducti, ab illis fepeli mini, quod quidem plurimis fit perjucus dum. Nam quanto vos magis mori illa peroptatis, tanto plus omnibus quam extiffimum est, fi ante eos vos moricos tingat. Etenim novam quandam artemer. cogitâftis, decrepitos cum amatis, prafetim fi liberis fint orbati: inamabiles ven vobis funt, qui liberos habent. Arqui et iis qui amantur plurimi, minime velhi ignari aftûs in amando, etiamfi ipfis libe. ros habere contingat, illos tamen odife fimulant, ut & ipfi habeant amators Deinde in testamentis exclusi supr, qui olim munera contulerunt; liberi verò & natura, ut justum est, omnibus potiuntur : at illi confecti dolore dentibus firident. TER. Vera funt hæc quæ dicis. Quantum enim meorum Thucritus devoravit, cum semper eum mori putarem: & quoties ad eum ingrediebar, gemebat, & internum quiddam, perinde atque ex ovo pullus aliquis immaturus, subcroci-Itaque cum existimarem ipsum quamprimum in sepulchrum venturum multa mittebam, ut ne æmuli munerum magnitudine me superarent. Plerumque etiam præ nimiå solicitudine insomnis ja cebam, fingula enumerans, ac difponens Eaque etism causa interitus mihi sun CUL LUTa cara & vigiliæ. Ille autem deglutito hoc fium illectamento meo tanto, adflitit mihi, rume quando sepeliebar paulò antè, irrideus. PLUT. Euge, & Thucrite, diutiffime vius, divitiis fimul affluens, & hujuscemodi homines deridens, neque tu priùs moquan di homines deridens, neque tu priùs mo-fepe naris, quàm hos affentatores cunctos ucus, pramiferis. TERFS. i illa d Pluto, perjucundum mihi foret, fi ante Thucritum Chariades vita decedate Peters cos Bono animo fis, ô Terpfio, & Phido etiam ner. & Melanthus, & omnes penitus ipfum prærefe dent, suis ipsorum curis confecti. TERP. ¥25.

alieni

voline

ier

clhi ibe.

ıt,

X

į.

## Dialogus 14

Zenophanta & Callidemida.

ZENO. AT tu Callidemides, quo Heredipeta pacto interiisti ? Nam veneno, ipse cum Diniæ perasitus essem, immodi- quod alters ca ingurgitatione præfocatus fuerim, no-paraverat, fi, aderas enim morienti. C A L L. perit. Aderam, Zenophantes. Porrò mihi inopinatum quiddam accidit. Nam tibi quoque notus est Prœodorus ille senex. ZENOPH. Orbum illum dicis, ac divitem, apud quem te-affiduè verfari conspiciebam? CA L. Illum semper colebam.

colebam, id mihi pollicens fore, ut men bono quamprimum moreretur. Verum che ea res in longum proferretur, sene videlicet, vel ultra Tithonios annos vivente, compendiariam quandam excogitavi viam, qui ad hareditatem pervenirem. Siquiden empto veneno pocillatori perfuaferam, u fimul arque Procodorus potum poscere. (bibit autem abunde) præfentius in calicen injicerit, haberétque in promptu porredarus illi. Quod fi fecisset, jurejurando con firmabam, me illum manumiffurum. ZEN. Quid igitur accidit? nam inopinatum quiddam narraturus mihi videris. CAL Ubi jam loti venissemus, puer duobus parais poculis, altero Ptœodoro, cui venenum erat additum, altero mihi: nescio quomodo errans, mihi venenum, Præodoro porrexit innoxium. Mox ille quidem bibit, at ego protinus humi porrectim jacebam, suppofiritium videlices illius loco cadaver. Quid hoc rides Zenophanta? Atqui non convevenit amici malis illudere. ZEN. Nam lepidè tibi hac res evenit. Porro senex ille, quid interim? CAL. Primum quidem repentino casu conturbatus est: Deinde simul atque intellexit, id quod acciderat putì pocillatoris errore factum, rifit & iple ZEN. Verum non oportuit ad compendium illud divertere, fiquidem venisset tibi populari viâ tutiùs, etiamfi paulo feriùs.

Cnemonis & Damnippi.

ideli

XIX

9

e.

c,

.

à

CNE. H Oc illud est quod vulgo dici In Berediconfuevit, Hinnels leonem.

confuevit, Hinnels leonem.

confueritis. Or Ne. Quid ftomacher rogas? Haredem invitus reliqui, mifer aftu delufus, iis quos maximè mea cupiebam habere, practica.

confueritis. DAM. Sed iftue quinam evenit.

C. N. E. Hermolaum nobilem illum infiguiter divitem, liberis or um, imminente morte captabam, neque ille gravatim officium meum admittebat. Interim illud min feitum vifum eft, ut testamentum publicè proferrem, quo illi mea omnia reliqui, nimirum ut ille vicissim iden faconsuevit, Hinnelus leonem. petas. reliqui, nimirum ut ille viciffim idem faceret, meo provocatus exemplo. DAM. Ac quid tandem ille? CNE. Quid ille fuo in testamento scripserit, id quidem ignoro. Cæterum ego repente atque insperato vità decessi; tedi ruina oppressus. Et nunc Hermolaus mea possidet, lupi cujulpiam in morem iplo hamo cum esca pariter avulfo. D A M. Non escam modo cum hamo, quin etiam te quoque piscatorem simul abstulit. Itaque technam istam in tuum ipfius caput struxeras. CNE.

Ità videtur, ideoque lugeo.

Charontis & Mercarii.

CHAR. AUdite quo loco fint resm ftræ. Equidem parva d nobis quemadmodum videtis, & cario navicula, & qua undique perfluit : que fi in alteram partem se inclinarit, plan fubmeria peribit. Vos autem tam mi fimul confluitis, multasque sarcinas fa guli affertis, quibuscum fi conscendents vereor, ne postea vos facti pœniteat, mais mè vero cos, qui nandi funt imperi MORTUI. Quid igitur facto opus et. nt tuto navigemus ? CHAR. Ego vois dicam, nudos vos ingredi oportet, atque ista omma quæ superstua sunt, in littor relinquere. Nam fic etiam vix capiet vo navicula. Tibi verò, Mercuri, deincen curæ erit, neminem ex illis recipere, mi nudus fir, & supellectilem ut dixi, abje cerit. Itaque ad ipsas scalas te statuas, ipfósque cognoscito, & suscipito, nudós, ingredi cogito. MERCUR. Recte dicis atque fic faciemus. Quis est ille primus! MENIP. Ego Menippus. Ecce autem peram & baculum in paludem abjeci; verum recte feci, quòd pallium non attule rim. MERC. Ingredere, ô Menippe vir optime, primúmque apud gubernatorem navis locum accipe, in ipså fummitate, quo omnes possis intueri. Verum quis ille formolius est? CHAR. Charmolaus

fum Megarenfis amabilis, cujus ofculum duobus talentis emptum est. MER. Exue igitur istam pulchritudinem & labia cum osculis, promislam etiam comam, & genarum ruborem, adeóque totam cutem. Benè se res habet, expeditus es, ingredere nunc. Quis verò ille purpuratus & diademate præcinctus, gravitatem quandam præ se ferens? Quis es tu? LAM. Lampichus fum Geloorum tyrannus. MER. Quid cum tot farcinis venisti? LAM. Anne nudum adventare conveniebat tyrannum? MER. Nequaquam tyrannum, sed mortuum, itaq; depone ista. LAM. Ecce abject divitias. M E R. Sed superbiam, & Lampiche, & fastum etiam abjice, nam ista, si in naviculam, coincidant, vehementer gravabunt eam. LAM. Igitur fine ut diadema habeam saltem & fagulum, MER. Nequaquam, imò & hæc relinquito. LAM. Sit ita. Quid præterea vis? Nam omnia, ut vides, abjeci. MER. Crudelitatem etiam, & amentiam, & violentiam,& iracundiam, atque his fimilia depone. LAM. Ecce nudus fun. MER. Ingredere nunc. Tu verò pinguis admodum & carnofus quis es? DAM. Damafias ego fum, Athleta. MER. Certè videris ille esse, scio enim te sæpè in palæstris à me visum. DAM. Ità est ô Mercuri, verùm accipe me, nudum existentem. MER. Nequaquam, ô bone vir, nudus es tanta carne circundatus, itaque exue eam. Nam fi vel alterum tantum pedem in navem posueris, submerges eam. Sed & coronas istas 82 nudus fum, ut vides, & fimili cum an snortuis flatură. MER. Sic præflat le vern effe, itaque inferende jam. Et al Verato, divirias abjice; præterea mollius & delicias, neque feras tecum epitania

neque majorum ruorum dignitates. It linque eriam genus, & gloriam; itemo vitatum, de quibus scilicet benè merin es publica præcopia; statuarum inscrip ones; & dicas, ne tibi magnum fen crum conftruant, nam & hæc gravan, in memoriam revocentur. CRAT. vitus certè, sed ramen abiiciam, qu enim faciam ? MER. Papæ ! quid d vis armatus? aut quid ishud tropham tecum circumfers? CRA. Quia vo Mercuri, & res præclaras geffi, propo rea civitas hoc me honore affecit. Mil Relinque trophaum in terra; apudi ros enim pax, neque ullis armis opus d Verum quis ille est, ipso habitu gravia tem quandam præ se ferens, elatus & co tractis superciliis propter curas, long barba, quis & ipie? MEN. Philosop quidam eft, 6 Mercuri, imò præftigi tor & prodigiorum plenus. Itaque l hunc exue, videbis enim multa, caqu ridicula, fub palliolo occulta effe. MEN Depone tu hunc habitum primin

deinde hæe quoque omnia. O Jupiter quantam ille arrogantiam, quanta infeitiam, & quantum contentionum li inanis gloriæ, quantum quæftionum di biarum, quantum fpinofarum difput tionum, & cogitationum perplexarum

CITCHE

Teo salov.

circumfert? imò quàm multos vanos labores, & deliramenta non panca, item nugas, & rerum minimarum disquifitiosem. Sed per Jovem aurum etiam hoc, & voluptatem, & impudentiam, iracundiam, delicias, & mollitiem fecum habet, neque enim latent me ista, etiamfi fludiosè celas. Verum abiice mendacia & superbiam, opinionem illam, quà existimas te præstantiorem esse omnibus reliquis. Nam fi cum rebus omnibus ingrediaris, quæ quinqueremis te acceperit ? PHIL. Depono igitur ea, guandoquidem fic jubes. MEN. Sed & barbam hanc deponat, ô Mercuri, gravem equidem & hirfutam, ut vides, capilli funt trium minarum minimum. MER. Benè dicis. Depóne & illam. PHIL. Sed quis abradet? MER. Menippus ille securim accipiens, quibus naves fabricantur, eam refecabit, utetur auaem scalis navalibus, quibes superposita barba resecetur. MEN. Nequaquam Mercuri, sed da mihi serram, hoc enim erit magis ridiculum. MER. Sufficit bipennis, MEN. Euge, Humanior munc appares, deposito hircino scetore, visne ut pardm etiam de superciliis auseram ? MER. Maximè. Nam has fuper frontem etiam attollit, neque scio quo leiplum extendat. Quid hoc rei eft? Etiam ploras sceleste? & mortem times? ingredere igitur. MEN. Unum quiddam adhuc graviffimum geftat sub alis .MER. Quid, Menippe ? MEN. Adulationem, Mercuri, que illidum viveret, multum pro-

to the property of the second

profuit. PHIL. Igitur & tu Menippe, tuam abjice libertatem, & loquendi audaciam, lætitiam, animi magnitudinem, & rifum. An tu folus alios omnes ride. bis? MER. Nequaquam, fed retine ista, levia enim sunt & plane facilia portatu, & ad navigandum profunt. Tu verò Rhetor, abjice istam tantam verborum loquacitatem & antitheses, & membrorum adaquationes, item periodos, & Barbarismos, atque alia fermonis pondera. RHE. En abjicio. MER. Benè se habet res. Itaque solve funem, attollannus scalas, attrahatur anchora, expande velum, tuque nauta clavum dirige. Simus hilares, quid ploratis ô vos amentes, prafertim tu Philosophe, qui paulò ante tua barba spoliatus es. PHIL. Quia existimabam immortalem esse animam. MEN. Mentitur; nam alia fune, quæ videntur eum mœrore afficere. MER. Qua-Jia ? MEN. Quia non amplius tam opiparas cœnas habebir, neque noctu exiens clam onnibus circumvoluto palliolo capiti prostibula in orbem lustrahit, nec mane deceptis adolescentibus fua fapientia, pecuniam accipiet : hac funt quæ illi dolent. PHIL. An tibi molestum non est, Menippe, quod mortuus cs? MEN. Quomodo posset esse molestum mihi, qui ad mortem festinavi, nemine vocante? Verum nonna clamer quidam interim dum nos confabulamur, exauditus est, veluti quorundam in terra vociferantium? MER. Certe Menip-

po

ti

d

T

1

de-

or.

e-

r.

pe, verum non uno tantum loco exauditur clamor, fed quidam in unum ccetum convenientes, cum voluptate derident mortuum Lampichum,& illius uxorem mulieres circumstrepunt, atque ilhus pueri nuper admodum geniti, multis lapidibus à pueris obruuntur. Quidam Diophantum Rhetorem laudant in Sicyone funebres orationes recitantem, pro hoc Crarone, & per Jovenn Damafiæ mater ululans, lamentationem inceprat unà cum mulicribus pro Damafia. verò, Menippe, nemo est qui deplorer, & tranquillus jaces folus. MEN. Nequaquam, nam haud ità multò post audies canes miserabiliter latrantes propter me, & corvos alas concutientes quando adsepeliendum me conveniunt. MER. Fortis es, Menippe. Sed quia jam transfretavimus, abite vos rectà per hanc viam ad forum judiciale. Ego verò & nauta alios transvectabimus. MEN. Fæliciter navigate, ô Mercuri, nos quoque progrediamur. Verum quid diutius moramini ? Judicium de nobis ferri oportebit, & quidem aïunt pœnas esse graves, rotas, vultures, & lapides. Uniufcujusque autem vita examinabitur.

#### Dialogus 17. Cratetis & Diogenis-

C R A. MOErichum illum divitem, toveraine & Diogenes ? Illum. inquam, fupra modum divitem, illum Corintho profectum, cui tot erant nave onustæ mercibus, cujus consobrinus Arifleas, iple eriam dives, Homericum illul in ore folebat habere: Aut me confice tu, aut ego te, DIOG. Cujus reigratia fele captabant invicem, Crates ? CRAT. Hæreditatis causa, cum essent æquale, uterg; alterum captabant. Jamq; tellamenta publicaverant ambo, in quibe Mœrichus, fi prior moreretur, Ariften omnium rerum fuarum dominum reliaquebat: Mœrichum vicissim Aristeas, fiquidem ipse prior è vita decederet.Hac igitur cum essent in tabulis scripta, illi sese invicem colebant, & adulatione superare contendebant. Porro divini, five futurum ex astris conjectarent, five ut Chaldzi,ex fomniis, quin & Pythius ipfe, nunc Ariftez, nunc Mœricho victoriam præbebat, & modò ad hune modò ad il-Ilum trutina propendebat. DIOG. Quid igitur tandem evenit ? nam audire eft operæ pretium. CRA. Eodem die moreui sunt ambo, cæterum hæreditates ad Eunomium ac Thrafyclem devenerunt, quorum uterq; cognatus illis erat, atqui de his nihil prædixerant divini futurum, ut tale quippiam accideret. Etenim cum sicyone Cirrham verfus navigarent, medio 1,

.

.

4

8

ï

Ļ

Ċ

è

e

in curiu, obliquo orto Iapyge, eversă navi periérunt. DIOG. Recte factum : at nos cum in vita essemus, nihil ejusmodi alter de altero cogitabamas. Neque mim ego unquam optabam ut morereor Antifthenes quò nimirum baculus ilius ( erat autem illi firmus ex oleaftro factus) ad me rediret hæredem, neg; tu Crates, opinor, defiderabas ut, me morno, in possessionum mearum successionem venires, putà dolirac perz, in qua quidem lupini chœnices inerant duz. CRA. Neq; enim mihi quicquam istis rebus erat opus, imò ne tibi quidem Diogenes, fiquidem quæ ad rem pertinebant, quæq; tu ab Antisthene, ego à te tanquana jure hæreditatis, accepi, ea nimirum multò funt potiora, multóque splendidiora, quam Perfarum imperium. DIOG. Quænam funt ifta quæ dicis : CRAT. Sapienriam, inquam, frugalitatem, veracitatem, loquendi audaciam, vivendi libertatem, DIOG. per Jovern memini me in istiusmodi opum hæreditatem Antiftheni fuccessisse, tibique eas longe etiam majores reliquisse. CRAT. Verum reliqui morralium hoc polleffionum genus aspernabantur, neque quisquam nos ob spem potiundæ hæreditatis obsequiis captabat, fed ad aurum omnes intendebant oculos. DIOG. Nec injuria, neq; enim habebant quò facultates ejulmodià nobis traditas acciperent, quippe qui tanquam putria marsupia deliciis diffluebant. Quo hebat, ut si quando quis in illos infundat vel sapientiam, vel dicendi liber-C 4

tatem, vel veritatem, effluat illico perstilletque, fundo, quod immissum eff. continere non valente, cujulmodi quiddam & Danai Virginibus anunt accidere. dum in dolium pertulum hauftam aquam important; at iidem aurum dentibus & unguibus, omnifq, vi fervabant. CRAT. Proinde nos hic quoque nostras possidebimus opes, illi fimul atque huc venering obolum duntaxat fecum ferent, acne hunc quidem ulteriùs quam ad portitorem.

#### Dialogus 18.

Alexandri, Annibalis, Minois, & Scipionis.

A LE X. ME tibi, & Libyce, praponi par est, præstantior enim fum. ANNIB. Imo vero me. ALEX. Judicet ergo Minos. MIN. At quinam eftis? ALEX. Hic eft Annibal Carthaginenfis, ego autem Alexander Philippi filius. MIN. Per Jovem, utrique gloriofi. Sed qua de re vobis altercatio est? ALEX. De præstantia, dicit enim is sese meliorem quam me ducem exercitûs fuisse, ego verò, quemadmodum omnes sciunt, non hoc solum, sed omnibus fermè, qui ante meam ætatom fuere, in re militari, præstantiorem me effe affirmo. MINOS. Dicar ergo uterque viciffim. Tu verò Libyce, primus verba facito. ANNIB. Unum

hoc me juvat, quod hic Gracam linguam didicerim, ut neg; etiam hacin reAlexander me superet. Porrò illos maxime laude dignos affero, qui cum parvi à principio fuere, propria virtute ad magnam gloriam evasêre, potentésque per se ipsi facti, & principatu digni habiti. Ego igitur cum paucis quibusdam Hispaniam primum invadens, cum sub fratre prafedum agerem, maximis rebus idoneus atq; optimus judicatus fum. Ibi tum Celtiberos cepi, & Calatas Hesperios devici. Et cum magnos montes transcendissem, omnem Eridanum percurri, multasque civitates everti, & planam Italiam subjugavi, & usque ad suburbia Romæ grassatus sum, tótque uno die Romanos occidi, ut annulos eorum modiis mensurari oportuerit,& ex cadaveribus pontes fluminibus fecerim. Atq; hæc omnia peregi, nec Ammonis dictus filius, neg; Deum me fingens, aut matris infomnia narrans, sed me hominem fatebar, pugnabámque contra duces prudentissimos & contra milites fortiffimos. Nec Medos aut Armenios expugnarem, qui antequam quifpiani persequatur, fugiunt, & facile cuivis audenti victoriam tradunt. Alexander verò acceptum à patre imperium' auxit, & fortunæ quodam impetu ufusmultum ampliavit. Qui postqua miserum illum Darium in Isto & Arbelis devicit, cepíto, à paterna virtute degenerans, adorari voluit,& ad Medorum delicias sese; contulit,& amicorum cæde convivia contaminavit, & interficientibus opem tulis. Eco .

Ego autem pariter patriz dominates fum, quæ cum me revocaret, hoftium meenà classe adversus Libyam navigante. statim parui, méque hominem privatum dedi, & damnatus æquo animo rem tuli. Atq; hæc egi barbarus còm ellem omnife Gracanica disciplina expers, & neque Homerum, ut hic, edidici; neq; Ariflo. tele fophifta magistro eruditus fui, sed folum med natura optima fum ufus. Hac funt quibus me meliorem Alexandro elle pato. Quod fi præstantior sit iste, quoniam diademate revinctum caput habuit, id decorum forfan apud Macedones eft non tamen ob id præstantior hic vider deber generoso viro, & imperatore bono qui mentis sententià magis quam fortuna, est usus. MINOS. Hic certe orationem neque ignavam, neque ut Libycum hominem decebat, dixit : tu verò Alexander, quid ad hæc dicis ? ALEXAND. Oportet quidem, & Minos, homini adeò temerario nihil respondere. Sola enim te fama fatis edocere potest, qualis ego rex, qualis hic latro fuerit. Adverte tamen, an parum ipium fuperaverim, qui com adolescens adhuc essem remi aggressus, regnum obcinui turbarum, & de patris interemptoribus supplicium fumpfi. At cum Thebas subvertillem toti Græciæ terror fui, ab ea dux electus. Neque dignum putavi, Macedonum regno me contentum elle, quod pater reliquerat, sed totum terrarum orbem cogitatione volvens: durum existimans, nisi rerum omnium dominus effem: paucos

goldam mecum agens in Afiam exercinum traduxi, & apud Granicum magna negna vici, & Lydiam, Ioniam,& Phrygam cepi, deniq; subjugato quicquid obvium crat, veni Islam, ubi Darius me exestabat, infinitos exercitus fecum agens. polt hac, & Minos, vos ipli fcitis, quot ad vos uno die mormos miferim. Dien enim Charon, tune fibi fcapham non fuffecille fed ratibus compositis, illorum plerosqu fe transportalle; arque hæc confecimeipfum periculis opponens, & in pugna vulnerari non timens. Et ut que apud Tyrum & Arbelas gefta fune omieram, ufque ad Indos veni, arq; Oceanum mei regni terminum feci, & illorum hominum elephantes cepisac Porum captivum abdusti. Scythas vero homines certè non spernendos, Fantim transiens magna equitum pugnă vici, ac amicos meos remuneravi, mimicos autem ultus furn. Si vero Deus hominibus videbar, parcendum illis erat, rerum à me gestarum magnitudine addufis, ut sale quid de me crederent. Denique, ego Rex adhuc morti concessi, hie autem in exilio apud Prufiam Birhymium, ut crudelifimo & peffimo homini conveniera erat. Nam quo pacto Italos vicit omitto dicere; quia non virrane, sed malicia atque perfidia & dolis id peregit, nunquam justi aut claritudinis alicusus memor. Sed quoniam delicias mihi objecit, oblitus mihi videtur corum, qua apud Gapnam admiferit, cilm meretricibus deditus vir ille mirabilis, belli gerendi occasiones volupeatibus prodidir. Egovero verò nifi ea quæ sub Occidente sunt, parva ratus, ad Orientem me impuliflem quidnam adeò magni præftiriffem? qui Italiam absque sanguine cepi, ae Libyam, omnémque earn oram usque ad Gades fub potestatem redegi. Sed hæc ego tantà contentione digna non putavi, prafertim jam antea illis perculfis, ac dominum agnoscentibus. Dixi. Tu verò, Minos judica. Nam & hæc è multis pronulisse saris est. SCI. Nè prius quam me quoque audiveris. MIN. Quisnam & cujas es, vir optime, qui dicendi copiam poscis? SCI. Scipio Romanus Imperator, qui Carthaginem delevi, & Afros magnis praliis devici. MIN. Quid igitur & tu dicis ? SCI. Alexandro quidem minorem esse me, Annibale autem praflantiorem, ut qui ipfum wichem perfecutus fuerim, & ad turpem fugam compulerim. : Quomodo ergo non impudens iste videatur, qui cum Alexandro sese comparet, cui ne ipse quidem Scipio, qui istum devici, comparare me aufim. MIN. Per Jovem, aqua dicis, Scipio, quapropter primus quidem judiceur: Alexander, deinde post illum tu, atque tum fi placet, tertius hic Annibal, quippe qui nec ipie contemnendus existat."

10 - 10 - 10 10 (et. 111.)

man a control of the teritial, but

DI

de

fi

D

A

# Dialogus 19.

## Diogenis & Alexandri.

pioG. Q llid hoc rei est, Alexander, bridetar itáne defunctus es tu quoque, Alexandri perinde arque nos omnes? ALEX. Vi- superbia, des nimirum, Diogenes, nec mirum eft, quia morfi homo cum fuerim, defunctus fim. talis cum DIOG. Num igitur Ammon ille mentiebatur, cum te fuum effe filium diceret, nos tamen annon su Philippo patre prognatus eras? Ammone progenitus fuillem, non obiif-ALEX. Haud dubie Philippo, nam fi fem. DIOG. Atqui de Olympiade fimilia multa ferebantur; Draconem cum ea consucrudinem habuisse,& in lecto visuma fuiffe, deinde te ex hoc concubitu editum in lucem venisse : porrò deceptum Philippum, qui se patrem tuum esse existimaret. ALEX. Audieram quidem & iple ifta, quemadmodum tu ; at nunc video, neq; matrem, neq; Hammonios illos vates, fani quicquam dixisse. DIOG. Attamen iftud illorum mendacium, Alexander, ad res gerendas, haudquaquam tibi suit inutile; propterea quod multi præ metu sese submiserint, credentes te . Deum esfe. Sed dic mihi, cuinam tamingens illud imperium reliquifti ? ALEX. Id equidem ignoro, Diogenes, celerius enim è vita submovebar, quam ut esset-ocium de illo quicquam statuendi præter id . unum, quod moriens Perdicca annulum tradidi.Scd age quid rides, Diogenes? DI. Quid-

effet, divi-

## Diogenis & Alexandri.

Quidnam aliud quam quod memini quid Græ. fecerint cum nuper tibi adepto inperio adularentur, principemo; ac ducem adverfus barbaros deligerent : nonnulli verò in duodecim Deorum numerum referrent ac templa ædificarent facra facerent tanquam Draconis filio? Sed illud mihi dicito, ubi te sepelierunt Macedones? ALE. Nunc in Babylone jacco tertium jam diem; porro Ptolemaus ille farelles meus, fi quando detur ocium ab his rerum tumultibus, qui nunc instant pollicetur in Ægyptum deportaturum me, arque inibi sepulturum, quo videlicer umus fiam ex Diis Ægyptiis. DIOG. No. rifero, Alexander, qui quidem te videan etiam apud Inferos desipientem, speransérng; fore, ut aliquando vel Anubis fias, vel Ofiris? Quin tu spes istas 'omittis, o divinissime, neque enim fas est reverti quenquam qui semel tansmiserit paledem, atq; intra specus hiatum descenderit, propteres quod neg; indiligens est Æacus, neque contemnendus Cerberus Verum illud abs te discere pervelim, quo feras animo, quoties in mentem tibi redit, quantă felicitate apud superos relicta, huc fis profectus, putà corporiscustodibus fatellitibus, fatrapis, tum auri tantà vi, ad hoc, populis qui te adorarant, præterea Babylone, Bactris, immanibus illis belluis, dignitate, gloria deinde quod eminebas conspicuus, dum vectareris, dum amiculo candido caput haberes revinctum, dum purpuram fibulis subfiriciam gestares; nunquid hac te difcruciant.

quotient, quoties recurfant animo? Quid schrymaris stulte; an non id te sapiens ille docuit Aristoteles, nè res eas que à foruma proficiscantur, stabiles existimares? ALEX. Sapiénine ille com fit affenstorum omnium perditiffimus? Sine ne solum Aristotelis facta scire quam multa à me petierit, quæ mihi scripserit: deinde quemadmodum abulus fit met illà ambitione, qua cupiebam eruditione cateris prastare, cum mihi palparemr interim, ac prædicaren me, nunc ob formam; tanquam & ipfa fummi boni pars quædam esset, nunc ob res gestas arq; opes, nam has quoq; in bonorum numero collocandas effe censebat, ne fibi. vitio verteretur, quod eas acciperet. Plane præftigiolirs vir ille quidem erat, ac fraudulentus, & Diogenes : quanquam illud fructus scilicer ex illius sapientia fero, quòd nunc perinde quali fummis de bonis exerucior, ob ista que ru paulò ante enumerafti. DIOG. At scin' quid facies? oftendam tibi moleftiæ iftius remedium. Quandoquidem hic veratrum non provenis, fac ut Lethæi fluminis aquam avidis faucibus attrahens bibas, iteruma; ac farpius bibas, atq; eo pacto defines de bonis Aristorelicis discruciari. Verum enim Clirum eriam illum,& Callifthenem video, cumque his alios complures raprim huc fese serentes, quò re discerpant, pœnásque sumant ob ea quæ quondam in illos commissifi. Quare facn alteram hanc ripam te conferas, & rebrius, ut dixi, bibas. Altxandri

## Alexandri & Philippi.

tal

ne

fo

G

b

11

¥

1

NOn igitur nunc te filium elle meum inficiaberis, nam fi Anmonis fuiffes, mortem non obiifes. ALEX. Neque verò nescius eram, pater, Philippi Amynti me effe filium, fed quia ad res gerendas fie mihi visum erat conducere, commento hoc usus sum vaticinii. PHIL. Quid ais? Conducibile ad tibi visum oft, ut vatibus fallendum te exponeres ? A L E X. Non ifthuc. sed me formidarunt barbari, nullusque viribus meis restitit, cum putarent sibi adversus Deum præliandum. Itaque faciliùs ipfos imperio meo fubdidi. PHIL. Quos tu igitur tanto conatu dignos unquam vicilti? qui cum timidis illis arculis, peltariis, ac gerris vimineis pugnare solitis semper congressis es: Sed opus erat egregium Græcos armis domane, Eccotios, Phocenies, Athenienses. Praterea Arcadum peditatum, equitatum Theffalum, Eleorum jaculatores, Mantineos peltis-instructos, vel Thracas, vel Illyrios, vel etiam Paonas subjugare, hac andua sunt. An verò nescis, ut Medos, Perías, Chaldaos auro conspicuos, & delicatos homines, ante te, duce Clearcho, decies mille viri bello adorti expugnarint,non fustinentes illos ad manum venire, sed antequam emissum fuisset telum fugientes?

tes? ALEX. At vero Scythæ, pater, & Indorum elephantes, non est contemnendum opus. Et tamen neque conciratis inter ipios intestinis odiis, neque per proditionem mihi venundari passus fum victoriam. Nec unquam pejeravi, nec quippiam pollicitus fefelli, fidémye. folvi victoriæ gratia. Adde, quod & Gracorum alios fine fanguine cepi, Thebanis autem fortaffis ipse audisti, quomodo aggressus fuerim. PHIL. Novi hac omnia ex Clito, quem tu jaculo transverberatum inter epulas interfecifti, eò quod me, collatis utriusque rebus gestis, laudare ausus suisset. Tu verò & Macedonicam chlamydem abiiciens, candyn, [ Perficum amictum ]. induisti ( ut aïunt ) & tiaram rectam impoluisti, & à Macedonibus, viris utique liberis, adorari voluisti. Et quod maxime omnium erat ridiculum, hominum abs te victorum mores imitatuses. Omitto enim dicere, quæcunque alia commissiti, quod viros doctos in leonum claustra inclusisti, & tales nuprias peregisti, arque Hephastionem supra modum amasti. Unum est quod solum laudo abs te gestum, quod à Darii uxore, forma præstante, abstinueris, & genitricis illius, atque filiarum, curam susceperis, opus certè Regium. A L E X. Sed in subeundis periculis alacritatem non laudas Pater, ut, cum apud Oxydracas primus intra mœnia defilii, tótque vulnera accepi ? PHIL. Non laudo, Alexander, non quod non decorum effe

elle putem vulnerari quandoque imperatorem & in subcundis periculis pratentare viam, fed quòd ex re tua illud minimè erat. Etenim pro Deo habitus, fiquando valnus acciperes, téque bello viderent raptim efferri, sanguine manansem, & vulnus mærentem, spectatoribus hæe erant ridendi argumentum Adde quod Ammon præftigiator, & mendax vates arguebatur, & ipfius Propheta, adulatores. Ecquis rifum continuisser, conspicarus Jovis filium animo deficientem, & medicorum ope indigentem? Nunc verò cùm jam vità fun-Aus es, non multos effe putas, qui fctionem illam irrideant, & maledicis carpant, cum Dei cadaver porrectim ftratum, putridum jam & tumidum juxu corporum omnium morem vident? Czterum quod ais, Alexander, tibi fuille conducibile, quò facilius rerum potireris, id profectò multum tibi gloriz ex bene etiam ac strenuè gestis eripuit. Nam Diis longe inferiora agere visus es ALEX. Haudquaquam de me istud sentiunt mortales, fed cum Hercule me & Baccho comparabilem statuunt. Nam & Aornum; à neutro etiam illorum subactum, ego folus cepi. PHIL. Vides ut ista tanquam Ammonis filius dicis?quando cum Hercule & Baccho terplum comparas, & ut non erubefcit Alexander, nec arrogantiam dediscis, nec teipsum cognoscis, nec jam mortuus sapis.

A

t

1

١

#### Dialogus 27. Achillis & Antilochi.

ANTI. OUznam funt illa Achilles, quæ tu Ulyfti jam primum dixiftir de morte, nec generofa, nec ambobus mis praceptoribus, Chirone & Phoenice, digna? Etenim audiebam cum diceres te malle rusticam vitam agendo inopi cuipiam, cui victus non suppeteret multus, operam locare, quam omnibus defundisimperare. Hæc certè ignavi hominis verba Phrygem quempiam meticulofum, arque vitæ amatorem immedicum pronunciare forfitan decuisset. Sed Pelei filium, & in adeundis periculis heroum omnium alacerrimum, tam humilia de fe cogitare, pudendum valde,& omnibus in vità præclare ab ipso gestis plane contranum. Nam cum in Phthiotide ad Iongam ulq; senectam regnare tibi licuisset, fed citra gloriam, lubens tamen mortem gloriofam prætulifti. ACHIL. At, & Neftoris fili, tunc ignarus eram eorum quæ hic funt, & utrum corum effet præftantius nesciebam, itaque infelicem illam gloriolam vitæ anteponebam. Atqui jamundem intelligo quam inutilis illa fit, erfi fint apud Superos qui quam maxime ses præclarè gestas carmine celebrent, mortuorum autem unus honor est omnium. Sed neque forma illa, Antiloche, neque vires adfunt. Sed jacemus omnes sub eadem caligine similes, & alii ab aliis nihil discrepantes. Neome Troianorum 44

janorum manes verentur, nec Græcorum venerantur, sed exquisita est juris æquabilitas, similifque alter alteri defunctus, five ignavus, five strenuus fuerit. Hae funt quæ angunt, & ob quæ doleo, quod non potius vivo, & operam loca ANTIL. Quid agat quifpiam? natura namque vilum est, ut omnes omnino moriantur. Itaque par est te legioùtemperare nec flatutis diferaciari. Praterea, vidéfne quot è sociis circa te f. mus? paulo post & Ulysses advenie. Affert autem solatium societas in ferendis malis, & quod non folus ea patiaris. En tibi Herculem, Meleagrum, & alios admirandos viros, qui quidem ( ni fallor.) haudquaquam in vitam videntur redituri, fi quis cos ad inopes & victuindigos mittar, ut illis pro mercede serviant. A CHIL. Sociorum hæc quidem admonitio est, verum haud scio quo pacto corum quæ in vita aguntur, memoria me excruciat. Arbitror autem & vestrûm unumquemque ità affici. Si vero non palàm confiteamini, hoc nequiores estis, quod tacitè hujusmodi toleraris. ANT. Non equidem, Achilles, fed longe tibi præstamus, quippe quod intelligimus quam fit inutile de iis rebus verba facere, filere enim & æquo animo fustinere omnia concessium est nobis, nè cadem optances, tecum nos iplos rifui exponamus.

## Menippi & Tantali.

rum Jua-

tus, læc

od

CO.

irz no

ó.

2. fi.

t

1

6

MEN. Quid ejulas, ô Tantale; aut quid tuam deploras fortunam, stagno imminens? TAN. Quoniam fiti enecor, Menippe. MEN. Ufq; adeò piger es atq; iners, ut non vel pronus incumbers bibere nôris; vel cavá volá hauriens? TAN. Nihil profecero fi procumbam, refugit enim aqua, fimul atq; me propiùs admoveri senserit, quòd si quando hausero, orique coner applicare, priùs effluxit, quam fumma rigem labia. Atq; inter digitos effluens aqua, haud scio quomodo rurfus manum meam aridam relinquat. MEN. Prodigiosum quiddam pateris, Tantale, verùm die mihi istuc iplum, quorlum opus est bibere? corpus enim non habes? nam illud quod esurire poterat, aut sitire, in Lydia sepultum est. Cæterum tu cum fis anima, qui posthac aut fitire queas aut bibere? TAN. Atqui hoc ipium supplicii genus est, ut anima perinde quali corpus fit, ità fitiat. MEN. Agè, hoc ità habere credamus, quandoquidem affirmas te fiti puniri. At quid hinc acerbi tibi poterit accidere? Num meruis ne potús inopia moriare? At equidem haud video alteros Inferos, neque locum alium in quem morte demigret quispiam. T A N. Recte tu quidem dicis, verum hoc ipsum supplicii genus est, fitire, cùm nihil fit opus. MEN. Defipis, Tantale, & uti

uti verum tibi fateor, non alio potu videris egere quam veratro mero; nam divefum quiddam pateris, iis quos canenbioli momorderimt, ut qui non aqua quemadmodum illi, fed fitim horrea TAN. Nè veratrum quidem recufara bibere Menippe, fi liceat modo. MEN Bono fis animo Tantale, certum habra nunquam fore, ut vel tu, vel reliquom manium quifpiam bibat. Nec enimfia potefi, quanquam non omnibus, qua admodum tibi, pœna adjudicata efi, u fiti ant, aqua illos non expectante.

#### Dialogus 23. Menippi & Laci.

MEN. DEr Plutonem, & Æace, expor mihi quæ apud inferos fim, Æ A C. Hand facile, Menip pe, omnia. Verum quæ fummatim k veluti per capita indicari possunt, ha accipe : Hic quidem, quod Cerberus fr. nofti. Deinde portitorem hunc noft, qui te trajecit; præterea & lacum, & Pyriphlegethontem jam vidifti, cùmingreffus es. MEN. Novi hæc, & præte rea te aditûs custodem. Etiam regen ipfum vidi, & Furias. Homines verò prilcos, quato, oftende, & maxime eos qui inter cateros nobiliores fuere. ÆAC Hic quidem Agamemnon est, ille auten Achilles Rurfum hic Idomeneus qui propius affidit; deinde Ulyffes, postea Ajax & Diomedes, & czteri Grzeorum przfrancisflantiffimi. MEN. Papæ, Homere! ut tibi Rapfodiarum tuarum capiti humi, projecta jacent, ignobilia arque informia pulvis omnia, & nugæ meræ, caduca vere capita. Sed hic, Æace, quisnam est? ÆAC. Cyrus eft. Ille autem Crœfus, & juxta ipfum Sardanapalus. Ultra hos autem Midas, & deinde ille Xerxes. MEN. Et te, & scelefte, tota exhorruit Gracia, jungentem pontibus Hellespontum & per iplos montes navibus trajicere affectantem? Qualis verò & ipse Crœfus eft? Cærerum, Sardanapalo, quæfo, huc Æace, permitte, ut demulceam caput, inflicto colapho. Æ A C. Nequaquam. Comminueres enim ipfi calvariam, muliebris ac fragilis adeò cum fit. MEN. Attamen amplexabor illum, utpote planè semivirum. ÆAC. Cæterum visne tibi oftendam & doctos illos? MEN. Per Jovem etiam. ÆAC. Primus en hic tibi Pythagoras eft. MEN. Salve Euphorbe, five Apollo, five denique quodeunque voles. PYTH. Ità fanè, & tu utique, Menippe. MEN. Quid? annon amplius aureum istud femur habes? PYTH. Non, sed agè cedo, si quid manducabile tibi habet pera ifta. MEN. Fabas habet, quare nihil hic eft, quod tu manducare queas. PYTH. Da modò. Nam hic apud manes alia funt dogmata. Didici enim nihil hic fabis & parentum testiculis inter se simile esse. ALAC. Porrô hic Solon est, filius Execestidis, præterea ille Thales, & juxta ipios Pittacus, & certeri illi, septem omnes sunt,

CI

i

ut vides. ME N. Lati hi funt, Æace, foli arque alacres præter cæteros. Sed hie oppletus cinere, tanquam subcinericia panis, hic crebris pultulis efflorescens; quifnam eft? ÆAC. Empedocles, ô Me. nippe. M E N. Semicoctus ab Ami monte huc profectus. ALAC. O aripes optime, quid, obsecro, acciderat tibi cur te ipium in foramina Ætnæ inilcered EM. Infania quædam, Menippe. M& Non per Jovem, sed inanis quædam gloriæ affectario, & fastus, & multa dementia. Hac te conflagrare fecerunt, una cun ipfis crepidis, cum dignus minime elles. Veruntamen nihil tibi commentum iftud profuit, deprehensus enim es & ipse mortuus. Caterum Socrates ille, Æace, ubi locorum tandem est ? Æ A C. Cum Neftore ac Palamede ille plerúmquemgatur. MEN. Cuperem tamen videre iplum, ficubi locorum hic foret. ÆAC. Videfne calvum illum? MEN. At a mnes hic calvi funt ; quare omnium 2què nota hac fuerit. Æ A C. Simun istud dico. ME N. Etjam hoc simile omnium est. Nam & simi omnes sunt SOCRAT. Mene quaris, Menippe? MEN. Etiam, Socrates. SOCRAT. Quo pacto res Athenis se habent? MEN. Multi juniorum Philosophari se profiten-Ac habitum certe ipfum, & inceffum fi quis aspiciat, summi Philosophi funt, idémque permulti. Caterum autem vidifti, opinor, qualis & Aristippus hue ad te venerit,& Plato ipfe, alter quidem olens unguenta, alter autem in Sicilia

lia tyrannis adulari doctus. SOC. At deme quid sentiunt? MEN. Beatus, Socrates, quispiam es, quod ad hujusmodi res utiq; pertinet, omnes itaq; te admirabilem fuisse virum existimant, arque omnia cognovisse hæc (decet enim, opinor, verum hic dicere) cum nihil scires. SOC. Et ipse dicebam hac ad illos, fed illi tum fimulationem quandam eam rem esse putabant, MEN. Sed quinam isti funt circa te ? SOC. Charmides, Menippe, & Phædrus, & Cliniæ filius ille. MEN. Euge Socrates, quoniam & hic artem tuam exerces, nec formolos iftos negligis. SOC. Quid enim aliud, quod quidem fuavius fit, agerem? Sed huc propius nobiscum recumbe, si videtur. M E N. Non, per Jovem. Ad Cræfum enim & Sardanapalum adeo, propè illosha-Videor non pauca ridenda habitaturus. biturus, cum plorantes illos audiam. ÆAC. Et ego quoque jam abeo, nè quis mortuorum clam nobis aufugiat. Pleraque autem alia videbis, Menippe, quando iterum conveniemus. ME N. Abeas licet, nam & hæc, Æace, vidisse sufficit.

> Dialogus 24. Menippi & Cerberi.

MEN. H Eus Cerbere, quandoquidem mihi tecum cognatio quædam intercedit, cùm & ipfe fim canis, die mihi per Stygem qualis effet Socrates, cum huc descenderet? Verifimile est autem te, Deus cum sis, non latrare D modò,

modò, verùm etiam humano more loqui fi quando velis. MER. Cum, proci adhuc abellet, Menippe, vifus est conflan ti atque imperterrito adire vultu; perinde quafi mortem nihil omninò formidare, tanquam hoc ipsum vellet iis qui proculi specus ingressu stabant, oftendere: verum fimul atque despexit in hiatum, viditque caliginem hanc, simúlque ego cunctanten illum aconito mordens, pede correpum detraxi; infantium ritu ejulabat, suosque deplorabat liberos, nihilque non faciebat in omnem speciem sele convertens. MEN. Num igitur ille erat sophista, neque ver mortem contemnebat? CER. Haud vere, cæterum ubi vidit id esse necesse, audiciam quandam præ se ferebat, quasi verò volens id effet passurus, quod alioqui volenti nolenti tamen omninò fuerat ferendum, videlicet, quò spectatoribus esset miraculo. Equidem illud in totum de viris istiusmodi verè possem dicere, ad fauce usque specus intrepidi sunt ac fortes, porrò intus cum funt, nihil mollius neque fractius. MEN. Cæterum ego quonam animo tibi visus sum subiisse specum? CER. Unus mortalium, Menippe, defcendisti, ut tuo dignum erat genere; & prior te Diogenes, propterea quod neutiquam coacti, nec intrusi intrastis, verum ultronei, ridentes, atque omnibus plorate renunciantes.

1

## Charontis & Menippi.

CHA. R Edde naulum sceleste. MEN. Vociferare, fi quidem ifthuc tibi voluptati est Charon. CHA. Redde, inquam, quod pro trajectione debes. MEN. Haudquaquam auferre queas ab eo qui non habeat. CHA. An est quifpiam, qui nè obolum quidem habeat& ME N. Sitne alius quispiam præterea, equidem ignoro, ipse certe non habeo. CHA. Atqui præfocabo te, per Ditem, impurissime, ni reddas. MEN. At ego illifo baculo tibi comminuam caput. CHA. Num ego te tam longo trajectu gratis transvexero ? ME N. Mercurius meo nomine tibi reddat, ut qui me tibi tradiderit. MER. Bellè mecum agatur per Jovem, fiquidem futurum est, ut etiam defunctorum nomine persolvam. CHAR. Haud omittam te. MEN. Quin igitur vel hujus gratia perge, ut facis, navim trahere, quanquam quod non habeo, quinam auferas? CHA. At tu nesciebas, quid tibi fuerit apportandum? MEN. Sciebam quidem, verum non ha-Quid igitur? ideóne mihi non erat moriendum? CHA. Solus ergo gloriaberis te gratis fuisse transvectum? MEN. Haud gratis, ô præclare, fiquidem & sentinam exhausi, & remum arripui, & vectorum orunium unus pon eiulavi. CHA. Ista nihil ad naulum, obolum reddas oporter, neg; enim fas est secus

fieri. MEN. Proinde tu me rurfum in vitam revehe. CHA. Bellè dicis, nimirum ut verbera etiam ab Æaco mihi lucrifaciam. MEN. Ergò moleftus nè fis. CHA. Oftende quid habeas in pera. MEN. La pinum fr velis,& Hecatæ cœnam. CHA. Unde nobis hunc canem adduxifti, Mercuri?tum qualia garriebat inter navigandum?vectores omnes irridens, ac dicteris incessens, & folus cantillans, illis plorantibus. MER. An ignoras, Charon, quemyirum transvexeris? plane liberum, cuique nihil omninò curæ fix. Hic est Menippes. CH A. Atqui fi unquam posthac te recepero-MER. Si receperis? ô praclare, bis quidem recipere non possis.

#### Dialogus 25. Diogenis & Mausoli.

DIO. He tu Car, quare tam info lens es, téque dignum censes qui nobis omnibus anteponare? MALL Primum regni nomine, ô Sinopenfis, quippe, qui Cariæ imperaverim univerta, præterea Lydiæ quoque gentibus aliquot, rum autem & infulas nonnullas fubegerim, Miletum ufque pervenerim, plerifq, Ioniæ partibus vaftatis. Ad hæc formolis eram ac procerus, ac bellicis in rebus prævalidus. Postremò, quod est omnium maximum, in Halicarnasso monumentum erectum habeo, fingulari magnitudine, quantum videlicet defunctorum alius nemo possidet neque pari etiam pul-

pulchritudine conditum, viris scilicet atque equis, pulcherrimo è faxo, ad vivani formam absolutissimo artificio expressis, adeo-ut vel fanum aliquod fimile haud facile quis inveniat. Num injuria ribi videor has ob res mihi placere atque efferri ? D I O G. Num ob imperium, ais, ob formam, atque ob fepulchri molem? M A U. Per Jovem ob hae, inquam. D I-OG. Arqui, ô formole Maufole, neque vires jam illæ, neque forma tibi jam adest, adeo ut si quem arbitrum de formæ pracellentià delegerimus, haudquaquam dicere potis fit, quamobrem tua calvaria mez fit anteferenda, fiquidem utraque pariter tum calva, tum nuda, utrique dentes pariter oftendimus, pariter oculis orbati fumus , pariter naribus fimis ac furfun hiantibus deformati. Cæterum sepulchrum ac faxa illa pretiofa Halicarnaffeis forfiran jactare licebit, & hospitibus gloriz causa ostentare, tanquam qui magnificam quandam apud se structuram habeant; verum quid hinc commoditatis ad te redeat, vir egregie, nequaquam video, nisi forsan illud commodum vocas quod plus oneris args nos sustines, sub tam ingentibus saxis preffus. MAU. Itane nihil illa mihi conducunt omnia, planéque pares erunt Maufolus ac Diogenes? DIO. Imo haud pares, inquam, vir clarissime, nam Mausolus discruciabitur, quoties earum rerum in mentem venier, quibus in vita florere consucvit,ac Diog. interim eum ridebit. Atq; illi quidem de suo illo monumento, quod est in Halicarnasso memorabit, ab uxore Arte-D 3 mifià -- missa atque sorore parato; contrà Diogenes ne id quidem suo de corpore novit, nunquid habeat sepulchrum? Neq; enimilis res ea curæ est, verùm apud viros excellentissimos sui memoriam famamque resiquit, ut qui vitam peregerit viro dignam, tuo monumento, Caran abjectissime, celsiorem, ac tutiore in loco substructam.

12

dis

lic

ha

co

te

T

f

#### Dialogus 27. Nirei, Thersita, & Menippi.

F Cce, profecto, Menippus hic judex erit, uter nostrûm sit formofior. Die Menippe, an non tibi videor forma præstantior? MEN. Imo quinam fitis, priùs arbitror judicandum; nam hoc opinor, scitu est opus. NIR. Ni reus ac Therfites. MEN. Uter Nireus, uter Therfites; Nondum enim vel hoc fatis liquet. THE R. Jam unum boc vinco, quod tibi sum similis, neque tantopere me præcellis, quantopere te cæcus ille Homerus extulit, unum omnium formosissimum appellans, quin ego fastigiato vertice, rarifque capillis, nihilo te inferior visus sum arbitror. Jam verò tempus est, uti pronuncies, Menippe, utrum altero formofiorem æstimes. NIR. Mirum ni Aglaia Charopéque prognatum, qui vir pulcherrimus unus omnibus è Graiis Ili-MEN. Atqui non item sub um veni. terram opinor, pulcherrimus venisti, verum ossa tua aliis sunt similia, porrò calvaria

varia hoc uno infigni à Therfitæ calvaria dignosci possit, quòd tua delicata est; molficulam enim ac neutiquam virilem hanc habes. N I R. Attamen Homerum percontare, qua specie tunn suerim, còm inter Græcorum copias militarem. M E N. Tu quidem somma mini narras, at ego ca specto, quæ video, quæque tibi adsunt in præsenta; cæterum ista nôrunt, qui id temporis vivebant. N I R. Quid igitur tandem? an non ego formosior, Menippe? M E N. Neque tu, neque quisquam alius formosus hoc loco, siquidem apud Inseros æqualitas est, paresque sunt omnes. T H E R. Mihi quidem vel hoc sat est.

# Dialogus 28.

MEN. F Quidem inaudivi, Chiron, te Deus cum esses, tamen optasfe mortem. CH I. Vera ifta audifti, & Menippe, planéque mortuus fum, ficuti vides, cum mihi licuerit immortalem effe. MEN. At quænam te mortis cupido tenebat, rei vulgo nimirum inamabilis? C H I. Dicam apud te, virum non imprudentem. Non erat mihi amplius jucundum immortalitate frui-MEN. Quid? an injucundum erat vivere, lucémque tueri ? CHI. Erat, inquam, Menippe, nam quod jucundum vocant, id ego neutiquam fimplex, fed varium quiddam esse arbitror. Verum cum ego sem-DA. per.

per viverem, iifdémque fruerer, fole, luce, cibo, tum horæ eædem recurrerent, reliqua item omnia, quæcunque continguntin vita, reciproco quodam orbe redirent atq; aliis alia per vices succederent, satiens videlicet eorum me cepit. Neque enimin eo voluptas est sita, fi perpetuò fruaris fisdem, sed omnino in permutando posita eft. MEN. Probe loqueris, Chiron. Verum quo animo fers ea, quæ apud Inferos habes, posteaquam ad hac tanquam ad potiora te contulifti ? CH I. Haud suaviter Menippe, fiquidem æqualitas ipfe quoddam habet admodum populare. Nihil auteminterest, utrum in suce quis agat, an in tenebris. Præterea neque fitiendum est nobis quemadmodum apud superos, neg; esuriendum; sed ejusmodi rerum omnium egentià caremus. MEN. Vide Chiron nè tibi-ipfi contradicas, néve côdem tibi recidar oratio. CHI. Quamobrem isthuc ais? MEN. Quoniam si illud tibi sastidio suit, quod in vita semper iisdem similibusque rebus utendum erat, cum hic itidem fimilia fint omnia, eundem admodum parient fastidium, at de integro tibi quærenda erit vitæ commutatio, atque hinc quopiam aliam in vitam demigrandum, id quod arbitror fieri non posse. CHI. Quid igitur faciendum, Menippe? MEN. Illud nimirum, ut sapiens cum sis, quemadmodum opinor, & vulgo prædicant, præsentibus rebus fis contentus, bonique confulas quod adolt, neque quicquam in his esse putes, quod ferri non queat.

Diogenis, Antifibenis, & Cratitis.

DIO. O Cium nunc agimus, Antisthenes & fu Crates : quare, cur non obsecro imus deambulatum, rectà ad ingressum & fauces orci, ut ibi spectemus eos, qui descendunt, quinam fint, & quid quifque corum agat? ANT. Eamus Diogenes, Etenim spectaculum hoc jucundum fuerit, videre alios quidem ipforum lacrymari, alios autem, ut dimittantur, supplicare : quosdam autem ægrè descendere, & quanquam cervicem urgente ac impellente Mercurio, reluctari tamen, & resupinos obniti, nullà neceffitate aut commodo suo. CRA. Ego verò etiam exponam vobis, quæ ipse vidi in via, quando huc descendebam. DIO. Expone, Crates, videris enim quadam omuino rifu digna dicturus esse. CRA. Tum alii multi nobiscum descendebant, tum verò inter ipsos maxime nobiles. Isinenodorus ille dives, ex nostris, & Arsaces Medorum prafectus, & Orœtes Armenius. Ifmenodorus igitur ( occifus enim fuerat à latronibus circa Cithæronem, quando Eleufinem, ut arbitror, proficiscebatur ) & gemebat, & vulnus in manibus par le ferebar, liberos suos parvos, quos reliquerat identidem vocando, fibique ipfi ob audaciam succensendo, qui cum Cithæronem transiffet, ac illa loca circa Eleutheras deserta, ac bellis vasta-D.5 13od

ta peragraffet, non amplius quam due fervos fecum adduxifet, idque etiam cum phialas quinque aureas, & cymbia quatur fecum haberet. Arfaces autem (fenior enim jam erat ) &, per Jovem, pro Bar. barico illo ritu, facie non adeò inhonefa. graviter ferebat atque indignabatur, quod pedibus incederet, volebátque fibi equan fuum adduci. Nam & equus unà cum to mortuus fuerat, una plaga ambobus transfosfis à Thracensi quodam scutato, in e prælio, quod cum rege Cappadocum ad Araxem fluvium commissum fuerat. Nam Arfaces quidem infesto cursu in hosten ferebatur, longe, ut quidem ipse nambat, ante alios evedus. Thrax auten expectato illo subsistens, ac scutum pra se tenens, venientem Arfacis hastam excutiendo divertit, ipse autem submissa parumper sarisa sua, & equum & insidertem illum transverberat. A N T. Sed quo pacto fieri potuit, Crates, ut um ich ambos transverberaret ? CRAT. Facillime, Antift. Namaille quidem cufu ferebatur, contum quendam viginti-abitalem prætentum habens; Thrax auto ubi pelta objecta plagam excustisset, k jam cuspis ipsum præterveda esset, ingenu procumbens excipit sarisa venientis impetum, ac equum sub pectus vulnera, quo mox præ furcre ac vehementià curfus seipsum transadigente eadem hasta etiam Arfaces per inguina utring; ad mtes usque penetrante, transfoditur. Intelligis nimirum quo pacto acciderit, cùm non viri, sed equi magis hoc opus fuerie Verun-

Veruntamen indignabatur ille, quòd non ampliore honore quam cæteri habebatur, volcharque eques descendere. Orcetes autem privatus quispiam erat, atque admodum debilis pedibus, quippe qui neq; flare humi, nedum incedere ullo modo poterat. Accidit autem hoc prorsus Medis omnibus, ut postquam ab equis descenderint, veluti qui super spinas ingrediuntur, fummis pedum digitis, vix atque ægrè incedant. Quamobrem, cum per seipium humi dejectus jaceret, neque ullo prorfum pacto refurgere vellet, bonus ille Mercurius sublatum in se hominem ad cymbam ufque portavit, ego verò fequens ridebam. ANT. Et ego porrò quando huc descendebam, neque admiscui meipsum cateris, sed relictis plorantibus illis, ad cymbam accurrendo, praoccupavi mihi locum, quo commodiùs navigarem. Inter navigandum verò, alii quidem lacrymabantur, alii autem nauscabant, ego verò inter ipsos sedens admodum oble-Cabar. DIOG, Tu quidem, Catres, & ni Antisthenes, hujusmodi sortiti estis itineris comites. Mecum autem Blepfias ille fœnerator, ex Pirao, & Lampis Acarnan, qui mercenarios milites ductaverat. & Damis dives ille Corinthius, Imul descendebant. Quorum Damis quidem à puero veneno interemptus fuerat, Lampis autem seipsum jugularat, Blepsias vero fame miser periisse dicebatur, & apparebat sanè adhuc pallidus supra modum ac tenuis maxime. Ego verò, quanquam antea nôram, interrogabam tamen quo pado

Ni

na

21

tra

re

00

ta

er

t

No quisque mortuus esset. Ac Damidi quidem accusanti filium, non injustave. rò, inquam, passus es ab illo, qui talenta cum haberes coacervata mille, ac infe in deliciis viveres, annos 90. natus, adolescenti illi 18. annos nato, quatuor obolos suppeditabas. Tu verò Acarnan, (gemebat enim & ille, ac devovebat Myrti. um ) quid amorem incufas & non potius te. ipfum?qui hoftes quidem haud unquam perhorrueris, sed te ultro periculis offerendo, ante alios in prælium descenderis à puellà verò vulgari illà, fictisque lacrymis ac fuspiriis generolus ipse tu capus fueris. Nam Blepfias quidem ipfe fefe accufar, ob nimiam stultitiam, quod pecuniam videlicet custodierit hæredibus nulla neceffitudine fibi conjunctis, dum in perpetuum victurum esse vanus ipse se putat. Verum mihi quidem non vulgarem voluptatem præbuerunt tunc lamentantes isti. Sed jam circa fauces fumus. Aspicere nos illuc oportet, atque alongè contemplari advenientes. Papæ, multi certè, & varii, omnesque lacrymantes, præter recens-natos istos & infantes. Quin & ætate nimiå confecti illi lugent. Sed quid hoc? num philtro aliquo vita tenentur? Istum igitur decrepitum interrogare lubet. Quid ploras heus tu, tam provectà ætate mortuus? Quid indignaris bone vir, præsertim cum fenex huc adveneris? Eccubi rex fuifti? MEND. Haudquaquam. DIOG. Verùm fatrapa? MEND. Neg; hoc. DIO. Num igitur dives fuifti, ideoque male te haber, quod relictis multis deliciis ac voluptatibus

Inpratibus mori coactus fueris? MEND. Nihil tale, sed annos quidem circiter nonaginta natus fui, vitam autem difficilem egi, arundine & linea victum quæritans, ultra modum egenus ac pauper, liberis carens, & præterea claudus quoque, & parim oculis videns. DIO. Et vivere cupiebas cum ralis esses ? MEND. Certè quidem; dulcis enim erat lux, mori autem grave & horrendum. DIO. Deliras, ô fenex, & juveniliter te geris erga necessitatem, & hoc, cum fis aqualis portitoris hujus. Proinde quid jam de adolescentibus dicamus, quando etiam decrepiti isti tantopere vivere cupiunt, quos decebat infam mortem etiam confectari, tanquam remedium quoddam eorum malorum quæ secum fert senoctus? Sed abeamus jam, ne quis & nos suspicetur tales esse, qui hinc aufugere cupiamus, quando circa fauces hic nos oberrare viderir.

## Dialogus 30.

Ajacis & Agamemnonis.

AGA. SI tu, dum furore correptus fuifli, Ajax, te-ipfum interfecifli,
nosq; omnes membratim concidere putâfli, quid, Ulyssem accusas? Ac paulo antè neque aspicere ipsum voluisti, cum venisset hue vates consulturus, neque alloqui dignatus es virum commilitonem ac
socium; sed superbè admodum ac grandi
incedens gressu, prateriisti. A J A X.
Meritò Agamemnon. Ille enim mihi suroris hujus autor extitit, ut qui

folus mecum pro armis judicio contenden aufus fuerit. AGA. An verò dignum censebas te, qui absque adversario, absq: pulvere, ut dicitur, superares omnes! A J A. Quid ni? in tali utique caufa Nam armatura ca cognationis quodam ja re ad me pertinebat, cum fratris mei patruelis certe fuerit. Deinde vos cateri, qui multò quam ille prastantiores eratis, de trectaftis certamen, & concessifis mihi certaminis pramia. Iste autem Lacriaf. lius, quem ego sape in summo periculo scrvavi, cùm jam à Trojanis propè concideretur, melior me esse voluit, ac dignier qui armis illis potiretur. A G A. Acensa igitur, ô generale, Thetim, quæ cum tibi debuiflet armorum successionem a hareditatem, utpote cognato, tradere,in medium allara posuit ca. A J A. Haudquaquam, sed Ulyssem, ut qui solus see mihi oppoluerit. A G A. Ignoscendum, & Ajax, eft, fi homo cum effet, apperitir gloriam, rem dulciffimam, cujus gratia etiam nostrûm quilibet obire pericula sustinet, pracipuè quando & vicit te poste, & hoc, Trojanis ipfis judicibus AJA. Novi ego qua me damnârit, sed fas non est de Diis aliquid dicere. Ulyssem igitur alivd quam odiffe non possum, Agamemnon, non si ipia mihi Minerva hoc imperet.

Dialogus

ti f

## Dialogus 31.

## Minois & Sostrati.

MIN. pRædo hic quidem Softratusin Pyriphlegethontem præcipiaretur; facrilegus autem ille à chimara discerpatur; Tyrannus vero iste, Mercuri, juxta Tityum in longum extentus, arrodendum, & ipse hepar præbeat vulturibus. Vos autem boni ac probi abite quam celeriter in campum Elyfium, infuláfque beatorum habitate, pro iis, quæ recte ac justè in vita secistis. SOST. Audi ô-Minos, num tibi justa dicere videar? MIN. An ego denuo nunc audiam? an non convictus es, Sostrate, quod & malus fueris & tam multos occideris ? SOS T. Convictus quidem fui, sed vide, num juste ob id supplicio afficiar? MIN. Atque admodum, fi modo id justum est, pro merito quemque suo pœnam rependere. SOST. Attamen responde mihi,ô Minos. Breve enim quiddam interrogabo te. MIN. Dic, modò non prolixè, quò deinceps in cateros dijudicare poffimus. S O S T. Quæcunque in vita egi, utrum volens ea feci, an ità à Parcis demihi fuit ? MIN. A Parca scilicet. SOST. Proinde & boni pariter omnes, & nos, qui mali videmur, eadem agimus, dum illi obsecundamus. MIN. Ità profecto, Clotho videlicet illi parentes, quæ unicuique injungit, cum primum natus est, quæ agenda ipsi funt. funt. S O. Si quis igitur vi compulius ab alio,occiderit aliquem, cum non possit illi contradicere, à quo compescitur ; ut, verbi gratia, fi carnifex, aut fatelles quispiamal. ter judici parendo, alter tyranno, quemman cædis istius reum ages? M I. Liquet reum agendum judicem aut tyrannum. Quonian neg; ipsum gladium accusare possumus, subfervit enim hic, tanquam instrumentum quoddam, animis arq; furori accombodans illius qui primo caufam hanc prabuit \$0. Refte fane, ô Minos, laudo quod haceriam exemplo, quafi quoda auctario locupletas. Si quis aute, mittente hero, veniat iple, aurum vel argentum afferens, utri nam ei gratia haberi debet, aut utri beneficiù hoc acceptum referendum est? MI. Ei qui misit, Softrate, nam ille qui attulit minister taptum fuit. SO. Videfne igitur, quam injusta facis, dum supplicio afficis nos, qui ministri tantum suimus corum, quæ Clotho nobis imperavit? & rurfum, dum honore profequeris eos, qui in alienis bonis veluti dispensatores quosda sese gesserunt. Non enim illud dicere quisquam poterit, quod contradicere, aut imperata detrectare liciti fuerit in iis, quæ cum omni prorfum viac necessitate imperata fuere. MI. Multa, 6 Sostrate, & alia videas licet, minimè secundùm rationem fieri, si diligenter expendas. Veruntamen tu ex hac quastione hoc boni consequéris, quandoquidem non prædosohim, verum etiam Sophista quida esse videris. Solve ipsum Mercuri, néve deinceps ampliùs puniatur. Cæterum illud vide, nè& cæteros manes fimilia interrogare doceas. Dialogus.

Me

liu

ha

in

A

d

## Dialogus 32.

Menippus sau Necyomantia. Menippus, Poilonides.

MEN. S Alve atrium, domufque ve-Aibulum mea, ut te lubens asbicio luci redditus ! PHI L. Nonne hic Menippus est canis ille? Non hercle alius, nisi ego fortè ad Menippos omnes hallucinor. Ac quid fibi vult habitus hujus infolentia, clava, & lyra, & leonis exuviz? Adeundus tamen est. Salve Menippe, unde nobis advenisti? din est quod te in urbe non vidimus. MEN. Venio relictis manium focu, & nigris portis, ubi Orcus incolitur superis procul. PHIL. O Hercules, clam nobis Menippus vità functus est, revixitque denuò. M E N. Non, sed me adhuc vivum recepit Tartarus. PHIL. Quænam causa tibi fuit novæ hujus atque incredibilis peregrinationis? MEN. Juventa, magisque juvenis animus me impulit. PHIL. Sifte, ô beate, Tragica, & ab Iambis descendens, sic potius simpliciter eloquere, quænam hæc vestis, quæ causa tibi itineris inferni fuit, cum alioqui neque jucunda, neque delectabilis fit via? MEN. Res, dilecte, gravis me infernas egit ad umbras, Consulerem manes ut vatis Tirefiai. PHIL. Heus tu, atqui deliras, alioqui non hoc pacto caneres apud amicos confarcinatis verfibus.MEN. Ne mi-

reris, amice, nuper enim cum Euripiden. que Homero versatus, nescio quo patto verfibus fic impletus fum, ut numeri mihi in os fua sponte confluent. Verum die mihi quo pacto res humanæ hic se habent in terris? & quidnam in urbe agitur? PHIL. Nihil novi. Sed quemad. modum priùs actitabant, rapiunt, perrant, fœnerantur, ufuras colligunt. ME. NIP. O miseri arque inselices ! No. fciunt enim qualia de nostris rebus nuper apud Inferos decreta funt, qualéfque forte jacti funt in divites istos calculi, quos per Cerberum nullo pacto poterunt effigere. PHIL. Quid ais? Novi ne aliquid apud Inferos nostris de rebus decretum est? MEN. Per Jovem, & quiden multa, verum prodere non licet, neque arcana quæ funt, revelare, nè quis fonè nos apud Rhadamanthum impieratis accufet. P H I L. Nequaquam, ô Menippe, per Jovem, nè invideas sermones amico, Nam apud hominem tacendi non ignarum & initiatum præterea sacris edisseres MEN. Dura profecto jubes, & neuriquam tuta, verum tua gratia tamen auderdum est. Decretum est ergò, divites istos ac pecuniofos aurum tanquam Danaen fervantes abstrusum-

2. PHI L. Ne prius, o bone, que funt decreta dixeris, quam ea percurras omnia, que abs te audire libentiffime ve lim. Qua videlicet descensus causa fuerit, quis itineris dux, deinde ex ordine, & que illic videris, & que audieris omnia. Verifimile est enim te, cum res pulchras vi

dendi

dendi

præte

in his

te am

diam

feenfi

adhu

rum

marra info

dult

plici

bon

ga e

lem

ruri

mil

dus par

qu

m

pe

id

C

p

dendi curiofus fis, corum quæ vifu aut auditu digna videbantur, nihil omnino prætermifisse. MEN. Parendum etiam mhis tibi est Nam quid facias, urgenre amico ? Ac primum fanè tibi expediam, quæ res animum meum ad hunc descensum impulerit. Ego igitur, cum adhuc puer essem, audiremque Homerum arque Hefiodum, seditiones ac bella narrantes non femideorum modò, fed & ipforum etiam Deorum adhuc verò, & adulteria eorum & violentias,, rapinas, supplicia, patrum expulsiones & fratrum, fororum nuprias, hæc mehercule omnia bona pulchraque putabam, & studiosè ersa ea afficiebar. Postquam verò in virilem jam ætatem pervenirem, hic legesrursus jubentes audio Poetis adprime contrarias, neque videlicet adulteria committere, neque seditiones movere, neque rapinas exercere. Hic igitur hæsitabundus constiti, incertus omninò quo me pacto gererein. Neque enim Deos unquam putavi mœchaturos, aut seditiones invicem fuisse moturos, nisi de his rebus perinde ac bonis judicâllent. Neque rurhis legum-latores his adversa justuros, nifa id conducere existimarent.

3. Quoniam igitur in dubio cram, vifum est mihi hos adire qui Philosophi vocantur, atque his me in manus dedere, rogaréque uti me utcunque liberet, utetentur, vitæque viam aliquam simplicem
ac certam ostenderent. Hæc igitur mecum reputans ad eos venio, imprudens
prosecto, quòd me ex sumo ( ut aiunt) in
flammam

cunia

divit

merc

mor

riam

fuz

lupt

octili

libe

ipe

que

me

Sup

fen

de

ter

ali

ce

de

da

ill

re

h

n

1

flammam conjicerem. Apud hos enimm xime diligenter observans summam repo verbi ri ignorantiam, omniáque magis incerna EDS adeò ut præ his illico mihi vel idiotarin vita jam aurea videretur. Alius etenin foli me justit voluptati studere, atque al eum scopum universum vitæ cursum din gere. In eo ipsam fitam esse felicitaten Alius rurfus omninò laborare, corpuique fiti, vigiliis, ac squalore subigere, miles semper adfectum, contumelissque obroxium assidue, Hesiodi sedulo inculan celebria illa de virtute carmina, & fi dorem videlicet, & acclivem in verticen montis ascensum. Alius contemnere je bebat pecunias, earumque possessiones indifferentem putare. Alius contra be nas iplas etiam divitias effe pronunciabat. De mundo verò quid dicam? de que ideas, incorporeas substantias, atomos, k mane, ac talem quandam repugnanius invicem nominum turbam indies audie bam, & quod absurdorum omnium maximè fuit absurdissimum, de contrariis unuf quisque cum diceret, invincibiles admodum & probabiles fermones adferebat, u. nec ei qui calidum, nec ei qui frigidum idem prorsus esse contenderent, contra quicquam hiscere potuerim, atque id,cim tamen manifeste cognoscerem fieri nunquam posse, ut eadem res calida fimal frigidaque fit. Prorfum igitur tale quiddan mihi accidebat, quale folet dormitantibus, ut interdum capite annuerem, interdum contrà abnuerem. Præterea quod multo erat iftis abfurdius vitam corum diligenter objec

observans, comperi cam cum ipsorum verbis praceptisque summopere pugnare. Eos enim qui spernendam censebant pecuniam, avidiffimè conspexi colligendis divitiis inhiare, de fœnore litigantes, pro mercede docentes, omnia denique nummorum gratia tolerantes. Ii verò qui gloriam verbis aspernabantur, omnem vitæ fuz rationem in gloriam referebant. Vo-Juptatem rurfus omnes ferme palain incellebant, clanculum verò ad eam folam libenter confluebant. Ergo hac quoque spe frustratus magis adhuc ægre moletteque tuli. Aliquantulum tamen inde memet consolabar, quod unà cum multis& sapientibus & celeberrimis infipiensque efsem, atque verè adhuc ignarus oberrarem.

4. Pervigilanti mihi tandem, atque hi ce de rebus mecum cogitanti, venit in mentem, ut Babylonem profectus, Magorum aliquem ex Zoroastri discipulis ac successoribus convenirem. Audieram fiquidem cos inferni portas carminibus quibusdam ac mysteriis aperire, & quem libuerit, illuo tutò deducere, ac rurfus indè reducere. Optime ergo me facturum putavi, fi cum horum quopiam de descensu paciscens, Tirefiam Bœotium consulerem, ab eog; perdiscerem (quippe qui vates fuerit, & sapiens ) quæ vita fit optima, quámque sapientissimus quisque potissimum elegerit. At statim quidem exfiliens quàm poteram celerrime Babylonem rectà contendi. Quò cùm venio, diversor apud Chaldaorum quendam hominem certè sapientem, atq; arce mirabilem, comà quidem canum, admo-

nom

dem

lyffe

ica ,

aut 1

NIP

ac n

ifti

feen

ret,

lere

utp

emi

in

mu

CY1

um

po

80

in

de

de

qu

qu

0

¥

d

fi

admodúmque promissa barba venerali lem, nomen autem illi fuit Mitrobe zanes. Orans igitur obsecransque vixo oravi, ut quavis mercede vellet, in i Jamme viam deducerer. Suscipiens w ro me vir, primum quidem dies noveme viginti cum luna fimul incipiens ablu ad Euphratem, manè solem Oriente versus perducens, ac sermonem quempi am longum muffitans, quem non admo dum exaudiebam. Nam ( quod in conmine præcones inepti folent ) volume quiddam atque incertum proferebat, if quod quosdam visus est invocare dame nes. Post illam igitur incantatione ter mihi in vultum spuens rediit rnrsus, o culos nusquam in obvium quendam de flectens. Et cibus quidem nobis elades erant, potus autem lac atque mulim, & Choaspi lympha, lectus verò in hera sub dio fuit. At postquam jam praparti satis hâc diæta sumus, medio noctissilentio ad Trigridem me fluvium duces, purgavit fimul atque abstersit, sacéque histravit ac squilla, tum pluribus itiden aliis, & magicum fimul illud carmen fubmurmurans, dein totum me jam incantans, ac nè à spectris læderer, circumiens, reducit domum, ità ut eram, reciprocantem, ac reliqua noctis parte navigationi nos præparavimus. Iple igitur magicam quandam vestem induit, Medorum vesti ut plurimum simi-1em, ac me quidem his quæ vides, ornavit, clavâ videlicet, leonis exuviis, atque insuper lyra. Justit præterea ut nomen nomen fi quis me roget, Menippum quidem nè dicerem, fed Herculem, aut Ulyssem, aut Orpheum. P H I L. Quid ità, O Menippe? neque enim causam aut habitûs, aut nominis intelligo. ME-NIP. Atqui perspicuum id quidem est, ac neutiquam arcanum. Posteaquam enim isti ante nos ad Inseros olim vivi descenderunt, putavit, si me his assimularet, fore ut facilius Æaci custodias fallerem, atque nullo prohibente transierem, atpote notior tragico admodum illo cultu emissis.

5. Jam igitur dies apparuit, cum nos in flumen ingressi in recessium incumbimus, parata fiquidem ab illo fuerant, cymba, facrificia, mulfa, & in id mysterium denique quibuscunque opus erat. Imponentes ergò omnia præparata, ità jam & ipfi ingredimur triftes, lacrymifque implemur obortis. Atqui aliquantisper quidem in fluvio ferimur, deinde in paludem delati fumus, ac lacum quendam, in quem Euphrates conditur. Tum hoc quoque transmisso, in regionem quandam pervenimus folam, fylvofam atque opacam, in quam descendentes (præibat verò. Mithrobarzanes ) & puteum effodimus, & oves jugulamus, & foveam fanguine conspergimus. At Magus interim accensam sacem tenens, haud amplius jam fummisso murmure, sed voce quam poterat maxima clamitans, damones fimul omnes convocat, Pœnas, Erinnyes, Hecaten nocturnam, excelsamque Proserpinam, simúlque polyfyllaba quædam nomina barbara

Ex

ai í

ceba

licar

hom

tiun

tore

pod

ferr

to.

nja

ne

ten

tor

ven

dic

ifta

cor

N.

fur

que

VII

mo

ve

gr

sè

leg

fu

ta

re

20

b

bara atque ignota commiscet. Statime. go tremere omnia, & rimas ex carmine folum ducere, ac procul Cerberi larratus audiri, & jam res plane triftis fuira moefta. Umbrarum at timuit rex imis fedi. bus Orcus. Ac protinus quidem inferorum patebant pleraque, lacus Pyriphle. gethon, ac Plutonis regia. Tum per illun descendentes hiatum, Rhadamanthum propemodum metu reperimus extinctum. At Cerberus primum quidem latrabat, commovitque sese. At cum ego lyram celenimè correptam pulsaffem, cantu flatim 6pitus, obdormivit : deinde posteaquama lacum venimus, tranare ferè non licuit Tam enim onustum erat navigium, & ejplatu certè plenum. Vulnerati quippe inco navigabant omnes, hic femur, ille aput, alius alio quopiam membro luxatus, usque adeo, ut multi certè ex bello quopiam adesse viderentur. At optimus Ch. ron, cum leonis videret exuvias, esse mentus Herculem, recepit, tránsque vexit libens, tum exeuntibus quoque nobis monstravit semitam.

6. Sed quoniam jam eramus in tenebris, præcedit quidem Mithrobarzane, ego autem à tergo continuus illi come adhæreo, quoad in pratum maximum pervenimus afphodelo confitum, ubi certe circumfuße undique mortuorum fitidula non fequuntur umbræ. Tum paulo procedentes longiùs, ad ipfum Minois tribunal accellimus. Erat ipse quidem in folio forte quodam fublimi fedens. Aftebant autem illi Pænæ, mali Genii, Furiz.

Ex altera parte plurimi quidam addudi funt ex ordine longo fune vindi. Dicebantur autem adulteri, lenones, publicani, adulatores, sycophantæ, ac talis hominum turba quodvis in vita patrantium. Scorfim autem divites ac fœneratores prodibant, pallidi, ventricofi ac podagrici, quorum quisque vinctus erat, ferri pondere duorum talentorum impolito. Nos igitur astantes, & quæ fiunt omnia conspicimus, & quæ pro defensione dicuntur auscultamus. Accusant autem novi quidam atque admirabiles Rhetores. PHI. Quinam ergò hi, per Jovem, funt, ac nè istuc quidem te pigeat dicere? M.E.N. Umbras nê unquam istas nôsti, quas opposita soli reddant corpora ? PHI. Omnino fanè. ME-NIP. Hæ nos igitur cum primum functi vità fumus, accufant, testantur, atque redarguunt, quicquid in vita peccavinus, & sanè quædam ex his dignæ admodum fide videntur , utpote nobiscum versatæ semper nostrisque nusquam digressæ corporibus. Minos igitur curiosè quemlibet examinans, impiorum relegebat in cœtum, pænas ibi sceleribus fuis dignas luiturum. In hos præcipuè tamen incenditur, quos opes, dum viverent, ac dignitates inflaverant, quique adorari se ferè expectabant, nimirum brevi perituram eorum superbiam fastúmque detestatus, quippe qui non meminisfent mortales ipfi cum fint, sese bona quoque mortalia consequutos. At nunc splendidis illis omnibus spoliati, divitiis inquam gene-

omn rum

qui

tes 1

trah

resp

déc

olin

At

teb

cru

tur

giù

niti

tun

bat

pun

mu

am

tri

los

me

& i

co

dis

ad

fin

te

CO

lú

Ve

00

26

0

1

omnes

genere, imperiis, nudi ac vultu demillo steterunt, tanquam somnium quoddam, humanam hanc felicitatem recogitantes adeò ut hæc dum conspicarer nimis quam delectatus fuerim. Et si quem eorum fortè agnoveram, accedens quietè, aliquo modo submonui qualis in vita fuerat, quantoperéque fuerat inflatus, tum cum plurimi manè fores ejus obfidentes, pulfi interim exclusique à famulis, illius expectabant e gressum. At ipsi vix tandem illis exoriens, puniceus, aureus, aut verficolor, felices ac beatos se facturum falutantes putabat, fi pectus dexterámve porrigens, permittere osculandam. Illi verò audientes ista molestè ferebant.

7. At Minos quiddam etiam judicavit

in gratiam. Quippe Dionyfium Sicilia tyrannum, multis & atrocibus criminibus, & à Dione accusatum, & gravi Stoicorum testimonio convictum, Cyrenzus Aristippus interveniens ( nam illum valde suspiciunt Inferi, ejusque plurimum ibi valet autoritas ) fermè jam Chimara alligatum absolvit à pœna, asserens illum eruditorum nonnullos olim juville pecuniâ. Tum nos à tribunali discedentes, ad supplicii locum pervenimus. Ubi amice, multa & miseranda audire simul ac spectare licuit. Nam simul ac tlagrorum fonus auditur, & ejularus hominum in igne flagrantium, tum rotæ & tormenta, catena; Cerberus lacerat, & Chimæra dilaniat, cruciabantúrque pariter omnes, reges, servi, satrapæ, pau-

peres, divites, mendici, & jam scelerum

onnes poenitebat. Et quosdam quidem eorum, dum intuemur, agnovimus, videlicet qui nuper è vita discellerant. At hi pudentes sese time occulebant, nostroque subrashebant aspectui, aut si nos aliquando respiciebant, id serviliter admodum abjedeque faciebant. Atque hi quidem quam olim putas, onerosi sastuosique in vità? At pauperibus malorum dimidium remittebatur, & cum interquievissent, denuo cruciabantur.

8. Sed illa quoque quæ fabulis feruntur aspexi, Ixionem, Sisyphum, Phrygiúmque graviter affectum Tantalum, genitumque terra Tityum, Dii boni, quanrum? Integrum stratus agrum occupabat. Hos tandem prætereuntes, in campum irrumpimus Acherufium, invenimusque ibi semideos, heroïdásque & aliam fimul mortuorum turbam, in gentes tribusque dispositam, alios quidem vetulos quoídam ac marcidos, atque ( ut Homerus ait ) evanidos, alios vero juveniles. & integros, & hoc potifimum ob illam condiendi efficaciam Ægyptios. Verum dignoscere quemlibet haud proclive fuit, adeo nudaris offibus omnes crant invicem fimiles, nifi quod vix tandem eos diu intendentes agnovimus. Quippe conferti confidebant obscuri atque ignobiles, nullúmque servantes amplius pristina forma vestigium. Cum igitur multi simul ossei confifterent, invicem omnino fimiles, qui terrificum quiddam per cavos oculorum orbes transpicerent, dentésque nudos ostenderent, hæsitabam certè mccum, quo-

E 2

nam

fer

pr

po

tu

te

qı

A

6

C

a

---

mam figno Therfitem à Nireo illo fortnoso discernerem, aut mendicum Iruma Phæacum rege, aut Pyrrhiam coquum à Agamemnone. Nihil enim ampliùs venrum indiciorum eis permansit, sed osa erunt, inter se similia, incognibilia, nulli inscripta ritulis, nullique unquam dignofeenda.

9. Hæc igitur spectanti mihi, persimilis hominum vita pompæ cuipiam longe videbatur cui præsit, ac disponat quaque fortuna, ex his qui pompam agunt, diversos variósque cuique habitus accommodans. Alium fiquidem fortuna deligen, regiis ornat infignibus, & tiaram imponens, & fatellites addens, & caput diademate coronans. Alium fervi rurlus ornatum induit, hunc formofum efficiat, hunc deformem atque deridiculum fingit, nam omnigenum, ut opinor, debet ele fpectaculum. Quin habitus quorundam plerumque in media quoque pompi demutat, utque perpetuò codem finit ordine cultuque progredi, quo prodierant, sed ornatu commutato; Cres sum quidem coëgit servi captivique restes induere, Maandrium autem and servos incedentem, Polycratis tyrannide ornat. Et aliquantisper quidem eo cultu permittit uti, verum ubi janı pompæ tempus præteriit, apparatum quisque restituens, & cum corpore fimul exutus amiclu, qualis antè fuit, efficitur, nihilo à vicino differens. Quidam tamen ob inscitiam, cum suos fortuna cultus exigit, agrè ferunt

ferunt atque indignantur, tanquam propriis quibusdam bonis privati, ac nonporius alienis, quibus paulisper utebantur, exuti. Quin in scena quoque vidisse te plerumque puto histriones istos tragicos qui ( ut fabulæ ratio poscit ) modò Creontes, modò Priami fiunt, Agamemnones. Idémque (fi fors tulerit) paulo antè tam graviter Cecropis aut Erechthei formam imitatus, paulo post servus, poeta jubente, progreditur. At cum fabulæ jam finis affuerit, quisque auratas illas vestes exutus, personam deponens, & descendens à crepidis, pauper atque humilis obambular, haud ampliùs Agamemnon ille Atreo prognatus, aut Creon Menœci filius, sed Polus filius Chariclei Sunienfis, aut Satyrus filius Theogitonis Marathonius. Sic se mortalium res habent, quemadmodum mihi tum spectanti videba-

10. PHIL. Dic mihi, Menippe, isti qui magnificos altósq; tumulos habent super terram & columnas, imagines, titulos, nihilóne sunt apud inseros plebis quibuslibet umbris honoratiores? M E N. Nugaris tu quidem. Nam si vidisses Mansolum, Carem illum, dico, Pyramide celebrem, sat scio, nunquam ridere desisses, ita in antrum quoddam abstrusum despectim abjectus est in reliqua mortuorum turba delitescens. Hoc tantum commodi mihi videtur ex monumento reserve, quod imposito tanto pondere laborat magis, & premitur. Nam cùm Æacus.

rent

mut

nel

cel

pre

m

VI

d

cus, ô amice, locum cuique metitur (de autem cui plurimum haud ampliùs peden) necesse est contentum decumbere, seseque ad loci modum contrahere. At vehementiùs multò rifisses, opinor, si reges hosce nostros, satrapásque vidisses apud eos mendicantes, & aut falfamenta vendentes, aut primas ipfas literas urgenteinopia profitentes, & quemadmodum conrumeliis à quovis afficiantur, atq; in facien cædantur, perinde atque viliffima mancipia. Itaque Philippum Macedonem conspicatus continere me certe non potui: oftensus est mihi in angulo quodam, detritos calceos mercede refarciens. Quin alios præterea multos erat videre mendicantes in triviis, Xerxes videlicet, Darios, ac Polycrates.

II. PHIL. Admiranda narras istade regibus, penéque incredibilia. Socrates autem quid facit ac Diogenes, & fi quis est sapientum alius? ME N. Socrates profectò etiam ibi obversatur, omnésque redarguit, versantur autem cum illo Palamedes, Ulyffes, & Neftor, & fi quis alius loquax mortuus. Adhuc equidem inflata funt illi, & intumescunt exhausto veneno crura. At optimus Diogenes Sardanapalo vicinus Affyrio, Midæque Phrygio, atque aliis item pluribus ex iftorum impruosorum numero manet, quos cum ciulantes audit, veteris fortunæ magnitudinem recogitantes,& ridet, & delectatur, ac fupinus cubans ut plurimum cantat, asperâ nimis atque injucundâ voce illorum ejulatus obscurans, adeò ut id ægrè ferentes. rentes, nec Diogenem ferre valentes, de mutanda fede deliberent.

12. PHIL. De his jam satis quidem, \*\_cæterum quodnam illud decretum \* P. 66: eft, quod initio dixeras adversus divites esse sancirum? M E N. Benè admones, nescio enim quo pacto, cum hac de re dicere proposuissem, ab instituto sermone procul aberravi. Dum igitur ibi versabar, magistratus concionem advocaverunt his videlicet de rebus, quæ in commune conducerent. Conspiciens ergò multos concurrere, commiscens meipsum mortuis statim, & ipse unus eram de numero eorum qui in concione aderant. Agitata funt igitur & alia multa : postremò de divitibus negotium. In quos posteaquam plurima fuissent objecta, violentia, superbia, fastus, injuriæ, assurgens tandem ex populo Primas quidam hujufmodi decretum legit.

## DECRETUM.

Quoniam, inquit, multa divites perpe-trant in vita rapientes ac vim inferentes; inopésque omni modo despectui habentes, visum est Senatui populóque, ut cùm functi vità fuerint, corpora quidem corum pœnas cum aliis sceleratorum corporibus luant, animæ vero furfum remifiz in vitam, in afinos demigrent, donec in tali rerum statu quinquies ac vicies decem annorum millia transegerint, afini semper ex afinis renati, onera ferentes, atq; à pauperibus agitati ; deinde ut liceat illis

è vita excedere. Hanc fententiam dint Calvarius patre Aridello, patrià Manicenfis, tribu Alibantiade. Hoc recitato detreto approbaverunt principes, icivit ples, adfremoit Proferpina, allatravit Cerbens. Sie enim rata, que Inferi flatuunt, auther

(n

Mi

hin

Co

fac

pro

m

of

pe

n

ticaque fiunt.

13. Quæ igitur in concione agebantur, erant hujusmodi. Tum ego statim, cujus gratia veneram, Tircfiam adeo, atque illi re, uti erat, ordine narrata supplicavi, ut mihi diceret, quodnam optimum vitæ genus putaret. Hic verò subridens ( est autem seniculus quispiam cœcus, pallidus, voce gracili) ô fili, inquit, causam tuæ perplexitatis scio à sapientibus istis profectam, baudquaquam idem invicem iisdem de rebus sentientibus, verum haud fas est id tibi proloqui, figuidem Rhadamanthus interdixit. Nequaquam, inquam, ô patercule, sed die amabo, neque me contemnas, qui in vita te etiam iplo cœcior oberro. Abducens ergò me, procul ab aliis auferens, ad aures mihi inclinans, Ortima est, inquit, idietarum privatorumque vita, ac prudentior. Ideo ab infipientia cessans alta cogitandi & fines & principia inspiciendi, & vafros hofce fyllogismos despuens, atque id genus omnia nugas aftimans, hoc solum in tota vita persequere, ut præsentibus bene compositis minime euriosus, nulla re solicitus, quam plurimum potes, hilaris vitam ridensque traducas.

14-Hæc cum dixisset, rursus in Asphodelorum

lorum pratum sese corripuit. Ego igitur ( nam & nunc vefper erat) age, inquam,O Mithrobarzane, quid cunctamur? ac non hine rurfus abimus in vitam; Ad hae ille, Confide, inquit, O Menippe, brevem, quippe facilemq; tibi monstrabo semitam & me protinus adducens in regionem quandam magis priore tenebricofam, manu procul oftendens subobscurum tenuéque, ac velur per rimam influens lumen; illud, inquit Trophonii templum est, atque illac ad inferos e Bootia, descenditur, hâc ascende, atq; illico eris in Gracia. Ego igitur hoc sermone gavisus, salutato Mago, difficulter admodum per angustas antri fauces sursum repens nescio quo pacto in Lebadia perveni.

> Dialogus 33. Charon sive Contemplantes.

M E R. Q Uid rides, O Charon? aut quid deserto navigio in hanc hicem advenissi, non admodum assuerus superim rebus interesse? C H A. Cupido me cepit, O Mercuri, videndi, & quanam in vita gerantur negotia, & quibus superim superim respecta, & quibus superim superim respecta, ad nos descenderint. Neque enim ex ipsis quisquam citra lacrymas trajecir. Quare exemplo illius Thesiali adolescentis commeatu a Dite impetrato, ut unum saltem diem à nave abesse liceret, in lucem ascendi, ac milii videor in ipso planè tempore in te interesse descenderio.

lu

v

n

2

2

cidiffe. Nam peregrinus cum fim, far scio te non gravari, quin ambulando me ducas, fingulaque demonstres, ut qui universa jam habeas comperta. MER. Non est otium, ô portitor. Nam abeo jam nunc, negotium quoddam, quod ad mortalium statum pertinet, à Jove summo datum, expediturus. Ille autem ad iracundiam propenfior est, ut planè verear ne cunctantem me vel totum vestra fortis esle permittat, caligini videlicetaddictum: vel quemadmodum nuper Vulcanum, ità & me correpto pede è summo dejiciar cœlo, nimirum quo & ipse pocillatoris munere fungens, claudicando rifus moveam. CHA. Despicies ergo me temerè & indecorè in terra oberrantem, prasertim amicus & navigationis socius, tum & nostræ Reipublicæ ex parte legatus? Atqui conveniret, ô Maiæ proles, illorum te etiamnum meminisse, quòd te vel sentinam exhaurire, vel remum agitare ne unquam quidem jusserim. Quin tu interim, quanquam adeò robustus es humeris, in navigii dorso porrectus stertis, aut si quam forte ex umbris loquacem offenderis, cum hac inter navigandum perpetuo confabularis. Ego vero quantumvis fenex remigium agens duplex folus remigo. At te per patrem obsecro, ô chariffime Mercuriole, ne me deseras, sed. ut novo aliquo conspectu redeam, indica quanam in vita geruntur. Quod fi tu me reliqueris, nihil plane ab ipfis cacis differre videbor. Ut enim illi lubrico gressa per caliginem titubant, ità rursus ego ad

lucem tibi hallucinabor: quin tu hanc mihi das gratiam, ô Cyllenie, perpetuo memori MER. Hac profectò res futuro. verberum mihi caufa existet, adeo ut jam hinc commonstrationis hujus mercedem non fine tuberibus nobis fore prospiciam: obsequendum tamen. Quid enim facias ubi amicorum quispiam impellat? Principio ergo ut omnia fingulatim & ex amussim conspicias, frustrà labores,ô portitor; nam hoc multorum annorum fueric negotium : deinde me denunciari oportebit tamquam transfugam à Jove. Tibi verò quo minus mortis munia peragere posses, fuerit impedimento, neq; non Ditis imperio derraxerit, cum videlicet longo adeo tempore umbras adveheres nullas: Publicanus quoque Æacus, qui portorio colligendo præfectus eft, stomachabitur, ut qui tanto tempore ne obolum quidem lucrifecerit. Verum qua via ipfa rerum capita videre poffis, jam confilium crit nobis caprandum.

2.CHA. Ipfe,6 Mercuri, quod optimum factu fuerit videris: ego verò peregrinus cum fim in terra, quid rerum hic agatur, nefcio. M E R. Breviter, 6 Charon, editiore aliquo loco opus erit, ut indè cuncta queas profpicere. Caterum fi in cœlum fubvolare tibi foret facultas, non laborarem, nam inde quafi ex specula omnia despiceres accuraté. Cum autem tibi, cui semper cum mortuorum simulacris commercium est, in Jovis regiam affecendere minimè liceat, jam tempus suerit excelsum aliquen montem disquirere.

ipli

agg

& C

res

lio

ni,

ma

ca

N

CO

ri fa

d

r

11

CHA. Nosti, O Mercuri, quæ ad vosin ter navigandum dicere consueverim ? Si quidem ubi & procellosus ventorum fatus obliquo velo incubuerit, ut sublime tollatur fluctus, ibi vos, quæ est vestra imperitia, jubetis vel velum contrahere, vel pedem paulisper accommodare, vel etiam ipfius venti curfum fectari. At ego quietem vos agere jubeo : ego enim, quid optimum fit, non ignoro. Eodem ergo modo & tu, cum fis gubernator, qua tibi convenire visa fuerint, facito. Ego vero at est vectorum conditio, tacitus sedebo per omnia tibi jubenti obsecundans. MER. Recte admones, O Charon, iple enim quid facto opus fit scito, acspeculam nobis idoneam invenero. Num ergo Caucasus idoneus, aut hoc altior Parnasus, aut utroque eminentior Olympus ille! Atqui in Olympum mihi intuenti non contemnendi cujufdam confilii in mentem Verum ad hanc rem tuo & labore venit. & obsequio pariter erit opus. C H A. Tuum ergo fuerit imperare, O Mercuri. Equidem pro mea vicili in omnibus pareze conabor.

MER. Homerus poeta dicit, Alori filios, cum & ipfi duo effent adhue pueri, flatuifie olim una cum radicibus Offam evulfam Olympo fuperimponere: deinde & huic Pelion, quod arbitrarentur hot pacto fufficientem fe gradum & afcenfum in cœlum habituros. Verum hi adolefectuli, cum impii effent, audacia fuz pœnas dederuntinos autem qui hac in Deorum injuriam minime molimur, cur non ipfi

infi eadem vià ædificamus montem monti agglomerando? quo videlicet exactioreni & commodiorem habeamus prospectum. CHA. Et duobus nobis, O Mercuri, vires suffecerint ad loco-movendum vel Pelion, vel etiam Offam ? M E R. Quid ni, O Charon ? an tu nos abjectiores, magisque imbecillos infantulis illis judicas maximè cùm fimus Dii ? C H A. Nequaquam, sed res ipsa incredibilem quandam magnifici operis oftentationem continere videtur. M E R. Non injurià, imperitus enim es, nec in poetarum fabulis versatus. At egregius Homerus duobus statim versibus accessum nobis paravit in cœlum, adeò facilè congestis montibus. Porrò admiror hac tibi prodigiosa videri, cùm tamen Atlanta non ignores, qui vel folus cœium ipfum fert, universos nos sustinens. Sed & de fratre meo Hercule forte audifti quomodo ipfi illi Atlanti in officium fuccefferit, ipseque se oneri tantisper, dum ille interquiesceret, supposuerit. C H A. Audio sanè hujusmodi : an autem vera fint, tu & poetæ videritis. M E R. Verissima, O Charon, alioqui cujus grațiâ viri illi sapientes ementirentur? Itaqueprimum Offam vectibus eruamus, quemadmodum carmen prascribit & iple architectus Homerus : at Super Offam Pelion arboribus densum. Vides, quam citra negotium pariter, &quam poetice effecerimus? Agè hac mole conscensa despicia, num aut hac faciant fatis, aut plura fuperstrucre oporteat. Papæ'quid hoc'Haremus adhuc

huc in ipsa cœli radice. Etenim ab oriente fole vix Ionia & Lydia conspicium tur : Ab occidente vero non amplius quam Italia & Sicilia. Porro à Septentrione eo solum, quæ Istro, adjacent, ap. parent. Illine autem Creta: neque hae admodum aperté. Quare, ficuti vide. tur, & Octam transponere oportet, postremo omnibus superimponendus Parnatius. CHAR. Sic faciamus. At hoc folum vide, nè plus æquo attenuando opus ipium renuius fragiliuique reddamus, ità ut tandem una cum ipfo molede. turbati, Homericam illam ædificandi rationem nimis amaram experiemur, nimirum calvariis ex cafu perfractis. MER Bono animo es, ô Charon, res omnis in vado erit; tu Octam tranipone, advolvatur & Parnailus. En iterum confeendam. benè habet, cuncta jam conspicio: & tu nunc ascende. CHA. Manum mihi portige, ô Mercuri, neque enim parvam ac humilem molem me facis ascendere. MER. Si fingula contueri geftis, ô Charon,hac ambo confiftere nequeunt, ut periculo vaces, & spectandi fis cupidus. Verum hac mea dexterà nitere, ac pedetentim feandendo, ne in lubrico pedem figas, cave. Nunc omni ex parte res bene se habet, cum & tu superaris. Jam vero quoniam bicipiti vertice prominet Paruaffus, uterque altero occupato confideamus. Tu autem nunc oculis in orbem ductis intuere universa.

4. CHA. Terram video amplam, ac paludem quandam ingentem, quæ undig;

terram

terr

vios

res.

hor

læ f Vic

effe

121 Qu

ex

era ta

10

f

ņ

terram circumfluit. Tum montes ac fluvios & Cocyto, & Phlegethonte ampliores. Ad hac homines admodum exiles, & horum nidulos quoídam. MER. Urbes illæ funt, quos tu nidos arbitraris. CHA. Vides quam nihil nobis tanto labore fir effectuni ? Quin frustra sede movimus Parnassum una cum Castalia, tum & Octam cæterósque montes omnes. MER. Quid ita ? CHA. Equidem è sublimi exactè despicio nihil. Desiderium autem erat non urbes folum, neque montes ipfos tanquam in tabula depictos intueri; verum & homines ipfos, tum quæ faciant, quæq; loquantur exaudire haud fecus ac priùs, cum tu obvius mihi factus ridentem conspiceres, ac quidnam riderem, percunctareris. Nam cum ridiculum quiddam audirem mirum in modum delectabar. MER. Quidnam hoc erat? CHA. Cum quidam ab amicorum quopiam ad cœnam,opinor, vocatus esfer, in posterum, inquit, diem veniam maximé. Atque interim dum hæc diceret, tegula quædam, nescio quo deturbante, à tecto in caput huic irruens, ipsum necavit. Rifi ergo hominem ut qui promissa minime præstarer. Sed & nunc quo magis audiam, magisque videam, descendendum mihi censeo. MER. Quietus fis. Nam & huic malo remedium invenero, atque incantatione quadam ab Homero acceptâ videndi aciem acutiflimam tibi vel brevi reddidero. Ac posteaquam pronunciavero carmina ipía, memor fis non ampliùs hallucinari, verùm apertè cunda intueri. CH. Die folum. ME.

Dimovi nubem, visum que texerat ann, Ut tandem agnoscas que sint hominssu Deive.

C H A. Quid eft ? M E R. Annon jam vides ? CHA. Mirum in modum; cacus sanè Lynceus ille si mecum componatur. Itaque deinceps hoc primum me velim doceas, mihique percunctanti respondeas. Sed heus tu, vin' & ipfunt me Homericis verfibus tecum agere, quò videlicet intelligas, neque ipfum me ab Home ri elegantia abhorrere? MER. Undeta quæso, illius aliquid scire posses, naun cum fis, & cum remis rem habeas. CHA. Vides, opprobria funt hac in artem. At ego cum illum vita janı functum trajice rem, multa carmina recitantem audivi, quocum nonnulla adhuc in memoria harent. Porrò tempestas non mediocristum nobis incubuit. Erenim posteaquam cantilenam quandam navigantibus non admodum prosperam neg; salutarem suisset auspicatus, carminum vi impulsus Neptunus, & nubes convocavit, atque tridente velut toryna (instrumento, quo in olla aliquid teritur & agitatur inter coquendum ) injedo, cum fluctuum procellas excitavit, tum aliis multis turbis universum miscebat mare, adeò ut parum abfuerit, quin tempestas qua una cum densa caligine inminebat, navem nobis subvertiflet. Tum ergo & ille naufeabundus bonam carminum partem Scylla & Charybdi evomait, & Cyclopi. MER. Non ergo difficile fuit ex tanto vomitu paucula aliqua refervare. CHA. Atdic mihi

run

fta

he

lor

lan Ai

ve

Ť

Craffus & ille quis est vir magnus, con-

Vertice sublimi atque humeris latissimus

amplis.

MER. Milo Crotoniates hic est athleta,applaudunt autem ei Graci, quod taurum sublatum solum per medium ferat stadium. CHAR. At quanto justiori causâ, ô Mercuri, ipíum me laudibus eveherent, qui paulo post ipsum tibi Milonem, quantus est, correptum in naviculam imponam? nempe ubi à morte invidissimo adversario lucta superatus ad nos venerit, quando nec ipse planè intelliget qua cruris implicandi ratione sit dejectus. Tum profecto nobis plorabit recordatus & harum coronarum, & hujus applausûs. Nunc autem quia, propterea quod taurum gestârit, est admirationi, grandia sapit, ac mirifice fibi placet. Quid ergo de ipfo arbitrabimur? Num quod mortem etiam aliquando fibi imminere speret? MER. Quid? ille mortis recordaretur in tanto flore? CH A. Millum hunc fac, ô Mercuri, risum nobis haud ità multo post exhibiturum, quando videlicet nobifcum navigans ne culicem quidem amplius, nedum taurum ferre poterit.

5. Sed illud tu mihi dicas velim,quis alius ille vir gravis,nec tamen Græcus,quantum ex peregrino habitu conjici poteft? M E R. Cyrus, ô Charon, Cambyfis filius,qui imperium,quod olim Medi obtinebant,ad Perfas tranflulit.Arq; idem Affyrios nuper previcit, & Babylonem expugnavit.Ad hoc exercitum in Lydiam traduce-

ulqu

faci

quo

care

mit

Au

me

ribi

vat

aur

pal

cù

pri

lud

gn

na

ad

va

hu

tro

VII

qu

Pr

ip

10

m

q

P

P

re jam parat, hoc jam in animo destinant ut Crœso superato imperium habeat in omnes. CHA. At Crœsus ubi tandem ille? MER. Illorfum oculos deflede in magnam illam arcem, quæ triplicimu. ro est septa. Sardis illæ. An non Cræsum ipsum vides in aureo sedentem solio, ac cum Solone illo Atheniensi disserenten? Vis auscultemus qua de re verba faciant! CHA. Volo, O Mercuri. CROE.0 hospes Atheniensis, qui jam divitias no stras vidisti, thefauros scilicet & quantum nobis auri fit rudis, tum & alian supellectilem pretiosam, die mihi quennam omnium hominum felicissimum abitraris. CHA. Quid tandem dicet & lon? MER. Bono fis animo, nihil abjecto, O Charon. S O L O N. Felices quidem admodum pauci. Verum et his, quos ego novi, Cleobim & Bitonen facerdotis filios arbitror felicissimos estitisse. CHA. Argivæ sacerdotis hic dicit, qui nuper postquam matrem vehiculo infidentem ad facrarium usque ipsi jugum subcuntes adduxissent, è vivis statim excesserunt. CROE. Esto, & habeant illi felicitatis primas. At quis tefecundas ? SOLON. Tellus Athenienfis, qui præterquam quòd benè vixit, mortem etiam pro patria obire non recufavir. CROE. Ego verò, 0 scelus, non tibi videor felix esse ? So-LON. Nondum, O Croese, statui, quod nec dum'ad vitæ metam perveneris. Rediffimus enim ejus rei index ac certifimus mors ipfa existit, & vita ad finem ulque uíque feliciter perducta. CHA. Optime facis, O Solon, quod nostri non es oblitus, quoniam cymbam ipsam his de rebus judicare censes.

6. Sed quinam illi, quos Crœsus e-

mittit? aut quid humeris gestant? MER. Aureos Pythio lateres dicat, pro oraculi mercede, cujus beneficio paulò post peribit. Est enim ille mirum in modum vatibus deditus. CHA. Et illud est aurum splendidum scilicer, quódque subpallidum refulget rubore : nunc enim, cùm antè jam tæpe de eo audierim, ipsum primum video. M E R. Hoc celebre illud est nomen, cujus gratia tantopere pugnatur. CHA. Atqui non video quonam pretio commendetur, nisi hoc fortè ad rem pertinet, quòd qui ferunt, eo gravantur. M E R. Annon intelligis quot hujus gratia bella, quot infidia, quot latrocinia, quot perjuriæ, quot cædes, quot vincula, quámque longinqua navigatio, quot mercaturæ, quot servitutes ? CHA. Propter hoc nè, O Mercuri, quòd parùm ipfi æri præftat? Nam æs novi, ut qui à fingulis vectoribus, quod & tu ipse non ignoras, obolum exigam. M E R. Est ità ut dicis, O Charon. Verum æs, quia magna est eius copia, non est in pretio. Aurum verò, & hujus quidem parum, hi qui terræ venas scrutantur, ex immenso profundo effodiunt. Attamen ex terra provenit, quemadmodum plumbum, & reliqua metalla. CHA. Infignem quandam hominum stultitiam narras, qui tanto amore profequentur rem tum pallidam, tum

vid

Fe

jub

Ne

fiv

da

qui

De

ty

nè

gr

ta na

n

q

tum etiam gravem. M E R. At Solon ille aurum minime mirari videtur, ut & plane vides. Nam cum Crœfum ipfum, tumverò maxime hominis barbari jactantiam deridet, adeò ut videatur etiam mihi hacde re Crœfum velle percunctari. Quamobrem

aufcultemus.

7. SOL. Dic mihi, & Croese, putasne laterum horum indigere Apollinem? CROE. Per Jovem, nullum enim istiusmodi donarium Delphis habet. SOL Arbitraris ergò te Deum beatum reddere, fi inter alia multa, tuo beneficio, & aureos lateres poffideat. CROE. Quid ni? SOL. Magnam mihi paupertatem narras in cœlo, O Crœse, fi Deos, cum forte defiderent aurum, ex Lydia advehere oportebit. CROE. Ubi enim alibi aurum proveniret tantum quantum apud nos? SOL Rurfus illud mihi dicito: ferrum in Lydia nascitur? CR. Non admodum. SO. Potiori ergo re indigi estis. CR. Quinam ferrum prastantius auro? SOL. Si citra stomachum respondere velis, facile quidem intellexeris. CR. Interroga tu modò, ô Solon. SOL. Utri præstantiores, an qui servant, an qui servantur ? CROE. Qui servant profectó. SOL. Ergo fi quemadmodum quinam narrant futurum, Lydos Cyrus adortus fuerit, aureosne gladios militi tuo facies, an ferro tum erit opus ? CR. Ferro fane, ferro. SOL. Et si hujus copiam non apparaveris, suturum ut egregium illud aurum captivum ad Persas abeat. CR. Bona verba, ô homo. SO.L. Dii meliora velint, quam ut hæc

here hoe modo fiant. Verum tu hão vià videris ferrum auro nobilius fateri. CR. Ferreos ergò lateres Deo me consecrare jubes, aurum autem revocare? SOL. Neque ferro ille indiguerit; sed sive as five aurum dicaris, aliis sane futuram prædam ac polletfionem fuspenderis, & id quidem aut Phocenfibus, aut Bœotiis, aut Delphis ipsis, aut etiam pradoni alicui tyranno. Deus autem artifices tuos planè nihil moratur. CROE. Semper tu quidem divitias mihi invides, & oppugnas. M E.R. Non fert delicatus hic Lydus, ô Charon, verborum & libertatem, & veritatem : quin ei peregrina & nova quædam res videtur, hominem obscuro loco natum, ac pauperem, ea quæ urgeant, intrepide dicere. Atqui haud ità multo post Solonis recordabicur, nimirum quando eum à Cyro captum in constructum rogum oportebit conscendere. Nam quæ cuique Parcarum fuso fint decreta, ipsam Clotho nuper legentem audivi, in quibus & hac erant scripta: Crœsum quidem à Cyro captivum duci, ipsum autem Cyrum à Massagetide illa necari. Viden' Scythicam illam fœminam candido vehentem equo ? CHAR. Per Jovem. MER. Tomyris est, quæ sua ipsius manu Cyri caput decruncatum in utrem cruore refertum intrudet. Sed & filium Cyri vides, adolescentem? Cambyies ille est. Is patre defuncto, in imperiu succedet, ac ubi mille modis errârit & in Lybia, & in Æthiopia, tandem infania correptus, occifo

occiso à se api, migrabit è vita. CHA. 0 rem valde ridiculam. Sed num quis velaspicere sustineat ipsos adeò sibi præ cateris placentes ? aut etiam cui credibile videri · poterit, illum scilicet paulo post fore captivum? hunc autem caput in utre sanguine

pleno habiturum?

8. At quinam is est, O Mercuri, cui pallam purpuream jam fibula nestit? quem corona adornat, cui cocus, pilcis ventre dissecto, annulum exhibet ingente mari septà, regis se nomine jactat? M E R. Belle & Charon, quod interim occinis. Cæterum Polycratem Samiorum tyrannum vides, qui ipfe se modis omnibus felicem putar. Verum & hic randem ab affiftente famulo Marandrio Orcetæ Satrapæ proditus in crucem fuffigetur. Miser sanè qui vel temporis momento ex universa selicitate exciderit, nam & hac nuper ex Clotho audivi. CHA. Praclare, & Clotho, ità & ipsos in crucem fuffige, & corum capita generosè detrunca, quò se honines tandem agnoscant: Sed & tuo beneficio in fublime adeò ferantur, nimirum ut postea quantò altiori ruina, tanto graviori dolore decidant. Porro, quod ad me attinet, quemcumque horum nudum in navigio agnovero, eum maxime ridebo, quando neque purpuram, neq; regium capitis tegmen, neque lectum fecum adferat aureum.

9. M E R. Et horum quidem fortuna fic se habebit. Sed vidésne vastam quandam multitudinem, atque ex hac alios navigantes, alios bella gerentes, alios in foro

foro

feind

alios

am c

vitar

civit

les,

liare

fibi

ipfi

iml

imp

fun

tus.

ira

aut

mi

Re

82

me

qu

rò

211

la

qt

20

d

C

fi

fi

d

4

foro litigantes, alios terram aratro proscindentes, alios fœnerantes, postremò alios mendicantes ? CHA. Video variam quandam turbam, ac promiscuam, & vitam perturbationum plenam. Ad hæc civitates conspicio apum examinibus similes, in quibus proprium quendam, peculiarémque habent finguli aculeum, quo fibi vicinos pungunt. Quidam autem ex ipfis velut crabrones aguntque feriuntque imbecilliorem. At agmen illud quod ex improvifo illos circumvolitat, quinam funt? MER. Spes, O Charon, & metus, & amentia, tum voluptas, avaritia, ira, odium, atque id genus alia. Ex his autem ignorantia infimæ turbæ est permista, atque per Jovem in eadem cum ipsis Republica degit odium, ira, amulatio tum & imperitia, hæfitantia, avaritia. Porrò metus & spes ipsos supervolitantes, ille quidem horrorem incutit, aliquando verò tantum trepidare facit; hæ autem fupra caput in altum vergentes ubi quispiam apprehendere conatur, in sublime volantes aufugiunt, illis inhiantibus relictis, guod ipsum & Tantalum apud Inferos ab aqua pati vides. Quod fi aciem intenderis, conspicies in alto, & Parcas ipsas ex penfo fingulis adnere tenuia quadam fila, quibus universum mortalium genus fubnixum dependet, videfne quafi quofdam araneorum nexus ab ipfis fufis in fingulos demissos. C H A. Video equidem filum ut plurimum admodum tenue cuique è sublimi innexum : hoc quidem illi, illud verò alii. MER. Rectè vides,

ti

re

pr

Vi

m

ſċ

ra

C

ta

P

S

п

u

h

fl

r

n

k

p

V

fi

ſ

q

t

î

P

٦

des, ô portitor. Nam ab iplo fato imminet interitus illi ab hoc, huic autem abalio. Arque hunc hæredem fore ejus, qujuscunque filum fragilius fuerit, rurius autem illum hujus. Tale enim quiddam connexio illa portendir. Vides ergò cuncos à tenui filo suspensos? Arque bic quidem ex ipfis in altum fubtractus. fublimis est, verum paulo post ubi ponderi tanto sustinendo non ampliùs parsuerit, filo dirupto decidens, ingentem excitabit strepitum. Alius autem qui pau-Julum tantum à terra fuerit subductus, tametsi cadat, citra tamen strepitum jacebit, adeò ut ruinam vix ipfi audiant vicini. CHA. Nimis quam ridicula hac funt, ô Mercuri.

10. MER. Atqui ne verbis quidem illis pro dignitate consequi possis, quam fint ridicula, maximé ardua illorum studia, & quod nonnunquam, interea dum multa spe aluntur, intercunt, ab optima scilicet morte abrepti. Cujus nuncii, & ministri, ut cernis, admodum sunt multi; putà febres, tum frigidæ, tum fervidæ (Latinis veteribus quercetæ dicæ) tabes, inflammatio pulmonis, tum gladii, latrocinia, cicutæ, judices quoque atque tyranni. Et horum nihil omnino mentem corum subit tantisper sanè, dum corum conatus feliciter processerint. At si quando fua fe spe falsos senserint, tum illud ohe frequens in ore, pariter & cheu, & bes mihi. Quod fi jam indè ab initio secum perpenderent, mortales se esse, ac posteaquam paululum hoc temporis in vi-13

ta fuerint peregrinati, hinc relictis terrenis rebus omnibus, velut è somno migraruros, profectò & prudentiùs, circumspectiusq; vitam ducerent, & cum emoriendum effer, minùs angerentur. Nunc autem quia præsenti rerum statu usuros se perpetuò sperant, cum minister aut vocârit, aut abducere fuerit conatus, irretitos vel febre, vel tabe, ftomachantur, & ducenti renituntur, propterea sanè, quòd abstrahendos se à bonis præsentibus ne spectarint quidem. Sed enim quid non faceret ille, qui domum magno studio adificando operarios urget, si intellexerit eam quidem finem habituram, iplum autem le, cum jam fafligium imposuerit, discessurum,domo ità relictà hæredi, ut is fruatur, ipse autem miser nè semel quidem in ea cœnet? Ille vero qui lætatur, quod fibi masculam prolem uxor pepererit, ideóque convivio excipit amicos, patris nomen, nempe fuum puero imponit, fi præsciret puerum feptem annos natum, emoriturum; nunquid ob prolem tibi videretur gaudio ferri tam immodico? Verum in causa est quod in eum quidem intuetur, cui in filio res prosperè cadunt, cui patrem esse contingit, vel athletæ, vel ejus qui vicerit Olympia: vicinum autem, qui natum cremandum effert, non inspicit, neque novir, quo funiculo quámque tenui fibi fit fuspensus. Quin & corum qui de finibus digladiantur, quanta fit turba vides, & quàm multi coacervent pecunias, qui tamen antequam ipsis frui liceat, ab imminentibus, quos dixi, tum nunciis.tum ministris

ministris avocantur. C H A. Video ish hac omnia, a mecum ipte cogito, quidnam jucundum eis in vita sit, aut quid tandem sit illud, quo spoliati tantopere stomachentur.

At

eff

ho

qu

vi

1

defici-

II. MER. Quinctiam fi ipforum reges, quos vel omnium feliciffimos effe apparet, introspiciar quisquam diligenter, extra aleam, &, ut dicis, extra ancipitem fortunam constitutos, invenerit iis inharere tristia longè plura jucundis: tot timoribus, tot turbis, tot odiis, tot infidis, tot iris, tot adulationibus miferi illi involvuntur. Prætermitto & luctus, & morbos, tum & affectus; qui ex aquo tum vulgo & his dominantur, usque adeò ut non minoris fuerit & temporis & negotii, horum hic recensere mala, quam & privatorum. CHA. Tibi ergò, ô Mercuri, dicere volo, cuinam mortales fimiles mihi videantur, atque horum vita omnis. Vidistin' aliquando bullas illas in aqua, torrente aliquo cum strepiru scaturiente, existentes? Tumores illos inflatos dico, quibus cogitur spuma. Harum sanè quadam funt parvæ & exiles, quæ ftatim dissolutæ evanescunt : aliæ verò diutiùs durant, atque aliis ad se coastis vehementer inflantur, ac in maximum fur-Tandem & hæ dissolvungunt tumorem. tur omnino, pereuntque. Neque enim fecus fieri poterit. Hæc tibi hominum viu, finguli flaru tumescunt, ità ut alii fint majores, alii autem minores, postremò alii quidem momentaneam, móxque deficientem fentiat inflationem, alii vero priùs

Homo bulla.

deficiant, quam omnino constituantur. At omnes destrui & evanescere necesse eft. MER. Nihil tu quidem infeliciùs Homines hominum naturam fimiliaudine expressiti, arborum quam vel ipse Homerus, qui univer-foliis se-sum mortalium genus arborum foliis com-miles.

parat.

12. CHA. At tales quamvis fint, vides tamen qualia faciant, ut inter se avidè contendant pro imperiis, pro honoribus, possessionibusque, cum tamen ipsos, universis his post se relictis, unico tantum obolo instructos ad nos venire oporteat. Vis igitur, quoniam in edito confistimus loco, quảm possum magnà voce acclamando eos adhorter; primum quidem, ut à conatibus & stultis & vanis abstineant; deinde ut mortem semper præ oculis habentes, hunc vitæ curlum transigant, in hanc sententiam verba proclamans;ô stulti, quid tanto studio in his rebus molimini ? defistite à laboribus, neque enim per-Commopetuo vivetis. Nihil ex his, quæ hic præ-nitio Chaclara habentur, perpetuum est, nec ali- vontis. quid istorum, cum moriendum est, secum auferre quispiam poterit. Quin necesse est hominem quidem (quisquis is tandem fuerit ) nudum abire, domum autem atque agrum, & aurum in aliorum transire manus, sempérque dominum mutare. Hæc atque ejulmodi alia, fi unde exaudiri posfim, ipfis inclamarem, annon putas vitæ corum magnæ fore utilitati, ità, ut etiam prudentio:es longè inde fieri queant? MER. O heate, nescis quantopere eos tun ignorancia, tum error occupaverit,

13. C H A. Unum adhuc difcere de-fiderium eft, quod ubi docueris, perfectam fanc doctrinam dederis. Nam contueri ge-flio, in qua cadavera reponant, dum in terram defodiunt. M E R. Monumenta, tumulos, sepulchra hac vocant, caterium tumulos illos ante urbes vides, tum columnas, & pyramides. Omnia illa mortuorum sunt receptacula, cadaverúmque custodix. C H A. Quid ergó faxa illa coronant unguentóque inungunt? alii præ tumulis censtructo rogo, e sovea essociationes.

fa, sumptuosas illas exurunt cœnas, & vinum muliamque aquam (quantum conjecturis affequi possum ) in ipsas soveas infundunt. MER. Equidem ignoro, O Portitor, quid hac ad eos qui apud inferos agunt. Verum illis perfuafum eft, umbras ab inferis reduces cœnare quidem, utcunque liceat, circumnidorem ac funium volitando, bibere autem è foveis aquam mulfam. C H A. Illos adhuc bibere, vel efitare, quarum calvariæ funt aridiffimæ? Atqui ridiculum est me tibi hæc dicere, qui, quotidie ipsos deducas, probe nosti an ubi semel terram subjerint, denuo velut postliminio jure ad superos remeare queant. Quin & ipse maximè ridicula paterer tot negotiis occupatus, si eos trajiciendo non deducere se làm, sed reducere oporteret, si quando vellent bibere. O Stulti, quæ est hæc amentia? Non scitis, quam late distantibus finibus viventium, & mortuorum res funt sejunctæ, quoque pacto se res habeant apud nos, Ubi Mortuus eft aque tumuli qui nescit bonorem , & qui fortitur spectandi funera saxi. Atqui bonor unus adeft, & regi Agamemnoni, Et Iro, Therfite, & fimilis Thetidos formofus Achilles. Unde jam pariter ficca nudaque pererrant Asphodeli campos confracto vertice cuntte. MER. Papæ! quam mulra ex Homero hauris. Sed quia me submonuifti, Achillis sepulcrum tibi volo indicare. Vides illud quod propè mare fitu est, illic Trojanum est Sigaum, è regione autem conditus est Ajax in Rœtæo. CH. Nonmagnifica, neque infignia funt monumenta.

14. Verum celebriores urbes mihi commonstra, de quibus infernè tam magnifica audimus. Ninum scilicet, Sardanapali urbem, Babylonem, Mycenas quo. que, tum & Cleonas fimul, & Ilium ipfum, nam illinc oriundos multos memini trajicere, adeò ut totis jam decem annis neque navem subduxerimus, neque ea interim refrixerit. MEN. Ninus quidem, O Portitor, jam est eversa,ità ut ne vestigium ejus fit reliquum, neque ubi fita fuerit olim, facilè dixeris. Babylon autem tibi illa est tot turribus bene munita. quæ magno illo ambitu est septa, haud ità multò post & ipsa desideranda, quemadmodum nunc Ninus. At Mycenas & Cleonas me sanè commonstrare pudet, omnium verò maximè Ilium. Nam ubi descenderis; sat scio, prafocâris Homerum, propterea quòd tam magnificis verfibus has nugas decantare non erubuerit. Ve-Non homi-runtamen & quondam extiterunt felices,

TETUM & arbes &. prope cun-Eta morti obnoxia effe.

nes tantum nunc autem mortuæ funt & ipfæ: Urbes enim, O Portitor, perinde ac homines emoriuntur, & quod longe mirabilius, folidi etiam fluvii, ità ut Inachi ipsius in Argo nè monumentum quidem reliquum appareat. CHA. Vah, quæ laudes, Homere, quámque superba nomina: Ingens Ilium, ac manibus amplum. Tum firutta belle Cleona.

15. Sed interim dum fabulamur, quinam illic dimicant, & quâ pro re se mutuò cædunt ? M E R. Argivos vides & Lacedæmonios, O Charon, atque semimortuum imperatorem Otryadem suo ipsius

fan-

et

fanguine tropaum inscribentem. CHA. At pro quo eis est pugna? MER. Pro co ipfo agro, in quo pugnant. CHA. O hominum amentiam, qui haud sciunt se, eriamfi nunc quisquam corum totam Peloponnesum possidear, unius tamen vix pedis locum ab Æaco accepturos. Campum autë alias alii colent, fæpè etiam hoc tropæo per aratrum revulfo. MER. Hæc quidem hoc modo se habebunt. At nos jam hinc descendamus, ac montibus his in suas sedes repofitis, regrediamur; ego, quidem quò sum ire jussus, tu verò ad navem. Equidem paulò post veniam, & ipse tibi umbrarum gregem mecum adducens. CHA. Probè fecifti, O Mercuri, atque in corum album adscriberis, à quibus beneficio me affectum perpetuò me agnoscam; quandoquidem tua ope in hac peregrinatione plurimum fum adjutus. O qualia infelicium hominum studia! Reges, lateres aurei, magnifica facrificia, prælia; Charontis autem nulla habetur ratio.

FINIS



## LUCIANI

SAMOSATENSIS

## DIALOGORUM

LIBER SECUNDUS.

Dialogus r.

De Somnio, seu vita Luciani.

Efferam nuper in ludum ire factus jam ætare adolescens, cùm pater unà cum amicis confilium capiebat, quamnam artem potiffimum mihi discendam proponeret.Pluribusq; igitur videbatur humanitas, seu literarum studium, & labore multo, & tempore longo, & fumptu non exiguo, denique & fortuna quadam indigere; nostras autem res cum parvas esse & modicas, tum verò celere quoddam auxilium postulare. Quod si igitur artem aliquam mechanicam didicissem, fore, ut principio statim ab ipsa arte, necessaria vitæ comparare poslem, neque necesse habere adeò ætate jam provectus, domi de-que paterna menía vivere: fed non multo post etiam ipsum patrem exhilaraturum effe

esse me, referendo domum semper aliquid ab arte quæfitum. Alterius itaque confultationis caput propofitum est, quænam ars & optima, & ad difcendum facillima, & homine libero maximè digna foret: deinde & minori sumptu, atq; instrumento egeret, multum autem & sufficientem quæstum fuppeditaret. Proinde alio aliam laudante, prout quisque animo affectus, aut usu expertus erat, pater ad avunculum aspiciens (aderat enim is quoque statuarius tum habitus optimus, & poliendo marmore interpræcipuos laudatus) minime fas, inquit, est, aliam artem prævalere te præsente. Sed hunc (méq; demonstrabat ) adhuc tecum, & doce lapidum artificem probum, & eorundem compositorem ac statuarium nobis elle: poterit enim & hoc, natura, ut scis, præditus felici. Fecerat autem hanc de me conjecturam pater, ex ludicris à mealiquando è cera confictis. Quando enim à præceptoribus domum dimittebar, abradens ceram, nunc boves, nunc equos, interdum per Jovem, & homines fingebam, nonomnino ineptè, ut tum videbat patri. Ob quæ à præceptoribus quidem plagas accipere folebam; ad probandam autem ingenii dexteritatem, hae quoque tum inparte laudis ducebantur: Arq; adeò bonam ex eo spem de me omnes concipiebant, ut qui brevi adeò artem hanc secundum fingendi illam facilitatem perdiscere-possem. Igitur simul atque idonea dies videbatur esse auspicandæ artis, ipse tradebar avunculo, non admodum, per Jovem, inique aut graviter ferens. Sed. mihi :

mihi etiam lufum quendam non infuavem ipfa res videbatur habere, & apud æquales ad oftentationem & laudem valere; fi & Deos sculpere, & parva quædam simulacra, cum mihi, tum illis, quibus vellem, adornare possem. Ac tum primum quidem illud, quod & incipienti usu venire folet, accidebat. Calumenim quoddam avunculus mihi tradens, paulatim tabulam lapideam, quæ in medio pofita erat, contingere, atque artem auspicari jubet, tritum illud admonens, Dimidium falli qui capit babet. Caterum duriùs impingente me præ imperitia, tabula frangitur; Avunculus autem indignatus, & scuticam quandam propè jacentem corripiens, nequaquam mansuete, aut uti adhortantem decebat, excepit, atque initiavit me, ità ut mox in lacrymas procemium artis mihi verteretur. Aufugiens igitur indè domum redco, continuéque ululando, & lacrymis oculos opplendo commemorabam scuticam, demonstrabam vibices, nimiámque illius crudelitatem accufabam : hoc quoque addens, quòd invidia quâdam ista secisset avunculus, videlicet metuens, nè se in arte superarem. Irascente itaque matre, & multa fratri convitia faciente, posteaquam nox supervenit, dormivi, plenus adhuc lacrymarum totamque noctem cogitabundus jacens. Atque hactenus quidem, quæ diximus, ridicula puriliaque funt : quæ verò deinceps audieris, nequaquam coutemnenda funt, ô viri, sed quæ admodum auscultandi cupidos auditores quoque requirant. Nam

Nam ut juxta Homerum dicam, Venêre mihi divino somnia natu Almam per noètem,ità clara & manifesta, ut nihil ab ipsa veritate distarent Adhuc igitur etiam post tantum temporisintervallum, & habitus eorum, quæ mihi tum apparuêre, in oculis hærent, & ipsa vox auribus quasi intonat : adeò plana suerunt omnia.

2. Duæ mulieres manibus corripientes trahebant me in diversum, utraque ad se Somulum, videlicet, violente admodum & valide seuvisio Parùm itaq; absuit quin me discerperent, Luciani-

dum inter se ambitiosè adeò contendunt. Nam modo hæc fuperabat, & propemodum totum tenebat me: modo altera eademque me ad se retrahebat. Clamabant autem ambæ, accusabántque mutuò sese: hac quod me suum videlicet illa possidere vellet, illa vero quod hæc fruftrà aliena fibi usurparet. Erat autem altera quidem operaria & virili aspectu, & squalidâ comâ, manus callo pattim obductas habens, fuccinctà veste, & marmoreo pulvere oppletâ, qualis & ipfe avunculus esfe folebat quando lapides poliebat. Altera vero facie admodum honesta habitum decentem præ se ferens. & vestes ornatas ac mundas induta. Postremò autem permittunt meo judicio, ut utri earum conversandum mihi putem sententiam seram.

3. Ac prior quidem dura, atque virilis Statuariae illa fic expit; Ego, chare puer, statuaria Verba, fim ea quam tu heri discere expisti, familiaris adeo tibi & cognata à parentibus: Nam & avus tuus (addens nomen avi materni) marmorarius suit, & avunculus pariter.

pariter & patruus tuus eandem artem exercuére, & per nos inter præcipuos celebrati funt. Quod fi igitur voles deliriis. ac nugis, circa quas ista versatur (indicans alteram) abstinere, ac mecum degere, principiò generosè educaberis, humerosque. habebis validos, & ab omni invidià alienus eris, neque unquam in terras alienas atque externas hinc abibis, relictà patrià atque domesticis tuis, neque etiam ob verba & orationem modo laudabunt te omnes. Neque vero adverferis corporis hano fragilitatem, aut vestium sorditiem, nam his initiis profectus Phidias ille Jovem spectandum exhibuit, & Polycletus Junonem fabricavit : præterea Myron. laudibus vectos est, & Praxiteles in magna admiratione fuit. Adorantur itaque nune illi cum ipsis Diis. Quod si igitur horum unus tu quoque fores, quomodo non celebris & ipfe apud omnes homines fieres? Patrem certè beatum efficeres,& patriam tuam omnibus spectabilem redderes. Hac arque etiam his plura balbutiendo, & pleraque barbarè pronunciando dixit statuaria, valde studiose omnia connectens, & me in suam fententiam adducere cupiens. Sed non ultra memini, plurima enim memoriam jam effugerunt.

4. Cærerùm ubi tandem finem fecit, tum altera-illa in hunc fermè modum orditur. Ego-vero, ô fili, Humanitas fum, jam nunc confueta ac nota tibi, tametfi ad finem au plenum nondum periculum mei feceris. Quanta igitur bona acquifiturus fis, fi fatuarius evadas, ipfa modò exposuit.

Nihil

Nihil enim aliud nisi operarius eris, corpore laborans, & in eo totam spem vitæ. pofitam habens : obscurus ipse degens, modicum & minime generosum quæstumfaciens : dejectus animo : tenuis ac pauper reditibus: neque amicis in judiciis auxilio eris, neque inimicis formidabilis, neque etiam inter cives beatus, fed hoc folum opifex videlicet quisquam, & ex multă atque promiscua plebe unus, præstanriorem te semper formidans, &c. dicenda valentem præ oculis habens ac. palpans, & in fumma leporis quandam vitam agens, potentiorisque lucrum ex-Quod fi etiam Phidias, vel Polycletus fias, præclaráque & admiratione digna multa opera præstiteris, artem quidem laudabunt omnes, at qui ex aspicientibus tibi fimilis esse optarit. modo mentem habeat, nemo erit. Qualis qualis enim fueris, nihil nifi rudis quispiam artifex manibus laborans, & iildem vistum quæritans censeberis. Contrà autem si mihi obsequaris, principio tibi ostendam multa veterum virorum præclara. opera, & res admiratione dignas, & orationes illorum tibi renunciando, & omnium ( ut fic dicam ) expertum te reddendo, animum (quod principium in re est ) exornabo tibi multis ac praclaris ornamentis, modestià scilicet, justitià, pietate, mansuetudine, æquitare, prudentià, fortitudine, amore honesti, & pulcherrimarum quarumcunque rerum defiderio. Hæc enim verè syncera sunt animi ornamenta. Neg; autem latebit te vel veterum quic-

13

ri

re

tu

at

r

quicquam vel eorum quæ in præsens geri debent, sed ea quæ facienda sunt, quæque fieri decet, me duce prospicies : & in summa omnia quæcunque, seu divina, seu humana fint, parvo tempore docebo te:& qui nunc pauper arque inops es, istius nescio cujus filius, qui de arte adeò illiberali, nescio quid consultas, haud ità multo post nimiùm felix nimiumque beatus omnibus videberis, dum honoribus afficieris, & laudibus effereris, & pulcherrimarum quarumcunque rerum glorià celebraberis; illorum etiam qui divitiis ac genere antestant in te animis ac oculis conversis, Ac vestitum quidem talem geres ( demonstrans suum, gerebat autem admodu splendidum ) Magistratibus vérò & primo in confessu honore ante alios dignus existi-Et si quando aliquò peregrè abiens proficifceris, etiam in aliena terra non ignorus aut obscurus eris. Talibus scilicet ornamentis ego te infignem atque conspicuum reddam, ut corum quoque qui te aspicient, quisque proxime astantem leniter impellens & commovens digito te demonstret, atque hic est ille dicat. Jain fiquid studio dignum accidet, quod vel ad amicos, vel etiam ad ipíam civitatem pertinebit, omnes in te oculos atque ora convertent. Atque fi tum aliquid forte dixeris plerique hiantes aufcultabunt, admirantes & prædicantes, rum ob dicendi vim, & orationis potestatem; tum etiam patrem tuum ob felicitatem prolis : & quod dici vulgò solet, quòd ex hominibus quidam immortales redduntur, id quoque ribi .

ribi dabo : Nam postquam ipse ex hac vira discesseris, nunquam defines conversari doctis, & consuetudinem habere cum optimis. Demosthenem illum certè vides oujus filius fuerit, & quantum ego cundem reddiderim. Vides & Æschinem, qui Tympanislæ cujusdam filius erat, & tamen propter me etiam Philippus Rex illum palpavit. Socrates autem qui & ipse inter statuariam hanc artem enutritus fuerit, fimul atq; primum intelligere coepit meliora, &c relicta illa transfugit ad me, nimirum audis, ut nunc ab omnibus decantetur? Igitur relinquens tantos ac tales hosce viros. res adeò splendidas, orationes tam graves ac illustres, vestium ornamenta, honorem, famam, laudem, primos affeffus, potentiam, imperia, denique & illam quam ex dicendo consequêris gloriam, & quâ te omnes ob prudentiam prædicabunt felice; tuniculam aliquam indues fordidam, habitumque assumes servilem, vectes præterea, scalpra, & id genus catera sculpendi cædendíque instrumenta in manibus habebis deorsim inclinatus in opus, humi repens, demiffus, deniq; modis omnibus abjectus & contemprus, nunquam autem vel expergiscens, vel virile aut libero homine dignum quicquam cogitans, sed in opera intentus, ut illa videlicet proportionibus suis consona, & benè formata tibi reddantur : de te ipso autem, ut & concinnus & ornatus incedas, minime curam gerens, sed te ipsis istis saxis contemptiorem reddens.

5. Adhuc igitur dicente hac illâ, non expedato

Por

fum

red

illa

avo

her

nu

mi

**fe** 

expectato orationis fine, furgens, fententiam tuli, & relicta deformi & operatrice illa transivi ad humanitatem admodum gaudens, præcipuè postquam mihi etiam in mentem venit scuticæ, & quod plagas statim non paucas incipienti mihi pridie illa inflexisset. Porro relictà illà principio quidem indignum ferebat complodebátque manus, & dentibus infrendebat. Postremò autem quemadmodum Nioben audimus, ità hac quoque diriguit, & in faxum mutata est. Quod si igitur incredibilia passa esse videtur, ne miremini, somnia enim mirifica funt, & mira operari folent. Altera autem ad me respiciens, Proinde, inquit, ego tibi hanc justitiam rependam, quoniam causam hanc benè & recte judicâsti. Veni igitur & ascende vehiculum hoc ( commonstrato quodam vehiculo quod alatis equis quibufdam Pegafo fimilibus vehebatur) ut videas qualia ac quanta ignoraturus fuisses, fi me non secutus esses. Cæterum postquam ascendi; illa quidem agitare, atque aurigari cœpit :ego vero ubi jam in sublime sublatus fui, observabani, & contemplabar ab oriente incipiens usque ad occidentem urbes videlicet, & populos, non aliter quam Triptolemus olim spargens quiddam in terram, quanquam non amplius memini quidnam illud fuerit quod tum spargebam, nifi hoc folum quod ex inferiori loco aspicientes homines laudabant me, & ad quoscunque volando perveneram, cum multà prædicatione & gratulatione me prosequebantur, & quasi deducebant. Porrò Porrò ubi illa hæc tanta mihi, & meipfum collaudantibus illis demonstrasset,
reduxit rursum non amplius eadem veste
illa indutum, quam habueram ab inicio
avolans, sed videbar mihi tum admodum
delicatus splendida veste redire. Deprehendens igitur & patrem astantem, atque
expectantem me, commonstravit ei vestem
illam, & me ipsum qualis redirem, submonuirque eum, quam parum absuerit, quin
maximè digna de me ille cum amicis statuisset.

6. Atque hæc quidem memini videre me, cum primum è pueritia egressus esfem, plagarum metu, ceu mihi videor, tum perturbatus, sed interea cum hæc dicuntur, O Hercules, inquit quispiam, quam longum hoc fomnium & judiciale est. Deinde alius quidem hoc interpellans: Hyemale ( inquit ) somnium est, quando nodes sunt longissimæ; aut fortalle, etiam trinoctiale, qualis & ipfe Hercules eft. Quid igitur in mentem venit illi nugari talia nobiscum, mentionémque facere puerilis istius noctis fomniorúmque veterum, & atate jam obsoletorum? futilis est omnis frigida oratio. An fortè somniorum quorundant quafi quosdam interpretes esse nos credidit? Nequaquam, & bone, Quoniam neq; Xenophon quondam exponens fomnium illud, quo pacto illi visum fuerat in domo paterna; & deinceps nôstis visionem, non ut conjestationem, propositam tanquam nugari flatuisset, illa narravit, præsertim in bello, & fumma rerum desperatione conflirutus circumstantibus undique hostibus, fed

ME

Qui

free

hol

mu

cer

di

mi

vit

cei

ho

pe

re

0

fed quod utilitatem quandam fecum habebat illa narratio. Proinde & ego somnium hoc vobis expolui, ea videlicet gratià, ut adolescentes ad meliora studia converterentur, & Humanitatem amplecterentur, & maxime fi quis corum præ inopia & paupertate pejùs de seipso statuit, animumque ad deteriora declinat, ingenium non illiberale illiberaliter perdendo. Confirmabitur enim & ille, fat scio, & quasi convalescet, sermone hoc audito idoneo, fufficienti exemplo me fibi propofito, ubi videlicet ipse secum cogitabit, è quibus vitiis ad optima provectus fuerim, Humanitatémque appetiverim, minimè dejectus aut fractus animo ob eam paupertatem,in qua func fui : deinde qualis & huc ad vos ascenderim, qui certè ut nihil aliud aut amplius, nulla tamen statuariorum istorum inferior aut obscurior evasi.

## Dialogus 2.

## Deorum Concilium.

JUP. NE posthac murmuretis, O Superi, neque ad angulos conversi in aurem, alter cum altero colloquatur, indignantes multos parum dignos nostri symposii esse participes. Verùm posteaquam coactum est concilium, quisque propalam in medium suam adserat sententiam, & quæ accusatione digna sunt, accuset. Cæterum, Mercuri, praconium illud ex lege clarà voce promulgato.

MEB.

MER. Erige aures, vocem comprime. Quis ex Diis senioribus & perfectis, quibus permissum est, in concione verba vult freere? ipfa deliberatio de inquilinis, & hospitibus futura est. MOM. Ego Momus, O Jupiter, fi fandi copiam mihi feceris. JUP. Jam ipso præconio loquendi libertas tibi facta est: itaque meo permissu nihil opus est. : MOM. Ajo itaque vitiosè & improbè nonnullos nosirum faære, quibus non fatis est semet Deos ex hominibus factos esse, nisi suos quoque pediffequos, & famulos nobis honore pares esse ostenderint ; quâ in re nihil magnum aut juvenile se secisse existimant. Volo verò, O Jupiter, ut interrita loquen-di libertas mihi concessa sit. Neque enim aliter quæ sentio effari possim. Sed me omnes ex æquo noverunt quam liberælinguæ Deus fim, & quàm nihil eorum quæ parum honeste & decore fiunt reticere foleam. Etenim omnia in reprehensionem rapio, ac propalam, quæ mihi videntur proloquor, neque reformidans cujusquam autoritatem, neque præ verecundia sententiam meam celans. Quapropter & onerosus multis esse videor, & natura sycophanticus, dum communis quispiam omnium accufator ab illis vocor. Sed enim posteaquam licitum est atque ità jam proclamatum, & tu Jupiter, cum libertate loquendi facultatem mihi concessisti, nihil reformidans dicam. Multi funt, inquam, non contenti, quòd ipfi in deorum concilium admissi nostri contubernii sint participes, quódque pari forte nobifcum convi-

vantur,

cal

ve

fo

ta

q

VI

vantur, præsertim cum ex dimidio homines eos esse conster, suos præterea miniftros, & chori focios in cœlum adduxerunt. cósque Deos fecerunt adscriptitios. Et nunc æqualem cum aliis distributionem auferunt, & facrificiorum confortes funt, penfionem in inquilinos constitutam nobis minimè perfolventes. JUP. Nè quid obscuris ambagibus iuvolvas, O Mome, verum perspicuè & dilucide, quæ sentis, eloquere, additis quoque nominibus. Jam enim in medium oratio ità tibi projecta, ut multos pariter in suspicionem rapiamus, ac alium alio modo tuis dictis obnoxium infimulemus.Oportet verò liberum concionatorem nihil ob metum reticere.

2. M O. Euge, ô Jupiter, quod me ad linguæ libertatem cohortaris, fit enim hoc abs te animo verè regio & magnifico. Proinde nomination quoque cosdem perstringam. Ille enim generofiffimus Bacchus semi-homo existens, neque à materna stirpe Græcus, fed Syrophænicis cujufdam mercatoris, nempe Cadmi nepos posteaquam immortalitate donatus est, cujusmodi ille quidem sit non dico, neque mitram, neque ebrietatem, neque errantem ejus incessum vitupero. Omnes enim, ut opinor, videtis quam mollis fit & effæminatus deliciis, femi-infanus, statim à summo mane merum fpirans. Ille verò totam curiam nobis ascivir,& toto choro advecto præsto est, Diósq; declaravit & Pana, & Silenum, & Satyros, agreftes quospiam & caprarios permultos, homines faltationi deditos, & formâ monfirofos. Quorum hic quidem gerens cornua.

nua, dimidià atq; inferiore parte corporis capram referens, barbámque profundam nutriens, parum ab hirco discrepat. Alter verò fenex, calvitio & fimis naribus deformatus, plurimum super asinum inequitans, genere Lydus eft. Caterum Satyri, acutis auribus, & ipii calvi & cornigeri, qualia ferè hædis nuper natis excrescunt cornua, Phryges quidam existentes. Sunt verò caudati omnes. Videte ejulmodi Deos nobis facit generolus ille. Deinde miramur, fi contemnunt nos homines, videntes adeo ridiculos, & portentolos Deos. Mitto enim dicere, quod & duas mulieres adduxerit, nempe Ariadnem, cujus etiam coronam stellarum choro annumeratam addidit : alteram Icari agricolæ filiam, & quod omnium est ridiculofissimum, O Superi, Erigones quoque canem adduxit, ne triftitià afficeretur puella, fi in cœlo non haberet carellum fuum. Hæc verò non videntur vobis esse contumeliosa, quæque nec intania, nec rifu careant? Audite etiam alios.

3. J U P. Cave, Mome, quidquam dixeris, aut de Æsculapio, aut de Hercule. Video enim quo orationis tuæ
impetu rapiaris. Etenim horum alter
agit medicum, & ægrotos morbis levat éstque planè multis aliis anteserendus. At Hercules filius meus non
paucis laboribus immortalitateus adeptus est. Itaque cave nè hose accuses.
M O M. In tui quidem gratiam tacebo
Jupiter, etsi multa dicenda habeam, arque

fi nihil aliud, adhuc tamen figna igne inusta in corpore retinent. Porrò si liceret & adversum te dicendi libertate uti, multa haberem quæ possem oratione reprehendere. JUP. Atqui in me maxime tibi licet dicere. Nunquid igitur & me ut Deum inquilinum in jus vocas? MOM. Equidem in Creta non tantum hoc audire licet, verum aliud quoque de te dictitant, atque etiam sepulchrum tuum commonstrant hospitibus. Ego verò neque illis fidem habeo, neque ex Achivorum numero Æginenfibus supposititium te esse affirmantibus. Caterum, qua cum primis reprehensione diena funt, ea in medium adducam. Enimyero horum delictorum principium & causam cur noster confessus nothis abunder, tu Jupiter prabuisti, cum te mortalibus mulieribus commiscuisti, & aliàs aliâ formâ ad ipsas descendisti. Ità metueremus ne quis te comprehensum sacrificaret, cum taurus esses, vel aurifex aliquis te conficeret, cum aurum esses; & pro love nobis aut monile, aut armilla, aut inauris fieres. Sed enim hisce semideis cœlum jam complevisti, neque enim aliter possum dicere. Estque res plane absurdissima, fi quis ex improvifo audierit Herculem in Deorum numerum esse assumptum, Eurystheum autem, qui ille imperavit, fatis functum effe : & Herculis templum cerni in proximo, ministri existentis, Eurysthei verò, illius domini, sepulchrum. Et rursus ex Thebanis Dionyfius Deus factus eft, ejus autem confobrini, nimirum Pentheus & Actaon, Actaon, & Learchus homines fuerunt omnium infelicifimi. Ex quo verò tu Jupiter, femel illis hanc licentiæ januam aperuifti, & ad mortalium confuetudinem te convertifti, te omnes imitantur. Neque folum mafculi Dii, fed (quod eft turpiffimum) etiam Deæ feeminæ. Quis enim ignorat Anchifen, Tithonum, Endymionem, & Jafonem, aliófque ? Itaque hæe mihi milia facienda videntur, multi enim laboris effe hæe cuncta fingulatim reprehendere.

4. JUP. At vide, Mome, ne quid de Ganymede dixeris. Malè enim me habebit, fi adolescentem verbis conturbaveris, affecto contumelià genere. MOM. Proinde neque de aquila quicquam dicturus sum, quod & illa in cœlo versatur regio sceptro insidens, ac tantum non super capite tuo nidificans, & Deus elle gestiens? aut illam quoque in Ganymedis gratiam præteribimus? Atqui, ô Jupiter, Artis ille, & Corybas, & Sabazius unde nobis tandem accerfiti veniunt? aut etiam Mithres ille Medus, qui indumento Perfico amictus, & tiara redimitus est, neque Græcam vocem infonans, adeo ut fi quis illi nectar propinet præbibentem non intelligat. Itaque & Scytha & Geta hæc videntes; nobis longum valere juffis, ipfi immortalitate donant homines, fuifque fuffragiis Deos quoscunque libuerit constimunt, non alia ratione, quam Zamoxis fervilis conditionis homo existens, divinitatem adeptus est, & Deorum numero adscriptus; haud scio quomodo nobis impolu-

imposuerit. At sanè hæc omnia, ô Dii,adhuc mediocria, & aliquo modo ferenda funt. Cærerum tu 8 canino rictu hians Aigyptie, qui syndone amictus es, quisnam esse gloriaris, ô optime, aut quomodo Deus elle contendis latrando? Quid autem fibi vult & Memphites taurus ille verficolor, qui & adoratur, & respondet oraculis, neque non Prophetas habet? Pudet verò me, Ibides, percenfere, & fimias, & hircos, atque his longe absurdiora, quæ nescio quomodo ex Ægypto in cœlum usque conscenderunt. Illa itaque, ô Dii, quomodo fustinetis aquali vobiscum honore, aut etiam amplius adorari? At tu, Jupiter, quo ferre potes animo, posteaquam arietis cornua tibi produxerunt? J U P. Turpia profecto sunt, quæ dicis de Ægyptiis. Attamen pleraque illorum in se mystica complectuntur anigmata, quæ non prorsus à prophanis deridenda sunt. M O M. Plane nobis, Jupiter, opus est mysteriis, ut Deos esse cognoscamus, & caninis capitious præditos, canes eile intelligamus.

JUP. Mitte de Ægyptiis in præfens dicere, nos verò de his aliàs per otium deliberabimus. Tu autem de aliis dicito, M O M. De Trophonio, ô Jupiter, & quod me præfocat, de Antilocho; ille, inquam, feelefti, & matricidæ hominis filius vaticinatur in Cilicia, multa impudenter ementiens, & duorum obolorum gratià præftigiis incantans homines. Quocirca non ampliùs, tu Apollo, ob vaticinii prædictationem haberis in pretio, fed jam omnis lapis & quævis ara responia dat

t

1

oraculum petentibus, dummodo oleo perfusa fuerit, & coronas habuerit, & homine præstigiatore abundaverit, cujusmodi jam permulti funt. Jam etiam Polydamantis athletæ statua medetur sebre laborantibus in Olympia, & Theagenis in Thafo. Quin Hectori quoque facra faciunt in Ilio, & è regione Prothefilao, nempe in Cherronelo. Ex quo igitur in tentum numerum fubinde aucti excrevimus, magis in ulu fuit perjurium & facrilegium, & omnino nos despectui habere coeperunt recte facientes. Et hæc guidem de nothis & supposititiis dicta esse volui. Cæterum ego & peregrina nomina permulta audiens eorum, qui neque degunt apud nos, neque ullo modo possunt esse, admodum, ô Jupiter, propter hæc rideo. Ubi enim gentium est multis modis jactara illa virtus & natura, & fatum, & fortuna? intoleranda & vana rerum vocabula ab inertibus hominibus Philosophiæ titulo semet venditantibus excogitata. Quæ quanquam ipforum commenta funt, fic tamen fimplicium animos perfuaferunt, ut nemo ampliùs nobis sacrificare dignetur, certè persuasum habens, quòd etiamsi infinitas hecatombas nobis obtulerit, fortunam tamen nihilo secus ea facturam, quæ à fatis decreta funt, & quæ fub initium cuique nascentium Parcæ fatalibus fusis adneverint. Perlibenter itaq; te, Jupiter, interrogarem, ubinam gentium tibi visa esset aut virtus, aut natura, aut fatum? Quod enim & tu talia subinde in philosophorum disputacionibus audias, mihi dubium non eft, nifi forEt hoe ad

fortalie quifpiam furdus fis ut cossem vociferantes inaudire nequeas. Multa equidem adhue dicenda supersunt, sed finem verborum faciam. Video, enim quosdam ob dita mea dolenter perturbari, & jam fibilare, maximè verò cos, qui orationis libertatetacti sunt. Itaque pro concludenda oratione, si ità sedet animo mo Jupiter, decretum, quoddam de illis alegam jam conferiprum. J II P. Recita, neque emim omnia absurda aut de nibilo reprehendissi. Et sanè multa ex illis inhibenda, & coercenda sunt, nè in immensum excrescant.

Decretum, Bona Fortuna.

eximplime 9. COncilio legitime concto, septimo. Athenienidûs N. Jupiter Rectorem agebat, Gum Mephifmatum fa- Neptunus Prafidem, Apollo Præfectum, ctum. Sic Momus Scribæ officio fungebatur noctu, enim & a-& Somnus dixit sententiam. Quoniam pad illos a-multi ex peregrinis non Graci tantum, liquoties de verum etiam. Barbari, nequaquam digni peregrinis existentes coelestis Reipublica communi Urba ejici- nobiscum participatione nothi & subdititii, endis in se-haud scio quonam modo etiam Dii esse natu decre-contendentes cœlum compleverunt, ita ut tum legef- symposion tumultuosis turbis plenum sit, que latæ obstrepentibus passim diversis linguis mulfuere, ut titudinis undique accerfitæ. Defecit autem cum alibi, Ambrofiæ & Nectaris copia, adeout mna tum ex ora-jam coemenda sit hemina propter bibentionibus tium multitudineni. Sed enim illi, qua quibusdam sunt procacitate' & immodestia, Diis veris Demosthe- & antiquis loco-motis semetipsi primis dinis patet. gnantur accubitibus præter omnem morem patrium:

patrium: ad hac, in terris quoque ante alios honorari contendunt, vitum est senatui populóque, ut ad hyberna solstitia cogatur in Olympo concilium, septem autem ad cognoscendum appositi eligantur Dii perfecti, tres quidem ex curia veteri quæ Saturno regnante constituta est: quatuor autem ex duodecim, quorum in numero unus erit Jupiter. Cæterum qui electi erunt arbitri, ipfi ad cognoscendum causas sessum erunt, dicto prius juramento legitimo, nimirum Styge. At Mercurius proclamato præconio universos in concionem congreget, quicunque in Deorum concilium legitime admitti postulant. Veniant autem illi adductis juratis testibus, & certi generis indiciis. Deinde illi in unum locum commeent, verum arbitri accurate expendentes, aut Deos illos declarabunt, aut ad sua sepulchra & majorum tumulos ablegabunt. Ei verò quispiam ex obscuris & reprobatis comprehensus fuerit,& semel ab arbitris condemnatus in cœlum ascenderit, ille per præcepsin tartarum corruat. Præterea quisque exerceat sua commercia, neque Minerva rei me dicæ intenta fit, neque Æsculapius dandi s oraculis vacer, aut ferviat, neque Apollo tanta soli fibi obeunda vendicer, sed una re quapiam electa, aut vatem, aut eitharcedum, aut medicum agar. Porrò Philosophis dicetur, nè nova subinde fingendo comminiscantur nomina, neque de iis, quorum imperiti funt, nugentur. In quorumcunque autem honorem, aut cultum templa, aut facra constitute funt, illerum imagines subvertantur; earumque

rumque loco aut Jovis, aut Junonis, aut Apollinis, aut alterius cujuspiam erigatur, illis autem urbs congesta terra sepulchrum accumulet, & aræ loco flatuam reponat. Quod fi quis præconio dicto audiens esse noluerit, arbitrorumque examen & censuram subire recusarit, ille indictà causà condemnetur. Justissimum equidem decretum est istud, O Mome, & qui suffragatur huic, manum protendat. Atqui potius ità fiat, complures enim novi futuros qui fua non funt adjecturi suffragia. Verum in præsens abite. Cæterum in concionem accerfiti à Mercurio venite adferentes unufquisque cognitiones claras, & manifeftas comprobationes, patris & matris nomen, & unde oriundus fit, tum quomodo divinitatem adeptus fit: ad hæc tribum quoq;& curiales. Verum enimvero, qui prasto non suerit, parum curæ erit arbitris, tametsi ille terris ingens delubrum habuerit, ac homines eundem Deum esse existimarint.

## Dialogus 3.

Timon five Mifanthropus.

TIM. O Jupiter Philie & hofpitalis, & fodalitie, & domeflice, & fulgurator, & jusjurandice, & nubicoge, & grandiftrepe, & fi quod aliud tibi cognomen attoniti Poëtæ tribuunt, maxime cùm hærent in versu. Nam tum illis tu multi nominis factus, carminis ruinam fulcis,

cis, metrique exples hiatum. Ubi tibi nunc magnicrepum fulgur, gravifremum tonitru? Ubi ardens, candens ac terrificum fulmen? Nam hæc omnia jam palam apparet nugas esle, fumúmque Poeticum; nec omnino quicquam præter nominum strepitum. Sed decantata illa tua arma eminus ferientia, expromptiq; nescio quomodo penitus extincta funt, frigénto, adeo ut ne minimam quidem scintillulam iracundiæ adversus nocentes reliquam obtinent. Itaque citius quivis ex his, qui pejeraturi funt, extinctum ellychnium metuerit quam flammam fulminis cuncta necantis: adeò titionem quempiam incutere videris eis, ut ignem quidem aut fumum ab illo proficiscentem nihil quicquam formident, verum hoc folum vulneris inferri pole judicent, ut fuligine compleantur. Quibus rebus factum est, ut jam Salmoneus tibi fit ausus etiam obtonare, neque id admodum abs re, quippe adversus Jovem usque adeo frigidum, vir ad facinora fervidus, audaciáque tumidus. Quidni enim faciat, ubi tu perinde, ac sub mandragora stertis, qui neque pejerantes exaudias, neque corum qui flagitia committant, respectum agas? Cæcutis autem lippitudine, & hallucinaris ad ea quæ fiunt, aurésque jam tibi obsurduerunt, instar horum, qui ætate defecti funt. Quandoquidem cum juvenis adhuc esses, acrique animo veheménsque ad iracundiam, permulta in homines maleficos ac violentes faciebas. Neque tum unquam tibi cum illis erant inducia. G.3 -Sed . Sed perpetuò fulmen erat in negotio, perpetuò obvibrabatur ægis, obstridebat tonitru, fulgur continenter jaculorum in morem denfiffime ex edito loco devolantium torquebatur, terræ quaffationes, cribri inflar frequentes, ad hæc nix cumulatim,neque non grando saxorum in morem. Atq; ut ribi molestè disseram, imbrésque rapidi & violenti, ac flumen quotidie exundans. Hinc, tantum repentè Deucalionis ætate naufragium ortum est, ut, omnibus sub aqua demerfis, vix unica scaphula servaretur, quæ in montem Lycorein appulit, humani generis, quafi scintillulas quasdam fervans, unde sceleratius etiam genus in pofterum propagaretur. Nimirum igitur dignum focordia præmium ab illis reportas, cùm jam nec facra faciat tibi quisquam, nec coronas offerat, nifi obiter in Olympicis, ac ità nè is quidem rem admodum frugiferam facere videatur, sed priscum quenda ritum magis referre : ac penè Saturnum, & Deorum generofisime, te reddunt magiffratu abdicantes.

2. Omitto loqui, quoties jam templum tuum facrilegio compilârint, cunt tibi etiam ipfi in Olympiacis manus admoliti funt. Atque interea tu altifremus ille pigritabaris, vel excitare canes vel vicinos advocare, ut auxilio accurrentes illos comprehenderent, adhue adornantes fugam. Sed generofus Gigantúmque extinctor, & Titanum victor fedebas, cum tibi cafaries ab illis circumtonderetur, decem-cubitale fulmen dextra tenenti. Horum igitur, ô præclare, quis tandem erit finis.

finis, quæ tu adeò fecurè despicis. Aut quando de tantis maleficiis poenas sumes? quot Phaethontes aut Deucahones fatis idonei funt ad explandam tam inexhaufram morum iniquitatem! Etenim ut de communibus fileam, de iis quæ mihi aceiderunt dicam, cum tam multos Athenienfes in fublime evexerim, ex pauperrimis divites reddiderim, cunctifque, quotquot opus haberent, suppeditarim, ima feinel universas opes in amicos juvandos effuderim; fimul arque his rebus ad inopiam devenis jam ne agnoscor quidem ab illis, nec aspicere dignantur me, qui dudum reverebantur, adorabant, meoque de mutu pendebant. Quod fi quando per viam ingrediens forte fortuna in corum quempiam incidero, perinde ut eversam hominis jam olim defuncti statuam, ac temporis longitudine collapsam prætereunt, quasi ne nôrint quidem. Alii verò & procul conspecto me aliò in aliam viam deflectunt, existimantes sese inauspicatum abominandumque vituros spectaculum, quem non ità pridem servatorem & adjutorem fuum esse prædicabant. Itaque promentibus malis ad extrema redactus confilia, rhenone arrepto, terram exerceo, quaternis conductus obolis, atque hic cum folitudine, cumque ligone philosophor. Hoc interin lucri mihi videor facturus, quòd posthac non intuebor plerosque præter meritum fecundis fortunæ fucceffibus utentes. Nam illud vel maximè urit. Jam igitur tandem aliquando Saturni Rheæque proles, excusso profundo isto, gravique fommo fomno (nam Epimenidem quoque dormiendo vicifti) denuo jactato fulmine, aut ex Octa redaccenfo, ingenti redditâ flammă iram aliquam strenui illius ac juvenilis Jovis ostende, nisi vera sint quæ à Cretensibus

de te, tuáque sepultura feruntur.

3. JUP. Quis hic eft, Mercuri, fic vociferans ex Attica, ad Hymettum in radice montis, horridus totus, ac squalidus, pelléque amictus : fodit autem, ut arbitror, nam pronus incumbit, homo loquax & confidens, nimirum Philosophus est, neque enim alioqui adeò impia, nesariáque in nos fuerat dictus. Quid aïs pater, an non nôsti Timonem Echecratidis filium Colyttensem? Hic nimirum est, qui nos sæpenumero in sacris legitimis convivio accepit, ille repentè dives factus, ille qui totas hecatombas, apud quem splendide Jovialia festa confuevimus agitare. JUP. Hem quanam ista rerum commutațio? hiccine honestus ille dives quem tam frequentes cingebant amici ? Quid igitur accidit, ut hoc fit habitu squalidus, arumnosus, fossor condu-Airius, uti conjicio, cum tam gravem ligonem gerat? MER. Ad hunc modum illum quodammodo probitas evertit, atq; humanitas & in omnes, quicunque egerent, misericordia. At revera vecordia potiùs facilitáfque, nullúfque in fuscipiendis amicis delectus, quippe qui neutiquam intellexerit, scse corvis lupisque largiri. Quin cum à vulturibus tam multis mifero jecur eroderetur, amicos esse eos, & socios judicabat, quafi benevolentia erga fefe sele afficerentur, cum illos epulæ magis caperent. Ergo posteaquam ossa penitus nudâffent, circumrofiffentque : deinde fi qua medulla fuberat, hanc quoque admodum diligenter exfuxissent, anfugerunt, exfuccum & radicitùs defectum destituentes, adeò ur postea nè agnoscant quidem, aut aspiciant, tantum abest, ut fint qui suppeditent, vicissimque impertiant. Has ob res folfor, & fago, ut vides, opertus pelliceo urbem præ pudore fugiens, mercede terram exercet, adversus ingratos atrà bile stomachatur, qui quidem ipfius benignitate ditati, adıncdum fastuose nunc prætereant, ac ne nomen quidem, an Timon vocetur, noverint. JUP. Arque profecto vir neutiquam fastidiendus, aut negligendus est, & jure optimo indignatur, qui iis tantis in malis agat. Quare sceleratos istos, adulatores ipfi quoque fuerimus imitati, fi cum virum neglexerimus, qui tor tauros, & capras pinguissimas nobis in aris adoleverit, quarum nidor etiamdum mihi in naribus refidet. Caterum propier negoria & turbam maximam pejerantium, tum vi, non jure agentium, neque non aliena rapientium, præterea ob formidinem quam mihi pariunt facrilegi, (quorum quidem cum multi funt, tum observatu difficiles, adeò ut ne minimum quidem nos connivere finant ) longo jam ad Atticam regionem oculos non converti tempore, maxime posteaquam philosophia & de verbis digladiationes = apud istos increbuerunt, ità ut pugnan-G 5 tibus -

ribus i nter fe iftis veciferantibulque nee? audire quidem mortalium vota liceat. Un de mihi necessum est, aut auribus obturatis sedere, aut dirumpi ab eis conficiques qui virturem quandam, & incorporea quadam, merásque nugas ingenti vociferatione connectunt. Hac in causa suerunt, ut func quoque neglexerim, cum haud mediocriter de nobis sit meritus. Quod reliquum est. Mercuri, tu, assumpto Pluto celeriter ad iftum abeas. Porrò Plutus una fecum ducat & Thefaurum, & utrique apad Timonem perseverent, neque adeò facile demigrent, etiamfi quam maxime illos præ bonitate rurfum ex ædibus exegerit. Cæterum de palponibus illis, atque ingratitudine quâ in hunc funt ufi, in posterum consultabo, pœnásque daturi sunt, fimul atque fulmen inftauravero. Nam facti funt in eo retufà cuspide duo è radiis maximi, cum nuper avidiùs in fobhiftam Anaxagoram jacularer, qui fuis familiaribus fuadebat, nullo pacto esse ullos nos, qui Dii vocaremur. Ac illum quidem errore non feriebain, propterea quod Pericles obtenta manu cum protexerit. Cærerum fulmen in Castoris ac Pollucis templum detortum tum illud exuffit, tum ipfum parum abfuit, quin ad faxum comminueretur. Quanquam interim vel id supplicii satis magnum in istos fuerit, si Timonem conspexerint egregie locupletem factum.

4. M E R. Quantum habet momenti altının vociferari, & obstreperum audazémque esse ? Idque non iis modo qui

caufas

ab

causas agunt, verum etiam qui vota saciunt conducibile. En mox è pauperrimo dives evaferit Timon, qui se imprecando clamofum & improbum præstiterit, Jovémque reddiderit attentum. Si vero filentio fodiffet nutans, etiam nunc foderet neglectus. P L U. At ego Jupiter haudquaquam ad iftum rediturus fum. JUP. Quid ità non rediturus, optime Plute, præsertim à me jussus ? PLU. Quoniam, per lovem, injurià me affecit ejiciens, & in multa stagmenta dissecans, idque cum illi paternus esem amicus, ac me, penè dixeram, furca ex adibus expulit, nec aliter quam ii, qui è manibus ignem abitciunt. Num rursus ad issum ibo, parasitis & adulatoribus & fcortis donandus? Ad cos me mitte, o Jupiter, qui munus intellecturi fint, qui amplexuri, quibus equidem in pretio fim, & majorem in modum exoptatus. At hi stupidi cum inopia commercium habeant, quam nobis anteponune, ut ab ea accepto fago pelliceo, ligonéque, fat habeant, cum quatuor lucrantur obolos, decem talenta contemptim dono dare foliti. JUP. Nihil istiusmodi posthac in te facturus est Timon, quippe quein ligo abunde fatis corripterit, nifi prorfus nullum dolorem sentiunt illius ilia, te videlicet potius praoptandum quam inopiam. At tu mihi querulus admodum videris elie, qui nune Timonem incufes, quod ribi patefactis foribus libere permiferit vagari, neque includens, neque zelotypus in te. Porro alias diversa de caula in divites Romachabare, cum diceres te

ab illis repagulis, clavis ac fignorum objectaculis impressis ità fuisse conclusum, ut nè prospicere quidem in lucem tibi liceret. Id igitur apud me deplorabas, affirmans præfocari te nimiis tenebris, eóque pallidus nobis videbaris,& curis confectus, digitis etiamnum ex affiduo colligendi. coacervandique ulu contractis, contortifque: quod fi quando daretur opportunitas, aufugiturum quoque ab illis te minitabare. In fumma, rem fupra modum acerbam judicabas in areo ferreóve thalamo, Danaës exemplo, virginem affervari, atque à scelestissimis educari prædagogis fœnore & computatione. Proinde abfurdè facere aïebas quòd te præter modum adamarent, neque cum liceret frui auderent, neque cum ipsis esset in amore suo securè uterentur, fed vigiles observarent, ad fignum ac seram oculis nunquam conniventibus, , neque usquam dimotis semper intuentes, abundè magnum fructum arbitrantes, non quod ipfis fruendi facultas adeffet, fed quod nemini fruendi copiam facerent, non aliter quam in præsepi canis, nec iple vescens hordeis, nec equum famelicum id facere finens. Quinetiam ridebas istos, qui parcerent, & asservarent, & ( quod effet absurdiffimum) etsi quidem sibi subtraherent, vererenturque contingere, non intelligerent autem fore, ut fceleratiffimus famulus, aut dispensator, aut liberorum pædagogus furtim subiret, ludibrio habiturus infelicem & inamabilem herum, quem postea finat ad obscuram,

& oris angusti lucernulam, ac sinculofum ellychniolum usuris invigilare. Annon igitur iniquum, cum hæc quondam incusaveris, nunc in Timone diversa his criminari?

3. PLU. Atqui fi rem verè perpenderis, utrumque me jure facere judicabis. Nam & Timonis ista nimia lenitas, negligentia potius, haud benevolentia, studiumque quod ad me pertinet, meritò videatur. At è diverso, qui me offiis ac tenebris inclusum servabant, id agentes, quo scilicet crassior, saginatiórque, ac nimia mole turgidus evaderem, cum interim neque ipfi contingerent, neque in lucem producerent, nè vel aspicerer à quopiam; hos dementes, & contumeliofos in me judicabam, quippe qui me nihil commeritum tot in vinculis cogerent fitu cariéque putrefacere, haud intelligentes, quò mox demigrent, me alii cuipiam, cui fortuna faverit, relicturi. Neque hos igitur probo, neque illos, qui nimium facile mihi manus adınovent, sed qui ( quod est optimum ) mediocritate utuntur, uti nec prorfus abstineant nec penitus profundant. Etenim per Jovem illud confidera , Jupiter, fiquis ubi juvenem & formosam uxorem lege duxerit, postea neque observet, neque omnino zelotypia prosequatur, concedens illi ut noctu atque interdiu eat quò velit, & rem cum quibullibet habeat, vel potius ultro producat ut adulteretur, fores aperiens, prostituens, & ownes ad eam invitans, num hic amare videbitur? profecto hoc tu nequaquam dices, Jupiter, qui sapenumero amorem

amorem fenferis. Rurfum fiquis ingenuam lege domum deducat, acceptam ad fiberorum legitimorum procreationem: caterum nec ipie contingat florentem atate, decorámque virginem, nec eam ab alio aspici sinat, sed inclusam, orbam, sterilémque in perpetua virginitate contineat, ac interim fe amore teneri dicat, & hunc præ se ferat colore, corpore exhausto,refugis oculis, num ficri potest, uttalis quifpiam defipere non videatur, quippe qui, cum liberis oportuerit operam dare, fruique conjugio, puellam adeò formolam atque amabilem finat emarcescere per omnem vitam, tanquam Cercri facerdotem alens: Quare & iple fape indignor, cum à nonnullis ignominiose cardor calcibus, laniorque, atque exhaurior, à nonnullis contrà perinde ac stigmaticus fugitivus compedibus vincior. J U P I-TER. Quid igitur indignaris contraillos? quandoquidem utrinque pœnas egregias luunt : alteri quidem dum Tantali in morem, neque bibere finuntur, neque edere, sed ore sicco duntaxat inhiant auro : alteri verò dum illis ceu Phyneo cibos Harpvæ ipfis è faucibus eripiunt. Séd abi jam, Timone multo posthac usurus cordatiore. PLU. An ille aliquando definet me ceu foraminoso cophino, priusquam omninò inflexerim, datà operà exhaurire, quafi conetur occupate, quò minus influam, veritus ne fi copiolus infundar, ipsum undis obruam? Quo fit, ut in Danaidum dolium aquam mihi videar allaturus, frustráque infusurus, vase non

eontinente liquorem, imò prius propemodum effuso quod influit quàm influxerit. Adeò latus dolii hiatus ad effusionem, ac liber exitus. J U P. Perinde ni hiatum istum obturaverit, perpetuámque persillationem sistere siuduerit, te propediem effuso, facilè inveniet sagum rursus & ligonem in face dolii? sed interim abite, atque illum divitem reddite. At tu, Mercuri, sac memineris, ut rediens Cyclopas ex Ætna tecum adducas, quò sulmen cuspide restituta resarciant. Nam eo nobis

acuminato opus fuerit.

6. MER. Eamus Plute. Quid hoc? Num claudicas? Equidem ignorabam, & præclarè, te non cæcum modò, verum etiam claudum effe. PLU. Atqui non hoc mihi perpetuum, Mercuri, verum fi quando proficifcor à Jove missus ad quempiam, tum nescio quo pacto tardus sum, & utroque claudus pede, ità ut agrè ad metam pertingere queam, sene nonnunquam interim facto, qui me operibatur. cum discedendum est, alatum videbis multo avibus celeriorem. Unde fit, ut vix jam amoto repagulo, ego jam præconis voce victor pronuncier, saltu stadium transmensus, ne videntibus quidem aliquoties spectatoribus. MER. At ifta quidem haud vera narras, imò ego tibi permultos commemorare queam, quibus heri nè obolus quidem erat, quo restim emerent, statim verò hodie divites & sumpruofi in albo curru aurigantes, quibus antè nè asellus quidem suppeditarit. Ii tamen purpurati, aurúmque manibus ge, flantes,

stantes obambulant. Qui ne ipfi quidem, opinor, credere possunt, quin per somnium divites fint. P L U. Isthac alia res est, Mercuri, neque enim tum meis ipfius ingredior pedibus, nec à Jove, sed à Dite ad iftos transmittor, qui & ipse nimirum opum largitor est, ac magna donans: id quod ipso etiam nomine declarat. Itaque, quoties est mihi ab alio ad alium demigrandum, in tabellas injiciunt me, ac diligenter obfignantes farcina in morem sublatum transportant. Interea defunctus ille alicubi in ædium tenebricosa parte jacet, vetere linteo in genua injecto tectus, de quo feles digladiantur. Porrò qui me speraverant obtinere, in foro opperiuntur hiantes, non aliter, quam hirundinem advolantem stridentes pulli. Deinde ubi fignum detractum est, & lineus ille funiculus incifus, apertæque tabellæ, jamque novus dominus pronunciatus est, five cognatus quispiam, five adulator, five fervulus obscœnus, qui puerili obsequio savorem meruerit, etiam tum mento fubrafo, pro variis on nigenifque voluptatibus quas ipfi jam obsoletus suppediravit servus, ingens scilicet pramium ferens generolus quisquis ille tandem suerit, nonnunquam me ipsis cum tabellis arreptum, fugiens adportat commutato nomine, ut qui modo Pyrrhias, aut Dromo, aut Tibius, jam Megacles, aut Megabyzus, aut Protarchus appelletur. Caterum illos nequicquam hiantes, feque mutuum intuentes relinquit; ac rerum luctum agentes, quod cjus-

ejulmodi thynnus ex intimo fagena finu sit elapsus, qui non parum magnam escam devoravit. At hic repentè totus in me irruens, homo vitæ mundioris, arque elegantioris rudis, pingui, illotâque cute, qui compedes etiamdum horrescit, & fi quis præteriens loro increpet, arrectis stat auribus, quique pristinum, perinde uti templum adoret, non est deinceps tolerandus iis, quibuscum vivit, verum & ingenuos afficit contumelià, & conservos flagris cædit, experiens num & fibi hujufmodi liceant, donec aut in scortulum illapsus, aut equorum alendorum studio captus, aut adulatoribus sese permittens, dejerantibus Nireo formofiorem esle, Cecrope Codróve generofiorem, callidiorem Ulysse, unum autem vel sedecim pariter Crœsis opulentiorem, momento temporis femel profundat infelix, quam minutatim multis ex perjuriis, rapinis, flagitiis, fuerant collecta.

MER. Ista fermè sie se habent, uti narras: verùm ubi tuis ipsius ingrederis pedibus, qui tandem cœcus cùm sis, viam invenire soles? Aut qui dignoscis, ad quosnam Jupiter te miserit, dignos illi visos
qui divitiis abundent? P.L.U. Eninwero
credis me reperire istos ad quos mittor?
M.E.R. Per Jovem haudquaquam. Neque enim alioqui Aristide præterito, ad
Hipponicum & Calliam accesssies, cum
ad alios Athenienses, homines nè obolo
quidem æstimandos. Cæterum quid facis,
quandoquidem es emissus? P.L. U. Sursum ac deorsum circuincursansoberro, do-

nec imprudens in quempiam incurrero, Hic autem, quisquis ille fit, qui forte primus me nactus fit, abducit, ac pollidet, te, Mercuri, pro lucro præter spem subjecto venerans arque adorans. MER. Num ergo fallitur Jupiter, qui quidem credat exipfius animi fententia, ditari abs te hos,quos ille dignos existimarit, qui ditescerent? PLU. Et jure quidem optimo fallitur, & bone, quippe qui cum me cœcum esse non ignoret, emittar vestigatum rem-usque adeò repertu difficilem, & jam olim è vita sublatam, quam ne Lynceus quidem facilè inveniret quæ nimirum adeo obscura sit ac minuta. Iraque cum rari fint boni, improbi porrò in civitatibus omnia obtineant, oberrans facile in hujufmodi mortales incurro, ac retibus illorum illigor. MER. At qui fit, ut quoties cos deseris, celeriter aufugias, cum viæ sis ignarus? PLU. Tum demum acutum cerno, pedibusque valeo, ubi ad fugam tempus invitat.

8.MER. Jam illud quoq; mihi responde, qui fit, ut cum sis oculis captus (dicendum enim est) præterea pallidus, & cruribus gravis, postremo Claudus, tam multos habeas amantes, adeò ut omnes respiciant in te, & si potiantur, selices videantur; sin frustrentur, non sustineant vivere? Ex his equidem non paucos novi, qui sic perditè te amarint, ut se aerio scopulo piscosi in æquoris alta præcipites abjecerint, rati sastinis ses te propterea quòd illos nullo pacto respexisses. Quanquam sat scio, tu quoque sateberis, si quo modo tibi notus

tur

es, furere istos qui ejusmodi amore Funt dementati. P L U. At enim credis me, qualis fum, talem istis videri, nempe claudum aut cœcum, aut fi quid aliud adest mihi vitii? M E R. Quid ni, ô Plute? nisi forte & ipsi omnes cœci sunt. P L U. Haud cœci quidem, ô optime, verùm inscitia errórque, quæ nunc occupant omnia, illis offundunt teneb:as:ad hæc ipfe quoque ne per omnia deformis fim, persona vehementer amabili tectus inaurată, gemmisque picturată, ac versicoloribus amictus, eis occurro: illi ratisefe nativi vultûs venustarem aspicere, amore capiuntur, & percunt non potientes. Quod fi quis me toto corpore renudatum illis ostenderit, dubio procul futurum sit, ut se ipfi damnent qui tantopere cœcutierint, adamantes res neutiquam amandas ac fœdas. MER. Quid ergò posteaquam cò perventum est, ut jam divites evaserint, jámque personam fibi circumposuerint, rurfum fallluntur? Adeò ut si quis illis detrahere conetur, penè caput potius, quam personam abjiciant: Neque enim verifimile est etiani tum illos ignorare, sucatam effe formam, com intus cuncta inspexerint. P L U. Ad id non parum multæ res, ô Mercuri, mihi funt adjumento. M E R. Quanam? PLU. Simulatque qui me primum nactus est, apertis foribus exceperit clanculum, una mecum introit elatio, vecordia, jactantia, mollities, violentia, dolus, atque alia item innumerabilia: à quibus omnibus posteaquam est animis occupatus, jam admiratur quæ neutiquam funt admiranda, & appetit ea quæ funt fugienda, & me cunctorum illorum patrem ingressorum malorum stupuit, illorum satellitio vallatum, quidvis potius passurus, quam uti me compellatur

rejicere.

9. M E R. Ut levis ac lubricus es Pluto, retentu difficilis ac fugax, neque ullam præbens ansam certam quò prensus teneare, sed nescio quomodo anguillarum ac ferpentum in morem inter digitos elaberis. At è diverso paupertas viscosa; prensu facilis, totóque corpore mille uncos gerit hamos, ut qui tetigerint, illico hæreant, nè facilè queant avelli. Verùm interea dum nugamur, rem haud parvam omisimus. P L U. Quam? MER. Nempe quia Thefaurum non adduximus, quo vel imprimis erat opus. PLU. Isthac quidem ex parte bono sis animo. Nam non nifi in terra relicto illo ad vos ascendere foleo, justoque intus manere foribus occlusis, neque cuiquam aperire, nisi me vociferantem audierit. MER. Jam igitur Atticam adeamus. Et me sequere chlamydi adhærens, donec extremam viam attigerimus. P LU. Recte facis, Mercuri, cum me per viam ducis. Etenim fi me desereres, forsan oberrans in Hyperbolum aut Cleonem inciderem. Sed quis hic stridor ceu ferri saxo impacti? MER. Timon hic est, qui proxime montanum & petricosum sodit solum. Papæ, adest & Paupertas, & Labor ille, tum Robur, Sapientia, Fortitudo, atque id genus aliorum turba, quorum omnium agmen fames cogic

cogit, longè præstantius quam tui sint satellites. P. L. U. Quin igitur quam ocyssimè discedimus, Mercuri? Neque enim ullum operæ-pretium secreitus cum homine ejusmodi vallato exercitu. M E R. Secus visum est Jovi, quare ne metu deterreamur.

10. PAU. Quo hunc nunc Argicida, manu abducis? M E R. Ad hunc Timonem, ad quem à Jove sumus ire jussi. P A U. Itane rurfum Plutus ad Timonem? Posteaquam ipsum ego malè habentem ob delicias suscepi commendans, quòd sapientiæ, labori, strenuum, multique pretii virum reddidi? Adeóne despicienda, injuriæque idonea vobis Paupertas judicor, ut hunc quæ mihi unica erat possessio, eripiatis, iam exactiffimâ curâ ad virtuteni excultum, ut Plutus hic ubi denuò susceperit per contumeliam & arrogantiam, illi manu injecta, talem reddiderit qualis erat dudum mollem & ignavum ac vecordem rurfum mihi restituatur, ubi jam nihili factus erit & rejiculus? MER. Sic, ô Paupertas, Jovi placitum est. PA U. Equidem abeo: At vos Labor & Sapientia, reliquique consequimini me. Porro hic brevi cognoscet, qualis in se suerim, quam nunc relinquet, nempe adjutrix bona, & rerum optimarum doctrix, quâcum donec habuit commercium, sano corpore, valentique animo perseveravit, virilem exigens vitam, & ad fele respiciens, supervacua autem & vulgaria ista aliena, ità ut sunt, existimans. MER. Discedunt illi, nos ad eum adeamus.

TIM.

11. TIM. Quinam estis, ô scelesti? Aut quid volentes huc venistis homini operario mercenarióque negotium exhibituri? verum haudquaquam læti abibitis, scelesti ut estis omnes; nam ego vos illico glebis & faxis petitos comminuam. MER. Nequaquam, & Timon, ne ferito, neque enim feris mortales, verum ego fum Mercurius, hic Plutus. Mifit nos Jupiter, votis tuis exauditis. Quare quod benè vertat, opes accipe, defistens à laboribus. TIM. Atqui vos jam ploraveritis, etiamfi Dii fitis, ut dicitis. Siquidem odi pariter onnes tum Deos tum homines. Sed hunc cœcum, quisquis hic fuerit, mihi certum est ligone impacto comminuere. PLU. Abeamus per Jovem, Mercuri, quandoquidem hic homo mihi videtur non mediocriter infanire; nè malo quopiam accepto discedam. MER. Nèquod ferociter Timon, quin exue potius penitus istam ferocitatem, asperitatémque, ac manibus obviis excipe bonam fortunam, rurfum dives, esto rurfum Atheniensium princeps, & despice ingratos istos solus iple feliciter agens. T I M. Nihil mihi vobis est opus, ne obturbate, sat opum mihi ligo, præterea fortunatissimus sum, fi nemo propiùs ad me accesserit. MER. Adeóne, quafo, inhumaniter ? Hec ego Seva Jovi refero atque immania dicta: Atqui par erat forfitan homines tibi haberi invisos, ut qui tam multa indigna in te commissiont, Deos te prosequi nequaquam erat consentaneum, cum illi tantopere tui curam agant. TIM. At tibi Mercuri, Toyique

Jovique quod me respicis; plurimum eguldem habeo gratiam, cæterům hunc Plutum nequaquam recepero. MER. Quid ita? TIM. Quoniam pridem innumerabilium malorum hic mihi fuit au- Divitiara tor, cum me affentatoribus proderet, infi- mala. diatores in me invitaret, conflaret odium, illecebris corrumperer, invidiæ obnoxium redderet, denique cum me adeò perfidè ac Pauperta. proditoriè destitueret. Contra, paupertas tis bona. optima, me laboribus viro digniffimis exercens, mécuaque verè & libere convivens, & quæ opus erant, suppeditavit laboranti, & vulgaria ista contemnere docuit, effecitque ut mihi vitæ spes omnis ex me ipso penderet, demonstrans quænam essent opes veræ meæ, nempe quas neque adulator assentans, neque sycophanta minitans, neque plebs irritata, neque concionator fuffragiorum autor, neque tyrannus intentus infidis queat eripere. Itaque jam validus effectus ob laborem, dum hunc agellum graviter exerceo, neque quicquam corum quæ funt in civitate malorum aspicio, abunde magnum & sufficientem victum mihi ligo suppeditat. Quare tu, Mercuri quam venisti viam remetiens, recurre, una tecum Plutum adducens ad Jovem. Illud mihi fatfuerlt, fi effecerit, ut omnes mortales ab ineunte ætate ejulent. MER. Nequaquam, ô bone, neque enim omnes ad ejulandum funt commodi. Quin tu iracunda pueriliáque ista missa face, ac Plutum excipe, non funt rejicienda munera quæ à Jove proficiscuntur. P L U. Vin' Timon, ut contra te partes defendam meas

an graviter feres fi quid dixero ? TIM. Diciro, ne multis tamen, neque cum proœmiis, quemadmodum perditissimi isti folent Oratores. Sustinebo enim te hujus Mercurii gratia paucis dicentem. PLU. Atqui multis mihi potiùs erat dicendum tot nominibus abs te accusato. Attamen vide, num quâ in re te, quemad modum aïs, læserim, qui quidem dulcissimarum quarumcunque rerum tibi extiterim autor, opiféxque, autoritatis, primarii loci, coronarum, aliarum item voluptatum : mea operà conspicuus eras, celebris & observandus. Cæterùm fi quid molesti ab adulatoribus accidit, non mihi potes imputare, quin iple magis abs te sum affectus contumelia, propterea quod me tam ignominiosè viris illis execrandis suppeditàris, qui tè mirabantur, ac præstigiis dementabant, milique modis omnibus infidias struebant. Porrò quod extremo loco dixifti, te à me proditum, desertumque fuisse, istud criminis in te possum retorquere: cum ipse fim modis omnibus à te rejectus, præcépfque exactus ex ædibus. Unde pro molli chlamyde fagum pellicul istud charissima tibi paupertas circumpoluit. Itaque testis est mihi hic Mercurius, quantopere Jovem oraverim,ne ad te venirem, adeò hostiliter mihi adversatum. M E R. At nunc vides. Plute, in cujufinodi hominem fit commutatus. Proinde audacter cum illo consuetudinem junge. Tu verò fode ità ut facis, Tu interim thefaurum fub ligonem adducito. Audiet enim fi tu accerfiveris.

23. Parendum est, Mercuri, rursulque ditescendum. Quid enim facias cum dii compellant? tamen vide, in quas turbas me miserum conjicias, qui quidem cum ad hunc usq; diem felicissime vixerim,tantum auri repente fum accepturus, nihil commeritus mali, tantúmque curarum fuscepturus. M E R: Sustine Timon, mea gratia, tametfi grave est ifthuc, atque intolerandum, quo videlicet palpones illi præ invidià rumpantur. Ego porrò superatà Ætnå in cœlum revolavero. P L U. Abiit ille quidem, ficut apparet, nam ex alarum remigio facio conjecturam. Tu vero hic operire, figuidem digressus Thesaurum ad te transmittam, sed feri fortiùs, tibi loquor auri Thefaure, Timoni huic audiens esto, offérque temet eruendum. Fode, Timon, altiùs impingens. Caterum ego à vobis digredior.

14. TIM. Age jam, 8 ligo, nunc mihi tuas vires explica, neque defatigare dum ex abdito Thefaurum in apertum evocâris. Hem prodigiorum autor Jupiter, amici Corybantes, ac lucrifer Mercuri, undenam auri tantum? Num somnium hoc est? Metuo nè carbones reperturus fim experrectus. Atqui aurum profecto est infigne, fulvum, grave, & aipe-Au multo jucundissimum. Pulcherrima Aurum faustitas mortalibus. Quippe quod ignis in morem ardes, noctéfque & dies renides. Ades,ô mihi chariffimum & desideratissimum. Nunc demum credo vel Jovem ipsum olim aurum esse factum. Etenim quæ tandem virgo non exporrecto

finu alque adeò formofum amatorem excipiat, per tegulas elapíum? ô Mida, Crœfeque ac munera Delphico in templo dicata, ut nihil eratis fi cum Timone, cumque Timonis opibus conferamini, cui nè Perfarum quidem Rex par est. O ligo, sagum chariffimum, vos quidem Pani huic reponere commodum. At ego quùm maximè semotum mercatus agrum, curriculáque servandi auri gratia conctructa uni mihi affatim vixero, sepulchrum item inibi mihi defuncto, parare est sententia. Hæc igitur decreta funto, placitáque in reliquum vitæ, sejunctio, ignorantia, sastidium erga mortales omnes. Porrò amicus, hospes, sodalis, aut ara misericordia meræ nugæ. Tum commiserari lacrymantem, suppeditare egentibus, iniquitas ac morum subversio: at vita solitaria mihi sit, qualis est lupis: unus fibi amicus Timon, cæteri omnes hostes, & insidiarum machinatores. Cùm horum quopiam congredi, piaculum, adeò ut fi quem aspexero duntaxat, inauspicatus sit ille dies. In summa, non alio nobis habeantur loco quam figna faxea, æreáve, neque fæcialem ab illis missum recipiamus, neque fœdera feriamus. Solitudo terminus esto. Caterùm tribules, cognati, populares, postremò patria ipía, frigida quædam & sterilia nomina, & infipientium virorum pretia: folus Timon dives esto, despiciat omnes, solus ipse secum oblecterur, liber ab assentationibus, & onerosis laudibus. Diis facra faciat, epuletur folus, fibi ipfi vicinus, fibi particeps, excutiens fefe ab aliis.

aliis. At femel decretum efto, ut unus feplum comiter accipiat, fi moriendum fit, aut necesse habeat sibi ipsi coronam admovere, Nullumque nomen fit dulcius quàm Milanthrópi, id est, hominum osoris. Morum autem notæ, difficultas, asperitas, feritas, iracundia, inhumanitas. Quod fi quem conspexero incendio conflagrantem, obtestantem quò restinguam, pice oleóque restinguere : rursum fi quem flumen undis abstulerit, isque manus porrigens implorer, ut retineatur, hunc quoque demerso propellere,nè possit emergere, hunc admodum par pari relaturus est. Hanc legem Timon tulit Echecratides Colyttensis, & concionis subscripfit suffragiis idem ille Timon. Age hac decreta sunto, & pro virili immoremus eis.

15. Caterum magno emerim, ut id omnibus innotescat, quod opibus abundo, nam illa res illos prafocaverit. Sed quid illud? Hem quæ trepidatio? undiquè concurrent, pulverulenti atque anheli, haud scio, unde aurum odorati. Utrum igitur hoc conscenso colle saxis eos abigam è sublimi dejaculans, an hâc tantum in relegem violabimus, ut semel cum illis congrediamur, ut magis angantur, fastiditi repulfique ? Ità fatius elle duco. Itaque subfiftamus, quò illos excipiamus. Agè prospiciam, primus eorum iste quis est? Nempe Gnatonides adulator, qui mihi nuper cœnam petenti funem porrexit, cum apud me sæpenumero solida dolia vomuerit. Sed benè est quod ad me venit, nam primus omnium vapulabit. GNA. An-H 2 non

non dixi Timonem virum bonum non neglecturos effe Deos? Salve Timon, formoliffime, jucundiffime, convivator bellissime! TIM. Scilicet & tu Gnathonides, vulturum omnium voracissime, & hominum perditiflime ! G N A. Semper tibi grata dicacitas. Sed ubi compotamus ? Nam novam tibi adfero cantilenam, ex his, quos nuper didici, dithyrambis, TIM. Atqui elegos canes admodum miserabiles ab hoc doctus ligone. G NA. Quid ifthuc? feris, ô Timon? Atteftor; 8 Hercules , hei, hei! in jus te voco apud Arcopagitas, qui vulnus dederis. T I M. Atqui si cunctare paulisper, mox cædis me reum ages. G N A. Nequaquam, quin tu plane vulneri medere, paululo auri insperso. Mirum enim in modum sanguinem fistet hoc remedium. TIM. Etiam manes ? G N A. Abeo. At tibi male fit, qui quidem ex viro commodo tam fævus factus fis.

recalvafter ille? Philiades, affentatorum omnium tlagitiofiffimus. Hic cum à me folidum acceperit fundum, tum filiæ in dotem talenta duo, laudationis præmium, chm me canentem reliquis filentibus omnibus folus majorem in modum extulifet, dejerant me vel oloribus magis canorum, ubi ægrotantem antea vidit me, & aderam oraturus ut mei curam ageret, plagas etiam egregius ille vir impegit. P H I. O impudentiam! nunc demum Timonem agnofeitis? nunc Gnathonides amicus & conviva? enimvero habet ille digna

digna fe, quandoquidem immemor est atque ingratus, At nos qui jam olim convictores fumus, æquales ac populares, tamen modeste agimus, ne insilire videamur. Salve here, fac ut istos adulatores facrilegos observes, qui nusquam adfunt nisi in mensa, præterea à corvis nihil differunt. Neque posthac hujus ætatismortalium ulli fidendum est. Omnes ingrati & sceiesti. At ego cùm tibi talentum adducerem, quo posses ad ea quæ velles uti, in via accepi, te fummas quafdam opes esse nactum. Proinde accessi his de rebus admoniturus te, quanquam tibi forfitan mè monitore nihilerat opus, viro nimirum adeo prudenti, ut Nestori ipsi, si necesse est, confilium dare queas. TIM. Ità fiet. Philiades; sed age, accede quo te ligone comiter accipiam. PHI. Homines! confregit cranium hic ingratus, propterea quod eum ca quæ in rem illius erant, admonui.

17. TIM. Ecce tertius huc orator Demeas se recipit, tabulas dextrà gestans, aitque se mihi cognatum esse. Hic una die de meo sedecim talenta civitati dependit, nam damnatus erat, ac vinctus. At cum folvendo non effet, ego mifertus illum redemi. Porrò cum illi forte obveniffet, ut Erechtheidi tribui distribueret ararium, atque ego adiens id quod ad me redibat, poscerem, negabat se civem nôsse D E M. Salve, Timon, pracipuum generis tui præsidium, sulcimentum Athenienfium, propugnaculum Gracia. Profecto jamdudum te populus frequens, H 3 80

nt utraque curia opperitur. Sed prius decretum audi quod de te conscripsi. Quandoquidem Timon Echecratida filius, Colyttenfis, vir non modò probus & integer, verum etiam fapiens, quantum alius in Gracia nemo, nunquam per omnem vitam destitit optime de Republica mereri, vicit autem in Olympicis pugil & lucta cursugue die eodem, ad hac solenni quadriga, equestrique certamine. TIM. At ego nè spectator quidem unquam in Olympicis fedi. DEM. Quid tum? spectabis posthac, sed ista communia addi fatius eft. Turn anno superiore apud Acharnenses pro Republica fortissimè se geffit, & Peloponnenfium duas acies con-TIM. Quâ ratione ; Quippe qui nec unquam arma gesserim, peque unquam militiæ dederim nomen. D E M. Modeste equidem de teipso loqueris, nos tamen ingrati futuri fumus, nifi meminesimus. Praterea scribendis plebiscitis, & in consultationibus, & in administrandis bellis non mediocrem utilitatem attulie Reipublicæ. His de caufis omnibus vifum est curia, pleoi, magistratibus tributim, plebi fingulatim, communiter univerfis, aureum statuere Timonem juxta Palladem in arce, fulmen dextrâ tenentem, radiis tempora ambientibus, utque feptem aureis coronis coronetur, & promulgari ecronas hodie Dionyfiis tragodiis novis. Agi cnim per eum oportet hodie Dionyfia. Dixit hoc fuffragium Demeas. orator, propterea quod cognatus illius propinquus ac discipulus ejus fit. Nam &: orator

orator optimus Timon; præterea quiequid voluerit. Hoc igitur tibi suffragium. Sed utinam & filium meum, ad te pariter adduxissem quem tuo nomine Timonem ap4 pellavi. TIM. Quà potes, Demea, cum ne uxorem quidem duxeris unquam, quantum nobis scire licuit? D E M. At ducam, novo incunte anno, fi Deus permiferit, quodque erit natum ( erit autem ma(culus) Timonem nuncupabo. TIM. Aut uxorem tu fis ducturus equidem haud ício, tanta à me plaga acceptà. D E M. Hei mihi! Quid hoc reiest? Tyrannidem Timon occupas, pulsasque eos qui sunt ingenti, ipse nec ingenuus plane, nec civis? verum propediem pænas daturus, cum aliis nomibus, tum quòd incenderis arcem. T I M. Arqui non conflagravit arx sceleste. Proinde apertè calumniaris. DE M. Sed & dives es, posticum (arcis Atheniensis) perfodiens. TIM. Neque hoc perfofium est, unde nè hæc quidem probabiliter abs te dicuntur. DEM. Verum effodietur posthac, sed tu interim omnia quæ in ea condita, possides. TIM. Alteram itaque plagam accipe. D E M. Hei scapulis meis. T IM. Nè vociferare, alioqui & tertiam tibi illidam. Etenim res planè ridicula mihi acciderit, fi cum inermis duas Lacedamoniorum acies fuderim unum scelestum hominem non protrivero. Tum frustrà vicerim in Olympicis, & pugil & palæstrites.

18. Sed quid hoc? an non philosoplus Thrafycles lie eft? Profesto ipfus

est, promissa barba, erectisque superciliis, & magnum quoddam fecum murmurans accedit, Titanicum obtuens, cæfariem per fcapulas fluentem ventilans, alter quidam Boreas aut Triton, quales eos Zeuxis depinxit. Hic fedarum oris habitum præ se ferens, incessu moderatus, amicu modeflus, manè mirum quam multa de virtute disferit, dannans eos qui voluptate capiuntur, & frugalitatem laudans, at ubi lotus devenit ad cœnam, puérque ingentem illi calicem porrexit (meraciore autem maxime gaudet) perinde ut Lethes aquam ebibens, à dilucularis illis disputationibus diversissima quæ sunt exhibet, dum milvi instar præripit obsonia, & proximum cubito opposito arcens, mento interim condimentis oppleto, dum canum ritu ingurgitat, prono incumbens corpore, perinde atque in patinis virtutem inventurum sese speret, dumque usque adeò diligenter catinos extergit indice digito, ut nè panlulum quidem reliquiarum finat adharere, nunquam non querulus, tanguam deteriorem partem acceperit, vel fi totam placentam, aut fuem folus omnium accipiat, qui quidem edacitatis & infatiabilitaris est fructus, temulentus, vinóque baccharus, non ad cantum modò, faltationémque, verum ad convicium usque & iracundiam. Ad hæc multus inter pocula fermo ( tum enim vel maximè ) de temperantia, sobrietatéque: atqui ista quidem loquitur, cum jam à mero male affectus & balbutit ridiculé. Deinde accedit vomirus. Postremo sublatum cum de convi-VIO

vio efferunt aliqui ambabus manibus tibicinæ inhærentem, quanquam alioqui nè fobrius quidem ulli primariorum cefferit vel mendacio vel confidentia, vel avaritia. Quin inter affentatores primas tenet, pejerat promptissime, anteit impostura, comitatur impudencia. In fumma, prorfus ad nirandum quoddam spectaculum est omni ex parte exactum, variéque abfolutum, proinde non ejulabit clariùs videlicet, cum fit modeftus. Quid hoc? papæ, tandem nobis Thrafycles? THR. Non hoc animo ad te venio, Timon, quo plerique isti, qui nimirum opes admirati tuas, argenti, auri, opiparorum conviviorum adducti spe concurrunt, multique assentatione deliniunt te, hommem videlicet fimplicem, faciléque impartientem id quod adest. Siquidem haud ignoras offam mihi in cœnam sufficientem esse, tum obsonium suavissimum, cepam aut nasturtium, aut fi quando delicier, pufillum falis. Porro potum fons Athenis novem faliens venis suppeditat. Tum pallium hoc quavis purpura potius. Nam aurum nihilo magis apud me in precio est qu'im calculi qui sunt in littoribus. Sed tua ipsius gratia huc me contuli, ut nè te subverteret pellima ista atque insidiosissima res, opulentia, quippe que multis sepenumero tramedicabilium malorum extiterit caufa. Etenim fi me audies, poriffimum opes universas in mare pracipitabis, utpote quibas mini be opus bono viro, quique Philosophic posfit opes perspicere. Nè tamen in altum,ô bone, scd-ferme ad pubein usque ingressus H 5

paulo ultra folum fluctibus opertum, me quidem uno spectante. Quod si hoc non vis, tute igitur cas potiore via ex adibus ejicito, ac nè obolum quidem tibi facias reliquum, videlicet largiens iis, quicunque opus habent : huic quinque drachmas, illi minam, alii talentum. Si verò quis philosophus fuerit, duplam aut triplam portionem ferre dignus est. Quanquam hoc quidem mihi non mea ipfis gratia peto, sed quo amicis, si qui egebunt, donem, sat est si modò peram hanc largitione tua expleveris, nè duos quidem modios Ægineticos capientem. Nam paucis contentum, modestumque convenit esse eum qui philofophatur, neque quicquam ultra peram T I M. Equidem ista quæ cogitare. dicis probo, Thrasycles, ergò si videtur, priusquam peram expleam, agè tibi caput opplebo tuberibus, posteaquam ligone fum menfus. T H R. O libertas, o leges, pulsamur ab impurissimo libera in civitate? TIM. Quid stomacharis, ô bone Thrafycles? num te defraudavi? Atqui adjiciam ultra menfuram Chænices quatuor? fed quid hoc negotii? Complures fimul adveniunt, Blepfias ille, & Laches, & Gniphon, breviter agmen corum qui vapulabunt. Itaque quin ego in rupem hanc conscendo, ac ligonem quidem paulisper interquiescere fino, dudum fatigatum? Ipse verò plurimis congestis saxis, procul eos lapidum grandine pero. BLE. Ne jace, ô Timon, abimus enim. TIM. At vos quidem nec citra fanguinem, nec absque vulnerious.

Dialogus

#### Dialogus 4. Judicium Vocalium.

Mperante Aristarcho Phalereo, septima Octobris, actionem instituit Sigma adversus Tau, constitutis judicibus septem Vocalibus, de vi & rapina, spoliari se dicens omnibus illis vocibus, qua duplici Tau proferri solent.

LIActenus quidem, & Judices Vocales, non admodum gravi injurià adfectes ab hoc Tau, quod meis rebus abutebatur, & inde auferebat, unde minime conveniebar, quod quidem damnum non graviter tuli, nonnulla etiam quæ dicebantur, audivisse me dissimulabam propter modestiam, quam vos ipfi nôstis me servare, cùm erga vos, tùm erga alias fyllabas. Postquam verò ad tantam avaritiam & amentiam pervenit, ur non modò non fit contentus iis, quæ ego sæpè dissimulavi, verùm jam majorem vim inferat, ipfa me neceffitas cogit, ut accusem apud vos qui utramque nostrûm novistis. Non autem exiguus metus propter istam miseriam me invafit. Nam cum prioribus injuriis majores femper addat, prorfus me è domestica fede expellit, ita ut pirum jam abfit, dum ego ista distimulo, quin nè inter literas quidem amplius numerer, & in fimili quddam verser metu. Est itaque æquum non modò vos judices, fed onnes etiam reliquas literas hujus doli curam gerere. Nam fi, ut liber unicuique, licebite fuo ordine in altum violenter irrumpere, idque vos, fine quibus nihil omnino icribitur, permiieritis.

feritis, non video quomodo fua quique or dines jura, juxta que à principio constituti funt tuebuntur. Sed non existimo vos unquam ad tantam incuriam vel negligentiam perventuros, ut ea feratis quæ cum æquo & jure pugnant. Et ut vos certamen omiseritis, tamen mihi qui injuria affectus sum, negligendum non erit. Atque utinam aliarum quoque literarum audacia ab initio statim, cum coeperunt concra leges delinquere, esset repressa; neque enim litigaret ad hunc usque diem Aaul du cum Pa disceptans voce momers [ id est pumex ] & xeoahanjia [i. e. capitis dolor.] Neque etiam Tauna cum Kanna certamen haberet, neg; tam fæpe ad manus propè venissent in fullonia pro voce yvazana. Quin cessasset etiam hoc Tauna cum Λάμβθα contendere, dictionem Mozes Fi. e. agrè Tilli furripiens, imò fuffurans. Adeoque reliquæ literæ quievissent sediziones movere contra leges. Est enim pulchrum unamquamq; literam in eo ordine, quem primum fortita est, manere: transcendere verò eò quo non oportet, ejus est qui jus & æquum folvit. Et qui primus vobis has leges finxit & formavit, five Cadmus fuerit ille infularis, five Palamedes Nauplii filius, quanquam nonnulli hane prudentiam Simonidi tribuant, non ordinem tantum per quem sua quibusque literis præfidentiæ dignitas firmiter permanet, definierunt, videlicet, quæ debear esse prima, quæ secunda, sed qualitates eriam & virtutes quas habent constituerunt. Et nos quidem, ô judices, honore affece-

runt,

runt, præcipue, propterea, quod vestroMarre potestis sonum efficere. Semivocales verò secundo loco dignari sunt, cò quod fine vestro accessu exaudiri nequeunt. Ex omnibus etiam literis quibusdam omnium postremum locum decreverunt, Mutis scilicet & voce carentibus. Has itaque leges per vos Vocales conservari decet. Hoc verò Tau (nequeenim poffum ipium turpiori nomine appellare, quàm quo nominari solet) per Deos nifi dua qua dam bonæ ex vobis, & aspectu decenti, "Axoc scilicet & T Judo, se illi conjunxissent, ne audiretur quidem solum. Hoc, inquam, mihi majorem vim quam ullæ unquam literæ inferre aufum est. Nam nominibus & verbis patriis me extrudere, præterea ex ipfis etiani Conjunctionibus, & Præpofitionibus expellere tentat, adeo ut istam immodicam avarittam porrò ferre nequeam. Verum jam tempus est dicere, unde & à quibus res initium sumpserit.

2. Peregrinabar aliquando in Cybelo (id oppidulum non est injucundum) colona, sicari sertur, Atheniensium, adducebam vero mecum sortissimum Põe ex vicinis meis optimum. Divertebam vero ad Comicum quendam poëtam, huic nomen erat Lysimachus, & à majoribus quantum apparebat, genere erat Bœotius, sed tamen de se dici volebat quod in media Attica natus esset. Apud hune hospitem ego hujus Taŭ avaritiam deprehendi. Equidem cum hactenus paucis quibusdam manus intulistet dicendo resta epizorte [i. e. quadi aginta] privans me meis cognatis, exituna intulistet dicendo resta epizorte [i. e. quadi aginta] privans me meis cognatis, exituna

istimabam cam esse consuctudinem literarum, quæ una mecum essent educatæ. Præterea cum musegy, [ i. e. bodie ] & fimiles quasdam voces mihi detraxisset.dicerétque cas esse suas, audiebam patienter, nec vehementer admodum me ea res mor-Verum cum ab eis initium fumpfit, atque postea usum esset etiam dicere ханітерог [ i. e. stannum ] & ханима i. e. veteramentariam plagulam ] & minay i. e. picem deinceps abjecto omni pudore Baoixifiau [ i. c. reginant ] quoque nominare, haud leviter fum commotus, & irâ accensus, timens nè quis temporis successu etiam ouxa, [ i. e. ficus. ] was appellet. Ora autem vos per lovem, ut mihi indignanti, & justa ira commoto, praterea omni ope & auxilio destituto, ignoscatis. Neque enim parvum hoc aut leve est periculum, in quo versor, cum præterquam quod affuetis & familiaribus literis me spoliavit, etiam ziavy, [i. e. picam ] avem meam loquaciffimam ex medio finu, ut dici solet, abreptam xiffar appellavit. Quin & colaray i. e palumoum ] una cum vhastis [i. c. anatibus, ] & nowigois, [i. e. mirulis, labstulerat, interdicente Aristarcho. Eripuit etiam non paucas apes. In Atticam verò veniens ex media illa regione Hymattum præter jus rapuir, idque vobis ipfis & aliis quibusdam syllabis videntibus. Verùm quid ego ista commemora, cùm me totà Thessalia expulerit, velitque eam Thettaliam dicere? denique me omni Suraw [ i.e. mari ] exclusit. Neg; σεύτλοις ipfis [ i.e. Betis hortenfibus ] pepercit, ut

nt jam, quod dici solet, ne πάασαλος [i.e. pedamentum,] mihi relinqueret. Quod verò litera sim, quæ nulli nocere studeam, vos ipsimet mihi testes istis; neque enim unquam accusavi literam Ζῦτα, quæ mihi soμά εραγοδον abstudit, & totam σμύρναν surripuit: nec ipso etiam Ξῦ, omnia socdera & pasta rumpenti litera intendi, ipse etiam Thucydide opem illi serente. Etenim vicino meo Ρῶ venia danda quod morbo adicctum sit, & meas apud se μυρρίνας, [i.e. mytas] plantārit, & aliquando arrā bile percitum mihi colaphum δτὶ χόρξης [i.e. in maxillam,] illiserit, & talis qui-

dem litera fum ego.

3. Hoc verò Taŭ quam fit natura violentum adversus reliquas omnes literas, & quam à nullis omnino abstinuerit, confideremus. Sci-& AEATH, & Onta, & Znra ipsum, & propè omnia literarum elementa injurià affecit. Accerse mihi elementa ab isto injuriam passa. Audite Vocales Judices, iplum AEA Ta dicere, surripuit mihi meam everxxxxxxx pro qua vult dici er-TEXEX day, quod fane contrarium est omnibus legibus! Audite vociferari Ofita, & capiti capillos evellere, cò quòd κολοκών Sm i. e. cucurbita fibi fit adempta. Audite etia ipsum Zna vocibus overcor [ i. e. fiftula carere | & ouxalesy [ i. e. tuba canere ] spoliatum esse adeo, ut no yeug u quidem, [ i.e. matire ] illi porro liceat! quis ifta, quaso, ferat? aut quæ pæna satis magna erit tam scelesto? Verum hoc non tantum cognatum fibi elementorum genus ladit, fed jam ad homines etiam iifdem moribus

se contulit. Neque enim permittit, ut recta ferantur linguis. Imo vero, Judices, interim enim res humanæ rurfusme admoverunt 2260ms [i.e. lingue, ] nam expulfum me hac quoque parte y No way facit γλώπαν. Θ revera linguæ perniciosus morbus Tav. Verum rurfum me conferam ad illud quod coeperam, atque homines defendam in iis in quibus adversus eos delinguit. Nam conatur illorum voces quibuldam vinculis conftringere & discerpere, ità ut fi quis pulchrum quidpiam videns, idque raxòr appellare velif, hoc Tau, statim irruens 70 xov, ipsum dicere cogit, adeo cupit in omnibus prafidentiam obtinere. Rurium alius dicit meet nxhualo, [ i.e. de palmite, ] hoc vero, ( estenim revera Thinuor, id est, miserum, TAnua facit, quod erat Rangua. Et quidem non plebeios tantum homines injuria afficit, sed etiam magno illi regi, cui fama & ipfam terram, & mare ceffitfe, arque naturas suas reliquisse insidias tendit, & ex ipio cum' xue fit zueav quendam efficit. Atque in hunc modum vocem hominum lædit.Quomodo verò re ipià & opere cosdem ladat, audite: plorant homines atque fux fortunx vices deflent, atque ipsum sæpè Cadmum execrantur, quod Tao in literarum genus induxerit: Aiunt enim Tyrannos ejus literæ corpus lecutos, atque figuram imitatos, postea fimili figura ligna fabricasse, in quibus homines suspendant. Atque ex hoc huic tam perniciofæ fabricæ peifimun nomen obvenifie. Propter ista omnia

quet

quot mortibus ipsum Tav dignum esse judicatis? Ego quidem existimo meritò hoc solum ad supplicium illius Tav relinqui, ut pœnam in sua illa figura sustineat, propterea quòd crux ab ipso fabricata est, & ab eo nomen illi homines imposuerunt.

FINIS.

# I N D E X Dialogorum Luciani. Ex Libro primo.

Diai.	rag.
1 Crelopis & Neptuni. 2 Menelai & Protei.	1
2 Menelai & Protei.	3
3 Neptuni & Delphinum.	
4 Neptuni & Nereidum.	4
3 Xanthi & Maris.	7
6 Fovis, Alculapii, & Herculis.	8
7 Martis & Mercurii.	9
8 Diogenis & Pollucis.	11
9 Pluto, feu contra Menippum.	13
10 Menippi, Amphilochi, & Trophonii.	15
1.1 Mercurii & Charontis.	16
12 Plutonis & Mercurii.	17
13 Terpsionis & Plutonie.	19
14 Zenophanta & Callidemida.	21
15 Cnemonis & Damnippi.	23
16 Charontis & Mercurii.	24
17 Cratetis & Diogenis.	30
18 Alexandri, Annibalis, Minois, &	
pionis.	22
19 Diogenis & Alexandri.	37
20 Alexandri & Philippi.	40
21 Achillis & Antilochi.	43
22 Menippi & Tantali.	45
23 Menippi & Laci.	45
24 Menipoi & Cerberi.	49
25 Charontis & Manippi.	51
26 Diogenis & Maufoli.	52
	Natel,



### п и м а =

## Τῶν Λεκιανέ Διαλόρων.

## Έν τώ σεώτη βιβλίη.

Διάλ.	Σελίς.
ά· ΚΥ΄ κλωπ & κ) Ποσειδών . β΄. Μενελάκ κ) Πρωτέοις.	á.
B'. Meveras z Mportos.	2'.
γ. Ποσειδων Ο κ Δελφίνων.	N'.
A'. Hooredwy & Nupniday.	é.
έ. Ξάνθε κ Θαλάωνις.	5.
5. Dios, ATHAMME, & HEGHA	iss. 5'.
C. "Agews ny Epus.	27-
il. Diojeves no Moduddines.	θ'.
6. Haston, n x7 Merians.	, 1d.
ί. Μενίππε, 'Αμφιλόχε, κ' Τροφω	18.17:
id. Egins z Xugan .	19.
18. TINE TON G & Eque.	14.
17. Tep View O & TIX 8 TWO .	15.
ιδ. Ζυμοφάντε η Καλλιδημίδε.	an.
ιε. Κνήμων Ο κ Δαμνίππε.	X.a
15' X 2901 @ 2 E 2 128.	. ×.
13. Keary & Diegenes.	win-
in. 'Anstandpe, 'Avvise, Mive	00, 19
Eximov G.	κζ.
10. Diogloss x Anstavope.	Na.
κ'. 'Αλεξάνδρε κ' Φιλίππε.	72.
κά Αγλλέως κ Ανπλόχε.	22.
κγ'· Μενίππε κ Αιτκέ.	29%
nd. Merians & Kegsegs.	uá.
xi. Xigov O z Militau.	u3'.
κς. Διογύκς κ Μαυσώλε.	· usi'.
	Nigras,
	2.

#### HINAZ. u. Nigews, Ospoite x Meviate. us. un. Mevinas z Xeigav . M5'0 xo'. Diogloss, 'Arndires, i Kean-10. μζ. - A'. Aiwi @ x Ayau wor . va. 'Ad. Miva G x Eusette. vB'. AB'. Merenn G, n Nexuouarleia. vol'. λγ'. Χάρων, η 'Επισκοπώντες. ξή. Έν το δάξερω βιβλίω. d. Thee To Erunvis, itte Bio V8-RIGIE. πζ'. B'. Θεών Έκκλησία. 74. y'. Timer, n Mirarlewa D. 57' d'. Dien quenerrors SKA. 10 zuszu

William Gentler

well should